THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 171 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) अश्विन कृ.10 2082 मंगलवार, 16 सितंबर-2025

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ※ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

मणिपुर में फिर बढ़ा तनाव : चुराचांदपुर में कुकी नेता के घर में लगाई गई आग

चुराचांदपुर/इंफाल, 15 सितंबर (एजेंसियां)। मणिपुर के चुराचांदपुर जिले में हिंसा भड़क गई जब एक कुकी समुदाय के बड़े नेता का घर भीड़ ने कथित तौर पर आग के हवाले कर दिया। घटना के बाद पूरे इलाके में तनाव फैल गया है। अधिकारियों के मुताबिक, कुकी नेशनल ऑर्गनाइजेशन (केएनओ) के नेता कैल्विन ऐकेंथांग का घर रविवार देर रात जला दिया गया।

वहीं, कुछ स्थानीय लोगों का कहना है कि यह आग शॉर्ट सर्किट की वजह से लगी और इसमें किसी हमले का हाथ नहीं है। इसी दौरान, एक और कुकी नेता गिंजा वुआलजोंग के घर को भी निशाना बनाया गया।

हजारीबाग में मुठभेड़ 3 इनामी नक्सली ढेर

एक करोड़ का इनामी सहदेव सोरेन भी मारा गया

हजारीबाग, 15 सितंबर (एजेंसियां)। हजारीबाग जिले में पुलिस और नक्सलियों के बीच सोमवार को बड़ी मुठभेड़ हुई। गोरहर थाना क्षेत्र के पाती पिरी जंगल में हुई इस मुठभेड़ में तीन कुख्यात नक्सली मारे गए।

इनमें नक्सली संगठन की केंद्रीय समिति का सदस्य सहदेव सोरेन उर्फ परवेश भी शामिल है, जिस पर एक करोड़ रुपये का इनाम घोषित था। लंबे समय से सुरक्षा एजेंसियां इसकी तलाश में थीं। मुठभेड़ में कोबरा 209 और हजारीबाग पुलिस की संयुक्त टीम ने भाग लिया। पुलिस और नक्सलियों के बीच चली इस मुठभेड़ में दो जवान भी घायल हुए हैं। ये अजय भौमिक 209 कोबरा बटालियन के सिपाही और सुब्रतो विश्वास कोबरा के जवान हैं।

बीड़ी से राज्य की तुलना की : पीएम मोदी

> आरजेडी-कांग्रेस से बिहार के सम्मान-पहचान को खतरा

> नीतीश ने कहा-खड़े होकर प्रधानमंत्री को प्रणाम कीजिए

पूर्णिया, 15 सितंबर (एजेंसियां)। पीएम नरेंद्र मोदी ने सोमवार यानी 15 सितंबर को बिहार के लिए 40 हजार करोड़ के प्रोजेक्ट शुरू किए। उन्होंने पूर्णिया एयरपोर्ट के नए टर्मिनल भवन का उद्घाटन किया।

एयरपोर्ट के बाद पूर्णिया के एसएसबी ग्राउंड में प्रधानमंत्री ने सभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा- कांग्रेस और राजद से बिहार के सम्मान के साथ पहचान को भी खतरा है। ये लोग बिहार की तुलना बीड़ी से करते हैं। एसआईआर का जिक्र किए बिना पीएम ने कहा- राजद और कांग्रेस घुसपैठियों को बचाने के लिए यात्राएं निकाल रही हैं। प्रदर्शन कर रही हैं, लेकिन घुसपैठियों पर ताला लगाना एनडीए की पक्की जिम्मेदारी है। बिना नाम लिए राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा, जो मेरे पहले यहां के चक्कर काटकर गए, उन्हें मखाना का नाम भी नहीं पता होगा। वे मंच तक खुली गाड़ी

से लोगों का अभिवादन करते हुए पहुंचे। इस दौरान उनके साथ सीएम नीतीश कुमार और डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी भी थे। इससे पहले नीतीश कुमार का संबोधन हुआ। उन्होंने सभा में मौजूद लोगों से पीएम को खड़े होकर प्रणाम करने को कहा। मुख्यमंत्री के कहने पर लोग खड़े हुए और उन्हें प्रणाम किया।

पीएम मोदी की बड़ी बातें....

> एसआईआर पर विपक्ष को घेरा : कांग्रेस और राजद से न सिर्फ बिहार के सम्मान को खतरा है। बिहार की पहचान को भी खतरा है। वोट बैंक का स्वार्थ है कि कांग्रेस और राजद के लोग घुसपैठियों को बचाने में लगे हैं। नारे लगा रहे हैं। यात्राएं निकाल रहे हैं। ये बिहार के संसाधन और सुरक्षा दोनों को दांव पर लगाना चाहते हैं।

> जंगलराज की याद दिलाई : कांग्रेस और राजद बीते 2 दशकों से सत्ता से बाहर है। इसमें अहम भूमिका बिहार माताओं-बहनों की है। राजद के राज में हत्या, बलात्कार होते थे। हमारी सरकार में वही महिलाएं लखपति दीदी और ड्रोन दीदी बन रही हैं।

> परिवारवाद पर निशाना साधा : कांग्रेस और राजद को सिर्फ अपने परिवार की चिंता करते हैं। मोदी के लिए आप सब ही मोदी का परिवार हैं, इसलिए मोदी कहता है।

पूरे वक्फ कानून पर रोक नहीं, 3 बदलावों पर स्टे

सेंट्रल वक्फ बोर्ड में 4 और राज्य में 3 से ज्यादा गैर-मुस्लिम मेंबर बनाने पर रोक

नई दिल्ली, 15 सितंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने वक्फ संशोधन कानून पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। हालांकि कोर्ट ने सोमवार को कानून में किए गए 3 बड़े बदलावों पर अंतिम फैसला आने तक स्टे लगा दिया। इनमें वक्फ बोर्ड में गैर-मुस्लिम सदस्यों की नियुक्ति का नियम शामिल है।

सीजेआई बीआर गवई और जस्टिस अगस्टीन जॉर्ज मसीह की बेंच ने कहा कि केंद्रीय वक्फ बोर्ड में गैर-मुस्लिम मेंबर्स की संख्या 4 और राज्यों के वक्फ बोर्ड में 3 से ज्यादा न हो। सरकारें कोशिश करें कि बोर्ड में नियुक्त किए जाने वाले सरकारी मेंबर्स भी मुस्लिम कम्युनिटी

से ही हों। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में दाखिल 5 याचिकाओं पर 20 से 22 मई तक लगातार 3 दिन सुनवाई की थी। 22 मई को फैसला सुरक्षित रख लिया था।

वक्फ बोर्ड में गैर-मुस्लिम

वक्फ बोर्डों में गैर-मुस्लिमों की भागीदारी पर सुप्रीम कोर्ट ने प्रावधानों पर रोक तो नहीं लगाई, लेकिन कुछ सीमाएं तय कीं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि केंद्रीय वक्फ बोर्ड में (20 में से) अधिकतम 4 और राज्य वक्फ बोर्ड में (11 में से) अधिकतम 3 गैर-मुस्लिम सदस्य ही रख सकते हैं। पहले इसमें अधिकतम सीमा तय नहीं थी।

सीईओ की नियुक्ति :

राज्य बोर्ड में सेक्शन 23 सीईओ की नियुक्ति) को बरकरार रखते हुए कोर्ट ने कहा कि जहां तक संभव हो, सीईओ (जो बोर्ड का पदेन सचिव भी होता है।

सुप्रीम कोर्ट ने वनतारा को क्लीनचिट दी

कहा-जानवरों की खरीद-बिक्री कानूनी, हथिनी की शिफ्टिंग से शुरू हुआ था विवाद

नई दिल्ली, 15 सितंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि जामनगर स्थित वनतारा वाइल्डलाइफ रेस्क्यू एंड रिहैबिलिटेशन सेंटर में जानवरों की खरीद-बिक्री नियमों के दायरे में हुई है। इस सेंटर को अंबानी परिवार का रिलायंस फाउंडेशन चलाता है।

कोर्ट ने कहा कि विशेष जांच दल (एसआईटी) की रिपोर्ट में कोई गड़बड़ी नहीं मिली है। जस्टिस पंकज मित्तल और जस्टिस पीबी वराले की बेंच ने कहा, अब इस मामले को बार-बार उठाने की इजाजत नहीं दी जाएगी। स्वतंत्र समिति ने जांच की है और हम उसी पर भरोसा करेंगे। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने 26 अगस्त को 2 पब्लिक इंटरेस्ट पिटीशन (पीआईएल) पर एसआईटी बनाने का आदेश दिया था। एक वकील सीआर जया सुकीन और दूसरी याचिका देव शर्मा ने जुलाई में कोल्हापुर के मंदिर से हाथी 'माधुरी' को वनतारा में ले जाने के विवाद के बाद दायर की थी। वनतारा के वकील हरीश साल्वे ने सुप्रीम कोर्ट में कहा कि जांच रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं की जानी चाहिए। उनका तर्क था कि अगर रिपोर्ट बाहर आई तो न्यूयॉर्क टाइम्स जैसे अखबार उसका केवल कुछ हिस्सा छापकर गलत नैरेटिव बना देंगे। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं होगी।

4 सदस्यीय एसआईटी का नेतृत्व पूर्व जज जस्टिस जे. चेलमेश्वर ने किया था और टीम में जस्टिस राघवेंद्र चौहान (पूर्व चीफ जस्टिस, उत्तराखंड व तेलंगाना हाईकोर्ट), पूर्व मुंबई पुलिस कमिश्नर हेमंत नागराले और कस्टम्स अधिकारी अनिश गुप्ता शामिल थे। एसआईटी ने 12 सितंबर को रिपोर्ट सौंप दी थी।

'कोई भी गड़बड़ी मिली तो पूरी प्रक्रिया रद्द कर दी जाएगी'

नई दिल्ली, 15 सितंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने बिहार में एसआईआर प्रक्रिया की वैधता पर अंतिम दलीलें सुनने के लिए 7 अक्टूबर की तारीख तय की है। कोर्ट ने कहा कि हम मानते हैं कि एक संवैधानिक संस्था भारत निर्वाचन आयोग बिहार एसआईआर प्रक्रिया में कानून और अनिवार्य नियमों का पालन कर रहा है। अगर हमें बिहार एसआईआर के किसी भी चरण में भारत निर्वाचन आयोग की ओर से अपनाई गई कार्यप्रणाली में कोई अवैधता मिलती है, तो पूरी प्रक्रिया रद्द कर दी जाएगी। कोर्ट ने यह भी कहा कि बिहार एसआईआर पर टुकड़ों में राय नहीं दी जा सकती, अंतिम फैसला पूरे भारत के लिए लागू होगा।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ ने मतदाता पुनरीक्षण प्रक्रिया के खिलाफ मामले की सुनवाई करते हुए कहा कि वह यह मानकर चल रही है कि एक संवैधानिक प्राधिकारी होने के नाते चुनाव आयोग ने एसआईआर के संचालन में कानून और अनिवार्य नियमों का

पालन किया है। इसके अलावा शीर्ष अदालत ने इस मुद्दे पर कोई भी विस्तृत राय देने से इनकार कर दिया, जिससे यह स्पष्ट हो गया कि उसके अंतिम फैसले का एसआईआर प्रक्रिया पर अखिल भारतीय प्रभाव पड़ेगा।

देश भर में प्रक्रिया करने से नहीं रोक सकते :

पीठ ने स्पष्ट किया कि वह चुनाव आयोग को देश भर में मतदाता सूची के पुनरीक्षण के लिए इसी तरह की प्रक्रिया करने से नहीं रोक सकती। हालांकि, पीठ ने बिहार एसआईआर प्रक्रिया के खिलाफ याचिकाकर्ताओं को 7 अक्टूबर को अखिल भारतीय एसआईआर पर भी बहस करने की अनुमति दे दी।

एक अन्य याचिका पर नोटिस :

इस बीच शीर्ष अदालत ने 8 सितंबर के उस आदेश को वापस लेने की मांग वाली एक याचिका पर नोटिस जारी किया, जिसमें चुनाव आयोग को बिहार एसआईआर में आधार कार्ड को 12वें निर्धारित दस्तावेज के रूप में शामिल करने का निर्देश दिया गया था।

8 सितंबर को सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया था कि आधार नागरिकता का प्रमाण नहीं होगा और निर्वाचन आयोग मतदाता सूची में नाम शामिल करने के लिए मतदाता की ओर से प्रस्तुत किए जाने पर इसकी वास्तविकता का पता लगा सकता है।

पूजा खेडकर की मां मनोरमा पर एफआईआर

पुलिस के काम में बाधा डालने का आरोप; घर से बरामद हुआ था अपहृत ट्रक ड्राइवर

मुंबई, 15 सितंबर (एजेंसियां)। पुणे सिटी पुलिस ने पूर्व आईएएस प्रशिक्षु अधिकारी पूजा खेडकर की मां मनोरमा खेडकर के खिलाफ चतुरश्रृंगी पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया है।

उन पर भारतीय दंड संहिता की धारा 221, 238 और 263 के तहत मामला दर्ज किया गया है। यह मामला नवी मुंबई में हुए एक रोड रेज से जुड़ा है, जहां दो अज्ञात व्यक्तियों ने कथित तौर पर एक ट्रक चालक के सहायक का अपहरण कर लिया और उसे मनोरमा खेडकर के घर ले आए। वहीं इस मामले की जांच के दौरान, नवी मुंबई पुलिस ने उस स्थान का पता लगाया और मनोरमा खेडकर के घर पहुंची। हालांकि, जब पुलिस टीम ने अंदर घुसने की कोशिश की, तो मनोरमा खेडकर ने कथित तौर पर उन्हें अंदर नहीं जाने दिया और आरोपियों को भागने में मदद करने की कोशिश की।

क्या है पूरा मामला?

पुलिस के मुताबिक, यह घटना शनिवार शाम मुलुंड-ऐरोली रोड पर हुई। जहां प्रहलाद कुमार नाम का एक ड्राइवर कंक्रीट मिक्सर ट्रक चला रहा था, तभी उसका ट्रक एक एसयूवी से हल्का सा टकरा गया। इसके बाद एसयूवी सवार दो लोगों से उसकी बहस हो गई। थोड़ी देर बाद दोनों युवकों ने खुद को पुलिसकर्मी बताकर प्रहलाद को अपनी एसयूवी में बैठाया और वहां से फरार हो गए।

रविवार को ट्रक मालिक की शिकायत पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 137(2) (किडनैपिंग) के तहत मामला दर्ज किया गया। जांच में पता चला कि एसयूवी को पुणे की तरफ गई है। मामले की जांच के आधार पर पुलिस पुणे पहुंची और एसयूवी को ट्रेस कर लिया। इसके ट्रक ड्राइवर को पूजा खेडकर के बंगले से बरामद किया गया।

पूजा खेडकर की मां पर आरोप

जब पुलिस मौके पर पहुंची तो पूजा खेडकर की मां ने उन्हें घर में घुसने से रोकने की कोशिश की और उनसे बहस की। बाद में पुलिस किसी तरह घर में दाखिल हुई और ड्राइवर प्रहलाद को सुरक्षित बाहर निकाला। इस मामले में अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। फिलहाल पुलिस ने अगवा करने वाले दोनों युवकों की पहचान और घटना के पीछे की वजह तलाश रही है।

कौन हैं पूजा खेडकर?

पूजा खेडकर पर ओबीसी और दिव्यांग कोटा का गलत तरीके से फायदा उठाकर यूपीएससी परीक्षा पास करने का आरोप है। यूपीएससी ने उनके खिलाफ कई कदम उठाए हैं, जिनमें क्रिमिनल केस दर्ज करना भी शामिल है। वहीं दिल्ली पुलिस ने भी उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। हालांकि पूजा खेडकर ने सभी आरोपों को नकारा है।

महिला कार ड्राइवर गिरफ्तार

वित्त मंत्रालय के अधिकारी को कुचलने वाली गगनदीप करेगी खुलासा

नई दिल्ली, 15 सितंबर (एजेंसियां)। दिल्ली कैंट के धौलाकुआं इलाके में रविवार दोपहर बीएमडब्ल्यू कार की चपेट में आकर मृत भारत सरकार के वित्त मंत्रालय में कार्यरत उप सचिव नवजोत सिंह के मामले में पुलिस ने कार चला रही महिला गगनदीप कौर को गिरफ्तार कर लिया है। हादसे में गुरुग्राम हरियाणा निवासी गगनदीप और उसके पति परीक्षित मक्कड़ भी कार के पलटने से घायल हो गए थे। अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस आरोपी महिला से पूछताछ कर हादसे की वजहों के बारे में जानकारी हासिल करेगी।

क्या है पूरा मामला दक्षिण पश्चिम जिला पुलिस के उपायुक्त अमित गोयल ने बताया कि पुलिस को रविवार दोपहर एक बजे धौला कुंआ पर हादसे की सूचना मिली। दिल्ली कैंट थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने वहां एक बीएमडब्ल्यू कार सड़क पर तिरछी खड़ी देखी और एक बाइक मेट्रो पिलर संख्या 67 के पास सड़क के डिवाइडर के पास क्षतिग्रस्त हालत में खड़ी थी।

मौके पर पहुंची पुलिस को प्रत्यदर्शियों ने बताया कि बीएमडब्ल्यू कार एक महिला चला रही थी, जिसने बाइक को टक्कर मार दी। बाइक पर वित्त मंत्रालय में उप सचिव नवजोत सिंह अपनी पत्नी संदीप कौर के साथ जा रहे थे। हादसे के बाद दोनों घायल हो गए। गुरुग्राम निवासी आरोपी महिला गगनप्रीत कौर और उसके पति परीक्षित कैब से घायल नवजोत सिंह और उनकी पत्नी को आसपास के अस्पताल के बजाय 22 किलोमीटर दूर जीटीबी नगर स्थित न्यू लाइफ अस्पताल ले गए।

हिट एंड रन मामले में पुलिस अधिकारी को गिरफ्तार करने की तैयारी

हादसे में बुजुर्ग की गई थी जान

तिरुवनंतपुरम, 15 सितंबर (एजेंसियां)। केरल पुलिस ने वाहन से टक्कर मारकर एक बुजुर्ग की जान लेने वाले पुलिस अधिकारी के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू कर दी है। 7 सितंबर को किलिमानूर इलाके में पुलिस अधिकारी ने अपनी कार से एक बुजुर्ग को टक्कर मारकर उनकी जान ले ली थी और मौके से फरार हो गए थे। आरोपी अधिकारी प्रसाला पुलिस स्टेशन में एसएचओ हैं। अधिकारियों ने बताया कि तिरुवनंतपुरम ग्रामीण पुलिस प्रमुख ने एक आंतरिक जांच की और एसएचओ पी. अनिल कुमार के खिलाफ तिरुवनंतपुरम रेंज के उप महानिरीक्षक (डीआईजी) को एक रिपोर्ट सौंपी, जिन्होंने इसे आगे अनुशासनात्मक कार्रवाई के लिए दक्षिण क्षेत्र के महानिरीक्षक (आईजी) को भेज दिया।

निलंबित कर गिरफ्तार किया जाएगा

पुलिस सूत्रों ने बताया कि आंतरिक जांच और दुर्घटना की पुलिस जांच के तहत आरोपी एसएचओ पी. अनिल कुमार को निलंबित किया जाएगा। कुमार, जो एक मामले की जांच के सिलसिले में बंगलूरू में थे, सोमवार को तिरुवनंतपुरम लौट आए। उच्च अधिकारियों से मंज़ूरी मिलने के बाद किलिमानूर पुलिस उन्हें तलब करेगी और औपचारिक रूप से गिरफ्तार करेगी। एफआईआर के अनुसार, 7 सितंबर को सुबह 4 से 6 बजे के बीच, किलिमानूर के पास इरट्टाचिरा इलाके में एक नीली मारुति ऑल्टो कार ने 59 वर्षीय राजन को टक्कर मार दी।

दिल्ली-हरियाणा समेत पूरे एनसीआर में गैंगस्टर्स के 25 ठिकानों पर छापा

रेड में 380 पुलिसकर्मी

नई दिल्ली, 15 सितंबर (एजेंसियां)। दिल्ली और हरियाणा समेत पूरे एनसीआर में गैंगस्टर्स व उनके गुर्गों के 25 ठिकानों पर दिल्ली पुलिस ने सुबह से छापेमारी शुरू की। 25 टीमों के साथ 380 पुलिसकर्मियों ने सर्च ऑपरेशन चलाया है। जानकारी के लिए बता दें कि कई लग्जरी कार जैसे मर्सडीज, ऑडी कार बरामद हुई है। वहीं भारी मात्रा में कैश बरामद हुआ है। पुलिस रेड के दौरान कुछ महंगी लग्जरी घड़ियां और 40 लाख से ज्यादा कैश भी बरामद हुआ है। पुलिस को रेड के दौरान कुछ हथियार भी मिले हैं।

हाईकोर्ट ने खारिज की बानू मुश्ताक को मैसूर दशहरा उद्घाटन से रोकने वाली याचिकाएं

विपक्ष को झटका

बंगलूरू, 15 सितंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक हाईकोर्ट ने सोमवार को उन याचिकाओं को खारिज कर दिया, जिनमें राज्य सरकार के फैसले को चुनौती दी गई थी कि इंटरनेशनल बुकर पुरस्कार विजेता लेखिका बानू मुश्ताक को इस साल के मैसूर दशहरा समारोह का उद्घाटन करने के लिए आमंत्रित किया गया है। मुख्य न्यायाधीश विभु भाखरू और न्यायमूर्ति सी. एम. जोशी की खंडपीठ ने चार याचिकाओं पर सुनवाई की, जिनमें एक याचिका मैसूर के पूर्व भाजपा सांसद प्रताप सिम्हा की भी थी। कोर्ट ने कहा कि इसमें हस्तक्षेप करने का कोई कारण नहीं है।

बानू मुश्ताक को निमंत्रण पर विपक्ष को आपत्ति

मैसूरु जिला प्रशासन ने 3 सितंबर को आधिकारिक तौर पर बानू मुश्ताक को आमंत्रित किया था। इस फैसले का भाजपा और कुछ अन्य संगठनों ने विरोध किया। इस मामले में विवाद तब बढ़ गया जब बानू मुश्ताक का एक पुराना वीडियो वायरल हुआ, जिसमें उन्होंने कन्नड़ भाषा की देवी भूवनेश्वरी की पूजा को लेकर आपत्ति जताई थी। उनके बयान को कुछ लोगों ने हिंदू संस्कृति विरोधी बताया।

परंपराओं और धार्मिक भावनाओं के खिलाफ- भाजपा

भाजपा नेताओं का कहना है कि दशहरा की शुरुआत हमेशा वैदिक मंत्रोच्चार और चामुंडेश्वरी देवी की पूजा से होती है, ऐसे में बानू मुश्ताक का चयन परंपराओं और धार्मिक भावनाओं के खिलाफ है। उन्होंने मांग की थी कि मुश्ताक पहले यह स्पष्ट करें कि वह देवी चामुंडेश्वरी के प्रति श्रद्धा रखती हैं या नहीं।

'मेरे पुराने बयान को तोड़-मरोड़कर किया गया पेश'

इस पर प्रतिक्रिया देते हुए बानू मुश्ताक ने कहा कि उनके पुराने बयान को तोड़-मरोड़कर पेश किया गया है और सोशल मीडिया पर चुनिंदा अंशों को वायरल कर उन्हें गलत तरीके से निशाना बनाया जा रहा है। 22 सितंबर से 2 अक्तूबर तक मैसूर दशहरा उत्सव मैसूर दशहरा उत्सव 22 सितंबर से शुरू होगा और 2 अक्तूबर (विजयादशमी) को खत्म होगा। बता दें कि उत्सव उद्घाटन के दिन चामुंडी हिल्स स्थित चामुंडेश्वरी मंदिर में देवी की मूर्ति पर फूल चढ़ाकर परंपरागत रूप से समारोह की शुरुआत की जाएगी।

निलंबन के बावजूद विधानसभा पहुंचे राहुल ममकूटाथिल

> कांग्रेस नेताओं की नाराजगी के बाद लौटे

तिरुवनंतपुरम, 15 सितंबर (एजेंसियां)। पलक्कड़ के निलंबित कांग्रेस विधायक राहुल ममकूटाथिल सोमवार को केरल विधानसभा पहुंचे। यौन दुराचार के आरोप लगने के बाद कांग्रेस पार्टी ने उन्हें पार्टी सदस्यता से निलंबित कर दिया था। निलंबन के बाद राहुल ममकूटाथिल पहली बार सार्वजनिक रूप से दिखाई दिए। युवा कांग्रेस के जिला अध्यक्ष नेमोम शजीर और कुछ अन्य दोस्तों के साथ विधानसभा सत्र शुरू होने के कुछ मिनट बाद राहुल सदन पहुंचे।

नेता विपक्ष ने जताई आपत्ति

हालांकि विधानसभा में विपक्ष के नेता वी.डी. सतीशन ने कथित तौर पर सदन में उनकी उपस्थिति पर आपत्ति जताई। हालांकि अन्य सदस्यों की ओर से कोई खास प्रतिक्रिया नहीं देखी गई। सदन पहुंचने के कुछ देर बार उन्हें एक कागज पर कुछ लिखते हुए देखा गया, जो कथित तौर पर कांग्रेस पार्टी की ओर से प्राप्त एक नोट का जवाब था, जवाब देने के बाद में राहुल सदन से चले गए। विधानसभा के बाहर मीडिया ने उन्हें घेर लिया, लेकिन उन्होंने कुछ भी कहने से इनकार कर दिया।

एसएफआई कार्यकर्ताओं ने किया प्रदर्शन

एसएफआई कार्यकर्ताओं ने विधायक छात्रावास के पास उनके वाहन को रोका और कुछ देर विरोध प्रदर्शन भी किया। बाद में पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को हटा दिया। पलक्कड़ के विधायक राहुल ममकूटाथिल और न ही पार्टी नेतृत्व ने इस बारे में कोई स्पष्टीकरण दिया कि क्या वह आने वाले दिनों में वे सत्र में भाग लेंगे या नहीं। इस बीच कांग्रेस नेता इस मामले से खुद को अलग करते दिखे और उन्होंने कहा कि पार्टी को ममकूटाथिल के विधानसभा आने पर प्रतिक्रिया देने की कोई जरूरत नहीं है, क्योंकि वह अब कांग्रेस के सदस्य नहीं हैं।

राहुल ममकूटाथिल पर लगे हैं गंभीर आरोप

लोकसभा सांसद कोडुक्कुन्निल सुरेश ने कहा, 'वह अब कांग्रेस संसदीय दल के सदस्य नहीं हैं। इसलिए हम उनसे संबंधित किसी भी प्रश्न का उत्तर देने के लिए उत्तरदायी नहीं हैं।' वरिष्ठ माकपा नेता ई. पी. जयराजन ने भी सदन में ममकूटाथिल के आने की कड़ी आलोचना की।

उन्होंने आरोप लगाया कि उनका आना सदन में जानबूझकर समस्याएं पैदा करने की कोशिश है, और उनका यह कदम जनता और विधानसभा का अपमान है। ममकूटाथिल ने हाल ही में युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था। मलयालम अभिनेत्री रिनी एन जॉर्ज ने बिना नाम लिए राहुल ममकूटाथिल पर दुर्व्यहार करने का आरोप लगाया था। इसके बाद, कुछ अन्य महिलाओं और एक ट्रांसजेंडर व्यक्ति ने भी राहुल पर इसी तरह के आरोप लगाए थे। इन आरोपों के चलते उन्हें कांग्रेस पार्टी से भी निलंबित कर दिया गया था।

पुलिस थानों में सीसीटीवी कैमरों की कमी से संबंधित मामले में फैसला 26 सितंबर को

सुप्रीम कोर्ट पारित करेगा आदेश

नई दिल्ली, 15 सितंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि वह पुलिस थानों में सीसीटीवी कैमरों की कमी से संबंधित स्वतः संज्ञान मामले में 26 सितंबर को आदेश पारित करेगा। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और संदीप मेहता की पीठ ने मामले की सुनवाई करते हुए कहा कि यह मुद्दा निगरानी का है। इससे पहले 4 सितंबर को सुप्रीम कोर्ट ने एक मीडिया रिपोर्ट पर स्वतः संज्ञान लिया था, जिसमें कहा गया था कि पिछले आठ महीनों में राजस्थान में पुलिस हिरासत में 11 मौतें हुईं। कोर्ट ने नोट किया था कि रिपोर्ट के अनुसार इनमें से सात घटनाएं उदयपुर संभाग में ही हुईं।

2018 में पुलिस थानों में सीसीटीवी कैमरे लगाने का आदेश दिया था

सुप्रीम कोर्ट ने 2018 में मानवाधिकारों के हनन को रोकने के लिए पुलिस थानों में सीसीटीवी कैमरे लगाने का आदेश दिया था। दिसंबर 2020 में शीर्ष अदालत ने केंद्र को सीबीआई, ईडी और राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) सहित जांच एजेंसियों के कार्यालयों में सीसीटीवी कैमरे और रिकॉर्डिंग उपकरण लगाने का निर्देश दिया था।

राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को दिए थे अहम निर्देश

कोर्ट ने कहा था कि राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि प्रत्येक पुलिस स्टेशन, सभी प्रवेश और निकास बिंदुओं, मुख्य द्वार, लॉक-अप, गलियारों, लॉबी और रिसेप्शन के साथ-साथ लॉक-अप रूम के बाहर के क्षेत्रों में सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं, ताकि कोई भी हिस्सा छिपा न रहे।

जादवपुर यूनिवर्सिटी छात्रा की मौत के मामले में पिता को साजिश का शक

एनसीडब्ल्यू ने पुलिस से मांगी रिपोर्ट

कोलकाता, 15 सितंबर (एजेंसियां)। जादवपुर यूनिवर्सिटी की इंग्लिश ऑनर्स की छात्रा अनामिका मंडल की रहस्यमय मौत मामले ने नया मोड़ ले लिया है। अनामिका के पिता अर्नब मंडल ने सोमवार को आरोप लगाया कि उनकी बेटी की मौत में साजिश हो सकती है। उन्होंने इस मामले में पुलिस में शिकायत दर्ज कराने का फैसला किया है।

9 सितंबर को तालाब में बेहोश मिली थी छात्रा

अर्नब मंडल ने कहा कि उनकी 21 वर्षीय बेटी को 9 सितंबर की रात करीब 10 बजे कैंपस के अंदर स्थित तालाब में बेहोश पाया गया था। अस्पताल ले जाने पर उसे मृत घोषित कर दिया गया। उन्होंने सवाल उठाया कि अनामिका को तैरना नहीं आता था, तो वह रात में तालाब के किनारे क्यों गई होगी। पिता ने बताया कि एक प्रोफेसर ने उन्हें अनामिका का मोबाइल फोन और हेयर क्लिप सौंपा, लेकिन यह नहीं बताया कि ये सामान किस छात्र ने तालाब के किनारे से लाकर दिया। उन्होंने यह भी कहा कि अनामिका का चश्मा अभी तक नहीं मिला है।

अर्नब मंडल ने संदेह जताते हुए कहा, 'मुझे लगता है कि किसी ने मेरी बेटी को जानबूझकर पानी में धक्का दिया होगा। वह शराब नहीं पीती थी। अगर उस रात उसने शराब पी भी थी, तो जरूर किसी ने उसे फंसाया होगा। पुलिस को उस रात मौजूद उसके दोस्तों से सख्ती से पूछताछ करनी चाहिए।' उन्होंने आगे कहा, 'शुरुआत में हमने किसी पर शक नहीं जताया था, लेकिन कई सवाल हमारे मन में उठ रहे हैं। अब हम चाहते हैं कि सच्चाई सामने आए।'

'नहीं सुनते साहब': आखिर क्यों एमएलए-मंत्रियों से बढ़ रहा अफसरों का टकराव

> मंच तो कभी बैठक में सीएम तक पहुंचा दर्द

इंदौर, 15 सितंबर (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश की मोहन सरकार के दो साल पूरे हो गए हैं। मुख्यमंत्री मोहन यादव को अभी तक कोई बड़ी चुनौती का सामना नहीं करना पड़ा, लेकिन प्रदेश में बढ़ रही अफसरशाही की अब चर्चा होने लगी है। विधायक तो ठीक, मोहन सरकार के कई मंत्री सार्वजनिक तौर पर अफसरों के बेलगाम होने और काम नहीं सुनने की शिकायत कर चुके हैं।

जनप्रतिनिधियों की नाराजगी व समन्वय के लिए सरकार और संगठन में व्यवस्थाएं हैं। बड़े जिलों में प्रभारी मंत्री नियुक्त हैं और भाजपा संगठन ने संभाग स्तर पर प्रभारी सत्ता व संगठन के बीच समन्वय का काम देखते हैं। इसके बावजूद अफसर व जनप्रतिनिधियों का आमने-सामने होना कई सवाल खड़े कर रहा है। 13 सितंबर 2023 में मोहन सरकार प्रदेश में काबिज हुई थी और बड़ी घटनाओं पर जिस अंदाज में मुख्यमंत्री मोहन यादव ने अफसरों के खिलाफ एक्शन लिया था तो यह लग रहा था कि सरकार के फैसलों में अब अफसरों का ज्यादा दखल नहीं रहेगा। लेकिन, हाल ही में ग्वालियर के मामले में मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने अफसरों की शिकायत की और प्रभारी मंत्री तुलसी सिलावट को भी उनकी हां में हां मिलाना पड़ी। इस वाकये से यह चर्चा होने लगी है कि क्या वाकई अफसर मंत्रियों-विधायकों को तवज्जों नहीं दे रहे हैं? जनप्रतिनिधियों के कॉल रिसीव न करने, बैठकों की जानकारी नहीं देने जैसे मामले कई बार सामने आ चुके हैं। खाद के मुद्दे पर भी विधायकों व अफसरों में कुछ जिलों में विवाद सामने आए हैं। मध्य प्रदेश में 55 जिले हैं। कुल 32 मंत्रियों को इन जिलों का प्रभार दिया गया है। ज्यादातर मंत्रियों को दो जिले दिए गए हैं। इंदौर जिला मुख्यमंत्री मोहन यादव ने अपने पास रखा है, जबकि भोपाल चैतन्य कश्यप, जबलपुर, देवास जगदीश देवड़ा को दिया है। धार जिला प्रभारी मंत्री कैलाश विजयवर्गीय हैं। एक साथ दो जिले होने के कारण प्रभारी मंत्री जनप्रतिनिधियों से ज्यादा संपर्क में नहीं रह पाते। जिला योजना समिति व अन्य बैठकों में जनप्रतिनिधि अपनी बात रखते हैं, लेकिन ये बैठकें भी समय पर नहीं होतीं। इसके चलते फिर जनप्रतिनिधि और अफसरों में टकराव के हालात बनते हैं।

कई जिलों में खाद के वितरण को लेकर जनप्रतिनिधि नाराज हैं, क्योंकि इसकी अव्यवस्था उनके वोटबैंक को प्रभावित करती है। इसके चलते मुख्यमंत्री मोहन यादव को कई जिलों के कलेक्टर को हिदायत देना पड़ी कि अव्यवस्था फैली तो फिर वे दूसरे जिलों में जाने के लिए तैयार रहें।

खबरें जरा हटके

मुस्लिम देश में गंगा आरती! विदेश घूमने गया भारतीय लड़का, बनारस जैसा माहौल देखकर हुआ हैरान

विदेश की धरती पर जब कोई भारतीय अपनी संस्कृति और परंपराओं की झलक देखता है, तो दिल अपने आप भावुक हो उठता है. यही एहसास हुआ भारत से हाल ही में दुबई शिफ्ट हुए एक युवक को, जिसने बैप्स हिंदू मंदिर में गंगा आरती का अनोखा अनुभव शेयर किया है. 24 सेल का यह युवक तीन हफ्ते पहले ही संयुक्त अरब अमीरात आया था. शुरुआत के दो हफ्ते उसने होटल में गुजारे और फिर अपने नए घर में शिफ्ट हुआ. घर बसाने के बाद जब उसे एक दिन छुट्टी मिली तो उसने सोचा कि इस समय का इस्तेमाल कुछ खास तरीके से किया जाए. उसी दौरान वह अबू धाबी में मशहूर बैप्स हिंदू मंदिर पहुंचा और वहां होने वाली गंगा आरती में शामिल हुआ. उसने अपने इस अनुभव को वीडियो के जरिए अपने इंस्टाग्राम पर शेयर किया, जिसका कैप्शन था -"मैंने यूएई में गंगा आरती देखी." इस वीडियो में मंदिर का शांत वातावरण, आरती की दिव्यता और मंदिर परीसर में बने जलाशय के सामने होने वाला धार्मिक अनुष्ठान साफ दिखाई देता है. युवक ने बताया कि गंगा आरती देखने का अनुभव उसके लिए बेहद खास रहा. विदेश में रहते हुए उसे अपने देश की झलक और धार्मिक माहौल का अहसास हुआ. बैप्स मंदिर जैसे पूजा स्थल न केवल आध्यात्मिक शांति देते हैं बल्कि प्रवासी भारतीयों को अपनापन का एहसास भी कराते हैं. इस मंदिर का उद्घाटन 14 फरवरी 2024 को भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया था. यह अबू धाबी का पहला पारंपरिक हिंदू मंदिर है, जो भारतीय संस्कृति और परंपराओं का शानदार उदाहरण है. मंदिर का निर्माण गुलाबी बलुआ पत्थर और इटालियन संगमरमर से किया गया है. इसकी वास्तुकला पूरी तरह से पारंपरिक हिंदू शैली पर आधारित है, जो इसे और भी खास बनाती है. मंदिर में हर दिन गंगा आरती किया जाता है. आरती के दौरान भक्तों के बीच श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक माहौल साफ महसूस होता है. युवक का वीडियो इसी आरती का है, जिसने लोगों को यह संदेश दिया कि चाहे आप कहीं भी हों, भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिक परंपराएं आपके साथ रहती हैं.

5 महीने का बच्चा बालों की वजह से हुआ वायरल, देखकर हैरान हो जाते हैं लोग

पूछते हैं-असली है या विग लगाया है?

छोटे बच्चों के बाल जब बड़े हो जाते हैं तो वो दिखने में बहुत क्यूट लगते हैं. इन दिनों अमेरिका का एक बच्चा सोशल मीडिया पर स्टार बना हुआ है क्योंकि उसके बाल इतने बड़े और घने हैं कि लोग उसे देखकर प्यार बरसा रहे हैं. हाल ही में उसकी फोटो वायरल हुई तो उसके बारे में जानने की उत्सुकता लोगों में पैदा हो गई. आजकल सोशल मीडिया पर एक पांच महीने का बच्चा वायरल हो रहा है, जिसकी वजह है उसके सिर पर मौजूद घने और बेहद खूबसूरत बाल. अमेरिका के ओरेगन में रहने वाली मां लिलियाना यानेज का बेटा नोआ जन्म से ही इतने घने बालों वाला है कि लोग उसे देखकर हैरान रह जाते हैं. लिलियाना ने बताया कि जब नोआ पैदा हुआ, तभी डॉक्टर और नर्स उसके घने बाल देखकर दंग रह गए. सभी ने उसे मजाक में "जस्टिन बीबर" कहना शुरू कर दिया, क्योंकि उसके बाल आगे की ओर बिल्कुल गायक बीबर की तरह लहराते थे. यानेज ने जब अपने बेटे के वीडियो टिक-टॉक पर डालने शुरू किए, तो लोग उसके बालों के दीवाने हो गए. कई यूजर्स ने उसे "रियल-लाइफ कैबेज पैच डॉल" कह डाला. यानेज ने एक वीडियो शेयर किया जिसमें नोआ अपने बाउंसर में बैठा था और उसके बाल नींद से उठने के बाद फूले-फूले दिख रहे थे. वीडियो पर उन्होंने लिखा- "मेरा पांच महीने का बच्चा अपने फूले-फूले बालों के साथ. सोच भी नहीं सकती कि एक साल बाद ये कैसे दिखेंगे." वीडियो देखते ही इंटरनेट पर बाढ़ सी आ गई. लोगों ने कमेंट्स में लिखा कि नोआ के बाल इतने घने हैं कि वे विग जैसे लगते हैं. एक यूजर ने लिखा- "ये बच्चा नहीं, बल्कि बाल हैं जिनके साथ एक बच्चा आया है." दूसरे ने लिखा- "ये तो किसी फर हैट जैसा लग रहा है, बेहद क्यूट." वहीं किसी ने मजाक किया- "इसका पहला शब्द कंडीशनर ही होगा." एक और वीडियो में नोआ के बाल सीधे ऊपर खड़े हुए नजर आते हैं. यानेज ने इसे देखकर अमेरिकी टीवी शो "जर्सी शोर" के स्टार पाउली डी से तुलना की.

सड़क पर चलते-चलते 1 करोड़ की हथिनी गायब गुमशुदगी का मामला पुलिस के लिए बनी पहेली

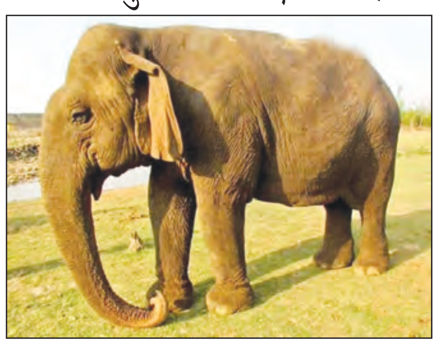

झारखंड के पलामू जिले से एक अजीबो-गरीब और चौंकाने वाली घटना सामने आई है. यहां एक हथिनी रहस्यमय तरीके से गायब हो गई है, जिसकी कीमत करीब एक करोड़ रुपये बताई जा रही है. इस हथिनी का नाम जयमति बताया जा रहा है. इसमें एक ट्रैकिंग चिप भी लगाया गया है. इसी चिप के आधार पर अब पुलिस और वन विभाग की टीमें इसकी खोजबीन में जुटी हुई हैं. इस घटना ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी है. दरअसल, बता दें कि पूरा मामला मेदिनीनगर सदर थाना क्षेत्र के जोरकट इलाके से जुड़ा है. हथिनी के मालिक नरेंद्र कुमार शुक्ला, जो उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर जिले के विंध्याचल क्षेत्र के रहने वाले हैं. उन्होंने इस चोरी की शिकायत दर्ज कराई है. नरेंद्र शुक्ला ने पुलिस को बताया कि जयमति हथिनी उन्हें संगम लाल नामक व्यक्ति से जिम्मेनामा के आधार पर मिली थी. लेकिन अपने गांव में खाने-पीने की उचित व्यवस्था न होने के कारण वे इस हथिनी को लेकर झारखंड पहुंचे थे. हथिनी की देखभाल के लिए शुक्ला ने मिर्जापुर के ही रहने वाले मुन्ना पांडेय और चुनार क्षेत्र के निवासी मन्ना पाठक को जिम्मेदारी सौंपी थी. इन दोनों की मुलाकात पलामू में एक अन्य हाथी मालिक ताड़केश्वर नाथ से हुई. इसके बाद दोनों महावत हथिनी को लेकर जोरकट इलाके में पहुंचे. नरेंद्र शुक्ला के अनुसार, वे पहली बार 11 अगस्त को जोरकट आए थे, जहां उन्होंने हथिनी और दोनों महावतों को देखा था. लेकिन जब 13 अगस्त को वे फिर उसी जगह लौटे, तो ना तो हथिनी वहां थी और ना ही उसके महावत.

सुविचार: प्रयास किए बिना, आपकी क्षमता का कोई मतलब नहीं है...

एलईडी स्ट्रीट लाइटों को कमांड कंट्रोल सेंटर से जोड़ने का निर्देश

पंचायत राज और नगर प्रशासन विभाग के साथ मुख्यमंत्री ने बैठक की

हैदराबाद, 15 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार ने जीएचएमसी और आउटर रिंग रोड (ओआरआर) के अंदर के मुख्य शहरी क्षेत्र सहित पूरे राज्य में स्ट्रीट लाइटों के प्रभावी और कुशल रखरखाव के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं।

इसके लिए, सभी एलईडी स्ट्रीट लाइट नेटवर्क को हैदराबाद स्थित सेंट्रल कमांड सेंटर से जोड़ा जाएगा और सभी मंडलों में रात और दिन के समय स्ट्रीट लाइटों के संचालन की निगरानी के लिए एलईडी डैशबोर्ड भी लगाए जाएंगे। सोमवार को पंचायत राज और नगर प्रशासन विभागों के साथ स्ट्रीट लाइटों के रखरखाव की एक उच्च स्तरीय समीक्षा में, मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को सभी ग्राम पंचायतों में स्ट्रीट लाइटों के रखरखाव और स्थापना के लिए सरपंचों को अधिकार सौंपने के निर्देश दिए।

कई गांवों में दिन के समय लाइटें बंद करने की उपेक्षा की खबरों के बाद, पंचायत राज अधिकारियों को उपलब्ध एलईडी लाइटों, लाइटों की आवश्यकता और स्ट्रीट लाइटों की निगरानी की स्थिति का सर्वेक्षण करने का आदेश दिया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि मंडल स्तर पर एमपीडीओ की देखरेख में गांवों में एलईडी डैशबोर्ड लगाए जाने चाहिए। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि जिला स्तर पर अतिरिक्त कलेक्टर को जिम्मेदारी सौंपी जानी चाहिए। अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि गांवों में एलईडी लाइटों की कुल संख्या 16.16 लाख है और वारंगल, नलगोंडा, जनगांव और नारायणपेट जिलों में एक ठेका एजेंसी इनका रखरखाव कर रही है। बैठक में इस बात पर जोर दिया गया कि अगर सरपंचों को अधिकार दिए जाएं तो बिजली के दुरूपयोग और लाइटों के खराब रखरखाव को रोका जा सकता है। तेलंगाना राज्य भर में पूरे एलईडी लाइट नेटवर्क को हैदराबाद स्थित कमांड कंट्रोल सेंटर से जोड़ने का निर्देश देते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि स्ट्रीट लाइटों की कार्यप्रणाली का पता लगाने और यदि कोई समस्या हो, तो उसे ठीक करने के लिए एलईडी लाइटों के साथ कंट्रोल बॉक्स लगाकर एक विशेष प्रणाली भी विकसित की जानी चाहिए। बैठक के दौरान, नगर प्रशासन और शहरी विकास विभाग ने मुख्यमंत्री को बताया कि जीएचएमसी सीमा में 5.50 लाख एलईडी लाइटें उपलब्ध हैं और बाहरी रिंग रोड के अंदर कोर अर्बन सिटी को कवर करने के लिए 7.50 लाख लाइटों की आवश्यकता है।

अधिकारियों ने रेवंत रेड्डी को पिछली ठेका एजेंसी का कार्यकाल समाप्त होने के कारण स्ट्रीट लाइटों के ठीक से काम न करने और बिजली के खंभों के खराब रखरखाव के बारे में जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को नई एलईडी लाइटों की स्थापना और रखरखाव के लिए निविदाएं आमंत्रित करने के निर्देश दिए। रेवंत रेड्डी ने सुझाव दिया कि एलईडी लाइटों के निर्माण में प्रतिष्ठित कंपनियों को आमंत्रित किया जाना चाहिए और रखरखाव का काम सात वर्षों के लिए कंपनियों को सौंप दिया जाना चाहिए। निविदा नियम इस प्रकार बनाए जाने चाहिए कि रखरखाव स्वतंत्र रूप से किया जा सके।

अधिकारियों को जीएचएमसी के साथ-साथ कोर अर्बन सिटी सीमा के भीतर सभी नवगठित निगमों, नगर पालिकाओं और गांवों को ध्यान में रखते हुए एलईडी लाइटों की आवश्यकता का आकलन करने का भी आदेश दिया गया। उन्होंने कहा कि कोर अर्बन सिटी क्षेत्र के साथ-साथ बाहरी नगर पालिकाओं में भी एलईडी लाइटें लगाने के लिए तत्काल कदम उठाए जाने चाहिए। नई नगर पालिकाओं और नए गांवों के गठन को देखते हुए, मुख्यमंत्री ने सुझाव दिया कि एलईडी लाइटों का मूल्यांकन इन सभी को ध्यान में रखते हुए किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि मुख्य शहरी क्षेत्र के साथ-साथ नगर पालिकाओं में भी एलईडी लाइटों के लिए निविदाएं आमंत्रित की जानी चाहिए। पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए, रेवनाथ रेड्डी ने सुझाव दिया कि एलईडी लाइटों के रखरखाव की दक्षता का आईआईटी हैदराबाद जैसे संस्थानों के साथ एक तृतीय-पक्ष ऑडिट कराया जाए।

अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि जीएचएमसी सीमा में हर महीने 8 करोड़ रुपये का बिजली बिल आता है। बढ़ते बिजली बिल के बोझ को कम करने के लिए, मुख्यमंत्री ने बिजली बचाने के लिए सौर ऊर्जा के उपयोग का आदेश दिया।

छोटे और मध्यम अस्पतालों की चेतावनी

बकाया बिलों के विरोध में आरोग्यश्री सेवाएं अनिश्चितकाल के लिए बंद

हैदराबाद, 15 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के छोटे और मध्यम अस्पतालों ने राज्य सरकार से लंबित चिकित्सा बिलों के भुगतान न होने पर नाराजगी जताते हुए मंगलवार मध्यरात्रि से आरोग्यश्री स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत लाभार्थियों के लिए स्वास्थ्य सेवाएं अनिश्चितकाल के लिए बंद करने का ऐलान किया है। तेलंगाना नेटवर्क हॉस्पिटल्स एसोसिएशन फॉर आरोग्यश्री (टीएएनएचए), जो राज्यभर में 360 से अधिक अस्पतालों का प्रतिनिधित्व करती है, ने बताया कि सरकार ने अब तक 1300 से 1400 करोड़ रुपये तक के चिकित्सा बिलों का भुगतान नहीं किया है। बीते 20 दिनों में स्वास्थ्य मंत्री और अधिकारियों के साथ कई दौर की बैठकों के बावजूद कोई ठोस परिणाम सामने नहीं आया।

टीएएनएचए ने सोमवार को आरोग्यश्री हेल्थ केयर ट्रस्ट (एएचसीटी) को नोटिस भेजते हुए कहा कि भुगतान में लगातार देरी से अस्पताल गंभीर वित्तीय संकट में हैं।

टीएएनएचए ने कहा कि हम डॉक्टरों को वेतन नहीं दे पा रहे हैं। आपूर्तिकर्ता भी बकाया राशि के कारण दवाइयां और उपकरण उपलब्ध कराने से इनकार कर रहे हैं। कई अस्पताल बंद होने की स्थिति में पहुंच गए हैं।

एसोसिएशन की मुख्य मांगों में अस्पतालों के साथ एमओयू का पुनः मसौदा तैयार करना, पैकेजों में संशोधन, नियमित भुगतान सुनिश्चित करना, एक शिकायत निवारण तंत्र की स्थापना और बिना चर्चा किए जारी किए जाने वाले परिपत्रों को रोकना शामिल है। गौरतलब है कि इसी साल जनवरी में टीएएनएचए ने विरोध प्रदर्शन किया था, जिसके बाद सरकार ने आश्वासन दिया था कि उनकी मांगें पूरी होंगी।

तेलंगाना पुलिस और भारतीय पुलिस फाउंडेशन के बीच पुलिस सुधार परियोजना पर समझौता

हैदराबाद, 15 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य में पुलिस सुधार परियोजना के कार्यान्वयन हेतु तेलंगाना पुलिस विभाग और भारतीय पुलिस फाउंडेशन (आईपीएफ) के बीच 15 सितंबर 2025 को एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। भारतीय पुलिस फाउंडेशन (आईपीएफ) कानून प्रवर्तन पर एक स्वतंत्र, बहु-विषयक प्रमुख थिंक टैंक है, जिसका संचालन एक प्रतिष्ठित बोर्ड द्वारा किया जाता है जिसमें सेवारत और सेवानिवृत्त पुलिस पेशेवर, शिक्षाविद, शोधकर्ता और सिविल सेवक शामिल हैं, जो भारत में पुलिस व्यवस्था में सुधार के लिए समर्पित है।

इसकी स्थापना 2014 में नई दिल्ली में इसके संस्थापक एन. रामचंद्रन, पूर्व डीजीपी, मेघालय द्वारा की गई थी। अभिलाषा बिष्ट, निदेशक, तेलंगाना पुलिस अकादमी और आईपीएफ परियोजना की राज्य नोडल अधिकारी, ने अधिकारियों का स्वागत किया और कहा कि यह सहयोग एक आधुनिक, जन-केंद्रित और दूरदर्शी पुलिस व्यवस्था के निर्माण के प्रति हमारी साझा प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि पुलिस अधिकारियों को अपने कार्यों में पारदर्शिता बनाए रखने, प्रक्रियाओं में मानकीकरण सुनिश्चित करने और नागरिकों के प्रति सहानुभूतिपूर्ण दृष्टिकोण अपनाने की ज़िम्मेदारी सौंपी गई है ताकि सुरक्षा, सुरक्षा और व्यवस्था में निष्पक्षता, सम्मान और विश्वास के बारे में जनता की अपेक्षाओं को पूरा किया जा सके। समारोह को संबोधित करते हुए, डॉ. जितेंद्र पुलिस महानिदेशक, तेलंगाना ने पुलिस दक्षता में सुधार और जनता के बीच पुलिस की छवि को बेहतर बनाने के लिए हर आपातकालीन स्थिति में आंतरिक पुलिस सुधारों को जारी रखने के महत्व पर जोर दिया।

उन्होंने आगे कहा कि यह परियोजना अन्य राज्यों की पहलों, सर्वोत्तम प्रथाओं और मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) की सिफारिशों को सामने लाएगी, जो तेलंगाना पुलिस द्वारा पहले से ही शुरू की गई विभिन्न पहलों जैसे मी सेवा, पुलिस थानों में क्यूआर कोड, उत्कृष्टता केंद्र और संकटग्रस्त महिलाओं (ऑटो-रिक्शा और टैक्सियों में यात्रा करते समय) के लिए टी-सेफ एप्लिकेशन के साथ जुड़ेंगी। इस अवसर पर बोलते हुए, आईपीएफ के अध्यक्ष और सीईओ (उत्तर प्रदेश, सीआईएसएफ और एनडीआरएफ के पूर्व डीजीपी) ओम प्रकाश सिंह (सेवानिवृत्त) ने अनुसंधान, क्षमता निर्माण और नीतिगत वकालत के माध्यम से राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में पुलिस व्यवस्था में सुधार लाने के आईपीएफ के मिशन पर प्रकाश डाला। उन्होंने आगे कहा कि हिमाचल प्रदेश, पंजाब, केरल, उत्तर प्रदेश और तमिलनाडु में आईपीएफ की राज्य शाखाएं पहले ही स्थापित हो चुकी हैं और तेलंगाना सहित अन्य राज्यों में विस्तार की योजना है। डॉ. ईश कुमार, (सेवानिवृत्त), उपाध्यक्ष और परियोजना निदेशक, आईपीएफ (पूर्व महानिदेशक सतर्कता, तेलंगाना और महानिदेशक एनसीआरबी), ने विस्तार से बताया कि कैसे यह परियोजना शिकायत निवारण में सुधार, अधिक उत्तरदायी पुलिसिंग सुनिश्चित करने, महिलाओं की सुरक्षा बढ़ाने और पुलिस स्टेशनों में पुलिसकर्मियों के लिए एक सहायक कार्य वातावरण बनाने के माध्यम से नागरिकों को सीधे लाभान्वित करेगी।

परियोजना शुरू में साइबराबाद कमिश्नरेट के 15 पुलिस स्टेशनों और संगारेड्डी जिले के 15 पुलिस स्टेशनों को कवर करेगी। प्रमुख मुद्दों और फोकस क्षेत्रों की पहचान करने के लिए शिकायतकर्ताओं, पीड़ितों, आरोपियों, नागरिक सेवा चाहने वालों, गैर सरकारी संगठनों, न्यायपालिका और पुलिस कर्मियों सहित हितधारकों के साथ सार्वजनिक परामर्श बैठकें आयोजित की जाएंगी।

मल्लेपल्ली नाले से गाद निकाली जानी चाहिए : जीएचएमसी आयुक्त

हैदराबाद, 15 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी आयुक्त आर.वी. कर्णन ने इंजीनियरिंग अधिकारियों और कर्मचारियों को मल्लेपल्ली नाला में गाद निकालने और सफाई का काम करने का आदेश दिया है। सोमवार को कमिश्नर ने खैरताबाद जोनल कमिश्नर अनुराग जयंती के साथ मेहंदीपट्टनम सर्कल के तहत मल्लेपल्ली नाला का निरीक्षण किया। इस अवसर पर उन्होंने सुझाव दिया कि नालियों में जमा मिट्टी को हटाने के लिए कदम उठाए जाएं ताकि भारी बारिश के दौरान नालियों के आसपास के क्षेत्रों में जल जमाव को रोकने के लिए कदम उठाए जा सकें।

आयुक्त ने सुझाव दिया कि जहां आवश्यक हो, नालियों के लिए बाड़ लगाई जाए और आसपास के क्षेत्रों में सफ़ाई बनाए रखी जाए। आर.वी. कर्णन ने आदेश दिया कि इंजीनियरिंग और सफ़ाई विभाग समन्वय से काम करें ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि नालियों में बारिश का पानी जमा न हो और आसानी से बह सके।

प्रत्येक बच्चे को पोलियो की खुराक पिलाई जाए : श्रीनिवास

हैदराबाद, 15 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। रंगारेड्डी जिले के जिला अपर कलेक्टर श्रीनिवास ने कहा कि 12 अक्टूबर को आयोजित होने वाले पल्स पोलियो कार्यक्रम में प्रत्येक बच्चे को पोलियो की खुराक पिलाई जाए। सोमवार को जिला स्तरीय पल्स पोलियो टास्क फोर्स समिति की बैठक जिला अपर कलेक्टर श्रीनिवास द्वारा जिला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग अधिकारी वेंकटेश्वरलू एवं जिला अधिकारियों के साथ कलेक्ट्रेट के कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित की गई। इस अवसर पर बोलते हुए जिला चिकित्सा अधिकारी ने कहा कि एक सर्वेक्षण में जिले में पांच वर्ष से कम आयु के 4 लाख 90 हजार बच्चों की पहचान की गई है। उन्होंने कहा कि रविवार, 12 अक्टूबर को पोलियो कैंपों में पोलियो की दवा पिलाई जाएगी और सभी को कैंपों में जाकर दवा ज़रूर पिलानी चाहिए। उन्होंने कहा कि आशा वर्कर और आंगनवाड़ी वर्कर 13 से 15 तारीख तक घर-घर जाकर पोलियो ड्रॉप कार्यक्रम में हिस्सा लेंगी। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम में आंगनवाड़ी स्टाफ, स्वास्थ्य वर्कर और आशा वर्कर को भी शामिल किया गया है। उन्होंने अधिकारियों से स्कूली बच्चों और 5 साल से कम उम्र के अन्य बच्चों को पोलियो की दवा पिलाने का आग्रह किया ताकि इस महामारी को उनके घर तक पहुंचने से रोका जा सके। इस बैठक में जिला अधिकारियों एवं चिकित्सा विभाग के अधिकारियों ने भाग लिया।

पूर्व राज्यपाल विद्यासागर राव ने तेलंगाना मुक्ति दिवस आधिकारिक तौर पर मनाने की मांग की

हैदराबाद, 15 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व राज्यपाल सीएच. विद्यासागर राव ने सोमवार को राज्य सरकार से मांग की कि वह मुक्ति दिवस को आधिकारिक तौर पर मनाए ताकि आने वाली पीढ़ियों को मुक्ति दिवस के बारे में विस्तृत जानकारी मिल सके। विद्यासागर राव ने 17 सितंबर को हैदराबाद स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय में "17 सितंबर, मुक्ति" नामक पुस्तक का विमोचन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि देश को 1947 में स्वतंत्रता मिली थी, लेकिन तेलंगाना को पुलिस कार्रवाई के एक साल बाद मुक्ति मिली। यह देखते हुए कि हमारी आने वाली पीढ़ियों के लिए इसकी विस्तृत जानकारी जानना आवश्यक है, उन्होंने कहा कि मुक्ति दिवस के विषय को विशेष रूप से पाठ्यपुस्तकों में शामिल किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि कोमुराम भीम, शोएबुल्लाह खान सहित उस समय के नेताओं का विवरण दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि तेलंगाना के भैरनपल्ली और परकला की घटनाओं को भी पुस्तकों में शामिल किया जाए, तो आने वाली पीढ़ियां इतिहास जान सकेंगी।

दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक ने सुरक्षा समीक्षा पर बैठक की

हैदराबाद, 15 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव ने रेल निलयम, सिकंदराबाद में सत्य प्रकाश, अपर महाप्रबंधक, दक्षिण मध्य रेलवे और प्रमुख विभागाध्यक्षों के साथ पूरे जोन में ट्रेन संचालन की सुरक्षा पर एक विस्तृत समीक्षा बैठक की।

बैठक में सभी छह मंडलों, अर्थात् सिकंदराबाद, हैदराबाद, विजयवाड़ा, गुंटूर, गुंतकल और नांदेड़ मंडलों के मंडल रेल प्रबंधकों (डीआरएम) ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से भाग लिया। संजय कुमार श्रीवास्तव, महाप्रबंधक ने यात्रियों और विभागीय सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षा प्रक्रियाओं और प्रोटोकॉल का कड़ाई से पालन करने के महत्व पर बल दिया। उन्होंने अधिकारियों को किसी भी सुरक्षा गतिविधि को करते समय रेलवे बोर्ड के दिशानिर्देशों का पालन करने के निर्देश दिए और समपारों और फाटकों पर अनधिकृत वाहनों की आवाजाही के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

उन्होंने स्टेशनों पर बैटरी चालित कारों (बीओसी) के संचालन, कैंपिंग कोचों की उचित व्यवस्था और रिले रूम में इंटरलॉकिंग योजनाओं के रखरखाव के लिए सुरक्षा निर्देशों के अनुपालन की आवश्यकता पर भी प्रकाश डाला। क्षेत्र भर में चल रहे सुरक्षा अभियानों की समीक्षा करते हुए, महाप्रबंधक ने इंजीनियरिंग, सिग्नल एवं दूरसंचार, यांत्रिक और विद्युत सहित विभिन्न विभागों द्वारा की गई पहलों की समीक्षा की। मुख्य फोकस क्षेत्रों में मवेशियों के कुचलने की घटनाओं की निगरानी, निजी साइडिंग में सीसीटीवी लगाना और मालगाड़ियों के संचालन में सुरक्षा उपाय शामिल थे। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि निरीक्षण के दौरान पाई गई किसी भी कमी को तुरंत दूर किया जाना चाहिए ताकि निर्बाध रेल संचालन सुनिश्चित हो सके। संजय कुमार श्रीवास्तव ने सुरक्षा मानकों को बेहतर बनाने पर रणनीतिक जोर दिया और पर्यवेक्षकों को क्षेत्र-स्तरीय गतिविधियों की बारीकी से निगरानी करने और समस्याओं का समय पर समाधान सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। बैठक का समापन करते हुए, उन्होंने पुनश्चर्या पाठ्यक्रमों और परिवार परामर्श सत्रों के माध्यम से सुरक्षा श्रेणी के कर्मचारियों को प्रशिक्षित और संवेदनशील बनाने का आह्वान किया, जिससे पूरे क्षेत्र में सुरक्षा की संस्कृति को मजबूत किया जा सके।

चैंपियन खिलाड़ी ज्वाला गुट्टा का अनोखा योगदान

14.5 लीटर स्तन दूध दान कर बचाई नवजातों की जिंदगी

हैदराबाद, 15 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारत की चैंपियन बैडमिंटन खिलाड़ी ज्वाला गुट्टा ने समाज सेवा का अनोखा उदाहरण पेश करते हुए 14,500 मिलीलीटर (14.5 लीटर) स्तन दूध दान किया है। यह दूध समय से पहले जन्मे और गंभीर रूप से बीमार शिशुओं के लिए जीवनदायी साबित होगा, जिनकी माताएं स्तनपान कराने में असमर्थ होती हैं। ज्वाला गुट्टा ने चेन्नई स्थित अमृतम फाउंडेशन के माध्यम से सरकार संचालित इंस्टीट्यूट ऑफ चाइल्ड हेल्थ एंड हॉस्पिटल फॉर चिल्ड्रन (आईसीएच), एग्मोर, चेन्नई को 70 पैकेट स्तन दूध दान किए।

अमृतम फाउंडेशन (जो 5,000 से अधिक स्तनपान कराने वाली माताओं का समूह है) ने कहा- हमें यह बताते हुए खुशी हो रही है कि हमने अपनी नई दाता मां ज्वाला गुट्टा से 70 दूध पैकेट (14,500 मिलीलीटर) सफलतापूर्वक एकत्र किए हैं। इस निस्वार्थ कार्य के लिए ज्वाला को खूब सराहना मिली। हाल ही में फाउंडेशन ने अपने एक्स हैंडल पर पोस्ट किया- चैंपियंस स्टेडियम में ही नहीं, बल्कि मिल्क बैंक में भी बनते हैं। ज्वाला ने भी एक्स पर लिखा- स्तनपान जीवन बचाता है। समय से पहले जन्मे और बीमार शिशुओं के लिए, दान किया गया दूध जीवन बदल सकता है। अगर आप दान कर सकते हैं, तो आप किसी जरूरतमंद परिवार के लिए हीरो बन सकते हैं।

सीएम योगी ने अभिनेत्री दिशा पाटनी के पिता से फोन पर की बात

परिवार की सुरक्षा का दिया भरोसा

बरेली, 15 सितंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अभिनेत्री दिशा पाटनी के पिता जगदीश सिंह पाटनी से फोन पर बात की। रिटायर्ड सीओ जगदीश सिंह पाटनी ने बताया कि सीएम योगी ने उनके परिवार को सांत्वना दी। कहा कि पूरा उत्तर प्रदेश आपके साथ। उनके परिवार की सुरक्षा में कोई कोताही नहीं होने दी जाएगी।

इससे पूर्व सीएम योगी के ओएसडी राजभूषण सिंह ने फोन कॉल कर अभिनेत्री के पिता जगदीश चंद्र पाटनी से बात की। पाटनी ने बताया कि बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि आरोपी बच नहीं सकेंगे। उप्र पुलिस उनको पाताल से भी निकाल लाएगी। आपके परिवार की सुरक्षा की जिम्मेदारी सरकार की है, आप बिल्कुल निश्चिंत रहें।

अभिनेत्री के घर पर की गई थी फायरिंग

अभिनेत्री दिशा पाटनी के बरेली स्थित घर पर 12 सितंबर को तड़के करीब साढ़े तीन बजे बाइक सवार दो हमलावरों ने फायरिंग की गई थी। दोनों हमलावर सीसीटीवी फुटेज में दिखे थे। सोशल मीडिया पर पोस्ट डालकर गोल्डी बरार के साथियों ने इस घटना की जिम्मेदारी ली थी। मामला तूल पकड़ गया तो आरोपियों ने शनिवार सुबह पोस्ट डिलीट कर दी। शाम को यह अकाउंट भी डिलीट कर दिया। एसएसपी ने जांच कराई तो पता लगा कि अकाउंट पुर्तगाल की आईडी पर बनाया गया था।

दिशा पाटनी के पिता ने एफआईआर में क्या लिखवाया

दिशा पाटनी के घर पर फायरिंग मामले में पिता जगदीश पाटनी ने कोतवाली में दो अज्ञात बाइक सवारों के खिलाफ जानलेवा हमले की रिपोर्ट दर्ज कराई है। उन्होंने तहरीर में बताया कि बृहस्पतिवार सुबह साढ़े चार बजे दो युवक उनके घर के बाहर फायरिंग करके चले गए थे। तब वह लोग सो रहे थे। उन्होंने बताया कि शुक्रवार तड़के 3:30 बजे उनका कुत्ता भौंकने लगा तो उन्हें संदेह हुआ। तब वह बालकनी में आए तो नीचे बाइक सवार दो लोग दिखे। टोकने पर एक युवक ने उन्हें निशाना बनाकर फायरिंग कर दी। उन्होंने पिलर के पीछे फर्श पर लेटकर अपनी जान बचाई। जगदीश पाटनी ने पुलिस को बताया कि उनकी एक बेटी दिशा पाटनी बॉलीवुड में अभिनेत्री है। दूसरी बेटी खुशबू पाटनी मेजर पद से सेवानिवृत्त होकर उनके साथ रह रही है। इस घटना के बाद उनके परिवार को पुलिस सुरक्षा दी गई है।

पूर्व ब्लॉक प्रमुख की गला रेत कर हत्या

बुलंदशहर, 15 सितंबर (एजेंसियां)। बुलंदशहर के खुर्जा के जाहिदपुर कलां गांव में कार्यालय के अंदर पूर्व ब्लॉक प्रमुख विनोद चौधरी की गला रेत कर हत्या कर दी। सोमवार सुबह जब विनोद चौधरी के भाई बंटी चौधरी कार्यालय के बाहर स्थित अपनी दुकान खोलने पहुंचे तो उन्होंने कार्यालय के अंदर देखा कि उनके भाई लहूलुहान अवस्था में पड़े थे।

राम गढ़ी गांव निवासी बंटी चौधरी ने बताया कि जाहिदपुर कलां में उनके बड़े भाई विनोद चौधरी का कार्यालय है। कार्यालय के बाहर बंटी की फर्टिलाइजर की दुकान और लैब है। रोजाना की तरह सोमवार सुबह बंटी अपनी दुकान खोलने पहुंचे तो कार्यालय के अंदर देखा। वहां उनके भाई विनोद चौधरी (50) (पूर्व खुर्जा ब्लॉक प्रमुख) लहूलुहान अवस्था में बेड पर पड़े हुए थे।

पटना के टॉप 10 अपराधी पकड़े गए

पश्चिमी इलाका छोड़ने के बाद महाराष्ट्र में बन गए थे ट्रक ड्राइवर, हत्या-डकैती समेत कई मामले हैं दर्ज

पटना, 15 सितंबर (एजेंसियां)। पटना पुलिस ने पश्चिमी इलाके के दो टॉप 10 अपराधियों को महाराष्ट्र के पुणे से गिरफ्तार किया है। यहां से भागने के बाद दोनों महाराष्ट्र में छिपे थे और ट्रक ड्राइविंग का काम कर रहे थे। दोनों पकड़े गए आरोपियों का नाम राजू कुमार और रितेश कुमार है। इनपर हत्या, डकैती, आर्म्स एक्ट, लुट, छिनतई समेत 12 से अधिक मुकदमे दर्ज हैं।

2021 में पुलिस से राइफल छीना और हमले भी किए

पटना पश्चिमी एसपी भानु प्रताप सिंह ने बताया कि दोनों इनामी अपराधी थे। उनकी गिरफ्तारी के लिए स्पेशल टीम गठित की गई थी। लोकल और टेक्निकल इनपुट के आधार पर दोनों को पुणे से पकड़ा गया है। वर्ष 2021 में राजू पुलिस से राइफल छीनकर फरार हो गया था। पुलिस पर इन लोगों ने हमले भी किए थे। लंबा चौड़ा दोनों का आपराधिक इतिहास है। जिन मामलों में रिमांड नहीं हुई है, उसमें रिमांड ली जाएगी। इनसे पूछताछ होगी। फिलहाल ट्रांजिट रिमांड पर लाया गया है।

जीतन छपरा नहर रोड में की थी डकैती

एसपी ने बताया कि हाल के दिनों में रानीतलाब थाना अंतर्गत जीतन छपरा नहर रोड में हुई डकैती के मामले में वांटेड थे। पिस्टल के बल पर इस मामले में डकैती की घटना को अंजाम दिया था। फिर इसके बाद फरार हो गए थे। इस मामले में इनकी तलाश चल रही थी। इनके पुराने मामले भी खंगाले जा रहे हैं। जिसमें भी संलिप्तता आएगी, उसमें कार्रवाई होगी।

अपराधियों की बनाई जा रही है लिस्ट

भानुप्रताप सिंह ने बताया कि कौन किस लेवल का अपराधी है। फिलहाल कहां है। क्या कर रहा है। हर कैटेगरी में उनकी लिस्ट तैयार कराई जा रही है। इन दोनों अपराधियों को भी इस बात की भनक लग गई थी। पुलिस की बढ़ती दबिश के चलते अपने इलाके को छोड़कर फरार हो गए थे।

शराब पिलाई, नशे में होने पर बांधे हाथ-पैर, फिर सीने पर चढ़ प्रेमी संग पति को मार डाला; 25 कि.मी दूर फेंकी लाश

गोरखपुर, 15 सितंबर (एजेंसियां)। महराजगंज के कोतवाली ठूठीबारी थाना इलाके में एक पति की हत्या का मामला सामने आया है। यहां एक महिला ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर पति की हत्या कर दी। हत्या के बाद लाश को घर से 25 किलोमीटर दूर सड़क पर फेंक दिया।

पुलिस ने आरोपी पत्नी और उसके प्रेमी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों ने पूछताछ में चौंकाने वाला खुलासा किया है। कोतवाली ठूठीबारी थाना इलाके के राजाबारी गांव की रहने वाली नेहा रौनियार और उसका प्रेमी जितेंद्र निवासी राजाबारी रविवार को गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ के बाद पुलिस ने दोनों को जेल भेज दिया। आरोपी पत्नी ने पहले पति को शराब पिलाई। इसके बाद दुपट्टे से हाथ पैर बांध दिए। बाद में प्रेमी के साथ मिलकर पति की गला दबाकर हत्या कर दी। हत्या को हादसे का रूप देने के लिए आरोपी पत्नी अपने पति के शव को प्रेमी के साथ बाइक से 25 किलोमीटर दूर ले जाकर सड़क पर फेंक फरार हो गई। पुलिस अधीक्षक सोमेन्द्र मीणा ने बताया कि 13 सितंबर रात करीब 3:00 बजे निचलौल पुलिस को सूचना मिली कि सिंदुरिया निचलौल मार्ग पर दमकी गैस एजेंसी के पास एक युवक का शव पड़ा है। पुलिस मौके पर पहुंची और शव की पहचान नागेश्वर रौनियार निवासी राजाबारी थाना कोतवाली ठूठीबारी के रूप में की। शव कब्जे में लेकर कार्रवाई करते हुए नागेश्वर रौनियार के पिता केशव राज रौनियार की तहरीर पर आरोपी बहू नेहा रौनियार और उसके प्रेमी जितेंद्र निवासी राजाबारी पर केस दर्ज कर तलाश में जुट गई।

रामपुर में फायरिंग-हंगामा गुरुद्वारे को लेकर दो पक्ष आमने-सामने

लाठी-डंडे चलने से कई जख्मी, इलाके में तनाव

बिलासपुर, 15 सितंबर (एजेंसियां)। बिलासपुर कोतवाली क्षेत्र के ग्राम पसियापुर स्थित गुरुद्वारा शहीद बाबा दीप सिंह नवाबगंज में सोमवार को जमकर हंगामा हो गया। दो पक्षों के बीच गुरुद्वारे पर कब्जे को नोकझोंक के बाद मारपीट हो गई।

आरोप है कि कई राउंड फायरिंग के साथ लाठी-डंडे भी चले। इसमें कई लोग घायल हो गए। जानकारी के अनुसार ट्रस्टी सतनाम कौर पक्ष के लोग गुरुद्वारे पहुंचे और वहां पहले से सेवा कर रहे बाबा गुरमीत सिंह पक्ष के लोगों को बाहर करने की कोशिश करने लगे। विरोध होने पर दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए और मारपीट शुरू हो गई। इसी दौरान कई राउंड फायरिंग भी हो गई।

तेजस्वी बोले-पत्रकार को मां-बहन की गाली दी गई

दरभंगा में मंत्री जीवेश मिश्रा पर यूट्यूबर से मारपीट का आरोप; मिनिस्टर पर एफआईआर

दरभंगा, 15 सितंबर (एजेंसियां)। दरभंगा में रविवार को जाले विधायक और मंत्री जीवेश कुमार मिश्रा पर एक यूट्यूबर ने मारपीट का आरोप लगाया। इस मामले में मंत्री जीवेश मिश्रा के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। सोमवार को पीड़ित यूट्यूबर दिवाकर को साथ लेकर तेजस्वी यादव खुद दरभंगा के सिंहवाड़ा थाने पहुंचे और मंत्री पर केस दर्ज कराया। उन्होंने कहा, 'अगर पुलिस ने हिरासत में नहीं लिया तो हम दरभंगा में चक्का जाम करेंगे।' इससे पहले सुबह 9 बजे तेजस्वी यादव ने पटना में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सरकार को घेरा। मंत्री का इस्तीफा मांगा और एफआईआर की मांग की। उन्होंने कहा- 'मंत्री जी को जवाब नहीं देना था तो चुप रहते, मारने की क्या जरूरत थी। पत्रकार को किडनैप करने का प्रयास तक किया गया। मैं एसपी से कहूंगा कि वो निष्पक्ष जांच करें।' 'मंत्री जी को सवाल अच्छा नहीं लगा तो पीट दिए। मां की गाली दी। आज इसको पीटे हैं, कल आपको पिटेंगे। इसलिए मुझे लगा, मुझे यहां आना चाहिए। न्याय की मांग करनी चाहिए।'

तेजस्वी ने कहा- मंत्री को बचाने की कोशिश होगी

तेजस्वी यादव ने कहा- मुझे लगता है, प्रशासन लॉ के हिसाब से नहीं चलता है। ऊपर से क्या आदेश आता है, उससे चलता है। अब मामले की लीपापोती होगी। मंत्री जी को बचाने की कोशिश होगी। उनके लोग कहेंगे कि मंत्री पर हमला होने वाला था।' 'भाजपा वाले सत्ता के नशे में भूल गए हैं कि कुर्सी से कोई चिपक कर नहीं रह सकता। मैं कोई भी चीज भूलता नहीं हूं। हमलोग सत्ता में आनेवाले हैं और न्याय दिलाएंगे।' इससे पहले पटना में नेता प्रतिपक्ष ने कहा, 'मंत्री जीवेश मिश्रा से जब पत्रकार ने सवाल पूछा तो उसको मारा गया। मां-बहन की भद्दी-भद्दी गालियां दी गईं। भाजपा के यही संस्कार है।' प्रेस कॉन्फ्रेंस में तेजस्वी यादव ने दरभंगा में हुए विवाद का एक वीडियो भी दिखाया।

'बीजेपी ने गुंडों को मंत्री बना रखा है'

राजद नेता तेजस्वी यादव ने कहा, 'दरभंगा में हम लोगों ने एफआईआर कराया है। अराजकता इस तरह फैली हुई है कि नेता प्रतिपक्ष को थाना पहुंचकर एफआईआर कराना पड़ रहा है। ऐसी स्थिति है। 2005 से पहले ऐसा नहीं होता था कि जिस तरह पत्रकार को गाली देकर पीटा जा रहा है। गुंडों को मंत्री बना रखा है। ऐसे लोग बिहार का क्या भला करेंगे।' वहीं, राजद से निष्कासित पूर्व मंत्री और लालू के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव ने कहा, 'ये बीजेपी और जेडीयू का गुंडा राज है।

विधायक के हॉस्टल में रेडियोलॉजी की छात्रा ने दी जान

> बेटी की मौत से डॉक्टर पिता के सपने हो गए चकनाचूर

कानपुर, 15 सितंबर (एजेंसियां)। कानपुर के काकादेव थाना इलाके के रानीगंज इलाके में रविवार शाम एक विधायक के गर्ल्स हॉस्टल में रेडियोलॉजी की छात्रा ने कमरे में फंदा लगाकर जान दे दी। वार्डन की सूचना पर पहुंची पुलिस ने दरवाजा तोड़कर शव निकाला। फर्रुखाबाद के थाना कमालगंज के गांव रजीपुर निवासी डॉ. अर्धेंदु कुमार धर की बेटी पलक धर (18) एक वर्ष पहले काकादेव के रानीगंज स्थित एवी गर्ल्स हॉस्टल में रहने के लिए आई थी।

वह सीएसजेएमयू में रेडियोलॉजी की प्रथम वर्ष की छात्रा थी। पांडुनगर चौकी इंचार्ज दीपक तिवारी के अनुसार रूम पार्टनर आराध्या मिश्रा ने बताया कि रविवार शाम कमरे का दरवाजा अंदर से बंद था। उन्होंने पलक धर को कई बार कॉल की और दरवाजा खटखटाया लेकिन कोई प्रतिक्रिया नहीं आई। इसके बाद मेस संचालक को जानकारी दी। वार्डन की सूचना पर पहुंची पुलिस व फॉरेंसिक टीम ने दरवाजा तोड़ा तो पंखे से दुपट्टे के सहारे पलक का शव लटक रहा था। पूछताछ में पता चला है कि छात्रा को अवसाद व एंजाइटी की समस्या थी। उसकी छोटी बहन दीप्ति बिठूर में रहकर पढ़ाई कर रही है। काकादेव इंस्पेक्टर राजेश कुमार शर्मा ने बताया कि परिजनों को सूचना दी गई है। उनके आने पर ही पोस्टमॉर्टम कराया जाएगा।

कानपुर के काकादेव के हॉस्टल में रेडियोलॉजी छात्रा पलक धर की आत्महत्या की सूचना जैसे ही छोटी बेटी दीप्ति ने हार्ट के डॉक्टर पिता अर्धेंदु कुमार धर और मां रेखा को दी वह लोग सिर पकड़कर बैठ गए। पिता को जानकारी देते हुए दीप्ति भी बेहोश हो गई। उधर, बेटी की मौत से डॉक्टर पिता के सपने भी चकनाचूर हो गए। देर रात परिजन पोस्टमॉर्टम हाउस पहुंच गए। मां बिल्कुल बेचैन दिखीं। वहीं, पिता को लोग संभालते नजर आए। पिता अर्धेंदु खुद हृदय के मरीज हैं। उन्हें लोग ढांढस बंधाते रहे। वहीं, हॉस्टल में पलक धर के साथ रहने वाली रूम पार्टनर आराध्या मिश्रा और अन्य छात्राओं ने बताया कि पलक काफी होनहार थी। वह बीएमआरआईटी (बैचलर ऑफ मेडिकल रेडियोलॉजी एंड इमेजिंग टेक्नोलॉजी) की प्रथम वर्ष की छात्रा था। हालांकि, वह अवसाद और एंजाइटी से परेशान थी लेकिन बीमारी को पढ़ाई के आगे कभी भी हावी नहीं होने दिया। रविवार सुबह वह लोग उठे और चर्चा करने लगे लेकिन उसे क्या पता था कि वह बात आखिरी बार हो रही है।

'जिंदगी बहुत मुश्किल', बेटे के जन्म के बाद साक्षी ने छोड़ी थी नौकरी

> अब दक्ष संग 13वीं मंजिल से कूदी मां

नोएडा, 15 सितंबर (एजेंसियां)। ग्रेटर नोएडा वेस्ट स्थित ऐस सिटी सोसाइटी में सीए की पत्नी और उनके बेटे द्वारा 13वीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या किए जाने के मामले में बिसरख कोतवाली पुलिस को अब तक कोई शिकायत नहीं मिली है। वहीं परिजन ने पोस्टमॉर्टम के बाद शव को उत्तराखंड ले जाकर रविवार को अंतिम संस्कार कर दिया। बता दें कि शनिवार की सुबह सीए दर्पण चावला की पत्नी साक्षी चावला ने 11 साल के बेटे दक्ष चावला के साथ 13वीं मंजिल की बालकनी से छलांग लगाकर आत्महत्या कर ली थी। पुलिस ने फ्लैट के अंदर एक डायरी से सुसाइड नोट बरामद किया है। इसमें आत्महत्या करने के लिए स्वयं को जिम्मेदार ठहराते हुए महिला ने इकलौते बेटे की बीमारी की परेशानी का जिक्र किया है। पुलिस की जांच में सामने आया है कि सीए का पुत्र मानसिक मंदित था। कोतवाली प्रभारी मनोज सिंह का कहना है कि मामले में कोई शिकायत नहीं मिली है। ग्रेटर नोएडा वेस्ट स्थित ऐस सिटी सोसाइटी के ई टावर की 13वीं मंजिल पर रहने वाले सीए दर्पण चावला दो दिन पहले ही बेटे दक्ष को पंजाब से दिखाकर लौटे थे। बेटे का मानसिक विकास नहीं होने के कारण वह उसे पंजाब दिखाने के लिए गए थे।

आईटी कंपनी में नौकरी करती थी साक्षी

उनके ही टावर में रहने वाले निवासियों ने बताया कि बच्चा ऑटिज्म बीमारी से लंबे समय से ग्रसित था। उसका शारीरिक विकास तो तेजी से हो रहा था लेकिन मानसिक विकास नहीं होने के कारण परिजन परेशान रहते थे। मां साक्षी पहले आईटी कंपनी में नौकरी करती थी लेकिन बेटा होने के बाद नौकरी छोड़ दी। वह बच्चे की देखभाल में लगी रहती थी।

बच्चे को शाम को नीचे सोसाइटी में टहलाने के लिए भी लेकर आते थे पिता

निवासियों ने बताया कि सोसाइटी के हर आयोजन में परिजन बच्चे के साथ ही शामिल होते थे। एओए की ओर से होने वाली एक्टिविटी में मां बच्चे को लेकर आती थी, जिससे बच्चा अन्य बच्चों के साथ घुल मिल सके। इसके साथ ही पिता बच्चे को शाम को नीचे सोसाइटी में टहलाने के लिए भी लेकर आते थे। टावर में भी वह सभी लोगों से बातचीत करती थी। उनका कहना था कि डॉक्टर ने कहा है कि बच्चा जल्दी सही हो जाएगा। इसके साथ ही परिवार पूजा पाठ के हर आयोजन में भाग लेता था। सोसाइटी में 2017 से परिवार रह रहा है। पुलिस को जांच में फ्लैट में एक डायरी मिली। डायरी में साक्षी ने पति दर्पण चावला के नाम लिखा था कि 'हम दुनिया छोड़ रहे हैं सॉरी'। हम तुम्हें अब और परेशान नहीं करना चाहते।

शहीदों के परिजनों का सामना नहीं कर पाएंगे भाजपा के लोग

एशिया कप में भारत-पाक मैच पर अखिलेश ने दिया बयान

लखनऊ, 15 सितंबर (एजेंसियां)। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने एशिया कप में भारत-पाकिस्तान के बीच खेले गए मुकाबले पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि भाजपा के लोग पहलगाम हमले के शिकार हुए लोगों के परिजनों का सामना नहीं कर पाएंगे। उन्होंने कहा कि विदेश नीति से जुड़े मामले बेहद संवेदनशील होते हैं। अखिलेश यादव सोमवार को सपा मुख्यालय में मीडिया को संबोधित कर रहे थे जिसमें उनसे सवाल पूछा गया कि पहलगाम हमले के बाद भारत-पाक के बीच मैच हुआ जबकि हमले का जिम्मेदार पाकिस्तान है। वहीं, दोनों देशों के तनाव के बीच भाजपा के नेता पाक क्रिकेटरों के साथ कहकहे लगा रहे थे। क्या ये मुकाबला होना चाहिए था? इस पर सपा अध्यक्ष ने कहा कि ये सवाल भाजपा के लोगों से ही पूछा जाना चाहिए। विदेश नीति के मामले बड़े संवेदनशील होते हैं। ये सवाल मुझसे नहीं हमले में जो शहीद हुए हैं उनके परिजनों से पूछना चाहिए। भाजपा के लोग शहीदों के परिजनों का सामना नहीं कर पाएंगे।

एक अन्य सवाल के जवाब में अखिलेश यादव ने कहा कि प्रदेश में पुलिस बेलगाम हो गई है। ये सरकार के नियंत्रण में नहीं है। इसलिए लगातार पुलिस की पिटाई से हुई मौतों के मामले सामने आ रहे थे। वहीं, गाजीपुर में पुलिस की पिटाई से भाजपा कार्यकर्ता की मौत मामले पर उन्होंने कहा कि हम तो पीड़ित पक्ष को न्याय दिलाने के लिए खड़े हैं लेकिन सुनने में आ रहा है कि पीड़ित पक्ष और सरकार के बीच कुछ समझौता हो गया है। हम जिसे न्याय दिलाना चाहते हैं अगर वो ही समझौता कर ले तो हम क्या कर सकते हैं।

काशी में सांसद अवधेश : भाजपा पर जमकर साधा निशाना

बोले-मिल्कीपुर उपचुनाव में वोट चोरी नहीं बल्कि डकैती हुई थी

वाराणसी, 15 सितंबर (एजेंसियां)। सपा सांसद अवधेश प्रसाद ने गया जाने से पूर्व काशी में पितरों का पिंडदान पिशाच मोचन कुंड पर किया। यहां मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि बीजेपी का जनाधार खत्म हो गया है। 2027 के विधानसभा चुनाव में भाजपा 50 सीट भी नहीं जीत पाएगी। डबल इंजन की सरकार व्यापार कर रही है।

उन्होंने आरोप लगाया कि मिल्कीपुर उपचुनाव में वोट चोरी नहीं बल्कि डकैती हुई है। कहा कि चोरी की शुरुआत मिल्कीपुर से हुई थी। उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा कि उन्होंने राम को लाया राम उन्हें लेकर आए हैं।

हर मां का होना चाहिए सम्मान

प्रधानमंत्री मोदी की मां को गाली देने के सवाल पर कहा कि किसी की भी मां मां होती है, उसका सम्मान होना चाहिए। भारतीय टीम ने पाकिस्तान पर विजय प्राप्त की इस पर उन्होंने कहा कि देश का मान बढ़ाया है हालांकि मैच खेलने का पूरी जनता ने विरोध किया था लेकिन हमारी टीम ने जीत कर देश का मान बढ़ाया। हमारी सरकार आएगी तो 24 घंटे में अग्निवीर योजना को समाप्त करेंगे।

सीएम योगी ने मृत भाजपा कार्यकर्ता के पिता व भाई से की मुलाकात, बोले- दोषी पर कार्रवाई होगी

लखनऊ, 15 सितंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को लखनऊ में अपने सरकारी आवास पर पुलिस लाठीचार्ज में मृत भाजपा कार्यकर्ता के भाई व पिता से मुलाकात की। इस मौके पर विधान परिषद सदस्य विशाल सिंह चंचल भी मौजूद थे।

योगी ने शोक संतप्त परिजनों से कहा कि सरकार आपके साथ खड़ी है। घटना की एसआईटी जांच की जा रही है। जांच रिपोर्ट के आधार पर आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। बता दें कि भाजपा कार्यकर्ता सियाराम उपाध्याय की कथित तौर पर पुलिस की पिटाई से मौत हो गई थी जिसके बाद से परिजन आक्रोशित हैं और सरकार की तरफ से दी गई आर्थिक सहायता भी ठुकराने का एलान कर चुके हैं।

मृत भाजपा कार्यकर्ता सियाराम उपाध्याय के शव का बृहस्पतिवार की रात करीब 10 बजे दो डॉक्टरों के पैनल ने दो घंटे तक वीडियोग्राफी बीच पोस्टमार्टम किया। रिपोर्ट में हृदय गति रुकने से मौत की पुष्टि हुई है, लेकिन सिर पर गंभीर चोट के निशान पाए गए। इसके अलावा, दाहिनी कोहनी, पीठ के नीचे दाहिनी तरफ, बाएं पैर में भी चोट के निशान मिले हैं। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सुपुर्द कर दिया गया। नौ सितंबर को कुछ लोग नोनहरा थाने पहुंचे थे और जनसमस्याओं के निराकरण के लिए धरने पर बैठ गए थे। आरोप है कि रात करीब डेढ़ बजे बिजली बंद कर पुलिस ने धरने पर बैठे लोगों पर लाठीचार्ज किया था। इसमें छह से अधिक लोग घायल हो गए थे। भाजपा कार्यकर्ता राजेश राय बागी का हाथ टूट गया था, जबकि घायल दिव्यांग सियाराम उपाध्याय की मौत हो गई थी। इस मामले में एसपी डॉ. ईरज राजा ने एसओ सहित 6 पुलिस कर्मियों को निलंबित और पांच को लाइन हाजिर कर दिया था।

पूर्व तृणमूल सांसद मिमी चक्रवर्ती की ईडी के सामने हुई पेशी

नई दिल्ली, 15 सितंबर (एजेंसियां)। तृणमूल कांग्रेस की पूर्व सांसद मिमी चक्रवर्ती सोमवार को ईडी के सामने पेश हुईं। अधिकारियों ने बताया कि मिमी से एक कथित अवैध सट्टेबाजी एप से जुड़े धन शोधन मामले में पूछताछ की गई। 36 साल की मिमी का बयान 1xBet नाम के एक अवैध सट्टेबाजी एप से संबंधित एक मामले में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत दर्ज किया गया। पूर्व सांसद और अभिनेत्री का कुछ विज्ञापनों और वित्तीय लेनदेन के जरिए इस एप से संबंध माना जा रहा है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) पूछताछ के दौरान इस एप से उनके संबंधों को समझना चाहता है।

एजेंसी अवैध सट्टेबाजी एप से जुड़े कई ऐसे मामलों की जांच कर रही है, जिन पर कई लोगों और निवेशकों से करोड़ों रुपये की ठगी करने या भारी मात्रा में कर चोरी

सट्टेबाजी एप पीएमएलए मामले में पूछताछ

करने का आरोप है। इस मामले में संघीय जांच एजेंसी पहले भी पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना और शिखर धवन से पूछताछ कर चुकी है। अभिनेत्री उर्वशी रौतेला (31) को मंगलवार को इस मामले में ईडी ने गवाही देने के लिए कहा है। रौतेला 1xBet की भारतीय राजदूत हैं।

कंपनी की दलील

कंपनी के मुताबिक, 1xBet एक विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त सट्टेबाज है, जो सट्टेबाजी उद्योग में 18 वर्षों से कार्यरत है। ब्रांड के ग्राहक हजारों खेल आयोजनों पर दांव लगा सकते हैं। कंपनी की वेबसाइट और एप 70 भाषाओं में उपलब्ध हैं।

आने वाले दिनों में जांच एजेंसी की ओर से और भी खिलाड़ियों और मशहूर हस्तियों से पूछताछ किए जाने की उम्मीद है। केंद्र सरकार ने हाल ही में एक कानून लाकर असली पैसे वाले ऑनलाइन गेमिंग पर प्रतिबंध लगा दिया है।

भारत में ऑनलाइन सट्टेबाजी एप बाजार का मूल्य 100 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक

बाजार विश्लेषण फर्मों और जांच एजेंसियों के अनुमान के अनुसार, ऐसे विभिन्न ऑनलाइन सट्टेबाजी एप्स के लगभग 22 करोड़ भारतीय उपयोगकर्ता हैं, जिनमें से आधे (लगभग 11 करोड़) नियमित उपयोगकर्ता हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, भारत में ऑनलाइन सट्टेबाजी एप बाजार का मूल्य 100 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक है और यह 30 प्रतिशत की दर से बढ़ रहा है।

जुआ प्लेटफॉर्म पर रोक लगाने के लिए 1,524 आदेश जारी किए

सरकार ने हाल ही में संसद को बताया था कि उसने 2022 से जून 2025 तक ऑनलाइन सट्टेबाजी और जुआ प्लेटफॉर्म पर रोक लगाने के लिए 1,524 आदेश जारी किए हैं।

पिकअप गाड़ी दुर्घटनाग्रस्त होने से पांच लोगों की मौत, दो घायल

शिमला, 15 सितंबर (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश के शिमला जिले के कोटखाई क्षेत्र में बड़ा सड़क हादसा हुआ है। हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार कोटखाई रामनगर के खोला कैंची के पास पिकअप गाड़ी दुर्घटनाग्रस्त हुई है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार इस हादसे में चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि एक घायल ने अस्पताल ले जाते हुए रास्ते में दम तोड़ दिया। दो घायल हैं।

मृतकों में तीन नेपाली मूल के व्यक्ति शामिल हैं। एक मृतक की पहचान जोगिंदर सिंह पुत्र बालक राम निवासी खोला गांव के रूप में हुई है। हादसे के दौरान गाड़ी में कुल सात लोग सवार थे। हादसे के कारणों का पता नहीं चल पाया है। सूचना मिलने की पुलिस मौके पर पहुंची और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। घायलों को उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल भेजा गया है। शिमला रेफर एक घायल ने रास्ते में दम तोड़ दिया।

'मैं झूठे वादे नहीं करता' केंद्रीय मंत्री सुरेश गोपी ने बुजुर्ग का आवेदन न लेने का किया बचाव

त्रिशूर, 15 सितंबर (एजेंसियां)। अपने निर्वाचन क्षेत्र में एक बुजुर्ग व्यक्ति का आवेदन स्वीकार न करने के चलते सोशल मीडिया पर आलोचनाओं का शिकार हो रहे केंद्रीय मंत्री सुरेश गोपी ने सोमवार को अपना बचाव किया और स्पष्टीकरण जारी किया। उन्होंने कहा कि वे ऐसे वादे नहीं करते, जिन्हें पूरा ही न किया जा सके। केंद्रीय मंत्री ने आरोप लगाया कि कुछ लोग उनके खिलाफ राजनीतिक एजेंडा चलाकर फायदा उठाने की कोशिश कर रहे हैं।

क्या है मामला

दरअसल 12 सितंबर को केरल के त्रिशूर में एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान, वेलायुधन नाम के एक बुजुर्ग व्यक्ति ने घर दिलाने में सहायता के लिए सुरेश गोपी से संपर्क किया। हालांकि, केंद्रीय मंत्री ने सार्वजनिक रूप से बुजुर्ग का आवेदन स्वीकार करने से इनकार कर दिया। इस घटना के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद केंद्रीय मंत्री सुरेश गोपी की खूब आलोचना हुई। अब अपने फेसबुक पेज पर सुरेश गोपी ने एक पोस्ट लिखकर स्पष्टीकरण दिया है। उन्होंने लिखा कि कुछ लोग अपने राजनीतिक एजेंडे के लिए इस घटना का फायदा उठाने की कोशिश कर रहे हैं।

'लोगों को झूठी उम्मीदें देना मेरा काम नहीं'

गोपी ने कहा कि 'एक जनप्रतिनिधि होने के नाते, वह हमेशा इस बारे में स्पष्ट रहते हैं कि वह क्या कर सकते हैं और क्या नहीं।' उन्होंने कहा, 'मैं ऐसे वादे नहीं करता जो पूरे न हो सकें। लोगों को झूठी उम्मीदें देना मेरा काम नहीं है। आवास निर्माण राज्य का विषय है। इस पर राज्य सरकार को विचार करना है।' गोपी ने कहा कि उनकी कोशिश हमेशा व्यवस्था के भीतर रहकर लोगों की मदद करने पर केंद्रित रही है। केंद्रीय मंत्री ने ये भी कहा कि 'मुझे यह देखकर खुशी हुई कि इस घटना के बाद, एक और पार्टी, परिवार को एक घर देने के लिए आगे आई। भले ही इसके पीछे कोई राजनीतिक मकसद रहा हो, लेकिन मायने यह रखता है कि परिवार को आखिरकार एक घर मिल गया।' केंद्रीय मंत्री ने कहा 'अगर मेरे कारण किसी को घर मिला है तो मैं इसे एक सकारात्मक परिणाम मानता हूं। वास्तव में जो मायने रखता है वह है वास्तविक समाधान।'

वक्फ के इतिहास को भी जानता है सुप्रीम कोर्ट उम्मीद है न्याय होगा : हरीश रावत

देहरादून, 15 सितंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता हरीश रावत ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट वक्फ के इतिहास को भी जानता है और इसके साथ जुड़े हुए धार्मिक स्वतंत्रता के मुद्दे को भी जानता है और सरकार के उद्देश्य को भी जानता है। हम उम्मीद करते हैं कि अगर सरकार न्याय नहीं दे सकी है, सुप्रीम कोर्ट न्याय देगा। सर्वोच्च न्यायालय ने वक्फ संशोधन अधिनियम, 2025 के उस प्रावधान पर रोक लगा दी है, जिसके अनुसार किसी व्यक्ति को वक्फ बनाने के लिए पांच वर्षों तक इस्लाम का अनुयायी होना आवश्यक था। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि यह प्रावधान तब तक स्थगित रहेगा, जब तक यह निर्धारित करने के लिए नियम नहीं बन जाते कि कोई व्यक्ति इस्लाम का अनुयायी है या नहीं।

सर्वोच्च न्यायालय ने वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 के सभी प्रावधानों पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। हालांकि, न्यायालय का कहना है कि कुछ धाराओं को संरक्षण की आवश्यकता है। सर्वोच्च न्यायालय ने वक्फ अधिनियम के उस प्रावधान पर भी रोक लगा दी है, जो कलेक्टर को यह निर्धारित करने का अधिकार देता था कि वक्फ घोषित की गई संपत्ति सरकारी है या नहीं और आदेश पारित कर सकता था। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि कलेक्टर को नागरिकों के व्यक्तिगत अधिकारों का न्याय करने की अनुमति नहीं दी जा सकती और यह शक्तियों के पृथक्करण का उल्लंघन होगा।

कनिमोझी बोलीं-तमिलनाडु में हिंदी थोपना असंभव तमिल भाषा और संस्कृति ही रहेगी सुरक्षित

मदुरई, 15 सितंबर (एजेंसियां)। डीएमके सांसद कनिमोझी ने केंद्र सरकार की भाषा नीति और हिंदी थोपने के प्रयासों को लेकर कड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि तमिल भाषा न सिर्फ प्राचीन है, बल्कि आज भी जीवित और समृद्ध है, जबकि संस्कृत अब आम बोलचाल की भाषा नहीं रह गई है। इसके बावजूद केंद्र सरकार संस्कृत के प्रचार-प्रसार के लिए बड़े पैमाने पर धन आवंटित करती है। कनिमोझी ने यह भी चेताया कि अगर किसी राज्य में स्थानीय भाषा को नजरअंदाज कर हिंदी या किसी अन्य भाषा को बढ़ावा दिया गया, तो वहां की संस्कृति और परंपरा पर खतरा मंडराने लगता है। उन्होंने महाराष्ट्र का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां हिंदी के बढ़ते प्रभाव ने मराठी भाषा की अहमियत को कम कर दिया है।

'तमिलनाडु में हिंदी थोपने की कोशिश नाकाम रही'

कनिमोझी ने कहा कि तमिलनाडु में ऐसी स्थिति कभी पैदा नहीं हुई, क्योंकि यहां के लोग हमेशा अपनी भाषा और संस्कृति की रक्षा के लिए खड़े

हुए। उन्होंने कहा, 'जब हिंदी थोपने की कोशिश हुई, तो पूरे राज्य में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुए। तमिलनाडु के लोगों के संघर्ष की वजह से ही आज तमिल भाषा, उसकी संस्कृति और परंपराएं सुरक्षित और जीवित हैं।'

अनुराग ठाकुर पर कनिमोझी ने ली चुटकी

डीएमके सांसद कनिमोझी ने चुटकी लेते हुए कहा कि अगर आज बच्चों से पूछा जाए कि चांद पर सबसे पहले कौन गया, तो वे नील आर्मस्ट्रॉन्ग का नाम बताएंगे। 'लेकिन कुछ उत्तरी नेता यह दावा कर सकते हैं कि सबसे पहले हमारी लोककथाओं की दादी या फिर हनुमान जी चांद पर पहुंचे थे।' उन्होंने कहा कि सौभाग्य से तमिलनाडु में ऐसे लोग सत्ता में नहीं हैं, इसलिए यहां शिक्षा और विचारधारा तथ्य और तर्क पर आधारित हैं।

'तमिलों में कभी नहीं रहा वर्चस्व का भाव'

कनिमोझी ने तमिल समाज की ऐतिहासिक सोच पर जोर देते हुए कहा कि तमिलों ने कभी दूसरों पर अपना वर्चस्व नहीं जमाया। उन्होंने कहा 'प्राचीन काल में जब तमिल योद्धा युद्ध जीतते थे, तो वे वहां के लोगों या उनकी संस्कृति को नष्ट नहीं करते थे।

तमिलों के बीच कभी भी वर्चस्व और दूसरों को दबाने की मानसिकता नहीं रही है।' डीएमके सांसद कनिमोझी का यह बयान ऐसे समय में आया है, जब देश में भाषाई पहचान और केंद्र की भाषा नीति को लेकर बहस तेज है। तमिलनाडु लंबे समय से हिंदी थोपने का विरोध करता रहा है, और यह मुद्दा राज्य की राजनीति में हमेशा संवेदनशील रहा है।

पाकिस्तान को फायदा पहुंचाने के लिए खेला गया मैच : संजय राउत

मुंबई, 15 सितंबर (एजेंसियां)। शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) के नेता और राज्यसभा सदस्य संजय राउत ने दुबई अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में भारत-पाकिस्तान के बीच खेले गए मुकाबले को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के साथ खेलना ही एक अपराध और देशद्रोह है। उन्होंने कहा कि भारत ने पाकिस्तान को 7 विकेट से हरा दिया है, लेकिन उन 25 महिलाओं की मांग का क्या जो मिटा दी गई थीं? जब पाकिस्तान को घुसकर मारने का मौका था, तब भाजपा की सरकार पीछे हट गई। उन्होंने कहा कि क्रिकेट के मैदान पर रविवार को जो हुआ क्या वह फिक्स मैच था। उस मैच पर डेढ़ लाख करोड़ रुपए का सट्टा खेला गया, इसमें पाकिस्तान को भी उसका हिस्सा मिला होगा। कल के मैच की वजह से पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को कम से कम एक हजार करोड़ रुपए मिले होंगे। संजय राउत ने कहा कि आप पाकिस्तान को हमारी महिलाओं की मांग मिटाने के लिए सक्षम बना रहे हैं। पाकिस्तान जीता या हारा, इससे हमें कोई फर्क नहीं पड़ता। कुल मिलाकर मैच में डेढ़ लाख करोड़ का जुआ खेला गया। सब कुछ पहले से फिक्स करके ये मैच खेला गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि पाकिस्तान को फायदा पहुंचाने के लिए यह मैच खेला गया है।

हिरासत में नाबालिग को यातना, सुनवाई से 'सुप्रीम' इनकार याचिकाकर्ता को हाईकोर्ट जाने की सलाह

नई दिल्ली, 15 सितंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को गुजरात पुलिस पर 17 वर्षीय नाबालिग के साथ यौन शोषण और कस्टडी में यातना का आरोप लगाने वाली याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया। अदालत ने याचिकाकर्ता को सलाह दी कि वह पहले हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाएं।

मामले में न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने याचिकाकर्ता के वकील से कहा, 'हमें आपकी परेशानी का एहसास है, लेकिन आप पहले हाई कोर्ट क्यों नहीं गए?' वकील ने बताया कि नाबालिग के साथ पुलिस ने बर्बरता की है। इस पर कोर्ट ने दोबारा पूछा, 'आप आर्टिकल 226 के तहत हाई कोर्ट क्यों नहीं गए?' वकील ने दलील दी कि उन्होंने सुप्रीम कोर्ट से एम्स, नई दिल्ली, से मेडिकल बोर्ड बनवाकर नाबालिग के जख्मों की जांच कराने का निर्देश देने की मांग की थी। इस पर कोर्ट ने कहा,'क्या हाई कोर्ट यह आदेश नहीं दे सकता?' वकील ने यह भी कहा कि यह सिर्फ एक मामले की बात नहीं है, बल्कि पूरे देश में नाबालिगों को पुलिस कस्टडी में उठाकर प्रताड़ित करने का बड़ा मुद्दा है। हालांकि, कोर्ट ने साफ किया कि पहले हाई कोर्ट में जाएं और अगर वहां राहत न मिले तो वापस सुप्रीम कोर्ट आ सकते हैं। इसके साथ ही कोर्ट ने एम्स से मेडिकल रिपोर्ट बनवाने के अनुरोध को भी ठुकरा दिया। वकील ने यह भी चिंता जताई कि जब तक वह हाई कोर्ट पहुंचेंगे, तब तक बोटाद थाने की सीसीटीवी फुटेज नष्ट हो सकती है। इस पर कोर्ट ने कहा, 'अगर आप समय पर हाई कोर्ट जाएंगे तो फुटेज नष्ट नहीं होगी।' इसके बाद वकील ने याचिका वापस ले ली।

क्या है पूरा मामला?

यह याचिका नाबालिग के बहन ने दायर की थी। इसमें आरोप लगाया गया कि 18 अगस्त को गुजरात के बोटाद शहर की पुलिस ने नाबालिग को सोने और नकदी की चोरी के शक में उठाया। नाबालिग को 19 अगस्त से 28 अगस्त तक गैरकानूनी तरीके से कस्टडी में रखा गया। इस दौरान उसे पुलिस स्टेशन में बेरहमी से पीटा गया और यौन शोषण किया गया। पुलिस ने नाबालिग को न तो 24 घंटे के भीतर जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड या मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया और न ही मेडिकल जांच कराई।

पीएम के 75वें जन्मदिन पर दिव्यांगों और बुजुर्गों को 64.66 करोड़ का खास गिफ्ट

नई दिल्ली, 15 सितंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 75वें जन्मदिन पर 17 सितंबर से शुरू हो रहे सेवा पखवाड़े में दिल्ली सरकार दिव्यांगों और बुजुर्गों को भी खास तोहफा देगी। कॉलेज जाने वाली दृष्टिबाधित छात्राओं को अटल दृष्टि छात्रावास, बौद्धिक रूप से दिव्यांग व्यक्तियों को अटल आशा गृह और बुजुर्गों को सावित्रीबाई फुले वरिष्ठ नागरिक गृह मिलेंगे। कुल 64.66 करोड़ रुपये की लागत से बने ये केंद्र विशेष वर्ग के लोगों को आत्मनिर्भर और सम्मान से जीने के अवसर देंगे।

अमित शाह करेंगे शुभारंभ

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह त्यागराज स्टेडियम से इनका शुभारंभ उद्घाटन करेंगे।

मुख्यमंत्री ने रविवार को बताया कि उनकी सरकार असहाय वर्ग के लोगों के जीवन को सुविधाजनक बनाने के लिए काम कर रही है। किसी भी वर्ग को सुविधाएं देने से सरकारी

पीछे नहीं हटेगी। तिमारपुर में डीयू के पास 13.42 करोड़ रुपये की लागत से दृष्टिबाधित छात्राओं के लिए चार मंजिला छात्रावास बनाया गया है। करीब 3703.43 वर्गमीटर में बने इस भवन में 96 छात्राओं के रहने की जगह है। इसे छात्राओं की सुविधा के लिहाज से डिजाइन किया गया है, उसी के अनुरूप सहायक सुविधाएं लगाई गई हैं।

वरिष्ठ नागरिक गृह बनेगा 96 का ठिकाना

पश्चिम विहार में 10.64 करोड़ रुपये से 2257 वर्गमीटर में चार मंजिला सावित्रीबाई फुले वरिष्ठ नागरिक गृह बनाया गया है। इसमें 96 बुजुर्गों के लिए रहने का इंतजाम है। इस केंद्र में चिकित्सा, पौष्टिक भोजन और मनोरंजन की सुविधाएं भी मिलेंगी।

कमजोर वर्गों के लिए ये नई उम्मीद

मुख्यमंत्री ने बताया कि विशेष वर्ग के लोगों के लिए ये केंद्र अटल बिहारी वाजपेयी और सावित्रीबाई फुले की स्मृति में बनाए गए हैं। ये पहल कमजोर वर्गों को सुविधाएं देगी। प्रधानमंत्री के जन्मदिन 17 सितंबर से शुरू होकर गांधी जयंती व लाल बहादुर शास्त्री जयंती तक चलने वाले सेवा पखवाड़े में 75 योजनाएं शुरू होंगी। नरेला में 40.60 करोड़ रुपये की लागत से 12,500 वर्गमीटर में चार मंजिला अटल आशा गृह बनाया गया है।

सड़क हादसे में गई कई नामचीन हस्तियों की जान

> 2023 में 4.80 लाख दुर्घटनाएं, 1.72 लाख मौत

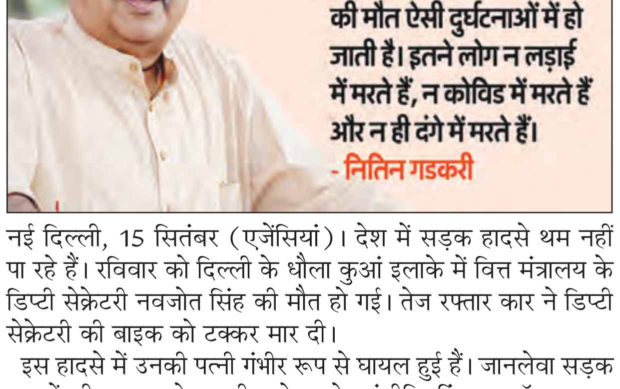

नई दिल्ली, 15 सितंबर (एजेंसियां)। देश में सड़क हादसे थम नहीं पा रहे हैं। रविवार को दिल्ली के धौला कुआं इलाके में वित्त मंत्रालय के डिप्टी सेक्रेटरी नवजोत सिंह की मौत हो गई। तेज रफ्तार कार ने डिप्टी सेक्रेटरी की बाइक को टक्कर मार दी।

इस हादसे में उनकी पत्नी गंभीर रूप से घायल हुई हैं। जानलेवा सड़क हादसों की वजह, ओवर स्पीड हो या रोड इंजीनियरिंग का फॉल्ट, 470 से ज्यादा लोग हर रोज मारे जा रहे हैं। साल 2023 में लगभग 4.80 लाख सड़क हादसे हुए, जिनमें 1.72 लाख लोगों की मौत हो गई। सड़क हादसों में मारे गए लोगों में पूर्व राष्ट्रपति और केंद्रीय मंत्री/मुख्यमंत्री से लेकर कई नामचीन हस्तियां शामिल हैं। 2022 में भी 4.61 लाख से अधिक सड़क दुर्घटनाएं हुई थीं।

हर रोज हो रहे औसतन 1263 सड़क हादसे ...

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय की 'भारत में सड़क दुर्घटनाएं-2022' शीर्षक से जारी वार्षिक रिपोर्ट के मुताबिक, देशभर में 4,61,312 सड़क हादसे हुए थे। इन हादसों में 1,68,491 लोगों की जान गई थी, जबकि 4,43,366 लोग घायल हुए थे। 2021 की तुलना में सड़क हादसों में 11.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। इन हादसों में होने वाली मौतों में 9.4 प्रतिशत और घायलों की संख्या में 15.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई। पिछले साल वैशाली से लोजपा (आर) की सांसद वीणा देवी के बेटे की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई थी। सड़क हादसों में मारे जाने वाले लोगों की संख्या के मामले में भारत ने अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, चीन, जर्मनी और जापान सहित कई देशों को पीछे छोड़ दिया है। भारत में हर रोज औसतन 1263 सड़क हादसे हो रहे हैं। प्रतिवर्ष होने वाले सड़क हादसों की बात करें तो यह संख्या 4.50 लाख के पार चली जाती है।

75 सौ रुपये के बॉन्ड व निबंध की सजा ...

गत वर्ष महाराष्ट्र में पुणे के कल्याणीनगर में हुई सड़क दुर्घटना के बाद सोशल मीडिया पर लोगों का जबरदस्त गुस्सा देखने को मिला था। ढाई करोड़ रुपये की महंगी कार से हुए हादसे में दो लोगों की मौत हो गई थी। कार को एक नाबालिग चला रहा था। उस वक्त आम लोगों का गुस्सा फूट पड़ा, जब जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड ने आरोपी को 75 सौ रुपये के बॉंड और सड़क सुरक्षा पर एक निबंध लिखने की सजा देते हुए जमानत दे दी थी। जब यह मामला सोशल मीडिया पर वायरल हुआ तो आरोपी और उसके पिता पर कार्रवाई की गई। देश में नया मोटर वाहन अधिनियम लागू होने के बाद यह उम्मीद बंधी थी कि अब सड़क हादसों में कमी आएगी, लेकिन ऐसा नहीं हो सका। दूसरी तरफ अमेरिका में 365 दिन में 19 लाख सड़क हादसे हो जाते हैं, लेकिन उनमें मारे जाने वाले लोगों की संख्या 36560 रहती है।

विकसित देशों में भारत के मुकाबले कठोर कानून ...

छह साल पहले लागू हुए नए मोटर वाहन अधिनियम के तहत चालान राशि में कई गुना बढ़ोतरी की गई थी। मकसद था, सड़क हादसों में कमी लाना। देश में प्रतिवर्ष साढ़े चार लाख से ज्यादा सड़क हादसे हो रहे हैं। सड़क हादसों में मारे जाने वाले लोगों की संख्या के मामले में भारत ने कई विकसित देशों को पीछे छोड़ दिया है। इनमें अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, चीन, जर्मनी और जापान सहित 19 देश शामिल हैं। सड़क हादसों को लेकर विकसित देशों में भारत के मुकाबले कानून कठोर हैं। साथ ही इन देशों में वाहन से लेकर रोड इंजीनियरिंग तक, इन सभी बातों पर गहराई से काम होता है।

कटड़ा में मां वैष्णो देवी मार्ग पर फिर भूस्खलन

बारिश से बनी-बसोहली मार्ग 16 घंटे रहा बंद

जम्मू, 15 सितंबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर में शनिवार देर शाम कई जगह मौसम में फिर बदलाव आया। देर रात कटड़ा में भारी बारिश हुई। माता वैष्णो देवी के पारंपरिक यात्रा मार्ग पर कई जगह भूस्खलन से मलबा जमा हो गया। कठुआ के बनी-बसोहली मार्ग पर टिकरी के पास भूस्खलन से 16 घंटे आवाजाही बंद रही। रातभर बड़ी संख्या में वाहन फंसे रहे। बीआरओ की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद मार्ग बहाल किया। जम्मू में रविवार को दिनभर हल्के बादल छाए रहे। शाम को हल्की बारिश हुई। इससे पहले दिनभर उमस ने परेशान किया।राजधानी श्रीनगर समेत कश्मीर के अन्य जिलों में तपिश का अहसास हुआ।

यहां अधिकांश जिलों में दिन का पारा सामान्य से 4 से 6 डिग्री ऊपर चल रहा है। जम्मू में शाम को हल्की बारिश से राहत मिली। आर्द्रता का प्रतिशत 88 तक पहुंच जाने से उमस ने परेशान किया। यहां दिन का पारा सामान्य से थोड़ा चढ़कर 33.8 और न्यूनतम तापमान 26.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। श्रीनगर में भी अधिकतम तापमान सामान्य से 4.8 डिग्री चढ़कर 32.6 और न्यूनतम तापमान 18.8 डिग्री सेल्सियस रहा। बनिहाल में दिन का पारा 29.2, बटोत में 26.1, कटड़ा में 28.2 और भद्रवाह में 29.5 डिग्री सेल्सियस रहा। पहलगाम में अधिकतम तापमान 27.2 और गुलमर्ग में 23.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

स्वतंत्र वार्ता

मंगलवार, 16 सितंबर- 2025

चीन को करारा जवाब!

दुनिया की छत कहे जाने वाले तिब्बत में हाल ही में चीन की तरफ से यारलुंग त्सांगपो नदी पर एक विशाल बांध का निर्माण शुरू करने की खबर ने दुनिया को चौंका दिया था। जाहिर है चीन ने यह कदम भारत पर रणनीतिक बढ़त के लिए ही उठाया है। चीन की मंशा को भांपते हुए अब भारत ने भी जवाब देने का फैसला किया है। भारत ने अरुणाचल प्रदेश में अपने सबसे ऊंचा डैम बनाने की दिशा में अहम कदम बढ़ा दिया है। इसके लिए दिबांग बहुउद्देशीय परियोजना, पर काम शुरू कर दिया है। खबरों के अनुसार सरकारी कंपनी एनएचपीसी लिमिटेड, ने मुख्य बांध के निर्माण के लिए 17,069 करोड़ रुपये की बड़ी बोली लगाई है। यह मुख्य बांध चीन के डैम से अचानक पानी छोड़े जाने पर एक बफर के रूप में काम करेगा। जिससे भारत में बाढ़ की आशंका कम हो जाएगी। टेंडर के अनुसार, 91 महीने में दिबांग बांध 2032 तक बनकर तैयार हो जाएगा। यह भारत की सामरिक सुरक्षा के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। पिछले साल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 2880 मेगावाट की दिबांग बहुउद्देशीय परियोजना की आधारशिला रखे जाने के बाद, अरुणाचल के मुख्यमंत्री पेमा खांडू और बीजेपी के नेताओं ने हाल ही में मिनली गांव में परियोजना स्थल का दौरा किया है। मुख्य बांध के निर्माण के लिए एनएचपीसी लिमिटेड की तरफ से जारी परियोजना के बोली दस्तावेज में कहा गया है कि दिबांग मल्टीपर्पज प्रोजेक्ट के निर्माण के दो मुख्य उद्देश्य बिजली उत्पादन और बाढ़ नियंत्रण है। सियांग नदी तिब्बत में यारलुंग त्सांगपो के रूप में निकलती है। यह अरुणाचल प्रदेश में प्रवेश करती है और अरुणाचल प्रदेश के पहाड़ों से निकलने वाली दिबांग नदी की मुख्य धारा है। यही दोनों मिलकर ब्रह्मपुत्र नदी बनाती हैं। दिबांग बांध चीनी योजना के विरुद्ध भारत के लिए एक सुरक्षा कवच की तरह काम करेगा। यह कदम इसी जुलाई में आई उन रिपोर्टों के बीच आई है जिनमें कहा गया था कि चीन ने तिब्बती क्षेत्र में दुनिया का सबसे बड़ा जलविद्युत बांध बनाना शुरू कर दिया है। भारत ने तब चीन के समक्ष इन विशाल बांधों के प्रभाव को लेकर चिंता व्यक्त की थी। साथ ही, बीजिंग से यह सुनिश्चित करने को कहा था कि भारत के हितों को कोई नुकसान न पहुंचे। सरकार ने 'पारदर्शिता और परामर्श की आवश्यकता' पर भी जोर दिया था। साल 2020 के गलवान घाटी संघर्ष के बाद इस साल चीन के साथ संबंधों में सुधार देखने को मिल रहा है। हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन के लिए चीन का दौरा कर लौटे हैं। मोदी ने वहां चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ द्विपक्षीय बैठक की थी। इन सब के बावजूद चीनी बांध भारत के लिए चिंता सबब बना हुआ है। इससे पहले अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री खांडू ने चेतावनी दी थी कि चीनी बांध के पूरा हो जाने के बाद सियांग और ब्रह्मपुत्र नदियां काफी हद तक सूख जाएंगी। उन्होंने कहा था कि चीन इसे एक तरह से 'वॉटर बम' के रूप में भी इस्तेमाल कर सकता है। इसकी वजह है कि यदि बांध से अचानक पानी छोड़ा गया तो भारतीय क्षेत्र में बाढ़ आने का खतरा मंडराता रहेगा।

प्रदूषण से बचने के लिए इलेक्ट्रिक वाहन जरूरी

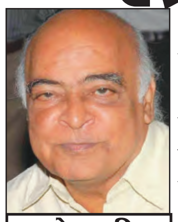

अशोक भाटिया

प्रदूषण से लड़ने के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवीएस) पर ध्यान देना ज़रूरी है क्योंकि वे संचालन के दौरान शून्य टेलपाइप उत्सर्जन करते हैं, जिससे वायु प्रदूषण और कार्बन फुटप्रिंट कम होता है। इससे लोगों का स्वास्थ्य भी सुधरता है और ध्वनि प्रदूषण घटता है। हालांकि, ईवीएस के निर्माण और ऊर्जा उत्पादन की प्रक्रिया में उत्सर्जन होता है, इसलिए हरित ऊर्जा स्रोतों का उपयोग और उत्पादन प्रक्रियाओं को टिकाऊ बनाना महत्वपूर्ण है। इलेक्ट्रिक वाहनों का एक प्रमुख लाभ यह है कि वे ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को काफ़ी कम कर देते हैं। पेट्रोल और डीज़ल कारों के विपरीत, इलेक्ट्रिक वाहन शून्य टेलपाइप उत्सर्जन करते हैं, यानी वे वायुमंडल में कोई सीO2 नहीं छोड़ते। इससे वायु की गुणवत्ता में काफ़ी सुधार होता है; और सभी के लिए सड़कें साफ़ रहती हैं। इसे समझने के लिए, पारंपरिक पेट्रोल कारें प्रति किलोमीटर लगभग 165 ग्राम सीO2 उत्सर्जित करती हैं, और डीजल कारें प्रति किलोमीटर लगभग 170 ग्राम सीO2 उत्सर्जित करती हैं। इसके विपरीत, इलेक्ट्रिक वाहन औसतन केवल 50 ग्राम सीO2 प्रति किलोमीटर उत्सर्जित करते हैं, जिसमें उत्पादित बिजली भी शामिल है। इसलिए, एक वर्ष में, केवल एक इलेक्ट्रिक वाहन औसतन 15 लाख ग्राम सीO2 बचा सकता है। यह लंदन से बार्सिलोना की चार वापसी उड़ानों के बराबर है। सीO2 उत्सर्जन में यह कमी पेट्रोल और डीजल कारों की तुलना में इलेक्ट्रिक वाहनों के व्यापक पर्यावरणीय लाभ को उजागर करती है। पेट्रोल और डीज़ल कारों के विपरीत, जहाँ इंजन और एग्जॉस्ट से शोर उत्पन्न होता है, इलेक्ट्रिक वाहन लगभग शांत होते हैं, खासकर कम गति पर। इसके परिणामस्वरूप सड़कें शांत रहती हैं, जिससे शहरी क्षेत्र लोगों और वन्यजीवों, दोनों के लिए अधिक शांतिपूर्ण और सुखद बन सकते हैं। इलेक्ट्रिक वाहन पेट्रोल और डीज़ल कारों की तुलना में ज़्यादा ऊर्जा कुशल होते हैं क्योंकि ये कार की बैटरी से ज़्यादा ऊर्जा को गति में परिवर्तित करते हैं। जहाँ पेट्रोल कारें गर्मी, घर्षण और अन्य अक्षमताओं के कारण अपनी लगभग 75-84% ऊर्जा बर्बाद करती हैं, वहीं इलेक्ट्रिक वाहन केवल 31-35% ऊर्जा ही बर्बाद करते हैं। इसलिए, इलेक्ट्रिक वाहन कम ऊर्जा हानि के ज़रिए कुल ऊर्जा की माँग को कम करने में मदद करते हैं। यह इलेक्ट्रिक वाहनों को पर्यावरण के लिए एक बेहतर और पर्यावरण-अनुकूल विकल्प बनाता है। देखा जाय तो ईवी बैटरियों का पुनः उपयोग और पुनर्चक्रण एक लगातार बढ़ता हुआ बाजार है। सेकेंड हैंड बैटरियों के उपयोग पर अनुसंधान, बिजली भंडारण जैसी नई तकनीकों में बैटरियों के पुनः उपयोग के तरीकों की तलाश कर रहा है। यह राष्ट्रीय ग्रिड को संतुलित करने और नवीकरणीय ऊर्जा को संग्रहीत करने में मदद कर सकता है, जिससे ईवी बैटरी उत्पादन का पर्यावरणीय प्रभाव कम हो सकता है। अध्ययन बताते हैं कि ऊर्जा भंडारण के लिए 50% एंड-लाइफ वाहन बैटरियों का पुनः उपयोग करने से 2030 में 96 जीडब्ल्यूएच, 2040 में 3,000 जीडब्ल्यूएच और 2050 तक 12,000 जीडब्ल्यूएच की क्षमता मिल सकती है। इस संग्रहीत ऊर्जा का उपयोग पीक डिमांड के समय किया जा सकता है जब बिजली की कीमतें अधिक होती हैं, जिससे आपकी ऊर्जा लागत कम होती है। इसके अलावा, ऊर्जा भंडारण में वृद्धि के कारण, नवीकरणीय ऊर्जा अधिक विश्वसनीय हो सकती है। अंततः, घरों को ऊर्जा प्रदान करने वाली उन्नत वाहन-से-घर (वी2एच) तकनीकों के साथ, एक दिन हम सभी के पास अपनी ऊर्जा भंडारण इकाइयाँ हो सकती हैं। इससे न केवल अतिरिक्त बिजली मिलती है और ऊर्जा लागत कम होती है, बल्कि इलेक्ट्रिक वाहन बैटरियों के पुनः उपयोग का एक और अवसर भी मिलता है। घरेलू ऊर्जा भंडारण के लिए बैटरियों का पुनः उपयोग उनके जीवनकाल को बढ़ाता है, अपशिष्ट को कम करता है, और विनिर्माण के पर्यावरणीय बोझ को कम करता है। यह चक्रीय दृष्टिकोण बैटरी के अधिक टिकाऊ जीवनकाल को बढ़ावा देता है, और उत्पादन से होने वाले वर्तमान पर्यावरणीय नुकसान का प्रतिकार करता है।कुल मिलाकर, लिथियम-आयन बैटरी निर्माण पर विचार करने के बाद भी, इलेक्ट्रिक वाहन अभी भी एक पर्यावरण-अनुकूल विकल्प हैं। इनका जीवनकाल ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन पेट्रोल और डीजल वाहनों की तुलना में काफी कम है, जो उन्हें वैश्विक कार्बन उत्सर्जन को कम करने में एक महत्वपूर्ण उपकरण बनाता है। इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) से जुड़ी कुछ दिक्कतें भी हैं। जैसे चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर की कमी, लंबी चार्जिंग में लगने वाला समय, सीमित ड्राइविंग रेंज, और उच्च प्रारंभिक लागत। इसके अलावा, बैटरियों का भारी वजन, उत्पादन से जुड़े पर्यावरणीय प्रभाव, मरम्मत और बैटरी बदलने का खर्च, तथा कुछ मामलों में अचानक आग लगने का खतरा भी प्रमुख चुनौतियां हैं। इन सब समस्याओं से निपटने के सरकार धयान दे रही है। बात करें मुंबई की तो मुंबई नगर निगम ने शहर में चार्जिंग स्टेशनों की संख्या बढ़ाने और सार्वजनिक परिवहन प्रणाली को विद्युतीकृत करने के लिए, एक समर्पित इलेक्ट्रिक वाहन सेल लॉन्च किया है। एक अलग और निजी वाहन में ईवी खरीदने में एक बड़ा अंतर है।

आज भी उसकी बहुत सी सीमाएं हैं। महाराष्ट्र सरकार 2020 में एक संशोधित ईवी नीति लेकर आई है। 2028 तक, मुंबई, पुणे और नासिक जैसे शहरी क्षेत्रों में सार्वजनिक परिवहन प्रणाली पूरी तरह से विद्युतीकृत हो गई है, लेकिन इन सेवाओं को सरकार द्वारा वित्त पोषित किया जाता है, लेकिन छोटी सार्वजनिक सेवाओं के बारे में क्या? क्या सरकार कम से कम अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने की राह पर है? इस विषय पर प्रकाश डालने का प्रयास पिछले सप्ताह विश्व ईवी दिवस पर जारी एक रिपोर्ट द्वारा किया गया है, जिसे पिछले सप्ताह मनाया गया था, जिसमें इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए मुंबई में ऑटो रिक्शा और टैक्सी चालकों के समर्थन और ईवी पर स्विच करने की प्राथमिकताओं पर प्रकाश डाला गया था। रिपोर्ट मुंबई में ऑटो रिक्शा और टैक्सी चालकों के बीच ईवी की भूमिका की पड़ताल करती है। अध्ययन से पता चला है कि मुंबई में 85% ऑटो-रिक्शा और टैक्सी चालक इलेक्ट्रिक वाहनों के बारे में जानते हैं, लेकिन कई अभी भी चार्जिंग सुविधाओं, वित्तीय सहायता और अपर्याप्त बुनियादी ढांचे के कारण इलेक्ट्रिक वाहनों पर स्विच करने के इच्छुक नहीं हैं, जिसके परिणामस्वरूप मुंबई में एक स्थायी सार्वजनिक परिवहन प्रणाली बनाने की प्रक्रिया धीमी हो गई है।

हाल ही में यह अध्ययन पर्यावरण फाउंडेशन और क्लाइमेट रिसर्च कंसल्टेंसी के सहयोग से एएसईआर सोशल इम्पैक्ट एंड सस्टेनेबल मोबिलिटी नेटवर्क के सहयोग से आयोजित किया गया था। अध्ययन में बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) के सभी 24 वार्डों में कुल 1,200 ऑटो शामिल थे, ताकि शहर की परिवहन प्रणाली के अंतिम मील वितरण में ईवी के उपयोग की तत्काल आवश्यकता को उजागर किया जा सके। रिक्शा और टैक्सी चालकों के वास्तविक साक्षात्कार आयोजित किए गए थे। ओजीआईएस का उपयोग डिजिटल डेटा संग्रह और भौगोलिक विश्लेषण के लिए किया गया था। अध्ययन में 55% ऑटो-रिक्शा चालकों और 45% टैक्सी चालकों के साक्षात्कार के माध्यम से विभिन्न पहलुओं को समझने की कोशिश की गई। अध्ययन में मुंबई में सार्वजनिक परिवहन प्रणाली के पहले और अंतिम चरण में काम करने वाले रिक्शा और टैक्सी चालकों के प्रश्नों के महत्वपूर्ण रिकॉर्ड और सिफारिशें सामने आई हैं। वित्तीय सहायता और चार्जिंग के संबंध में उनकी चिंताएं वैध हैं, और उन्हें संबोधित करने के लिए विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। इस समय पूरे महाराष्ट्र में चार्जिंग नेटवर्क स्थापित करने का काम जोरों पर है और सभी भागीदारों और हितधारकों के साथ वित्तपोषण के लिए नई सिफारिशों में तेजी लानी होगी। जबकि प्रदूषण मुक्त परिवहन प्रणाली की ओर बढ़ने का लक्ष्य बड़ा है, यह समावेशी होना चाहिए और हम सभी को मुंबई शहर के लिए एक स्वस्थ और अधिक टिकाऊ भविष्य के निर्माण के लिए सामूहिक रूप से प्रतिबद्ध होने की आवश्यकता है।

भारत की विदेश नीति से दुनिया हतप्रभ

राजेश कुमार पासी

अंतरराष्ट्रीय संबंधों और कूटनीति के मामले में भारत ने जो किया है और कर रहा है वो अद्भुत है, इसलिए पूरी दुनिया इससे हतप्रभ है। विशेष तौर पर अमेरिका और यूरोपीय देश इससे अचंभित हैं कि भारत इतना ताकतवर कैसे हो सकता है जो एक साथ उन्हें चुनौती दे रहा है। ये तो नहीं कहा जा सकता कि भारतीय विदेश नीति का डंका बज रहा है लेकिन भारतीय विदेश नीति चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना कर रही है। इस समय भारतीय विदेश नीति के सामने बड़ी कठिन चुनौतियां खड़ी हुई हैं लेकिन धीरे-धीरे उनसे निपटा जा रहा है। संतुलन और स्वायत्तता भारतीय विदेश नीति की विशेषता रही है लेकिन अब इसमें आक्रामकता भी जुड़ गई है। इसके अलावा भारतीय संस्कृति की छाप भी विदेश नीति पर रही है जिससे भारत ने किसी भी देश के साथ परस्पर हितों पर आधारित रिश्ते निभाये हैं। भारतीय विदेश नीति स्वार्थ से सदा दूर रही है। ग्लोबल रिश्ते हमेशा हितों पर आधारित होते हैं, इसलिए वैश्विक राजनीति में कहा जाता है कि कोई किसी का स्थायी दोस्त या दुश्मन नहीं होता, स्थायी सिर्फ हित होते हैं। न काहू से दोस्ती, न काहू से बैर, ये भारतीय विदेश नीति का आधार स्तंभ रहा है जबकि 1962 में हमें इसकी बड़ी कीमत चुकानी पड़ी। हमने दोनों गुटों से दूर रहने की नीति अपनाई थी, जिसके कारण चीनी आक्रमण के समय कोई हमारे साथ खड़ा नहीं हुआ। नेहरू जी को अमेरिका के सामने गिड़गिड़ाना पड़ा, तब जाकर अमेरिका हमारे लिए खड़ा हुआ। हमारा झुकाव सोवियत संघ की तरफ था लेकिन कम्युनिस्ट देश होने के कारण वो उस युद्ध में तटस्थ हो गया था। गुटनिरपेक्षता की नीति के बावजूद 1971 में इंदिरा जी ने सोवियत संघ के साथ सुरक्षा समझौता साइन कर लिया था अन्यथा 1971 के युद्ध में हमारे देश की बड़ी बर्बादी हो सकती थी। उस युद्ध में अमेरिका पाकिस्तान की तरफ से मैदान में आ गया था। नेहरू जी के समय की सबसे दूर रहने की नीति का इंदिरा जी ने त्याग कर दिया था, इसलिए सोवियत संघ ने हमारी मदद के लिए अपनी नौसेना भेज दी थी।

संतुलन की नीति

रूस के साथ विशेष संबंध होते हुए भी हमने अपने अंतरराष्ट्रीय संबंधों में एक संतुलन कायम रखा है। भारत पर एक गुट में शामिल होने का हमेशा दबाव रहा है। सोवियत संघ के विघटन के बाद अमेरिका भारत को अपने खेमे में लेने की कोशिश करता रहा है हालांकि अब सिर्फ एक गुट बचा है। रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण अब अमेरिका चाहता है कि भारत संतुलन साधना छोड़कर पश्चिमी देशों के साथ रूस के खिलाफ खड़ा हो जाए। अमेरिका जानता है कि भारत और चीन के कारण रूस की अर्थव्यवस्था चल रही है इसलिए वो भारत को रूस से तेल खरीदने से रोक रहा है। एक समय अमेरिका चाहता था कि भारत रूस से तेल खरीदता रहे ताकि तेल की कीमतें स्थिर रहें. अब अमेरिका ऐसा नहीं चाहता है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद अमेरिका का रवैया बदल गया है जिसके कई कारण हैं। अमेरिका के दीर्घकालिक हित भारत के साथ जुड़े हुए हैं लेकिन वो पाकिस्तान के साथ गलबहियां कर रहा है। अमेरिका के साथ हमारे संबंध तनावपूर्ण हो गए हैं क्योंकि उसने भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगा दिया है। पीएम मोदी ने अमेरिका द्वारा लगाए गए टैरिफ पर झुकने की बजाए तन कर खड़े होने का फैसला कर लिया है। जहां मेरी ग्लोबल राजनीति की समझ है, उसके अनुसार भारत और चीन का एक साथ आना संभव नहीं है क्योंकि दोनों देशों के हितों के बीच बहुत ज्यादा टकराव है। डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों के कारण भारत और चीन ने मिलकर चलने का फैसला किया है। इससे पूरी दुनिया हतप्रभ है कि यह कैसे हो सकता है। भारत-चीन ने अमेरिका के टैरिफ वॉर के जवाब में ऐसा किया है। ऐसा लगता है कि दोनों देश अपने विवादों को एक किनारे रखकर अमेरिका के ट्रेड वॉर से निपटने की रणनीति बना चुके हैं। टैरिफ के जवाब में भारत ने अपनी घरेलू मांग बढ़ाने के लिए जीएसटी की दरों में बड़ा बदलाव किया है, इसके अलावा लगभग 50 देशों में अमेरिकी निर्यात का विकल्प ढूंढना शुरू कर दिया है। अमेरिका के लिए अब समस्या यह है कि अगर भारत और अमेरिका के बीच सब कुछ सामान्य होने के बाद भी भारत जिस ओर चल पड़ा है, वो वापिस आने वाला नहीं है। ये एक ऐसा तीर है जो अब कमान में वापिस आने वाला नहीं है। एक तरह से अमेरिका ने एक सोते हुए शेर को जगा दिया है और अब उसे इसके नतीजे भुगतने पड़ेंगे।

स्वायत्तता की नीति

अमेरिका और यूरोपीय देशों ने रूस से तेल खरीदने से रोकने के लिए भारत पर जबरदस्त दबाव बनाया हुआ है लेकिन भारत ने इस दबाव में आने से स्पष्ट रूप से इंकार कर दिया है। भारत ने दिखा दिया है कि वो एक सार्वभौमिक राष्ट्र है और अपनी विदेश नीति किसी दूसरे देश के दबाव में नहीं बनाने वाला है। जब डोनाल्ड ट्रंप ने चीन पर टैरिफ लगाया तो उसने भी अमेरिका पर टैरिफ ठोक दिया। डोनाल्ड ट्रंप ने चीन को 90 दिनों की मोहलत दे दी लेकिन भारत को ऐसी कोई मोहलत नहीं दी गई। भारत-अमेरिकी व्यापार को देखते हुए अमेरिका को लगा कि भारत झुक जाएगा लेकिन भारत की प्रतिक्रिया उसकी उम्मीदों के विपरीत आई। चीन के इतिहास और वर्तमान को देखते हुए भारत कभी भी चीन पर भरोसा नहीं कर सकता, इसके बावजूद भारत ने चीन के साथ चलने का फैसला कर लिया है। एससीओ की बैठक के दौरान जिनपिंग, पुतिन और मोदी की एकजुटता देखकर पूरी दुनिया हतप्रभ है। जिस तरह अमेरिका के लिए चीन बड़ा खतरा है, वैसे ही चीन के लिए भारत और भारत के लिए चीन बड़ा खतरा है। इसके बावजूद रूस पिछले कई सालों से इस कोशिश में लगा हुआ था कि दोनों देश अपने विवादों को अलग रखकर एक साथ आ जाएं। रूस की लाख कोशिशों के बावजूद उसे इस काम में रत्ती भर भी सफलता नहीं मिल रही थी। डोनाल्ड ट्रंप के कारण यह काम भी हो गया है। भारत ने रूस की बात नहीं मानी लेकिन जब उसे ऐसा करना सही लगा तो कर दिया। यूरोपीय देशों के साथ भारत ट्रेड पैक्ट साइन करने वाला है और जापान के साथ संबंध बढ़ा रहा है। इसके अलावा अफ्रीका और एशिया के देशों में अमेरिका का विकल्प तलाश रहा है। भारत ने अमेरिका को समझा दिया है कि तुम्हारे दोस्त और दुश्मन दोनों ही हमारे साथ हैं, अब तुम अपना सोचो।

देश का राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक पुनर्जागरण

संजीव ठाकुर

1947 में भारत एवं पाकिस्तान ने एक साथ स्वतंत्रता की प्राप्ति की थी किंतु पाकिस्तान एक मुस्लिम राष्ट्र की अवधारणा धारण कर अलग दिशा में आगे बढ़ता गया जिसके फल स्वरूप आज पाकिस्तान विपन्न और गरीब देश बन गया है। दूसरी तरफ भारत एक लोकतांत्रिक, जनतांत्रिक अवधारणा की दिशा में नई-नई विकास के सोपनो को प्रतिपादित कर आगे बढ़ता गया। भारत वैश्विक स्तर पर सामरिक आर्थिक एवं अन्य विषयों पर काफी हद तक प्रगति प्राप्त कर चुका है।भारत ने आश्चर्यजनक रूप से देश को विकसित मजबूत एवं सशक्त बना दिया है। भारतीय परिदृश्य और संदर्भ में भारत में विगत एक दशक में व्यापक तथा आमूल चूल परिवर्तन देखे गये हैं। राजनीतिक परिदृश्य में उत्तरदायित्व आधारित शासन प्रशासन-प्रणाली, सांस्कृतिक विमर्श में सनातनी सांस्कृतिक सभ्यता-गौरव की पुनर्प्राप्ति और आर्थिक नीतियों के संरचनात्मक सुधारों ने देश की दिशा और दशा तय की है। इन नई विचारधारा एवं रणनीति ने भारत को न केवल आंतरिक रूप से सशक्त किया बल्कि अंतरराष्ट्रीय मंच पर भी एक निर्णायक शक्ति के रूप में स्थापित किया।

भारतीय राजनीति में पिछले दो दशकों का सबसे बड़ा परिवर्तन रिपोर्ट कार्ड राजनीति का उदय रहा, जिसमें आम जनता और राजनीतिक नेताओं और दलों का मूल्यांकन उनके किए गए कार्यों और परिणामों के आधार पर कसौटी पर कसा जाने लगा है। संवैधानिक और नीतिगत स्तर पर कई ऐतिहासिक कदम उठाए गए। 2019 में अनुच्छेद 370 का निरसन और जम्मू-कश्मीर का पुनर्गठन केंद्र की सख्त और मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति तथा विचारधारा का प्रतीक बना। तीन तलाक कानून ने मुस्लिम महिलाओं को न्याय दिलाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम रखा। वहीं नागरिकता संशोधन अधिनियम ने राष्ट्रीयता और शरणार्थी नीति पर नई विचारों की श्रृंखला को जन्म दिया। भारत की परंपरागत लोकतांत्रिक विरासत को तकनीकी रूप से सशक्त बनाने के लिए नया संसद भवन, ई-संसद और डिजिटलीकरण जैसे महत्वपूर्ण कार्य को शामिल किया गया है। दूसरी तरफ विपक्ष की भूमिका, मीडिया की स्वतंत्रता और चुनावी राजनीति में सोशल मीडिया तथा धनबल के प्रभाव ने लोकतांत्रिक विमर्श को चुनौतीपूर्ण और प्रभावशाली भी बनाया गया है। नये भारत की संकल्पना और अवधारणा को केवल राजनीति या अर्थव्यवस्था तक सीमित परिसीमित नहीं रखा गया है बल्कि सांस्कृतिक क्षेत्र के व्यापक फलक पर भी इसका गहरा असर और परिणाम परिलक्षित हुए हैं। भारत की महान अर्वाचीन योग और आयुर्वेद जैसी परंपरा को वैश्विक स्तर प्रचारित प्रसारित कर नई अवधारणा तथा पहचान प्रदान की गई है। अयोध्या में राममंदिर निर्माण ने भारतीय परंपरा और धार्मिक-सांस्कृतिक आकांक्षाओं की विशाल अवधारणा को मूर्त रूप दिया गया है। शिक्षा और पाठ्यपुस्तकों में भारतीय आख्यानों और इतिहास को नवीन स्वरूप देने के प्रयास किए गए हैं। हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं को पुष्पित पल्लवित करने के प्रयासों को संपूर्ण प्रोत्साहन दिया गया। साथ ही, सांस्कृतिक कूटनीति नवीन अवधारणा के माध्यम से भारत ने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अपनी पहचान और अधिक सुदृढ़ रूप से विस्तारित की है। हालाँकि, इस सांस्कृतिक पुनर्जागरण के साथ अनेक कठिन एवं दुष्कर चुनौतियाँ भी रहीं हैं। बहुलतावाद और अल्पसंख्यक अधिकारों पर उठते सवाल तथा परंपरा बनाम आधुनिकता की खींचतान समाज में गूढ़ विचार विमर्श का विषय बनी रही। आर्थिक पुनर्जागरण के संदर्भ में यही कहा जा सकता है कि भारत की अर्थव्यवस्था ने इस दशक में उल्लेखनीय और अभूतपूर्व प्रगति प्राप्त की है। मेक इन इंडिया ने विनिर्माण और रक्षा उत्पादन को बढ़ावा दिया। जीएसटी (2017) ने कर संरचना को एकीकृत और पारदर्शी बनाया। जीएसटी को 2025 में 22 सितंबर से नवीन संशोधन कर एकदम सरल एवं स्पष्ट कर काफी हद तक सस्ता करके आम जन को बड़ी राहत पहुंचाई है। डिजिटल इंडिया, जनधन योजना और यूपीआई ने वित्तीय समावेशन और नकदी रहित लेन-देन की दिशा में क्रांतिकारी बदलाव लाए। स्टार्टअप इंडिया ने उद्यमिता और नवाचार को प्रोत्साहित किया। इसके परिणामस्वरूप भारत आज विश्व की पाँचवीं सबसे बड़ी सशक्त अर्थव्यवस्था के रूप में उभरा है। विदेशी निवेश वृद्धि, रेलवे और सड़क निर्माण में गति तथा डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर नेटवर्क का विस्तार इस आर्थिक पुनर्जागरण के प्रमुख संकेतक रहे।इसके बावजूद बेरोजगारी की समस्या, ग्रामीण-शहरी असमानता और आय-विभाजन जैसी बड़ी और गंभीर चुनौतियाँ भारत देश के आर्थिक परिदृश्य को संतुलित होने से रोकती रही हैं। कृषि सुधार अभी तक आधे अधूरे रह गए और हरियाणा पंजाब तथा अन्य प्रदेशों में किसान आंदोलनों ने यह यह साफ तथा स्पष्ट संकेत दिया कि विकास की अवधारणा सबके लिए समान रूप से सुलभ नहीं है।

जीवन की आधारशिला है ओजोन परत की उपस्थिति

योगेश कुमार गोयल

16 सितम्बर 1987 को मॉन्ट्रियल में ओजोन परत के क्षय को रोकने के लिए एक अंतर्राष्ट्रीय समझौता हुआ था, जिसमें उन रसायनों के प्रयोग को रोकने से संबंधित एक बेहद महत्वपूर्ण समझौता किया गया था, जो ओजोन परत में छिद्र के लिए उत्तरदायी माने जाते हैं। ओजोन परत कैसे बनती है, यह कितनी तेजी से कम हो रही है और इस कमी को रोकने के लिए क्या उपाय किए जा सकते हैं, इसी संबंध में जागरूकता पैदा करने के लिए 1994 से प्रतिवर्ष 'विश्व ओजोन दिवस' मनाया जा रहा है किन्तु चिन्ता की बात यह है कि पिछले कई वर्षों से ओजोन दिवस मनाए जाते रहने के बावजूद ओजोन परत की मोटाई कम हो रही है।

प्रतिवर्ष एक विशेष थीम के साथ यह महत्वपूर्ण दिवस मनाया जाता है। विश्व ओजोन दिवस 2025 की थीम विज्ञान से वैश्विक कार्रवाई तक है, जिसे संयुक्त राष्ट्र ने जारी किया है। यह थीम मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल के 40 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में ओजोन परत के संरक्षण और जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए विज्ञान की भूमिका और आवश्यक वैश्विक सहयोग पर केंद्रित है। विश्व ओजोन दिवस हमें स्मरण कराता है कि पृथ्वी पर जीवन के लिए ओजोन परत आवश्यक है और यह विषय भविष्य की पीढ़ियों के लिए इसे बचाने हेतु निरंतर जलवायु कार्रवाई की आवश्यकता पर प्रकाश डालता है। आईपीसीसी की एक रिपोर्ट में तापमान में डेढ़ तथा दो डिग्री वृद्धि की स्थितियों का आकलन किए जाने के बाद से इसे डेढ़ डिग्री तक सीमित रखने की आवश्यकता महसूस की जा रही है और इसके लिए दुनियाभर के देशों से ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन में कटौती के नए लक्ष्य निर्धारित करने की अपेक्षा की जा रही है।

जहां तक भारत की बात है तो भारत ने 2030 तक ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन की तीव्रता में 35 फीसदी तक कमी लाने का लक्ष्य रखा है किन्तु जी-20 देशों पर जलवायु परिवर्तन से निपटने के उपायों की समीक्षा पर आधारित एक रिपोर्ट में कुछ समय पहले कहा गया था कि भारत सहित जी-20 देशों ने ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन में कटौती के जो लक्ष्य निर्धारित किए हैं, वे तापमान वृद्धि को डेढ़ डिग्री तक सीमित करने के दृष्टिगत पर्याप्त नहीं हैं। रिपोर्ट के मुताबिक अपेक्षित परिणाम हासिल करने के लिए इन देशों को अपने उत्सर्जन को आधा करना होगा।

रिपोर्ट में इस बात पर भी चिंता व्यक्त की गई थी कि जी-20 देशों की जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम नहीं हो रही है, जहां अभी भी करीब 82 फीसदी जीवाश्म ईंधन ही इस्तेमाल हो रहा है और चिंताजनक बात यह मानी गई थी कि कुछ देशों में जीवाश्म ईंधन पर सब्सिडी भी दी जा रही है। भारत ने हरित ऊर्जा उत्पादन का लक्ष्य 2027 तक 47 फीसदी रखा है और 2030 तक सौ फीसदी इलैक्ट्रिक वाहनों के उत्पादन का भी लक्ष्य है।

हालांकि नवीन ऊर्जा के इन लक्ष्यों के लिए रिपोर्ट में भारत की सराहना भी की गई थी। विश्व के अधिकांश क्षेत्रों में आज जलवायु परिवर्तन के चलते विनाश का जो दौर देखा जा रहा है, उसके लिए काफी हद तक ओजोन परत की कमी मुख्य रूप से जिम्मेदार है और हमें अब यह भी भली-भांति समझ लेना चाहिए कि हमारी लापरवाही और पर्यावरण से बड़े पैमाने पर खिलवाड़ ही पर्यावरण विनाश की सबसे बड़ी वजह है। कुछ समय पूर्व एक रिपोर्ट में कहा गया था कि जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों के चलते दुनियाभर में करीब 12 करोड़ लोग विस्थापित होंगे।

ओजोन परत के सुरक्षित न होने से मनुष्यों, पशुओं और यहां तक की वनस्पतियों के जीवन पर भी बेहद प्रतिकूल प्रभाव पड़ना तय है। यही नहीं, अधिकांश वैज्ञानिकों का मानना है कि ओजोन परत के बिना पृथ्वी पर जीवन का अस्तित्व ही समाप्त हो जाएगा और पानी के नीचे का जीवन भी नहीं बचेगा। हिन्दी अकादमी दिल्ली के सौजन्य से पर्यावरण पर छपी चर्चित पुस्तक 'प्रदूषण मुक्त सांसें' के मुताबिक ओजोन परत की कमी से प्राकृतिक संतुलन बिगड़ता है, सर्दियां अनियमित रूप से आती हैं, हिमखंड पिघलना शुरू हो जाते हैं और सर्दी की तुलना में गर्मी अधिक पड़ती है, पर्यावरण का यही हाल पिछले कुछ वर्षों से हम देख भी रहे हैं।

ईमानदारी देश का सबसे बड़ा अपराध

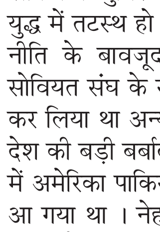

डॉ. सुरेश कुमार

मैं ईमानदार आदमी हूँ। यह कहना इस देश में उतना ही शर्मनाक काम है जितना कि किसी को बताना कि आप बेरोजगार हो। लोग हँसते हैं, आँखें घुमाते हैं और पूछते हैं - "भाई, अब तक जिंदा कैसे हो?" सच तो यह है कि इस देश में ईमानदारी एक बीमारी है जिसका कोई इलाज नहीं। लोग जुकाम वाले से हाथ मिलाते हैं, डेंगू वाले से गले मिलते हैं, लेकिन ईमानदार से मिलने से डरते हैं। शायद उन्हें लगता है कि कहीं यह बीमारी उन्हें भी न लग जाए। स्थिति यह है कि मैं मुहल्ले में पहुँचूँ तो लोग ऐसे साइड हो जाते हैं जैसे मैं कोई जंजीर से छूटा हुआ कुत्ता हूँ। शादी-ब्याह में बुलावा आता है, लेकिन सिर्फ इसलिए, कि समाज का नियम है, न कि मेरी इज़्ज़त के लिए। मेजबान मुझे देखते ही दुखी हो जाते हैं, क्योंकि उन्हें पता है कि दारू और चिकन की प्लेट में छूने से भी डरूँगा। मैं कोने में बैठा सूखी रोटी पर सब्जी खाता रहता हूँ और बाकी लोग दिल्ली-लखनऊ की राजनीति पर पैग छलकाते हैं। मेरी स्थिति वही है जैसे कोई 'साइलेंट ज़ोन' में लाउडस्पीकर। सबको लगता है मैं हूँ तो मेले का मज़ा कम हो जाएगा। मेरी पत्नी रोज़ भुनभुनाती है। उसका नारा साफ़ है – "घर में आदर्श से नहीं, नोट से चूल्हा जलता है।" वह मेरे माथे पर पसीना देखती है और चिल्लाती है, "तू आदमी है या महापुरुष? घर के लिए तो कभी पाप कमाकर भी ला।" उसका दुख जायज़ है, लेकिन मैं क्या करूँ? पड़ोस वाली शर्मा अंकल की बीवी हर तीज पर सोने का हार पहनकर निकलती है, हमारे घर में आज भी तांबे के गिलास में पानी पिया जाता है और बच्चे उस गिलास को देखकर मुँह बिचकाते हैं कि इससे सेल्फ़ी नहीं दिखती। पत्नी कहती है: "तेरी ईमानदारी ने हमें कहीं का न छोड़ा। पड़ोसी की लड़की विदेश पढ़ रही है और हमारे बच्चे इंग्लिश मीडियम की फीस के लिए तरस रहे हैं।" मैं तर्क देता हूँ कि चरित्र सबसे बड़ा पूँजी है, तो वह पलट कर कहती है, "बाजार में चरित्र बेचकर चावल ला देंगे क्या?" झगड़े में हमेशा वही जीतती है क्योंकि मेरे पास तर्क तो है पर राशन का बिल नहीं। बच्चे भी माँ के पक्ष में खड़े हो जाते हैं, उन्हें स्पष्ट दिखता है कि पिताजी ईमानदार हैं और यही परिवार का सबसे बड़ा अपराध है। घर में ईमानदारी अब 'बुरा रोग' मानी जाती है। ऑफिस मेरा सबसे बड़ा चिड़ियाघर है जहाँ मैं अकेला गीदड़ की तरह कराहता हूँ। बाकी सब शेर, भेड़िये और लोमड़ियाँ हैं। उनकी टेबल पर रिश्वत की मिठाइयाँ, ठेके की कमीशन, और मलाईदार फाइलें रहती हैं। मेरी टेबल पर सिर्फ़ "नैतिकता की फाइल" पड़ी रहती है जो सालों से वैसे ही पतली है जैसे मेरी जेब। लोग मुझे देखकर कहते हैं, "ये रहा देश का भविष्य, इसे देखो और अपनी गलतियों पर शर्म करो।" लेकिन वहीं अगले ही पल सब मेरे सामने पैसे बाँटते हैं जैसे सारे नोट रक्षाबंधन के धागे हों। प्रमोशन में भी मैं हमेशा फेल रहता हूँ। फाइल पर घोटाले के दस्तखत करने वालों को पाँच सीढ़ी ऊपर भेज दिया जाता है और मुझे सीढ़ियों पर बैठकर अपना टिफिन खाने की आजादी दे दी जाती है। सहकर्मी अब मेरे वरिष्ठ बन चुके हैं। वो मुझे आदेश देते हैं और फिर पान की पीक थूककर कहते हैं, "गांधी की औलाद, कम से कम कलम लाल कर लो।" मेरा ईमानदारी का चश्मा सबको खटकता है क्योंकि उनके अपराध उसमें दो गुना मोटे दिखते हैं। दफ्तर तो उनके लिए कमाई का मेला है लेकिन मेरे लिए आजीवन कारावास।

अगर आपकी भी हैं ऐसी आदतें तो जल्द घेर लेंगी लिवर की बीमारियां

शरीर को स्वस्थ रखने के लिए लाइफस्टाइल और आहार दोनों को ठीक रखना बहुत आवश्यक है। इसमें की गई लापरवाही संपूर्ण स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकती है। आंकड़ों से पता चलता है कि लिवर की बीमारियों के मामले दुनियाभर में तेजी से बढ़ रहे हैं। यहां तक कि बच्चे भी इसका शिकार देखे जा रहे हैं। लिवर फेलियर और लिवर कैंसर जैसी जानलेवा समस्याओं के कारण हर साल लाखों लोगों की मौत हो जाती है। क्या आप अपने लिवर का ठीक तरीके से ख्याल रखते हैं?

लिवर हमारे शरीर का महत्वपूर्ण अंग है, जो पाचन, ऊर्जा संचय, विषहरण (डिटॉक्सिफिकेशन) और कई अन्य कार्यों में सहायक होता है। इसे स्वस्थ रखने के लिए निरंतर प्रयास करते रहना जरूरी है। हमारी कुछ खराब आदतें भी लिवर को गंभीर नुकसान पहुंचा सकती हैं। अगर आपकी भी ऐसी आदते हैं तो तुरंत सावधान हो जाइए।

शराब तो नहीं पीते हैं आप?

लिवर को नुकसान पहुंचाने के लिए जिस आदत को सबसे ज्यादा जिम्मेदार पाया गया है वह है- अत्यधिक शराब का सेवन। शराब लिवर की कार्यक्षमता को धीमा कर देती है। इसके लंबे समय तक या अत्यधिक सेवन करने से लिवर की कोशिकाओं को क्षति हो सकती है। इससे फैटी लिवर, लिवर सिरोसिस, लिवर फेलियर और कैंसर तक का खतरा हो सकता है। लिवर कैंसर से मरने वाले अधिकतर लोगों में शराब पीने की आदत देखी जाती रही है।

ज्यादा तले-भुने चीजों के हैं शौकीन?

आप किस तरह की चीजों का सेवन करते हैं इसका भी लिवर की सेहत पर सीधा असर पड़ता है। अस्वास्थ्यकर आहार लिवर की गंभीर बीमारियों का कारण बन सकते हैं। जंक फूड, तला-भुना भोजन और हाई फैट युक्त आहार लिवर में वसा जमा करने लगती है, जिससे नॉन-अल्कोहलिक फैटी लिवर डिजीज हो सकती है। यह स्थिति लिवर सिरोसिस और अन्य जटिलताओं का कारण बन सकती है।

कहीं आप भी तो नहीं हैं अधिक वजन के शिकार?

मोटापा या अधिक वजन संपूर्ण शरीर के लिए हानिकारक है इससे लिवर को भी नुकसान होता है। लिवर में वसा जमा होने के लिए मोटापा को एक प्रमुख कारण माना जाता है, ऐसे लोगों में फैटी लिवर डिजीज की समस्या भी अधिक देखी जाती है। शारीरिक निष्क्रियता या व्यायाम न करने की आदत मोटापा और लिवर रोग दोनों को बढ़ा सकती है। इस तरह के जोखिम कारकों से बचे रहने के लिए नियमित व्यायाम करें, वजन को नियंत्रित रखें और सक्रिय जीवनशैली अपनाएं।

ज्यादा चीनी और नमक तो नहीं खाते?

ज्यादा चीनी और नमक दोनों ही लिवर की सेहत के लिए नुकसानदायक हैं। शुगर और फ्रक्टोज (जैसे कोल्ड ड्रिंक्स, मिठाइयां, प्रोसेस्ड फूड) का अधिक सेवन लिवर में वसा का निर्माण करते है, जिससे इंसुलिन प्रतिरोध और फैटी लिवर डिजीज का खतरा बढ़ता है। चीनी और मीठे पदार्थों का सेवन कम करें। इसी तरह से अत्यधिक नमक का सेवन भी लिवर के लिए हानिकारक हो सकता है, क्योंकि यह लिवर की कोशिकाओं में सूजन और उच्च रक्तचाप को बढ़ावा देती है, जिससे लिवर की कार्यक्षमता प्रभावित होती है। इन दोनों की मात्रा आहार में कम रखें।

युवाओं की ये एक 'गंदी लत' सालाना 13.5 लाख से अधिक मौतों का बन रही कारण

लाइफस्टाइल की गड़बड़ आदतें दुनियाभर में कई प्रकार की क्रॉनिक और जानलेवा बीमारियों के खतरे को बढ़ाती जा रही हैं। लंबे समय तक एक ही स्थान पर बैठे रहना, सोने-जागने, खाने-पीने का अनियमित समय और नींद की कमी के कारण सेहत पर होने वाले दुष्प्रभावों को लेकर अक्सर चर्चा होती रहती है। एक हालिया रिपोर्ट में वैज्ञानिकों ने युवाओं में धूम्रपान की बढ़ती आदत को बहुत खतरनाक बताया है।

रिपोर्ट में विशेषज्ञों ने चेताया है कि तंबाकू-धूम्रपान के कारण हर साल 13.5 लाख से अधिक भारतीयों की मौत हो जाती है, ये खतरा साल-दर-साल बढ़ता ही जा रहा है।

चिंताजनक बात ये है कि धूम्रपान को लेकर चलाई जा रही व्यापक जागरूकता के बावजूद अब भी देश में धूम्रपान छोड़ने की दर बहुत कम है।

विशेषज्ञों के अनुसार, धूम्रपान से हृदय रोग का खतरा 2 से 3 गुना तक बढ़ जाता है। तंबाकू में मौजूद निकोटिन रक्त वाहिकाओं को संकुचित कर देता है, जिससे हृदय को पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं मिल पाती। इसके अलावा, धूम्रपान से ब्लड प्रेशर बढ़ता है और धमनियों में प्लाक जमा होने लगता है, जो हार्ट अटैक का मुख्य कारण है। हृदय रोगों अलावा धूम्रपान शरीर के लगभग सभी अंगों पर नकारात्मक असर डालता है।

धूम्रपान का स्वास्थ्य पर और आर्थिक असर

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की रिपोर्ट बताती है कि हर साल लाखों लोग धूम्रपान से होने वाली बीमारियों से असमय मौत का शिकार हो रहे हैं। खासतौर पर युवाओं में यह आदत उनके भविष्य को खतरे में डाल रही है। सिर्फ हृदय ही नहीं, फेफड़े, दिमाग और प्रतिरक्षा तंत्र भी धूम्रपान-तंबाकू के चलते कमजोर होने लगते हैं। यदि समय रहते इस आदत को नहीं छोड़ा गया तो गंभीर बीमारियों का खतरा कई गुना बढ़ जाता है।

इस हालिया रिपोर्ट में विशेषज्ञों ने बताया कि भारत तंबाकू से संबंधित बीमारियों पर सालाना 1.77 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा खर्च करता है। जिसका मतलब है धूम्रपान स्वास्थ्य के अलावा आर्थिक रूप से भी दिक्कतें बढ़ाने वाली आदत है, जिससे समय रहते दूरी बनाना जरूरी है।

पल्मोनरी मेडिसिन के विशेषज्ञ कहते हैं, क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज (सीओपीडी) या हृदय संबंधी जोखिम वाले मरीजों के लिए हर एक सिगरेट जहर के समान है।

फेस पर ऐसे लगाएं चिरौंजी और दूध, चमक उठेगा चेहरा

चिरौंजी का सेवन सेहत के लिए बहुत फायदेमंद माना जाता है. इसमें मौजूद पोषक तत्व शरीर के लिए गुणकारी होते हैं. चिरौंजी का इस्तेमाल आमतौर पर कई तरह की मिठाइयों को बनाने में किया जाता है. यह सिर्फ शरीर को पोषण देने और स्वाद के लिए ही नहीं, बल्कि त्वचा और चेहरे से जुड़ी कई समस्याओं से निजात पाने के लिए मददगार साबित होती है.

चिरौंजी में विटामिन-बी, सी और नियासिन समेत कई एंटीऑक्सीडेंट मौजूद होते हैं, जो चेहरे का निखार बढ़ाने से लेकर दाग-धब्बे और पिगमेंटेशन को दूर करने में मदद करते हैं. चिरौंजी और दूध से बने फेस पैक को चेहरे पर लगाने से कई स्किन प्रॉब्लम से छुटकारा मिल सकता है.

कैसे बनाएं फेस पैक?

सबसे पहले 1 चम्मच चिरौंजी का पाउडर लें. इसमें एक बड़ा चम्मच दूध और हल्दी मिलाएं और अच्छे से मिक्स करके पेस्ट बना लें. इसे चेहरे पर थोड़ी देर लगाएं और 15 मिनट के लिए छोड़ दें. बाद में चेहरे को अच्छी तरह से धो लें. इसका इस्तेमाल सप्ताह में दो बार करें.

चिरौंजी और दूध का फेस पैक लगाने के फायदे

चेहरे का निखार बढ़ाए

चेहरे में निखार लाने के लिए चिरौंजी और दूध से बना फेस पैक का इस्तेमाल बहुत फायदेमंद साबित हो सकता है. चिरौंजी में मौजूद फैटी एसिड और प्रोटीन की वजह से त्वचा का रंग साफ होता है. दूध में मौजूद लैक्टिक एसिड स्किन को मॉइस्चराइज करने में मदद करता है.

दाग-धब्बों को मिटाए

चेहरे के दाग-धब्बे और पिगमेंटेशन से छुटकारा पाने के लिए रोजाना चिरौंजी और दूध से बना फेस पैक लगाएं. इसका चेहरे पर इस्तेमाल करने से आपकी स्किन एक्सफोलिएट होती है. इससे डेड स्किन सेल्स दूर होने में मदद मिलती है. चेहरे पर इस फेस पैक का इस्तेमाल करने से स्किन साफ होती है और चेहरा ग्लो करता है.

डार्क सर्कल्स दूर करे

चिरौंजी और दूध से बने फेस पैक का इस्तेमाल डार्क सर्कल्स हटाने के लिए भी किया जाता है. चिरौंजी चेहरे पर मौजूद दाग-धब्बों को हटाने और स्किन में निखार लाने का काम करती है. इसके अलावा चिरौंजी और दूध में मौजूद ब्लीचिंग गुण ग्लोइंग स्किन के लिए मददगार साबित होते हैं. आंख के आसपास मौजूद डार्क सर्कल्स को हटाने के लिए इस पैक का इस्तेमाल करना फायदेमंद होता है.

नहीं कंट्रोल हो रहा है हाई कोलेस्ट्राल? पानी में मिलाकर पीएं ये एक चीज

खराब खानपान और अनहेल्दी लाइफस्टाइल शरीर में कई बीमारियों के होने का कारण बनती हैं. इन बीमारियों से बचने के लिए खाने पीने का खास ध्यान रखने की जरूरत होती है. बहुत ज्यादा अनहेल्दी, मसालेदार, ऑयली और प्रोसेस्ड फूड का सेवन करने से शरीर में कोलेस्ट्रॉल बढ़ सकता है.

बॉडी में हाई डेंसिटी लिपोप्रोटीन (HDL) और लो डेंसिटी लिपोप्रोटीन (LDL) वाले दो तरह के कोलेस्ट्रॉल बनते हैं. लो डेंसिटी लिपोप्रोटीन कोलेस्ट्रॉल को ही बैड कोलेस्ट्रॉल कहते हैं. शरीर में बैड कोलेस्ट्रॉल बढ़ने से दिल से जुड़ी समस्याओं की सम्भावना बढ़ जाती है. इससे हाई ब्लड प्रेशर समेत कई गंभीर बीमारियों का खतरा रहता है. बैड कोलेस्ट्रॉल को कम करने के लिए तेज पत्ते का पानी फायदेमंद साबित होता है. आइए जानते हैं हाई कोलेस्ट्रॉल में तेज पत्ते का पानी पीने के फायदे और सही तरीके के बारे में-

तेज पत्ते के फायदे

हाई कोलेस्ट्रॉल में तेज पत्ते का पानी रामबाण इलाज होता है. इसका इस्तेमाल आमतौर पर मसाले के रूप में किया जाता है. इसका इस्तेमाल भोजन का स्वाद और जायका बढ़ाने के लिए होता है, लेकिन इसमें मौजूद गुण और पोषक तत्व शरीर की कई गंभीर बीमारियों को दूर करने में मदद करते हैं. तेज पत्ते में विटामिन, एंटीऑक्सीडेंट, एंटी-इंफ्लेमेटरी एंटी-डायबिटिक्स जैसे गुण पाए जाने की वजह से सेहत के लिए फायदेमंद होते हैं. इसमें मौजूद फाइबर बैड कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मदद करते हैं.

कैसे करें तेज पत्ते के पानी का सेवन?

रोजाना सुबह तेज पत्ते के पानी का सेवन करने से हाई कोलेस्ट्रॉल से छुटकारा पाया जा सकता है. इसके लिए रात में दो तेज पत्ते की पत्तियों को एक गिलास पानी में भिगो दें. अगली सुबह इस पानी को अच्छी तरह से उबालें और जब पानी आधा रह जाए तो छान लें. थोड़ा ठंडा होने पर इसमें आधा चम्मच नींबू का रस और काला नमक मिलाकर पीना फायदेमंद होगा.

रोजाना खाली पेट तेज पत्ते के पानी का सेवन करने से बैड कोलेस्ट्रॉल कम किया जा सकता है. इसका सेवन करने से शरीर की कई बीमारियों से भी छुटकारा पाया जा सकता है.

चिया सीड्स और दही के सेवन का सही तरीका एसिडिटी और कब्ज के लिए है 'रामबाण'

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में, पेट से जुड़ी समस्याएं जैसे कब्ज, एसिडिटी और गैस एक आम बात हो गई है। लोग अक्सर इन समस्याओं से राहत पाने के लिए तुरंत दवाइयों का सहारा लेते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि हमारे किचन में मौजूद कुछ साधारण चीजें भी इन बीमारियों का 'रामबाण' इलाज हो सकती हैं?

आयुर्वेद और पोषण विशेषज्ञ हमेशा से इस बात पर जोर देते रहे हैं कि सही खान-पान और सही समय पर आहार लेने से कई स्वास्थ्य समस्याओं को दूर किया जा सकता है। इसी कड़ी में हाल ही में एक डॉक्टर ने एक खास नुस्खा साझा किया है, जो पेट के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में जादुई काम कर सकता है। डॉ. शालिनी सिंह सालुंके ने

सोशल मीडिया पर एक वीडियो के माध्यम से इस सरल और प्रभावी उपाय के बारे में जानकारी दी है, जिसके बारे में आपको भी जानना चाहिए।

डॉ. के अनुसार, रात भर भिगोए हुए चिया सीड्स को ताजे दही के साथ मिलाकर खाना पेट के लिए बहुत फायदेमंद होता है। इसमें स्वाद और गुणों को बढ़ाने के लिए एक चुटकी काला नमक और भुना हुआ जीरा मिलाया जा सकता है। डॉक्टर इसे मिड-मॉर्निंग या शाम के स्नैक के तौर पर खाने की सलाह देती हैं।

इसका नियमित सेवन करने से पेट में अच्छे बैक्टीरिया की संख्या में वृद्धि होती है, जिससे आंतों का स्वास्थ्य बेहतर होता है। यह विशेष रूप से कब्ज और अन्य पाचन संबंधी समस्याओं से पीड़ित लोगों के लिए अत्यंत लाभकारी हो सकता है।

इसके अलावा यह एसिडिटी की समस्या को भी दूर करने में मदद कर सकता है। दही एक प्राकृतिक प्रोबायोटिक है, जो पाचन तंत्र को शांत करता है, जबकि चिया सीड्स में फाइबर होता है, जो पेट को स्वस्थ रखता है।

यह नुस्खा सिर्फ पेट के स्वास्थ्य के लिए ही नहीं, बल्कि आपके संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है। डॉ. शालिनी के मुताबिक, चिया सीड्स और दही का यह मिश्रण पाचन तंत्र को मजबूत बनाता है, जिससे शरीर भोजन से मिलने वाले पोषक तत्वों जैसे विटामिन और मिनरल्स को बेहतर ढंग से अवशोषित कर पाता है। जब आपका पाचन तंत्र स्वस्थ होता है, तो यह आपके संपूर्ण स्वास्थ्य को सुधारता है, जिससे आप अधिक ऊर्जावान और स्वस्थ महसूस करते हैं।

दाढ़ के भयंकर दर्द से तुरंत छुटकारा पाने के लिए घरेलू नुस्खे

दांत में दर्द होना एक आम समस्या है. इसके कारण मसूड़ों में झनझनाहट, सूजन और सिर में दर्द होता है. यह दर्द अकेले नहीं आता, बल्कि अपने साथ उस पूरे हिस्से को भी चपेट में लेता है, जिस तरफ दर्द होता है. कई बार यह दर्द इतना बढ़ जाता है, कि मसूड़ों में सूजन हो जाती है.

दांत में दर्द उन लोगों को ज्यादा होता है, जो मिठी चीजों को सेवन करते हैं. इसके अलावा बैक्टीरिया और इंफेक्शन के कारण भी समस्या हो सकती है. यह दर्द असहनीय होने के साथ-साथ रोजमर्रा के कामों में बाधा डाल सकता है.

दांत के अंदर पल्स होती है, जो नर्व टिश्यू और ब्लड वेसेल्स से भरी होती है. पल्स वाली यह नसें शरीर में सबसे सेंसिटिव होती है. जब यह नसें बैक्टीरिया से संक्रमित होती है, तो गंभीर दर्द का कारण बनती है. आइए जानते हैं कुछ घरेलु नुस्खें, जो दांत के दर्द से तुरंत निजात दिलाने में मददगार साबित होते हैं.

दांत के दर्द से झटपट छुटकारा दिलाने वाले घरेलू नुस्खे

नमक का पानी-

दांत के दर्द से राहत पाने के लिए रोजाना नमक के पानी से कुल्ला करना फायदेमंद होता है. इसके लिए एक गिलास गुनगुने पानी में नमक डालकर मिला लें और कुल्ला करें. यह करते समय इस बात का ध्यान रखें कि आपको पानी पीना नहीं है, सिर्फ मुंह में डालकर कुल्ला करके थुक देना है.

कई बार दांतों के बीच अन्न के टुकड़े फंस जाते हैं, जिसकी वजह से दर्द शुरू होता है. नमक के पानी का कुल्ला करने से सारी गंदगी पानी के साथ बाहर आ जाती है और दर्द से राहत मिलती है.

हाइड्रोजन पेरोक्साइड-

नमक वाले पानी की जगह हाइड्रोजन पेरोक्साइड वाले पानी का इस्तेमाल करना भी फायदेमंद साबित हो सकता है. इसके लिए हाइड्रोजन पेरोक्साइड और पानी को बराबर मात्रा में मिला लें. फिर इस मिश्रण से कुल्ला करें. ध्यान रहे कि इस मिश्रण को निगलना नहीं है. इससे रोजाना कुल्ला करने से बैक्टीरिया होने से रोका जा सकता है.

आइस पैक

सूजन होने पर आइस पैक काफी हद तक दर्द से राहत दिलाने में मदद कर सकता है. मसुड़ों में सूजन होने पर 24 से 36 घंटों के लिए अपने गाल पर आइस पैक लगाएं. इससे दर्द को

कम करने में मदद मिलती है. दांत का कोई भी हिस्सा टूटने या ढीला होने पर मसूड़ों में सूजन के साथ तेज दर्द हो सकता है, सूजन का मतलब दांत की जड़ों में फोड़ा (gum sore), मवाद या गंदगी होना होता है. इससे जबड़े और दूसरे दांतों में गंभीर संक्रमण की संभावना बढ़ जाती है. दांतों में ऐसी समस्या होने पर तेज दर्द के साथ बुखार भी हो सकता है, जिसके कारण मसूड़े लाल हो जाते हैं. ऐसे में आइस पैक का इस्तेमाल करना फायदेमंद होता है. इसके लिए बर्फ के कुछ टुकड़े दांत के दर्द वाले हिस्से पर तब तक लगाएं, जब तक दर्द वाला हिस्सा सुन्न न हो जाए.

लौंग का तेल

दांत दर्द के लिए कई घरेलू उपचार हैं, जिनमें से लौंग का तेल सबसे प्रभावी माना जाता है. लौंग का तेल एंटी-बैक्टीरियल और एनाल्जेसिक गुणों से भरपूर होता है, जो दांत दर्द से तुरंत राहत दिलाने में मदद करता है. यह दर्द असहनीय होने के साथ-साथ रोजमर्रा के कामों में बाधा डाल सकता है.

टांसिल का आयुर्वेदिक उपचार बताएं

प्रश्न : मेरी उम्र 26 वर्ष है। मूत्र सफेद आता है। इसका क्या कारण हो सकता है? कृपा कर बताएं।

- एम वेंकटेश, जड़चर्ला

उत्तर : मूत्र शरीर का मल है। आयुर्वेद में तीन शारीरिक मलों का वर्णन आता है। पेशाब, पसीना और पाखाना। मूत्र का निर्माण वृक्क (गुर्दे) करते हैं। चयापचयजनित मल जो पानी में घुल जाते हैं उन्हें शरीर से बाहर निकालने का काम मूत्र करता है। इन्हीं घुलनशील पदार्थों के कारण मूत्र रंग में हल्का पीला या पीला सफेद होता है। कुछ अवस्थाओं में यह रंगहीन हो जाता है । इसके प्रमुख कारण है- अधिक पानी पीना, मानसिक रोग और डायबिटीज इन्सीपीडस। मूत्र में एल्ब्यूमिन की मात्रा बढ़ने से भी रंग बदल जाता है। बेहतर है आप मूत्र की परीक्षा करवाएं। कारण स्पष्ट हो जाएगा।

प्रश्न : मेरी उम्र 70 वर्ष है। पिछले 5 साल से रात को पांच- छह बार पेशाब के लिए उठना पड़ता है। कृपया इसका इलाज और परहेज बताइए।

- के सुब्बा राव, करीमनगर

उत्तर : आपके पत्र को पूरा ध्यान पूर्वक पढ़ा हूं। 80 वर्ष की उम्र में भी आप काफी सक्रिय व स्वस्थ है। बधाई। स्त्रियों में जैसे मीनोपॉज (रजोनिवृत्ति) होती है, वैसे ही पुरुषों में भी एक वय के बाद एंड्रोपाज हो जाता है। सक्रिय काम जीवन खत्म होने पर प्राकृतिक रूप से पौरुष ग्रंथि बढ़ने लगती है। इसके कारण मूत्राशय पर दबाव पड़ता है और यही बार बार पेशाब आने का कारण बनता है।

आप प्राणायाम, योगासन, घूमना- फिरना सब जारी रखें। अपने रात्रि भोजन को 7 बजे के भीतर ही ले लें। रात्रि भोजन हल्का-फुल्का ही रखें। शाम के बाद पानी कम पीवे। औषध कल्प में आप ऊंझा चंद्रप्रभा वटी एवं ऊंझा गोक्षुरादि गुग्गुलु दो-दो गोली दिन में तीन बार भोजन के बाद पानी से लेवें। भोजन यदि दो बार ही होता हो तो यह दवा दो बार ही लेवें।

तिल को सेक कर कूट लें। उसके संग थोड़ा गुड़ मिलाकर पांच -दस ग्राम की मात्रा में सुबह खाली पेट पानी से लिया करें। कुछ महीनों में आपको अवश्य आराम मिल जाएगा।

प्रश्न : मेरी उम्र 25 वर्ष है। टांसिल बढ़ गए हैं, जिसके कारण गले में दर्द, निगलने में दर्द, बुखार और पूरे शरीर में दर्द होने लगता है। आयुर्वेदिक उपचार बताएं।

- सुदर्शन रेड्डी, खम्मम

उत्तर : टॉन्सिल के बढ़ने को 'टॉन्सिलाइटिस' या 'तुंडीकेरीशोथ' कहते हैं। टॉन्सिल एक प्रकार की लसीका ग्रंथि हैं, जो गले के प्रवेश द्वार के दोनों और मांस की गांठ की तरह होती है। यह अन्नवह स्रोतस की प्रथम रक्षा पंक्ति है। अधिक ठंडा, अधिक खट्टा, चटपटा, आलू -चीनी के पदार्थ खाने, दूषित वातावरण में रहने से यह बढ़ जाती है। इसके बढ़ने से गले में दर्द, बदबूदार श्वास, जीभ पर मैल, सिरदर्द, बदनदर्द, स्वरभंग, बेचैनी, सुस्ती व बुखार भी आ जाता है।

घरेलू इलाज में आप इन नुस्खों को आजमा सकते हैं।

* एक गिलास पानी में पान का पत्ता, दो लौंग, मुलेठी का चूर्ण एक चम्मच व पिपरमेंट के 4 दाने डालकर इसका काढ़ा बनाएं और पिएं।

* गर्म पानी में चुटकी भर फिटकरी, इतना ही नमक डालकर गरारे करें।

* एक चम्मच अजवाइन को एक गिलास पानी में डालकर उबालें और गुनगुना होने पर इस पानी से कुल्ला करें।

* रात को सोते समय दो चुटकी पिसी हल्दी, आधी चुटकी पिसी काली मिर्च, अदरक का ताजा रस एक चम्मच -इन सबको मिलाकर गुनगुना करें और शहद (मात्रा एक से दो चम्मच) मिलाकर पी जाएं। यह दवा दो-तीन दिनों में ही टांसिल की सूजन को कम कर देती है।

आयुर्वेदिक औषधि में ऊंझा कांचनार गुग्गुलु दो-दो गोली, औरा एलेक्झी टिकिया एक- एक गोली गुनगुने पानी से दिन में तीन बार भोजन के बाद लेने से लाभ होता है।

* ऊंझा तालीसदी चूर्ण 2 ग्राम, कफकेतु रस दो गोली , अभ्रक भस्म 100पुटी 120 मिलीग्राम- तीनों मिलाकर खुराक बनाएं। ऐसी खुराक शहद में मिलाकर दिन में तीन बार लेने से जल्दी आराम मिलता है।

* ऊंझा कंठसुधार वटी या ऊंझा खदिरादि वटी दिन में आठ से दस गोली चूसने से आराम मिलता है।

ज्यादा ठंडी, मीठी, तीखी, तेज मसालेदार चीजें ना खाएं । मूली, टमाटर, गाजर, पालक आदि न लें। हल्का, संतुलित, ताजा आहार ही लेवें। अवश्य आराम मिलेगा।

डॉ.च.पुरुषोत्तम बिदादा

email : purushottambidada@gmail.com

आप अपनी स्वास्थ्य समस्याओं का यदि आयुर्वेदिक इलाज चाहते हैं तो अपनी समस्या संक्षेप में हमें लिखकर भेजें। अपने पत्र पर नीचे दिया गया कूपन अवश्य कचपकाएं।

आयुर्वेदिक स्वास्थ्य प्रश्नोत्तरी

स्वतंत्र वार्ता

396, लोअर टैंक बंड, हैदराबाद-80

नेपाल में गेमिंग-ऐप के जरिए हुआ तख्तापलट

इसके जरिए ही प्रधानमंत्री चुना गया, क्या है डिस्कॉर्ड ऐप, जिसके 20 करोड़ यूजर्स

काठमांडू, 15 सितंबर (एजेंसियां)। नेपाल में भ्रष्टाचार, नेपोटिज्म और सोशल मीडिया बैन के खिलाफ आंदोलन के बाद जेन-जड ने अमेरिकी डिस्कॉर्ड ऐप पर वोटिंग के जरिए देश का नया पीएम चुना। यह दुनिया में पहली बार है जब किसी लोकतांत्रिक देश में इस तरह से नेता चुना गया हो।

नेपाल में हुई इस क्रांति को युवा-नेतृत्व वाले डिजिटल लोकतंत्र की ओर पहला कदम माना जा रहा है। इस ऑनलाइन हडल का आयोजन नेपाल की युवा संगठन 'हामी नेपाल' ने किया था। यह एक जेन-जड ग्रुप हैं, जिसमें 160,000 से अधिक सदस्य हैं।

हामी नेपाल ने डिस्कॉर्ड पर 'यूथ अगेंस्ट करप्शन' चैनल शुरू किया, जिसमें 10 हजार से ज्यादा लोग शामिल हुए। विदेशों में रहने वाले नेपाली भी इस बहस में शामिल हुए। जब ऐप के सर्वर में लोड बढ़ने के कारण जगह कम पड़ी, तो यूट्यूब पर लाइव स्ट्रीमिंग शुरू की गई, जिसमें 6 हजार और लोग जुड़े।

जेन जड में पॉपुलर होने के कारण डिस्कॉर्ड पर हुई चर्चा

सरकारी बैन से बचाव: नेपाल सरकार ने प्रमुख सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर प्रतिबंध लगा दिया था, जिससे युवाओं को ऑप्शनल प्लेटफॉर्म की जरूरत पड़ी। डिस्कॉर्ड पर कोई बैन नहीं था, इसलिए यह सुरक्षित और उपलब्ध रहा।

डिस्कॉर्ड मूल रूप से गेमिंग और वॉयस चैट के लिए जाना जाता है, जो जेन-जड के बीच बहुत पॉपुलर है। नेपाल के युवा पहले से ही इस पर एक्टिव थे, इसलिए इसे अपनाना आसान था।

रियल-टाइम कम्युनिकेशन: इसमें वॉयस चैनल, टेक्स्ट चैट और पोल फीचर हैं, जो रैलियों का आयोजन, बहस और वोटिंग के लिए बेहतर हैं। ये रियल-टाइम कम्युनिकेशन को आसान बनाता है। इंस्टाग्राम या X जैसे ऐप्स में अनलिमिटेड कंटेंट फीड की कमी थी, जबकि डिस्कॉर्ड में स्ट्रक्चर्ड चैनल्स (जैसे शहर-आधारित या टॉपिक-वाइज) से लोगों को जोड़ना आसान हो गया।

यूजर फ्रेंडली: डिस्कॉर्ड का इस्तेमाल करना आसान है। यूजर्स इसे मोबाइल, डेस्कटॉप या ब्राउजर के जरिए एक्सेस कर सकते हैं। इसमें टेक्स्ट चैनल्स और वॉयस चैनल्स होते हैं। यहां बोलकर या लिखकर बातचीत हो सकती है। युवाओं ने डिस्कॉर्ड पर वोटिंग के जरिए 5 नामों को चुना, जिनमें पूर्व चीफ जस्टिस सुशीला कार्की, सामाजिक कार्यकर्ता हरका सम्पांग, महाबीर पुन, सागर ढकाल और रास्त्र बिमोचन तिमल्सिनाशामिल थे।

काठमांडू के मेयर और रैपर बालेन शाह का नाम भी चर्चा में था, लेकिन वह उपलब्ध नहीं हुए। बाद में उन्होंने सोशल मीडिया पर कार्की का समर्थन किया। 25 साल की लॉ ग्रेजुएट रेजिना बेसनेट, जो उस समय डिस्कॉर्ड बहस में शामिल हुई थीं, ने कहा, 'लोग आगे बढ़ते हुए सीख रहे थे। हममें से कई लोग नहीं जानते थे कि संसद भंग करने या अंतरिम सरकार बनाने का क्या मतलब होता है। लेकिन हम सवाल पूछ रहे थे, विशेषज्ञों से जवाब ले रहे थे और मिलकर इसका हल निकालने की कोशिश कर रहे थे।' 26 साल के प्रदर्शनकारी विशाल सपकोटा ने एबीसी ऑस्ट्रेलिया को बताया, 'यह विरोध प्रदर्शन था - कोई संगठित आंदोलन नहीं।' उन्होंने आगे कहा, 'सच कहूं तो, प्रदर्शनकारियों को उम्मीद नहीं थी कि सरकार सिर्फ दो दिनों में गिर जाएगी, इसलिए वे इस तेज सफलता के लिए कुछ हद तक तैयार नहीं थे।'

पत्रकार प्रणय राणा ने कहा कि डिस्कॉर्ड जैसे प्लेटफॉर्म ने युवाओं को खुलकर बोलने का मौका दिया, लेकिन फर्जी खातों और गलत सूचनाओं का खतरा भी रहा। प्रदर्शनकारी लीडर ने 'फैक्ट चेक' सब-रूम बनाकर फर्जी खबरों को रोकने की कोशिश की।

कुछ लोगों ने राजशाही की वापसी की मांग भी उठाई, लेकिन यह अल्पमत में रही।

जेन-जड प्रदर्शनकारियों ने नेपाली पीएम सुशीला कार्की का इस्तीफा मांगा

कहा– हमने कुर्सी पर बैठाया, हटाने में समय नहीं लगेगा, बिना सलाह के मंत्री चुनने का आरोप

काठमांडू, 15 सितंबर (एजेंसियां)। नेपाल में जेन-जड प्रदर्शनकारियों ने अंतरिम पीएम सुशीला कार्की का इस्तीफा मांगा है। वे कैबिनेट विस्तार को लेकर नाराज हैं। प्रदर्शनकारियों ने रविवार रात पीएम आवास के बाहर प्रदर्शन और नारेबाजी की।

उन्होंने आरोप लगाया कि अंतरिम सरकार प्रदर्शनकारियों की राय लिए बिना मंत्रियों को चुन रही है। इसका नेतृत्व सुदान गुरुंग कर रहे थे। गुरुंग ने धमकी देते हुए कहा, अगर हम फिर सड़क पर उतरे तो कोई हमें रोक नहीं पाएगा। जिस कुर्सी पर बैठाया है, वहीं से निकाल फेंकेंगे।

पीएम कार्की ने ओमप्रकाश आर्यल को गृह और कानून मंत्री, रामेश्वर खनाल को वित्त मंत्री और कुलमान घिसिंग को ऊर्जा मंत्री नियुक्त किया है।

36 साल के गुरुंग ने 8 सितंबर को काठमांडू में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन का ऐलान किया था। वे हामी नेपाल नाम के एनजीओ के संस्थापक हैं। 2015 में बना यह संगठन आपदाओं के दौरान राहत पहुंचाने के लिए जाना जाता है। भूकंप और बाढ़ जैसी आपात स्थितियों में इसके सदस्य बचाव, भोजन और पानी की व्यवस्था करते रहे हैं।

संगठन ने समय-समय पर छात्रों और प्रवासी नेपाली नागरिकों से जुड़े मुद्दे भी उठाए हैं। इसी साल भुवनेश्वर में एक नेपाली छात्रा की आत्महत्या के मामले में भी 'हामी नेपाल' ने खुलकर आवाज उठाई थी और सोशल मीडिया पर लगातार अपडेट साझा किए थे।

दिलचस्प यह है कि यह संगठन आमतौर पर राजनीतिक विवादों से दूरी बनाए रखता है। इसके इंस्टाग्राम पेज पर ज्यादातर मानवीय गतिविधियों की ही झलक मिलती है। ऐसे में काठमांडू विरोध का ऐलान गुरुंग के रुख में बड़ा बदलाव माना जा रहा है।

गुरुंग का नाम पहली बार राजनीतिक विवाद में तब आया था, जब उन्होंने शिक्षक भर्ती घोटाले पर सवाल उठाए। उनका आरोप था कि योग्य उम्मीदवारों को नजरअंदाज कर पैसे और राजनीतिक दबाव के जरिए भर्तियां की जा रही हैं। इसी प्रकरण के बाद उन पर जानलेवा हमला भी हुआ था। नेपाल की राजनीति एक बार फिर उथल-पुथल के दौर से गुजर रही है। अंतरिम प्रधानमंत्री सुशीला कार्की की नियुक्ति और संसद के भंग होने के बाद अब सियासी पार्टियों के भीतर ही असंतोष तेज हो गया है।

बड़े दलों के दिग्गज नेता अपनी-अपनी पार्टियों में घिर गए हैं और इस्तीफे का दबाव बढ़ रहा है। नेपाली कांग्रेस, सीपीएन-यूएमएल और माओवादी केंद्र सहित 8 प्रमुख दलों ने संसद भंग करने को असंवैधानिक करार दिया है।

शेर बहादुर देउबा की नेपाली कांग्रेस, केपी शर्मा ओली की सीपीएन-यूएमएल और पुष्प कमल दहल प्रचंड की सीपीएन(माओवादी सेंटर) के युवा नेताओं ने अपने शीर्ष नेताओं से पद छोड़ने की मांग शुरू कर दी है। नेपाली कांग्रेस के भीतर गगन थापा और बिश्व प्रकाश शर्मा खुलकर शेर बहादुर देउबा से इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। वहीं, यूएमएल में शंकर पौडेल और योगेश भट्टराई सुधार की मांग उठाकर पार्टी अध्यक्ष पर दबाव बना रहे हैं।

माओवादी केंद्र में जनार्दन शर्मा ने कहा, प्रचंड अब नई पीढ़ी को नेतृत्व सौंपें। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि नेता कार्की को सीधे निशाना बनाने से बच रहे हैं, लेकिन जनता और कार्यकर्ताओं के दबाव के चलते उन्हें अपनी ही पार्टी में जवाब देना पड़ रहा है।

कार्की मंत्रिमंडल के लिए 3 नाम फाइनल हुए

नेपाल में पहली बार मंत्री चुनने का तरीका भी बिल्कुल अलग होगा। अंतरिम पीएम सुशीला कार्की की तरह उनके कैबिनेट में मंत्री भी सोशल मीडिया पोलिंग के जरिए चुने जाएंगे।

सूत्रों के मुताबिक कार्की मंत्रिमंडल के लिए 3 नाम फाइनल हो गए हैं। पूर्व वित्त सचिव रमेशोर खनाल को वित्त मंत्री, वकील ओम प्रकाश आर्यल को गृह मंत्री और नेपाल विद्युत प्राधिकरण के पूर्व प्रमुख कुलमान घीसिंग को ऊर्जा एवं सिंचाई मंत्री के रूप में चुना है।

दोहा में 50 मुस्लिम देशों की आपात बैठक

अरब इस्लामिक समिट में इजरायल को कतर पर हमले का जवाब देने की तैयारी, ऐक्शन में पाक

दोहा, 15 सितंबर (एजेंसियां)। इजरायल के कतर पर हमले के बाद खाड़ी में बने तनावपूर्ण माहौल के बीच मुस्लिम देशों की बैठक हो रही है। कतर की राजधानी दोहा में सोमवार को अरब और इस्लामी देशों के 50 से ज्यादा नेता जुट रहे हैं। कतर की मेजबानी में हो रही इस बैठक में सऊदी अरब, ईरान, पाकिस्तान, तुर्की जैसे प्रभावी मुस्लिम देश शामिल हो रहे हैं। बीते हफ्ते दोहा में इजरायल ने हमास के नेताओं को निशाना बनाकर हमला किया था। इस अटैक के बाद मुस्लमि देशों में गुस्सा है। इजरायल के खिलाफ रणनीति के लिए सोमवार को मुस्लिम मुल्क जुट रहे हैं। पाकिस्तान खासतौर से इस समिट में सक्रिय दिख रहा है।

अरब इस्लामिक इमरजेंसी समिट से पहले रविवार को दोहा में मुस्लिम देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक हुई। इसमें सोमवार की अरब लीग और इस्लामिक सहयोग संगठन की बैठक पर चर्चा की गई। कतर के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने बताया है कि सोमवार की शिखर बैठक में कतर पर इजरायली हमले के जवाब पर चर्चा की जाएगी। इस दौरान कई अहम प्रस्ताव पास किए जा सकते हैं। 50 से ज्यादा देशों के नेताओं की मौजूदगी से इस बैठक पर दुनिया की नजर है। 57 सदस्यीय इस्लामिक सहयोग संगठन (ओआइसी) के अरब-इस्लामिक शिखर सम्मेलन में मुस्लिम जगत के राष्ट्राध्यक्षों और शासनाध्यक्षों के साथ-साथ वरिष्ठ अधिकारियों के शामिल होने की उम्मीद है। राजनयिकों ने कहा कि दोहा शिखर सम्मेलन में 50 से अधिक ओआइसी सदस्य देशों के शामिल होने की उम्मीद है। इससे अमेरिका और इजरायल को सख्त संदेश जाएगा। दोहा के सम्मेलन से इजरायली हमले के बाद कतर के लिए समर्थन दिखेगा।

इस हमले के कतर की ताकत दुनिया को दिखेगा और इजरायल के खिलाफ इस्लामी दुनिया की एकजुटतका मजबूत होगी। अरब लीग के महासचिव अहमद अबुल गेत ने अपने बयान में कहा कि इस जुटान का संदेश है साफ है कि कतर अकेला नहीं है,अरब और इस्लामी देश उसके साथ खड़े हैं।

स्थानीय चुनाव में मर्ज की पार्टी को मिले सबसे ज्यादा वोट

दक्षिणपंथी एएफडी की बढ़त सब पर भारी

बर्लिन, 15 सितंबर (एजेंसियां)। जर्मनी के सबसे अधिक आबादी वाले राज्य में हुए स्थानीय चुनावों में चांसल फ्रेडरिक मर्ज की पार्टी को सबसे अधिक वोट मिले। हालांकि, असली जीत धुर दक्षिणपंथी पार्टी ऑल्टरनेटिव फॉर जर्मनी (एएफडी) को मिली। इस पार्टी ने पांच वर्ष पहले की तुलना में अपने मतों में करीब तीन गुना बढ़त हासिल की है।

सोमवार को आए अंतिम परिमाण के मुताबिक, मर्ज की क्रिश्चियन डेमोक्रेटिक यूनियन (सीडीयू) को रविवार को हुए मतदान में 33.3 फीसदी मत मिले। ये चुनाव पश्चिम में स्थित नॉर्थ राइन-वेस्टफेलिया राज्य हुए। इसकी आबादी करीब 1.8 करोड़ है। सीडीयू, सोशल डेमोक्रेट्स पार्टी (एसपीडी) कभी इस राज्य में मजबूत पकड़ रखते थे। एसपीडी को 22.1 फीसदी मत मिले। दोनों ही पार्टियों के मत प्रतिशत 2020 के स्थानीय चुनावों की तुलना में थोड़ा कम रहे। लेकिन चौंकाने वाला आंकड़ा एएफडी का रहा। उसे 14.5 फीसदी वोट मिले, जो पिछले चुनावों की तुलना में 9.4 फीसदी की बढ़त है। यह पार्टी आमतौर पर पूर्वी जर्मनी में अधिक मजबूत मानी जाती है, जहां की अर्थव्यवस्था अपेक्षाकृत कमजोर है, लेकिन इस चुनाव में उसने पश्चिमी जर्मनी में भी अपनी पकड़ बना ली है। फरवरी में हुए राष्ट्रीय चुनावों में एएफडी को 20.8 फीसदी मत मिले थे और वह दूसरी सबसे बड़ी पार्टी बनी थी। उस समय उसने नॉर्थ राइन-वेस्टफेलिया में 16.8 फीसदी मत हासिल किए थे। पार्टी की उपनेता ऐलिस वेडेल ने इस जीत को 'एक बड़ी कामयाबी' बताया। एएफडी की लोकप्रियता का कारण केवल प्रवासियों के खिलाफ असंतोष नहीं है, बल्कि देश की धीमी अर्थव्यवस्था और यूक्रेन युद्ध जैसे मुद्दे भी हैं।

जापान में अमेरिकी टायफून मिसाइल की तैनाती से चीन-रूस आगबबूला

1600 किमी तक हमला करने की क्षमता, इंडो-पैसिफिक में तनाव

टोक्यो, 15 सितंबर (एजेंसियां)। अमेरिका ने सोमवार को जापान में पहली बार अपनी मध्यम दूरी की टायफॉन मिसाइल सिस्टम का प्रदर्शन किया है, जिससे चीन गुस्से में आगबबूला हो गया है। अमेरिका ने अभी तक इस मिसाइल को दक्षिण चीन सागर में चीन के एक और दुश्मन फिलीपींस में तैनात कर रखा था। इसके अलावा ऑस्ट्रेलिया भी इस मिसाइल सिस्टम का इस्तेमाल करता है। दृढ़ निश्चयी ड्रैगन 2025 नाम के एक युद्धाभ्यास के दौरान टायफून मिसाइल सिस्टम की तैनाती की गई है, जिसमें 20,000 जापानी और अमेरिकी सैनिक शामिल हुए थे।

रिपोर्ट के मुताबिक टायफून मिसाइल सिस्टम, टॉमहॉक क्रूज मिसाइल (1,600 किमी रेंज) और SM-6 इंटरसेप्टर्स दाग सकता है, जिससे यह चीन के पूर्वी समुद्रतटीय इलाकों और रूस के कुछ हिस्सों तक मार कर सकता है। अमेरिका इसे अपनी फर्स्ट आइलैंड चेन स्ट्रैटजी का हिस्सा मानता है, जिसके तहत जापान, फिलीपींस और अन्य बेसों के जरिए चीन की नौसैनिक और वायु शक्ति को सीमित करने की कोशिश की जाती है।

टायफून मिसाइल सिस्टम को ऑपरेट करने वाली टास्क फोर्स के कमांडर कर्नल वेड जर्मन ने मरीन कॉर्प्स एयर स्टेशन इवाकुनी ने लॉन्चर के सामने कहा, कई प्रणालियों और विभिन्न प्रकार के हथियारों का उपयोग करके, यह दुश्मन के लिए दुविधाएं पैदा करने में सक्षम है। उन्होंने कहा, जिस तेज गति से इसे तैनात किया जा सकता है, वह हमें आवश्यकता पड़ने पर इसे शीघ्रता से अग्रिम रूप से तैनात करने में सक्षम बनाता है। उन्होंने आगे कहा कि रेजोल्यूट ड्रैगन के बाद टाइफून जापान से रवाना हो जाएगा।

नेपाल-फ्रांस के बाद अब फिलीपींस में सरकार के खिलाफ आक्रोश

राष्ट्रपति ने लोगों से की शांति अपील

मनीला, 15 सितंबर (एजेंसियां)। फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर ने देश में बाढ़ नियंत्रण परियोजनाओं में फैले बड़े भ्रष्टाचार को लेकर जनता के गुस्से का समर्थन किया है। उन्होंने लोगों से कहा कि वे अपने विरोध को खुलकर व्यक्त करें, लेकिन प्रदर्शन पूरी तरह शांतिपूर्ण होने चाहिए। राष्ट्रपति मार्कोस ने वादा किया कि इस घोटाले की जांच एक स्वतंत्र आयोग करेगा और इसमें उनके राजनीतिक सहयोगियों को भी नहीं बख्शा जाएगा। टेलीविजन पर प्रसारित संसदीय सुनवाइयों में कई सांसदों, सरकारी इंजीनियरों और निर्माण कंपनियों पर भारी कमीशन खाने के आरोप लगे हैं। राष्ट्रपति ने इस घोटाले का जिक्र पहली बार जुलाई में अपने वार्षिक संबोधन में किया था। हाल के दिनों में नेपाल और इंडोनेशिया में हुए हिंसक प्रदर्शनों के विपरीत, फिलीपींस में अब तक विरोध प्रदर्शन छोटे और शांतिपूर्ण रहे हैं। अधिकतर गुस्सा सोशल मीडिया पर दिख रहा है, जहां कैथोलिक चर्च के नेता, कारोबारी और रिटायर्ड जनरल खुलकर सरकार की आलोचना कर रहे हैं। 21 सितंबर को राजधानी मनीला में एक बड़े लोकतंत्र समर्थक स्मारक स्थल पर प्रदर्शन होने वाला है, जिसमें बड़ी भीड़ जुटने की संभावना है।

राफेल विमान का पुराना रडार नहीं बदल रहा फ्रांस

भारत दे सकता है 114 नये जेट का ऑर्डर, क्या राफेल सौदा फिर फंसाएगा?

पेरिस, 15 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय वायुसेना ने रक्षा मंत्रालय को 114 राफेल फाइटर जेट खरीदने का प्रस्ताव भेजा है। भारत के पास पहले से ही 36 राफेल फाइटर जेट हैं, जिनका इस्तेमाल हमने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान किया था। भारतीय वायुसेना की मौजूदा चुनौती किसी भी तरह जल्द से जल्द लड़ाकू विमानों की कमी को पूरा करना है। भारत ने 2016 में फ्रांस से जो 36 राफेल फाइटर जेट खरीदे, उससे तात्कालिक जरूरतों का कुछ हद तक समाधान तो हो पाया, लेकिन मुश्किलें कम नहीं हुई हैं।

भारत MRFA (मल्टी-रोल फाइटर एयरक्राफ्ट) प्रोग्राम के तहत 100 से ज्यादा लड़ाकू विमान खरीदने वाला है और इस टेंडर को हासिल करने के लिए बोइंग F-15EX और F/A-18 सुपर हॉर्नेट को पेश कर रहा है, जबकि स्वीडन की डिफेंस कंपनी SAAB अपने Gripen E फाइटर जेट के साथ मैदान में है, और यूरोफाइटर Typhoon और रूस के Su-35 और MiG-35 भी भारतीय टेंडर का इंतजार कर रहे हैं। हालांकि बहुत ज्यादा संभावना इसी बात को लेकर है कि राफेल को ही चुना जाएगा, क्योंकि पहली बात तो ये कि भारतीय वायुसेना ने राफेल का प्रस्ताव भेजा है और दूसरी बात ये कि अलग अलग फाइटर जेट का बेड़ा बनाने से सप्लाई चेन से लेकर कई तरह की ऑपरेशनल और हथियारों के इंटीग्रेशन को लेकर दिक्कतें होती हैं।

कैसे राफेल फाइटर जेट की कीमत, अमेरिका के एफ-35 स्टील्थ फाइटर जेट से काफी ज्यादा है।

एक एफ-35 की कीमत करीब 110-120 मिलियन डॉलर है, जबकि एक राफेल की कीमत 190 मिलियन डॉलर से ज्यादा है। फिर भी फ्रांसीसी फाइटर जेट के साथ एक बहुत बड़ी दिक्कत है, जिसे सुलझाने की सख्त जरूरत है। दरअसल, भारतीय राफेल विमानों में तकनीकी रूप से पुरानी रडार सिस्टम का इस्तेमाल किया जाता है और राफेल के अपग्रेडेशन में सबसे बड़ी दिक्कत इसी बात को लेकर है।

सिख महिला से दुष्कर्म के मामले में एक संदिग्ध गिरफ्तार

लंदन, 15 सितंबर (एजेंसियां)। ब्रिटेन में एक सिख महिला के साथ नस्लीय आधार पर हुए दुष्कर्म के मामले में पुलिस ने एक संदिग्ध आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि 30 वर्षीय संदिग्ध व्यक्ति को संदेह के आधार पर रविवार को हिरासत में लिया गया। पिछले मंगलवार को इंग्लैंड के वेस्ट मिडलैंड्स क्षेत्र के ओल्डबरी में 20 वर्षीय भारतवंशी महिला से दो लोगों ने सामूहिक दुष्कर्म किया था।

वेस्ट मिडलैंड्स पुलिस ने बयान जारी कर कहा है कि 'जांच अभी जारी है और हम लोगों से आग्रह करते हैं कि वे अटकलें न लगाएं क्योंकि हम उन सभी लोगों की पहचान करने और उनका पता लगाने का काम कर रहे हैं जो इसमें शामिल हो सकते हैं।' घटना को लेकर ब्रिटेन के सिख समुदाय में नाराजगी और गुस्सा है। वेस्ट मिडलैंड्स क्षेत्र से ब्रिटिश सिख सांसद प्रीत कौर गिल ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया, 'ओल्डबरी में एक युवा सिख महिला पर हुए भयानक हमले से मैं बेहद स्तब्ध हूं। यह हिंसक कृत्य है, लेकिन इसे नस्लीय भेदभाव के रूप में भी देखा जा रहा है, कथित तौर पर अपराधियों ने उससे कहा था कि वह 'यहां की नहीं है'।' सांसद प्रीत कौर गिल ने कहा, 'वह यहीं की है। हमारे सिख समुदाय और हर समुदाय को सुरक्षित, सम्मानित महसूस करने का अधिकार है। नस्लवाद और स्त्री-द्वेष के लिए ओल्डबरी या ब्रिटेन में कहीं भी कोई जगह नहीं है।

एसयू-34 सुपरसोनिक बॉम्बर से बमबारी

रूसी सेना ने बैरंट सी में किया युद्धाभ्यास, दहशत में नाटो देश

मॉस्को/मिंस्क, 15 सितंबर (एजेंसियां)। रूस ने रविवार को कहा है कि उसने बैरेंट्स सागर में एक लक्ष्य पर जिरकॉन हाइपरसोनिक क्रूज मिसाइल दागी है और सुखोई एसयू-34 सुपरसोनिक लड़ाकू-बमवर्षकों ने बेलारूस के साथ संयुक्त सैन्य अभ्यास के दौरान भारी बमबारी की है। आपको बता दें कि रूस इन दिनों बेलारूस के साथ मिलकर जापड-2025 नाम से युद्धाभ्यास कर रहा है, जिसमें भारत, पाकिस्तान और चीन समेत दर्जन भर से ज्यादा देश हिस्सा ले रहे हैं। रूसी रक्षा मंत्रालय की तरफ से जिरकॉन मिसाइल टेस्ट का वीडियो जारी किया गया है। ये एक हाइपरसोनिक मिसाइल है, जो नाटो के एयर डिफेंस सिस्टम को भेदने की क्षमता रखता है।

सैन्य अभ्यास के दौरान रूस ने सुपरसोनिक फाइटर-बॉम्बर्स एसयू-34 से भी बमबारी कर नाटो को डराने की कोशिश की है।

बेलारूस में ये सैन्य अभ्यास 12 सितंबर से शुरू हुआ है। हालांकि रूस और बेलारूस, दोनों ने कहा है कि ये अभ्यास पूरी तरह से रक्षात्मक है और उनका किसी भी नाटो देश पर हमला करने का कोई इरादा नहीं है। लेकिन रूस और बेलारूस को काउंटर करने के लिए अमेरिका ने भी नाटो के साथ मिलकर इस्टन सेंट्री अभ्यास शुरू करने की बात कही है।

रूस के रक्षा मंत्रालय ने 14 सितम्बर को घोषणा करते हुए उत्तरी बेड़े के एडमिरल गोलोव्को फ्रिगेट से जिरकॉन हाइपरसोनिक क्रूज मिसाइल दागने का फुटेज जारी किया है। इस मिसाइल को बारेंट्स सागर में निर्धारित लक्ष्य को भेदते देखा जा सकता है। रक्षा मंत्रालय की तरफ से जारी वीडियो में मिसाइल को ऊर्ध्वाधर लांच के बाद क्षितिज की तरफ काफी तेज रफ्तार से निकलते हुए दिखाया गया है। रूसी रक्षा मंत्रालय ने बताया है कि जिरकॉन मिसाइल का यह परीक्षण पूरी तरह कामयाब रहा है और वास्तविक समय में मिले डेटा से पुष्टि हुई है, कि लक्ष्य को सीधा हिट किया गया है।

हिंद महासागर में परमाणु किला

इन्स अरिहंत, हाइपरसोनिक मिसाइलें, भारत के न्यूक्लियर पनडुब्बी स्ट्रैटजी से घबराया पाकिस्तान

नई दिल्ली/इस्लामाबाद, 15 सितंबर (एजेंसियां)। हिंद महासागर में चीन और पाकिस्तान कि किसी भी आक्रामकता को सिरे से खत्म करने के लिए भारत तेजी से न्यूक्लियर डेटरेंस स्ट्रैटजी को अपना रहा है। भारत की तैयारियों को देखते हुए पाकिस्तान परेशान हो रहा है। भारत की सेकंड न्यूक्लियर डेटरेंस स्ट्राइक काबिलियत से पाकिस्तान घबराया नजर आ रहा है। पाकिस्तानी मीडिया में भारत के हिंद महासागर में न्यूक्लियर डेटरेंस पर काफी बात हो रही है। पाकिस्तानी अखबार द ट्रिब्यून में भारत की हिंद महासागर और बंगाल की खाड़ी में न्यूक्लियर डेटरेंस को लेकर लंबा चौड़ा लेख लिखा गया है, जिससे पाकिस्तान की घबराहट का पता चलता है।

पाकिस्तानी एक्सपर्ट्स का दावा है कि हिंद महासागर में भारत की रणनीतिक स्थिति अब समुद्र में निरंतर निवारण यानि (सीएएसडी) के इर्द-गिर्द घूम रही है। इस स्ट्रैटजी का मतलब है कि हर वक्त कम से कम एक न्यूक्लियर बैलिस्टिक मिसाइल पनडुब्बी (एसएसबीएन) समंदर के अंदर तैरती रहेगी। यानि, भारत अब कोई भी रिस्क लेने के मूड में नहीं है और हर वक्त सेकंड स्ट्राइक क्षमता तैयार रखना चाहता है। पाकिस्तानी एक्सपर्ट्स का कहना है कि इस स्ट्रैटजी के साथ भारत अपने दुश्मनों को ये संदेश देता है कि किसी भी परमाणु हमले से पहले वो सौ बार सोचे, क्योंकि भारत का फिर तत्काल न्यूक्लियर हमला होगा। पाकिस्तानी एक्सपर्ट का कहना है कि भारत अब डिफेंसिव नहीं, बल्कि अटैकिंग स्ट्रैटजी अपना रहा है। 2016 में आईएनएस अरिहंत की कमीशनिंग से लेकर 2024 में आईएनएस अरिघाट के शामिल होने तक, भारत ने अपने समुद्री कार्यक्रम को तेजी से आगे बढ़ाया है। भारत फिलहाल एस-4 और एस4 एसएसबीएन का भी परीक्षण कर रहा है। इसके साथ ही 13,500 टन विस्थापन वाली नई S5 क्लास एसएसबीएन को भी डेवलप किया जा रहा है, जो भारत की लंबे समय की स्ट्रैटजी को दिखाता है।

रिपोर्ट के मुताबिक इन पनडुब्बियों को भारत की के-सीरीज मिसाइलों से जोड़ा जा रहा है। के-15 (750-1,500 किमी) पहले से ही सर्विस में है। के-4 (3,500-4,000 किमी) का टेस्ट हो चुका है, जबकि के-5 (5,000+ किमी और एमआइआरवीएस से लैस) और के-6 (8,000 किमी हाइपरसोनिक क्षमता) को फिलहाल भारत डेवलप कर रहा है। ये सभी विनाशक मिसाइलें हैं, जो भारत की सेकंड न्यूक्लियर स्ट्राइक का हिस्सा है।

कारोबारी अग्रवाल बोले-विधायक मेरे सामने कहीं नहीं लगते

कहा-एक तरफ मंत्री, दूसरी तरफ मुझे खड़े कर लो, देख लीजिएगा किसे ज्यादा नमस्कार होगा

रायपुर, 15 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में भाजपा कार्यकर्ता, समाजसेवी और जमीन कारोबारी बसंत अग्रवाल के बयान का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। बसंत अग्रवाल कहते हैं कि विधायक मेरे सामने कहीं नहीं लगते। एक तरफ मंत्री, दूसरी तरफ मुझे खड़े कर लो, देख लीजिएगा किसे ज्यादा नमस्कार होगा।

दरअसल, रायपुर में रविवार (14 सितंबर) को बसंत अग्रवाल ने बागेश्वर धाम पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की कथा को लेकर प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी। इस दौरान मंत्री और विधायकों को लेकर उन्होंने ये बातें कहीं।

बता दें कि बसंत अग्रवाल ने 2023 विधानसभा चुनाव में रायपुर पश्चिम से टिकट की दावेदारी पेश की थी। लेकिन भाजपा ने सीनियर नेता राजेश मूणत को चुनावी मैदान में उतारा था। मूणत ने जीत भी दर्ज की।

बसंत अग्रवाल के आगे विधायक कहीं नहीं लगता है। जो धर्म का काम करता है, समाज उसे सबसे आगे रखता है। समाज उसके लिए हमेशा आगे रहता है। आप एक तरफ मंत्री और दूसरे तरफ बसंत अग्रवाल को खड़े कर दीजिए। नमस्कार या राम राम कहां ज्यादा होगी और क्यों होगी, इसका कारण बसंत अग्रवाल नहीं सिर्फ धर्म है। कोई भी कपड़ा किसी से बंधा हुआ नहीं है। कोई भी विचार किसी से बंधा हुआ नहीं है। मैं धर्म का काम करता हूं। मैं भगवा चोला पहनू यह जरूरी नहीं। बिना भगवा चोला पहने भी बसंत अग्रवाल वह कर रहा है जो लोग नहीं कर पा रहे। भाजपा कार्यकर्ता अग्रवाल ने बताया कि गुढ़ियारी में स्व. पुरुषोत्तम अग्रवाल स्मृति फाउंडेशन के देखरेख में हनुमत कथा का आयोजन 4 से 8 अक्टूबर तक होगा। इसमें बागेश्वर धाम के पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री आएंगे। आयोजन के लिए तैयारी की जा रही है। पंडित धीरेंद्र शास्त्री की कथा के माध्यम से बड़ी संख्या में लोगों को जोड़ने की कोशिश की जाएगी। बसंत अग्रवाल ने भारतीय जनता पार्टी के महासदस्यता अभियान में सक्रिय भूमिका निभाई थी। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने कार्यकर्ता बसंत अग्रवाल को "सदस्यता रत्न" से सम्मानित किया था। जानकारी के मुताबिक बसंत अग्रवाल ने 13 हजार नए सदस्य जोड़े थे। बसंत अग्रवाल के खिलाफ बीजेपी कार्रवाई भी कर चुकी है। 7 साल पहले बेमेतरा में हुई एक सभा में बीजेपी नेता लाभचंद बाफना से बसंत अग्रवाल भिड़ गए थे।

झारखंड-बिहार पुलिस की संयुक्त कार्रवाई

होटल से 4 हजार लीटर कच्चा स्प्रिट जब्त, 5 गिरफ्तार

गिरिडीह, 15 सितंबर (एजेंसियां)। गिरिडीह के निमियाघाट थाना क्षेत्र में स्थित एक होटल से पुलिस ने 4 हजार लीटर कच्चा स्प्रिट बरामद किया है। होटल संचालक समेत पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने अवैध कारोबार में प्रयुक्त दो कारों भी जब्त की है। यह कार्रवाई बिहार उत्पाद विभाग और झारखंड एटीएस की सूचना पर की गई। सूचना मिली थी कि गिरिडीह से कच्चा स्प्रिट बिहार भेजा जा रहा है। एसपी के निर्देश पर एसडीपीओ सुमित कुमार के नेतृत्व में विशेष टीम बनाई गई। टीम ने हेठनगर स्थित लाइन होटल पर छापेमारी की। होटल परिसर से सैकड़ों गैलन में भरा कच्चा स्प्रिट मिला। इसकी कीमत लाखों रुपए है। जांच में पता चला है कि यह गिरोह लंबे समय से झारखंड-बिहार सीमा क्षेत्र में अवैध शराब कारोबार कर रहा था। एसडीपीओ सुमित कुमार ने बताया कि पुलिस गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ कर रही है।

सूरजपुर में 7 लोगों पर गिरी बिजली, 1 मौत, 6 घायल

रायपुर-रायगढ़ में बारिश, 33 जिलों में यलो-अलर्ट, बेमेतरा में सामान्य से 50% कम बरसा पानी

रायपुर, 15 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले में 7 लोगों पर बिजली गिरी है, जिसमें एक युवक की मौत हो गई। इस दौरान 5 और भी झुलसे हैं, जिनमें से 4 लोगों को कोरिया जिले के सोनहत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है। वहीं 2 बच्चों का इलाज सोनहत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में चल रहा है।

मिली जानकारी के मुताबिक महतारी वंदन योजना के तहत मिल रही राशि कटकर खाते में आ रही थी। इसे लेकर वह पालकेवरा ग्राम पंचायत सचिव के पास गए थे। सचिव को बुलाकर पेड़ के नीचे मोबाइल नंबर समेत अन्य दस्तावेज अपडेट करा रहे थे, तभी बिजली गिरी। मामला ओड़गी थाना क्षेत्र का है।

वहीं मौसम विभाग ने आज (सोमवार) प्रदेश के सभी जिलों में बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। इस दौरान गरज चमक के साथ बिजली गिर सकती है। अगले 2 दिनों तक यही स्थिति बनी रहेगी। इन सबके बीच सोमवार दोपहर रायपुर और रायगढ़ में बारिश हुई है।

मौसम विभाग के मुताबिक राज्य में हल्की से मध्यम बारिश का दौर जारी रहेगा। पिछले 24 घंटों में ज्यादातर जगहों पर हल्की से मध्यम बारिश हुई है। सबसे ज्यादा 60 एमएम बारिश तोंगपाल में हुई है। वहीं प्रदेश में अब तक सबसे ज्यादा बलरामपुर जिले में पानी बरसा है और सबसे कम बेमेतरा जिले में।

प्रदेश में अब तक 1033.2 मिमी बारिश हुई है। बेमेतरा जिले में अब तक 483.7 मिमी पानी बरसा है, जो सामान्य से 50% कम है। अन्य जिलों जैसे बस्तर, राजनांदगांव, रायगढ़ में वर्षा सामान्य के आसपास हुई है वहीं, बलरामपुर जिले में सबसे ज्यादा 1399.8 मिमी बारिश दर्ज की गई, जो सामान्य से 51% ज्यादा है।

पिछले हफ्ते उत्तरी और दक्षिणी छत्तीसगढ़ में भारी बारिश हुई। बस्तर संभाग में 4 जिलों में कई पुल टूट गए, 200 से ज्यादा घर ढह गए। नदियां-नाले उफान पर आ गए और बाढ़ जैसे हालात बन गए। प्रशासन को राहत और बचाव कार्य चलाना पड़ा।

प्रभावितों को राहत शिविर में रखा गया है। फिलहाल स्थिति सामान्य की ओर बढ़ रही है, लेकिन बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में दिक्कतें अब भी बरकरार हैं।

बस्तर संभाग में पिछले दिनों हुई मूसलाधार बारिश के बाद चार जिलों दंतेवाड़ा, बीजापुर, सुकमा और बस्तर में बाढ़ से 200 से ज्यादा मकान ढह गए। 2196 लोग राहत शिविर में शिफ्ट किए गए। इन्हें स्कूल, इंडोर स्टेडियम, आश्रम जैसे जगहों पर ठहराया गया है। अब तक 5 लोगों की मौत हो चुकी है। अब बाढ़ के बाद की तस्वीरें भी सामने आई हैं। बारसूर में स्टेट हाईवे 5 पर पुल टूट गया, टूटे पुल पर अब सीढ़ी बांधकर ग्रामीण आना जाना कर रहे हैं। बता दें कि नारायणपुर, बस्तर, बीजापुर के 55 से 60 गांवों के ग्रामीण अपनी रोजमर्रा के सामानों के लिए बारसूर साप्ताहिक बाजार पहुंचते हैं।

बादलों में मौजूद पानी की बूंदें और बर्फ के कण हवा से रगड़ खाते हैं, जिससे उनमें बिजली जैसा चार्ज पैदा होता है। कुछ बादलों में पॉजिटिव और कुछ में नेगेटिव चार्ज जमा हो जाता है।

बाइक की सीट के नीचे मिला सांप

ड्यूटी जाते वक्त महिला को दिखा करैत बाइक से कूदी, पकड़ कर जंगल में छोड़ा गया

पाकुड़, 15 सितंबर (एजेंसियां)। पाकुड़ जिले के महेशपुर में एक मोटरसाइकिल की सीट के नीचे करैत सांप मिलने से हड़कंप मच गया। संदीप कुमार पाल बाइक से अपनी पत्नी को स्वास्थ्य उप केंद्र छोड़ने जा रहे थे। महिला वहां जॉब करती है। इसी दौरान महिला की नजर सीट के नीचे छिपे सांप पर पड़ी।

महिला ने तुरंत चलती बाइक से कूदकर अपने पति को सूचित किया। संदीप ने बाइक रोककर जांच की तो उन्हें भी सांप दिखाई दिया। उन्होंने तत्काल वन विभाग के सर्प मित्र अशराफुल शेख को सूचना दी। मौके पर पहुंचे सर्प मित्र ने सीट हटाकर सांप का सफल रेस्क्यू किया।

अशराफुल शेख ने बताया कि यह एक से डेढ़ साल का करैत सांप था, जो भारत का चौथा सबसे जहरीला सांप माना जाता है। सांप ने मोटरसाइकिल में ही केंचुल उतारा था, जिससे पता चलता है कि वह वहां काफी समय से रह रहा था। उन्होंने बताया कि करैत के काटने पर समय पर इलाज न मिलने से मौत हो सकती है।

सर्प मित्र ने लोगों को जागरूक करते हुए कहा कि सांप इकोसिस्टम के लिए जरूरी हैं। बरसात में सांपों का दिखना आम बात है।

ऐसी स्थिति में सांप को नहीं मारना चाहिए, बल्कि विशेषज्ञों की मदद लेनी चाहिए। रेस्क्यू के बाद सांप को सुरक्षित स्थान पर छोड़ दिया गया। बताते चलें कि सर्प मित्र अशराफुल शेख बरसात में काफी जहरीले सांपों का रेस्क्यू कर उन्हें जंगल में छोड़ा है। वहीं उनके कार्यों की लगातार प्रशंसा हो रही है।

महिला से छेड़खानी का मामला

परिवार पर कुल्हाड़ी से हमला, चार घायल अस्पताल में भर्ती

धनबाद, 15 सितंबर (एजेंसियां)। धनबाद के सरायढेला थाना क्षेत्र के कोराडी कोला कुसमा में छेड़खानी का मामला सामने आया है। पीड़ित महिला का आरोप है कि सोमवार सुबह वो पूजा करने के लिए जा रही थी। इसी दौरान उसके चचेरे ससुर ने उसे पीछे से पकड़ लिया। विरोध करने पर आरोपी ने अपनी पत्नी और बेटे के साथ पीड़िता के परिवार पर हमला कर दिया। हमले में महिला, उसके पति, ससुर और बेटे घायल हुए। पति को पीठ और जांघ में चोट आई। वहीं, महिला और उसके बेटे के सीने में चोटें आई हैं। सभी घायलों को शहीद निर्मल महतो मेमोरियल मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती किया गया है। पीड़ित महिला ने बताया कि आरोपी 2016 से उनके प्रति गलत नीयत रखता है। इस संबंध में कई बार थाने में शिकायत की गई, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। इधर, सरायढेला थाना प्रभारी नूतन मोदी के अनुसार, यह पुराना घरेलू विवाद है। अब तक 5-6 केस दर्ज हो चुके हैं।

श्रद्धालुओं से भरी बस ट्रेलर में घुसी, 4 की मौत

इनमें 3 महिलाएं, यूपी के जौनपुर में हादसा, रामलला के दर्शन करके काशी जा रहे थे

रायपुर, 15 सितंबर (एजेंसियां)। यूपी के जौनपुर में 56 श्रद्धालुओं से भरी एसी बस पीछे से ट्रेलर में घुस गई। हादसे में 4 श्रद्धालुओं की मौत हो गई। 6 लोग गंभीर रूप से घायल हैं। 4 मृतकों में तीन महिलाएं आशा भवाल (30), रेखा बानिक, गुलाब देवी (32) कांकेर जिले की रहने वाली थीं। जबकि बस ड्राइवर दीपक यूपी का रहने वाला था। 56 में से 53 पखांजूर और 3 यात्री गढ़चिरौली महाराष्ट्र के रहने वाले थे।

ये सभी बालाजी ट्रेवल्स की बस सीजी 07 सीटी 4681 में सवार होकर रामलला के दर्शन करने अयोध्या गए थे। वहां से वाराणसी में बाबा विश्वनाथ के दर्शन करने जा रहे थे।

एसपी डॉक्टर कौस्तुभ ने बताया- बस के आगे ट्रेलर चल रहा था। ओवरटेक के दौरान ड्राइवर ने कंट्रोल खो दिया और बस ट्रेलर से जा भिड़ी। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस और स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे। हादसा इतना भयानक था कि आगे का केबिन पिचक गया। घायलों

को जिला अस्पताल भेजा गया। ट्रेलर चालक से पूछताछ की जा रही है। हादसे के चलते हाईवे पर कुछ देर जाम रहा, जिसे बाद में पुलिस ने खुलवाया। हादसा वाराणसी-लखनऊ हाईवे पर लाइन बाजार थाना क्षेत्र के सीहीपुर के पास हुआ। यूपी में जिस बस से हादसा हुआ है वो बस दो महीने पहले ही अर्जुंदा, बालोद निवासी वेद सोनकर ने खरीदी है। ट्रेवल्स का नाम बालाजी है। जिसने बस की बुकिंग की उसका नंबर बंद आ रहा है। सारे यात्री पखांजूर से बैठे थे। बस की बुकिंग भी वहीं से हुई है। बस में दो ड्राइवर सवार थे। जिसमें अर्जुंदा, बालोद निवासी ड्राइवर सुरक्षित है। दुर्ग निवासी ड्राइवर की मौत हो गई है।

घायल यात्री दिलीप दास ने बताया- बताया कि हम 50 लोगों का एक ग्रुप 7 सितंबर को छत्तीसगढ़ से निकला था। हम सभी लोगों ने पहले अमर कंटक, मैहर देवी, चित्रकूट, वृंदावन, अयोध्या और फिर काशी विश्वनाथ दर्शन करने जा रहे थे।

रविवार सुबह वृंदावन से अयोध्या धाम पहुंचे थे। हमने रामलला का दर्शन किया और अन्य मंदिरों में भी पूजा-अर्चना की। इसके बाद ऑटो से अयोध्या घूमा। फिर रात 11 बजे खाना खाने के बाद हम सभी बस में बैठ गए। रात ज्यादा हो गई थी,

रांची समेत 15 जिलों में भारी बारिश

18 सितंबर तक बरसेंगे बादल, राजधानी में 3 घंटे में 30 मिमी बारिश, वज्रपात से 2 की मौत

रांची, 15 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर तेलंगाना व उससे सटे क्षेत्रों में बने लो प्रेशर और बंगाल की खाड़ी के ऊपर बने साइक्लोनिक सर्कुलेशन का असर दिखना शुरू हो गया है। रांची व आसपास के इलाके में रविवार दोपहर दो बजे से मूसलाधार बारिश हुई। शाम 5.30 बजे तक रांची में 30 मिमी बारिश हुई। आलम यह रहा कि महज तीन घंटे में 30 मिमी बारिश हो गई। इस वजह से अलबर्ट एक्का चौक, कांटा टोली फ्लाईओवर के नीचे, सेवा सदन रोड, कांके रोड सहित तमाम निचले इलाके में बारिश का पानी भर गया। शहर के कई निचले इलाके में तीन फीट तक जल-जमाव देखा गया।

मौसम विभाग ने बताया कि 15 से 18 सितंबर तक राज्य के अधिकतर जिलों में बारिश की संभावना जताई है। इस दौरान कई जिलों में भारी बारिश का यलो अलर्ट जारी किया गया है। विश्वकर्मा पूजा के दिन भी कई जिलों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। मौसम विभाग के अनुसार, 16 सितंबर को राज्य के देवघर, दुमका, गिरिडीह, जमुआ, रांची, बोकारो, हजारीबाग, कोडरमा, धनबाद, चतरा और रामगढ़ जिलों में तेज बारिश की आशंका है। विभाग का कहना है कि इन जिलों के कुछ हिस्सों में भारी बारिश के साथ वज्रपात की भी संभावना बनी हुई है।

17 सितंबर को मौसम का मिजाज और बिगड़ सकता है। देवघर, दुमका, गिरिडीह, गोड्डा, जमुआ, पाकुड़, साहेबगंज, हजारीबाग, कोडरमा, पलामू, गढ़वा और चतरा जिलों में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। विभाग ने साफ कहा है कि इस दौरान नदी-नालों का जलस्तर बढ़ सकता है। निचले इलाकों में जलजमाव की स्थिति बन सकती है। इधर, ठाकुरगांव में वज्रपात की चपेट में आने से दो लोगों की मौत हो गई। बुढ़मू प्रखंड के हेसलपिरी गांव में रविवार की शाम तेज बारिश के दौरान ठनका की चपेट में आने से दो ग्रामीणों की मौत हो गई। गांव के बालगोविंद महतो (52) व उदयनाथ महतो (60) मवेशी चराकर घर लौट रहे थे।

शराब घोटाला केस, चैतन्य के खिलाफ 7000 पन्नों का चालान पेश

4 बंडल दस्तावेज लेकर आई ईडी, ईओडब्ल्यू-एसीबी ने मांगी 7 दिन की रिमांड, फैसला सुरक्षित

रायपुर, 15 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ शराब घोटाला मामले में पूर्व सीएम भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल के खिलाफ ईडी ने आज रायपुर कोर्ट में 7 हजार पन्नों से ज्यादा का चालान पेश किया है। ईडी के अधिकारी 4 बंडल दस्तावेज लेकर कोर्ट पहुंचे थे। वहीं चैतन्य की रिमांड के लिए ईओडब्ल्यू-एसीबी ने भी कोर्ट में आवेदन लगाया है।

ईओडब्ल्यू-एसीबी ने चैतन्य से पूछताछ के लिए 7 दिन की रिमांड मांगी है, लेकिन कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया है। कल यानी मंगलवार को फिर से सुनवाई होगी। माना जा रहा है कि अब ईओडब्ल्यू-एसीबी की भी टीम भी घोटाले को ले कर पूछताछ कर जांच करेगी।

वहीं हाईकोर्ट में चैतन्य बघेल की गिरफ्तारी मामले में सुनवाई अधूरी रह गई। 19 सितंबर को फिर सुनवाई होगी। चैतन्य बघेल को ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग केस में गिरफ्तार किया है। चैतन्य ने ईडी की कार्रवाई को चुनौती दी है। जस्टिस अरविंद वर्मा की सिंगल बेंच में सुनवाई हुई।

इसके अलावा चैतन्य बघेल की कस्टोडियल रिमांड खत्म होने पर जेल के अधिकारियों ने कोर्ट में पेश किया। चैतन्य के खिलाफ शराब घोटाला, कोल लेवी, महादेव सट्टा ऐप और मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जांच चल रही है। चैतन्य बघेल को 18 जुलाई 2025 को गिरफ्तारी हुई थी, तब से रायपुर जेल में बंद है।

दरअसल, शराब घोटाला और

मनी लॉन्ड्रिंग केस में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने चैतन्य बघेल को भी आरोपी बनाया है। आरोप है कि शराब घोटाले की रकम से चैतन्य को 16.70 करोड़ रुपए मिले हैं। शराब घोटाले से मिले ब्लैक मनी को रियल एस्टेट प्रोजेक्ट्स में इन्वेस्ट किया गया।

ईडी के मुताबिक चैतन्य बघेल ने ब्लैक मनी को वाइट करने के लिए फर्जी निवेश दिखाया है। साथ ही सिंडिकेट के साथ मिलकर 1000 करोड़ रुपए की हैंडलिंग (हेराफेरी) की गई है। ईडी ने अपनी जांच में पाया कि, चैतन्य बघेल के विट्ठल ग्रीन प्रोजेक्ट (बघेल डेवलपर्स) में घोटाले के पैसे को इन्वेस्ट किया गया है। इस प्रोजेक्ट से जुड़े अकाउंटेंट के ठिकानों पर छापेमारी कर ईडी ने रिकॉर्ड जब्त किए थे। प्रोजेक्ट के कंसल्टेंट राजेन्द्र जैन ने बताया कि, इस प्रोजेक्ट में वास्तविक खर्च 13-15 करोड़ था। जबकि रिकॉर्ड में 7.14 करोड़ ही दिखाया गया। जब्त डिजिटल डिवाइसेस से पता चला कि, बघेल की कंपनी ने एक ठेकेदार को 4.2 करोड़ कैश पेमेंट किया, जो रिकॉर्ड में नहीं दिखाया गया। ईडी ने अपनी जांच में पाया है कि त्रिलोक सिंह ढिल्लो ने 19 फ्लैट खरीदने के लिए 5 करोड़ बघेल डेवलपर्स को ट्रांसफर किए।

कुख्यात नक्सली की पत्नी ने किया सरेंडर

संगठन को लेकर किया बड़ा दावा, एरिया कमेटी की थी सचिव

गरियाबंद, 15 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में नक्सल विरोधी अभियान के तहत सुरक्षाबलों को एक और बड़ी कामयाबी मिली है। गरियाबंद में 10 नक्सलियों के एनकाउंटर के बाद सोमवार को एक महिला नक्सली ने सरेंडर कर दिया है। सरेंडर करने वाली महिला नक्सली की पहचान जानसी उर्फ वछेला के रूप में हुई है। उसके सिर पर 8 लाख रुपये का इनाम घोषित था। वह नक्सली संगठन की सीनियर मेंबर थी और नगर एरिया कमेटी की सचिव थी। पुलिस के अनुसार, वह हाल ही में मारे गए कुख्यात नक्सली सत्यम गावड़े की पत्नी है। पुलिस के मुताबिक, जानसी का समर्पण एक बड़ी सफलता है क्योंकि वह नगर एरिया कमेटी की सचिव थी और संगठन के सबसे ऊंचे पदों में से

एक पर काबिज थी। सरेंडर करने के बाद महिला नक्सली ने सुरक्षाबल के जवानों को बताया कि लगातार हो रहे एक्शन के बाद नक्सली संगठन पूरी तरह से बिखर गए हैं। गरियाबंद पुलिस अधीक्षक ने बताया कि जानसी ने सरकार की पुनर्वास नीति और परिवार के सदस्यों के लगातार दबाव के चलते हिंसा का रास्ता छोड़ने का फैसला किया। उसने पुलिस को बताया कि बड़े-बड़े नेताओं के मारे जाने के बाद अब नक्सल संगठनों की कमर टूट चुकी है। पुलिस अधीक्षक ने नक्सलियों से अपील की है कि वे हिंसा छोड़कर समाज की मुख्यधारा में लौट आएं। पुलिस के अनुसार, जानसी 2005 में जनमिलिशिया के माध्यम से नक्सली संगठन में शामिल हुई थी। नक्सली संगठन में उसे नगरी एरिया कमेटी की सचिव की जिम्मेदारी दी गई थी।

दशहरा उत्सव को लेकर मचा बवाल

अरपांचल लोक मंच और सर्व हिंदू समाज ने भजन-कीर्तन कर निकाली रैली, कलेक्ट्रेट में हनुमान चालीसा का पाठ

बिलासपुर, 15 सितंबर (एजेंसियां)। बिलासपुर में दशहरा उत्सव मनाने की अनुमति नहीं देने को लेकर जमकर बवाल मच गया है।

सरकंडा के साइंस कॉलेज मैदान में अरपांचल लोक मंच को रावण दहन करने की परमिशन नहीं देने से नाराज लोगों ने सोमवार को भजन-कीर्तन कर रैली निकाली। जिसके बाद कलेक्ट्रेट पहुंचकर हनुमान चालीसा का पाठ किया गया।

अरपांचल लोक मंच समिति और सर्व हिंदू समाज के नेतृत्व में नूतन चौक पर बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। इस दौरान बरसते पानी में लोगों ने नारेबाजी करते हुए भजन-कीर्तन किया। जिसके बाद रैली पैदल कलेक्ट्रेट के लिए कूच की। रैली महामाया चौक से होकर नेहरू चौक और फिर कलेक्ट्रेट पहुंची।

दरअसल, पिछले कुछ सालों से अरपांचल लोक मंच समिति की ओर से साइंस कॉलेज मैदान में रावण दहन का कार्यक्रम किया जाता रहा है।

लेकिन इस बार किसी बाहरी व्यक्ति को यहां रावण दहन कार्यक्रम के आयोजन की मंजूरी नियमों के विपरीत दे दी गई है। समिति के अध्यक्ष सुधांशु मिश्रा और सचिव अतुल सिंह ने बताया कि नियमों के तहत उन्होंने साइंस कॉलेज मैदान में रावण दहन किए जाने की अनुमति मांगी थी। लेकिन उन्हें अनुमति न देकर उनके बाद में किए गए किसी दूसरे व्यक्ति के आवेदन को कार्यक्रम स्थल के लिए अनुमति दे दी गई। जो कि अब सर्व हिंदू समाज के लिए आक्रोश का कारण बन गया है। नियमों के विरुद्ध और भेदभाव करते हुए, किसी दूसरे को दिए गए। साइंस कॉलेज मैदान को वापस दिलाए जाने की मांग समिति ने प्रशासन से की है।

डकैती की योजना नाकाम

टू टैंक गार्डन से दो युवक गिरफ्तार देशी कट्टा और गोलियां जब्त

बोकारो, 15 सितंबर (एजेंसियां)। बोकारो पुलिस ने टू टैंक गार्डन क्षेत्र से डकैती की योजना बना रहे दो अपराधियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस को मिली गुप्त सूचना के आधार पर यह कार्रवाई की गई। एसपी हरविंदर सिंह के निर्देश पर डीएसपी आलोक रंजन के नेतृत्व में गठित टीम ने कार्रवाई को अंजाम दिया। गिरफ्तार आरोपियों में पटना खटाल निवासी 20 वर्षीय राजकुमार यादव उर्फ विक्की और दुर्गा स्थान निवासी 18 वर्षीय कुनाल कुमार शामिल हैं। आरोपियों से एक देशी कट्टा और .315 बोर की तीन जिंदा गोलियां बरामद की गई हैं।

सीमेंट की आड़ में शराब तस्करी

मेदिनीनगर, 15 सितंबर (एजेंसियां)। झारखंड के पलामू जिले में एक ट्रक से 12.72 लाख रुपये मूल्य की विदेशी शराब जब्त की गई। धनबाद, बोकारो और पश्चिम बंगाल के पड़ोसी जिलों में सरकारी कर्मचारियों के आवासों में सेंधमारी करने और दिन के समय घरों में घुसकर चोरी करने वाले एक अंतरराज्यीय चोर गिरोह के पांच सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है।

पलामू की पुलिस अधीक्षक रेशमा रमेशन ने एक बयान में कहा कि 11 सितंबर को एक गुप्त सूचना मिली थी कि बड़ी मात्रा में विदेशी शराब लेकर एक ट्रेलर ट्रक पलामू के नवबाजार से बिहार के औरंगाबाद की ओर जा रहा है, जिसके आधार पर पुलिस ने मेदिनीनगर-औरंगाबाद मुख्य मार्ग पर ट्रेलर ट्रक को रोक लिया। उन्होंने बताया कि जब पुलिस ने ट्रेलर ट्रक के चालक से माल के बारे में पूछा तो उसने बताया कि यह सफेद सीमेंट है। उन्होंने बताया कि ट्रक को जांच के लिए छतरपुर थाने लाया गया। अधिकारी ने बताया कि ट्रेलर ट्रक का चालक उसके दावे के समर्थन में कोई भी वैध दस्तावेज पेश नहीं कर पाया। पुलिस ने ट्रेलर ट्रक से 12.72 लाख रुपये मूल्य की विभिन्न ब्रांड की विदेशी शराब की 6,360 बोतल जब्त कीं। ट्रेलर ट्रक चालक को गिरफ्तार और वाहन को जब्त कर लिया गया है।

उधर, बोकारो के पुलिस अधीक्षक हरविंदर सिंह ने बताया कि बोकारो और निकटवर्ती धनबाद जिले में सरकारी आवासों में चोरी की कई घटनाओं के बाद अपराधियों को पकड़ने के लिए विभिन्न पुलिस थानों (जहां चोरी हुई थी) की एक संयुक्त टीम बनाई गई थी।

हरविंदर सिंह कि अपनी खुफिया जानकारी और तकनीकी निगरानी की मदद से हम धनबाद के जोड़ापोखर इलाके के रहने वाले गिरोह के सरगना राजू अंसारी समेत पांच अपराधियों को पकड़ने में कामयाब रहे। हमने 3,07,600 रुपये नकद, 97 ग्राम सोना, लगभग एक किलो चांदी की ईंटें और चांदी के कई आभूषण भी बरामद किए हैं।

उन्होंने बताया कि गिरफ्तार किए गए अन्य चार चोरों में फैयाज अंसारी, आबिद अंसारी और राहुल कुमार (सभी धनबाद के जोड़ापोखर क्षेत्र के निवासी) और धनबाद के झरिया निवासी रवि रंगाराव शिंदे शामिल हैं। पुलिस अधीक्षक ने कहा, ''राजू अंसारी और फैयाज अंसारी पर बोकारो, धनबाद (झारखंड) और बंगाल के पुरुलिया जिले के विभिन्न पुलिस थानों में मामले दर्ज हैं जबकि आबिद अंसारी पर बोकारो और धनबाद के विभिन्न पुलिस थानों में मामले दर्ज हैं।''

एलन मस्क की बढ़ती संपत्ति से परेशान क्यों हैं दुनिया के सबसे बड़े ईसाई धर्मगुरु?

नई दिल्ली, 15 सितंबर (एजेंसियां)।दुनिया के सबसे बड़े ईसाई धर्मगुरु पोप लियो ने टेस्ला के सीईओ एलन मस्क की संपत्ति को लेकर तल्ख टिप्पणी की है। पोप लियो ने कहा कि जिस रफ्तार से मस्क की संपत्ति बढ़ रही है, वो चिंताजनक है। लियो के मुताबिक मस्क जैसे लोगों की बढ़ती संपत्ति की वजह से दुनियाभर की मुश्किलें बढ़ सकती हैं।

लियो ने यह बयान एक इंटरव्यू में दिया है, जिसे कैथोलिक समाचार वेबसाइट क्रक्स पर प्रकाशित किया गया है। इसमें कहा गया है कि लियो मजदूर और कर्मचारियों के मुकाबले कंपनी के सीईओ की बढ़ती सैलरी से चिंतित हैं।

दोनों के बीच बढ़ रही है दूरियां

पोप लियो के मुताबिक 60 साल पहले कंपनी के कर्मचारी और सीईओ की सैलरी में सिर्फ 6 गुना का अंतर होता था, जो अब 600 गुना पर पहुंच गया है। मैंने सुना है कि कुछ साल में एलन मस्क खरबपति हो जाएंगे। यह चिंताजनक है और इस पर ध्यान देने की जरूरत है। लिया का कहना है कि जिस तरीके से कॉरपोरेट की स्थिति खराब होती जा रही है। जिस तरीके से पैसे सिर्फ एक वर्ग के पास जा रहा है, उससे आने वाले वक्त में दुनिया में नई लड़ाई छिड़ सकती है। लियो ने कहा कि मजदूरों की सैलरी लगातार कम होती जा रही है, जबकि कंपनी के सीईओ और उच्च वर्ग पर बैठे लोगों की सैलरी बढ़ रही है। फोर्ब्स के मुताबिक टेस्ला के एलन मस्क की वर्तमान संपत्ति पत्ति 463.2 अरब डॉलर है।

लियो का बयान अहम क्यों है?

ऑक्सफेम ने मार्च 2025 में एक रिपोर्ट जारी की थी, जिसमें कहा गया था कि 2019 के मुकाबले 2024 में सीईओ की वेतन में औसतन 50 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। वहीं इस दौरान कंपनी के कर्मचारियों के वेतन में मामूली 0.9 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। भारत, अमेरिका, ब्रिटेन और यूरोप के कई देशों में सीईओ और कर्मचारियों के वेतन बढ़ोतरी में काफी फासला देखा गया। ऐसे में पोप लियो ने जिस तरीके से इसे उठाया है, वो काफी अहम माना जा रहा है। एमनेस्टी इंटरनेशनल के मुताबिक साल 2022 में दुनिया के 193 में से 148 देशों में भोजन, उर्जा, जीवन यापन की कीमत में बढ़ोतरी को लेकर विरोध-प्रदर्शन हुए। नेपाल और बांग्लादेश में इस तरह के प्रदर्शन में जनरेशन-जेड के लोग शामिल हुए।

आर्थिक और डिजिटल प्रगति से तेज हुई नए शहरी भारत की रफ्तार, 16 गुना बढ़ गया शहरों का बजट

नई दिल्ली, 15 सितंबर (एजेंसियां)। जब हम शहरों से और अधिक की अपेक्षा करते हैं, तो हमें यह भी देखना चाहिए कि हम पहले ही कितनी दूरी तय कर चुके हैं? आजादी के दशकों बाद तक, भारत के शहर उपेक्षित विचार थे। नेहरू की सोवियत शैली की केंद्रीकृत सोच ने हमें शास्त्री भवन और उद्योग भवन जैसे कंक्रीट के विशाल भवन दिए, जो 1990 के दशक तक ही ढहने लगे थे और सेवा के बजाय नौकरशाही के स्मारक बनकर रह गए।

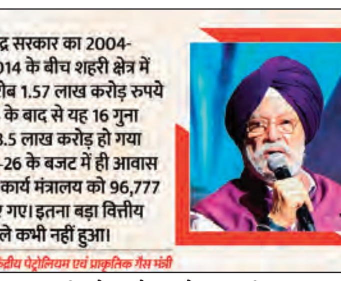

15 साल पहले तक एनसीआर की बाहरी सड़कों पर हमेशा जाम रहता था

2010 के दशक तक दिल्ली की हालत बहुत खराब थी। सड़कों पर गड्ढे थे, सरकारी इमारतें पुरानी, बदरंग और टपकती छतों वाली थीं। एनसीआर की बाहरी सड़कों पर हमेशा जाम लगा रहता था। एक्सप्रेसवे बहुत कम थे, मेट्रो कुछ शहरों तक सीमित थी। बुनियादी ढांचा तेजी से टूट-फूट का शिकार हो रहा था। दुनिया का नेतृत्व करने का सपना देखने वाले राजधानी उपेक्षा और बदहाल स्थिति का प्रतीक बन चुकी थी।

कभी जर्जर हालत थी, अब महत्वाकांक्षा और आत्मविश्वास है

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हालात को बदला। शहरों को विकास का इंजन और राष्ट्रीय गर्व का प्रतीक बनाया। यह बदलाव आज हर जगह दिखाई देता है। सेंट्रल विस्टा के पुनर्निर्माण ने कर्तव्य पथ को जनता की जगह बना दिया, नई संसद को भविष्य के अनुरूप संस्थान में बदल दिया और कर्तव्य भवन को सुचारु प्रशासनिक केंद्र बना दिया। जहां पहले जर्जर हालत थी, वहां अब महत्वाकांक्षा और आत्मविश्वास दिखता है।

16 गुना बढ़ गया शहरों का बजट

केंद्र सरकार का 2004-2014 के बीच शहरी क्षेत्र में निवेश करीब 1.57 लाख करोड़ रुपये था। 2014 के बाद से यह 16 गुना बढ़कर 28.5 लाख करोड़ हो गया है। 2025–26 के बजट में ही आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय को 96,777 करोड़ दिए गए। इतना बड़ा वित्तीय निवेश पहले कभी नहीं हुआ। इससे शहरी ढांचे का स्वरूप बदल रहा है।

यह है बदलाव की यात्रा

आजादी के बाद की उपेक्षा से मोदी युग के आधुनिकीकरण तक। शास्त्री भवन की जर्जरता से कर्तव्य भवन की महत्वाकांक्षा तक। गड्ढों वाली सड़कों से एक्सप्रेसवे और हाई-स्पीड कॉरिडोर तक। धुएं से भरे रसोईघरों से पीएनजी तक। झुग्गियों से लाखों पक्के घरों तक। टूटे-फूटे हॉल से विश्वस्तरीय सम्मेलन केंद्रों तक। संकोच करती राजधानी से आत्मविश्वासी वैश्विक मेजबान तक।

दुनिया की मेजबानी का आत्मविश्वास

भारत ने जी-20 शिखर सम्मेलन सफलता से आयोजित किया। यशोभूमि सबसे बड़े सम्मेलन परिसरों में है, जहां हजारों प्रतिनिधियों का उत्साह स्वागत किया जा सकता है। इंडिया एनर्जी वीक ने बेंगलुरु, गोवा व नई दिल्ली में दुनिया की ऊर्जा कंपनियों और विशेषज्ञों को आकर्षित किया, जिससे यह साबित हुआ कि हमारे शहर बड़े पैमाने पर और बेहतरीन ढंग से दुनिया की मेजबानी कर सकते हैं।

हफ्ते के पहले कारोबारी दिन बाजार में गिरावट

सेंसेक्स 119 अंक टूटा, निफ्टी 25100 के नीचे

नई दिल्ली, 15 सितंबर (एजेंसियां)।आईटी और ऑटो शेयरों में हालिया तेजी के बाद मुनाफावसूली के चलते सोमवार को उतार-चढ़ाव भरे कारोबार के बाद शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद हुआ। बेंचमार्क सेंसेक्स करीब 119 अंक गिर गया, जबकि निफ्टी में आठ दिन से जारी तेजी का सिलसिला थम गया। विश्लेषकों ने कहा कि निवेशक बाजार से दूर रहे क्योंकि बाजार इस सप्ताह की अमेरिकी फेडरल रिजर्व की नीति बैठक के परिणाम की प्रतीक्षा कर रहा था। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 6 पैसे बढ़कर 88.20 (अनंतिम) पर बंद हुआ। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 118.96 अंक या 0.15 प्रतिशत गिरकर 81,785.74 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान इसने 81,998.51 के उच्चतम और 81,744.70 के निम्नतम स्तर को छुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 44.80 अंक या 0.18 प्रतिशत गिरकर 25,069.20 अंक पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की कंपनियों का हाल

सेंसेक्स की कंपनियों में महिंद्रा एंड महिंद्रा, एशियन पेंट्स, इंफोसिस, टाइटन, सन फार्मा, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, टेक महिंद्रा और पावर ग्रिड प्रमुख रूप से पिछड़े रहे। वहीं बजाज फाइनेंस, इटरनल, अल्ट्राटेक सीमेंट और रिलायंस इंडस्ट्रीज लाभ में रहीं।

फेड नीति की बैठक के पहले निवेशक सतर्क

जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि फेड की नीति बैठक से पहले निवेशकों के सतर्क रहने के कारण बेंचमार्क सूचकांकों में लगभग कोई बदलाव नहीं हुआ। पिछले हफ्ते की तेजी के बाद आईटी सूचकांक में मुनाफावसूली देखी गई। हालांकि 25-बीपीएस की ब्याज दर में कटौती काफी हद तक असरदार है। लेकिन बाजार बॉन्ड प्रतिफल की दिशा का अंदाजा लगाने के लिए भविष्य की ब्याज दरों के बारे में मार्गदर्शन का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मजबूत घरेलू खपत से धारणा को बल मिल रहा है और गिरावट सीमित हो रही है। वहीं व्यापार सौदों को लेकर नए सिरे से आशावाद और वित्त वर्ष 2026 की दूसरी छमाही में अपेक्षित आय सुधार से निवेशकों का विश्वास और मजबूत हो रहा है।

यूरोपीय बाजारों में दिखी बढ़त

एशियाई बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कोस्पी और हांगकांग का हैंगसेंग सकारात्मक दायरे में बंद हुए, जबकि शंघाई का एसएसई कंपोजिट सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुआ। जापान का शेयर बाजार अवकाश के कारण बंद रहा। यूरोप के बाजार अधिकतर ऊंचे स्तर पर कारोबार कर रहे थे।

सोने चांदी के दाम में गिरावट

सोना 104 गिरकर 1,09,603 पर पहुंचा; चांदी 1.28 लाख प्रति किलो बिक रही

नई दिल्ली, 15 सितंबर (एजेंसियां)। सोने-चांदी के दाम में आज यानी 15 सितंबर को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, सोना 104 रुपए गिरकर 1,09,603 पर आ गया है। वहीं 1 किलो चांदी की कीमत भी 245 रुपए घटकर 1,27,763 रुपए पर आ गई है। इससे पहले शुक्रवार को गोल्ड ने 1,09,707 रुपए और सिल्वर ने 1,28,008 रुपए का ऑल टाइम हाई बनाया था।

महानगरों में 10 ग्राम सोने की कीमत

दिल्ली: 24 कैरेट सोने की कीमत 1,11,210 और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,01,950

मुंबई : 24 कैरेट सोने की कीमत 1,11,060 और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,01,800

देश के बड़े शहरों में सोने की कीमत

शहर	10 ग्राम 24 कैरेट	10 ग्राम 22 कैरेट
जयपुर	₹1,11,210	₹1,01,950
भोपाल	₹1,11,110	₹1,01,850
इंदौर	₹1,11,110	₹1,01,850
पटना	₹1,11,110	₹1,01,850
लखनऊ	₹1,11,210	₹1,01,950
कानपुर	₹1,11,210	₹1,01,950
रायपुर	₹1,11,060	₹1,01,800
अहमदाबाद	₹1,11,110	₹1,01,850
हैदराबाद	₹1,11,060	₹1,01,800

कोलकाता : 24 कैरेट सोने की कीमत 1,11,060 और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,01,800

चेन्नई : 24 कैरेट सोने की कीमत 1,11,380 और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,02,100 ।

4 महीने के हाई पर थोक महंगाई, सरकार ने जारी किए चौंकाने वाले आंकड़े

नई दिल्ली, 15 सितंबर (एजेंसियां)। वाणिज्य मंत्रालय द्वारा सोमवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, भारत की थोक महंगाई अगस्त में वार्षिक आधार पर -0.58 फीसदी से बढ़कर 0.52 फीसदी हो गई. ताज्जुब की बात तो ये है कि देश में थोक महंगाई अगस्त के महीने में 4 महीने के हाई पर पहुंच गई है. इससे पहले रॉयटर्स के एक सर्वे में अनुमान लगाया गया था कि खाद्य पदार्थों, खनिज तेलों, कच्चे पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस, मूल धातुओं के मैन्युफैक्चरिंग आदि की कीमतों में मामूली वृद्धि के कारण, थोक महंगाई यानी डब्ल्यूपीआई अगस्त महीने में बढ़कर 0.30 फीसदी हो सकती है. इससे पहले सरकार की ओर से खुदरा महंगाई का डाटा रिलीज किया गया था. जिसमें महंगााई दर 2 फीसदी के पार चली गई थी. आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर सरकार की ओर से थोक महंगाई को लेकर किस तरह के आंकड़े जारी किए हैं.

खाद्य महंगाई में इजाफा

सरकार ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि अगस्त 2025 में महंगाई में इजाफे का प्रमुख कारण खाद्य उत्पादों, अन्य विनिर्माण, गैर-खाद्य पदार्थों, अन्य गैर-धात्विक खनिज उत्पादों और अन्य परिवहन उपकरणों आदि की कीमतों में इजाफा है. जुलाई में -2.15 फीसदी तक गिरने के बाद, थोक खाद्य महंगाई सालाना आधार पर बढ़कर 0.21 फीसदी हो गई. कच्चे पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस की थोक महंगाई अगस्त 2025 में -9.87 फीसदी बढ़ी, जबकि पिछले वर्ष इसी महीने में 1.77 फीसदी की वृद्धि हुई थी.

इनमें भी बढ़ी महंगाई

प्राथमिक वस्तुओं के खंड में, अगस्त में महंगाई दर पिछले महीने के -4.95 फीसदी से बढ़कर -2.10 फीसदी हो गई. मैन्युफैक्चर्ड प्रोडक्ट्स की कीमतों में 2.55 फीसदी की वृद्धि हुई, जबकि पिछले महीने इसमें 2.05 फीसदी की गिरावट आई थी. ईंधन और बिजली की कीमतों में -3.17 फीसदी की गिरावट आई, जबकि जुलाई में इसमें -2.43 फीसदी की गिरावट आई थी. सरकार ने भारत के खुदरा मुद्रास्फीति के आंकड़े भी जारी किए, जिनसे पता चला कि वार्षिक आधार पर अगस्त में यह बढ़कर 2.07 फीसदी हो गई, जबकि जुलाई में यह 1.55 फीसदी थी.

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री सिद्धार्थी नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947, सूर्य उत्तरायणे,ऋतु- वर्षा
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426874
कलियुग संवत् -5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949126
सृष्टि प्रारंभ संवत्-1955885126
सूर्योदय 06-06, सूर्यास्त 18-19
दिशाशूल- उत्तर - गुड खाकर घर से निकले
तिथि- दशमीं 00-22 तक उपरान्त एकादशी
मास- आश्विन कृष्ण ,मंगलवार 16 September
नक्षत्र- आर्द्रा 06-46 तक उपरान्त पुनर्वसु
योग - वरियान 00-33 तक परिघ
करण- वणिज 12-53 तक उप परिघ विष्टी(भद्रा)
विशेष- दशमीं श्राद्ध
व्रत-त्योहार कन्या मे सूर्य ०१-४७ से

ग्रह स्थिति		लग्न	समय
सूर्य	सिंह	सिंह	04-04 बजे
चन्द्र	मिथुन	कन्या	06-10 बजे
मंगल	कन्या	तुला	08-16 बजे
बुध	सिंह	वृश्चिक	10-25 बजे
गुरु	मिथुन	धनु	12-39 बजे
शुक्र	कर्क	मकर	14-46 बजे
शनि	मीन	कुंभ	16-36 बजे
राहु	कुंभ	मीन	18-18 बजे
केतु	सिंह	मेष	19-54 बजे
		वृष	21-39 बजे
		मिथुन	23-40 बजे
		कर्क	01-51 बजे

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 15-13 से 16-45 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	06-06 - 07-37	अशुभ	काल	18-19 - 19-45	अशुभ
उत्पात	07-37 - 09-08	अशुभ	लाभ	19-45 - 21-14	शुभ
चंचल	09-08 - 10-39	शुभ	उत्पात	21-14 - 22-42	अशुभ
लाभ	10-39 - 12-11	शुभ	शुभ	22-42 - 00-11	शुभ
अमृत	12-11 - 13-42	शुभ	अमृत	00-11 - 01-39	शुभ
काल	13-42 - 15-13	अशुभ	चंचल	01-39 - 03-08	शुभ
शुभ	15-13 - 16-45	शुभ	रोग	03-08 - 04-37	अशुभ
रोग	16-45 - 18-19	अशुभ	काल	04-37 - 06-06	अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो,ला, ली, लू, ले, लो, अ,)
गृहों की स्थिति ऐसी है कि आपको अप्रत्याशित बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है ,पिछले कुछ समय से आप बहुत अच्छी स्थिति में हैं और फिलहाल ऐसा कुछ भी नही है जो परेशानी पैदा करने वाला दीखता हो । लेकिन आज ऐसी बढ़ाएं और परेशानियां पैदा होने वाली हैं जो आपके काम और मूड दोनों को ही प्रभावित करेंगी ।

वृष (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो)
आपका व्यक्तित्व प्रतिभाशाली और प्रभावी है ,जो आज आपके हितेषियों तथा विरोधियों सहित सबके सामने आएगा । अपने शुभचिन्तकों की बातों पर ध्यान दें और बाकी सब बातों की उपेक्षा कर दें । आपके बड़े आपका साथ देंगे और जीवन के महत्वपूर्ण लक्ष्यों पर ध्यान फोकस करने में आपकी मदद करेंगे ।

मिथुन (का, की, कु, घ, ङ, छ, के, को, ह,)
आज आप एडजस्ट करने के मूड में रहेंगे । आपकी लोगों से मिलकर और बातचीत के जरिये किसी समझौते पर पहुचने की कोशिश से आप सबको बहुत अच्छे लगेंगे । आप तुरंत किसी भी समस्या का समाधान निकाल लेंगे । आप इस बात का भी ध्यान रखते हैं कि किस तरह आपके आसपास और खुद को भी खूबसूरत बनाकर रखा जाए और सारे कार्यक्रम तय योजना के अनुसार अच्छे से पूरा हो जाए ।

कर्क (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो,)
भाग्य आपकी वित्तीय स्थिति पर मुस्कुरा रहा है और अधिक कमाई के कारण आप के खर्चे भी बढ़ गए हैं। अब समय आ गया है की आप अपने खर्च पर नियंत्रण रखें । अब फिजूलखर्ची से बचना होगा । आपके परिजन या किसी करीबी के साथ ऐसा कुछ होगा कि आपके भीतर भी उससे अशांति आएगी ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
आज आप महत्वपूर्ण मुद्दों पर अपने सम्बन्धियों से बात कर सकते हैं । प्यार से बातचीत करें और नम्र बने रहें । अगर आप अभी स्थिति को नही संभाल पा रहें हैं तो अभी इसे छोड़ दें । अगर मूड हल्का करना चाहते हैं तो शाम को किसी समारोह में भाग लें । आध्यात्मिकता और विश्वास पर फोकस करने से आपको सहायता मिलेगी ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
दिन शांत रहेगा । पिछले सप्ताह के व्यस्त कार्यक्रम से थोड़ी राहत मिलेगी,जो अच्छी लगेगी । आपके वरिष्ठ अधिकारी आप पर नजर रखे हुए हैं ,इसीलिए अधिक मेहनत करें । कुछ अनापेक्षित निजी मुद्दे आपके सामने आ सकते हैं ,उनसे आपको आश्चर्य तो जरुर होगा,लेकिन आप संतोषजनक तरीके से उन्हें सँभालने में कामयाब होंगे ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
आज का दिन नई शुरुआत के लिए बिलकुल सही है । आप अपने आपको पीछे धकेलने वाली चीजों से आज मुक्त महसूस करेंगे । किसी नए अवसर में जिंदगी बदलने की क्षमता है लेकिन आपको उसे समय रहते पकड़ना होगा । समय रहते लिया गया निर्णयात्मक फैसला आपके लिए काफी महत्वपूरण एवं लाभकारी बदलाव ला सकता है ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
आप उच्च शिक्षा प्राप्त करना चाहते हैं और आज आपको इसके लिए कई अच्छी संस्थाओं से प्रस्ताव भी मिलेंगे । छात्रवृति भी मिल सकती है । कोई आपका फायदा उठाने की ताक में है, प्रारम्भिक व्यवस्था करते हुए और सूचनाएं एकत्र करने में सावधान रहें । ज़्यादा खाने और साइनस या फेफड़ों की समस्याओं पर आपको ध्यान देने की ज़रूरत हो सकती है।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
आपकी अपने पिछले समय में से किसी पुराने व्यक्ति से मिलने की सम्भावना है और यह व्यक्ति आपके भविष्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा । सहायता करने और लेने में अपने पूर्वाग्रहों को आड़े ना आने दें ,इससे आपकी प्रगति के नए रास्ते खुल सकते हैं । अब कोई भी बदलाव नयी सफलता ही लाएगा ।

मकर (भो, ज, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
आप सकारात्मक तरंगों से भरपूर हैं । लेकिन इसे औरों के साथ ना बाँटें ,लोग आपकी सलाह का सम्मान नही करेंगे । रचनात्मक उर्जा से भरे होने के बावजूद भी चुपचाप बैठा रहना आपके लिए तनाव का कारण बन सकता है,लेकिन इससे परेशान न हों । आपकी पहचान को कोई नुकसान नही होगा,केवल इसमें देरी हो सकती है ।

कुंभ (गु, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा)
आज आप सामान्य से अधिक भावनात्मक हैं ,दूसरे इसका फायदा उठा सकते हैं । कार्यस्थल पर कार्य का दबाव रहेगा,जिससे थकान का अनुभव करेंगे । कुछ कार्य सहकर्मियों को दे दें या कल के लिए बचा रखें । काम थोडा भले ही करें लेकिन गुणवत्ता बनाये रखें । आज किसी ख़ास व्यक्ति के साथ स्वादिष्ट भोजन का लुत्फ़ उठा सकते हैं ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
आज का दिन आपके लिए विशेष हो सकता है । आपके दृष्टिकोण में आज कोई नया आयाम जुड़ेगा या आप किसी अपरिचित व्यक्ति के दृष्टिकोण से अत्यधिक प्रभावित होंगे । आपको यह सीख मिलेगी कि अपना भविष्य तय करने में तथा अपनी जिंदगी में फिलहाल चल रही समस्या से जूझने में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका आप०को ही निभानी है ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

अवैध तंबाकू व्यापार रोकने के लिए बढ़ानी होगी सख्ती

मनीला में आयोजित सम्मेलन में कारोबार पर चर्चा

नई दिल्ली, 15 सितंबर (एजेंसियां)। दक्षिण एवं दक्षिण-पूर्व एशिया में अवैध व्यापार से निपटने की क्या रणनीति रही और आपके नेतृत्व से इसमें कैसे मदद मिली? वाणिज्यिक नेतृत्व से अवैध व्यापार पर ध्यान देने के लिए एक महत्वपूर्ण मानसिक बदलाव की जरूरत है। व्यवसाय में, संचालन किसी देश के नियमों से निर्देशित होता है, जिनका हमें पूरी तरह पालन करना होता है। साथ ही, फिलिप मॉरिस इंटरनेशनल (पीएमआई) की अपनी नीतियां और प्रक्रियाएं भी हैं। इसके उलट, अवैध नेटवर्क बिना किसी व्यवस्था के काम करते हैं। मैं इसे जटिल संगठित अपराध और पैसे की हेराफेरी की योजना कहता हूं, जिसके आतंकी फंडिंग से भी संबंध हैं। नकली सिगरेट का अवैध कारोबार तेजी से फलफूल रहा है। वैध की तुलना में सस्ता होने की वजह से अवैध उत्पादों के प्रति आकर्षण बढ़ा है। यह न सिर्फ उपभोक्ता मांग के लिए चुनौती है, बल्कि

नियामकी अनुपालन को बनाए रखने की जरूरत पर बल देती है।

कौनसी नियामकीय खामियां बड़ी चुनौती पेश करती हैं और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सहयोग से इनका समाधान कैसे संभव है?

तंबाकू उत्पादों के निर्यात के मोर्चे पर नियामकीय खामियां दिखती हैं। आसियान, भारत, चीन और जीसीसी में निर्माताओं, निर्यातकों व ट्रांसशिपर्स के लिए सिर्फ घरेलू नियमों का पालन करना आवश्यक है। उन पर यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी नहीं है कि उत्पाद उपभोग के लिहाज से बाजार में वैध है या नहीं। ऐसे में अवैध उत्पाद बन रहे हैं और उनका निर्यात हो रहा है। कोई भी देश अकेले इसका समाधान नहीं कर सकता। डब्लूसीओ या डब्लूटीओ के नेतृत्व में एक ढांचा बनाने की जरूरत है।

अवैध कारोबार नेटवर्क को कैसे खत्म किया जा सकता है?

अवैध व्यापार को रोकने में तकनीकी की मदद ले सकते हैं, लेकिन कई समाधान जागरूकता और अंतर-सरकारी सहयोग पर अधिक निर्भर करते हैं। उदाहरण के लिए, अगर वियतनाम ने तंबाकू उत्पाद निर्यात किए, जिसे भारत में अवैध रूप से दिखाया गया, तो सीमा शुल्क डाटा से इसकी पहचान की जा सकती है। इस जानकारी के आधार पर भारत और वियतनाम मिलकर समस्या के स्रोत से आसानी से निपट सकते हैं।

अवैध व्यापार को लेकर भारत में कौन से क्षेत्र प्राथमिकता वाले हैं?

भारत में सरकारी एजेंसियों ने सहयोग की मजबूत इच्छाशक्ति दिखाई है। राष्ट्रीय तंबाकू उत्पाद ट्रैकिंग और ट्रेसिंग सिस्टम का विकास इसका उदाहरण है। भारत सरकार ने इस पहल में नेतृत्वकारी भूमिका निभाई है।

अगस्त में भारत का निर्यात 6.7 प्रतिशत बढ़ा

आयात 10% घटकर 61.59 अरब डॉलर हुआ

नई दिल्ली, 15 सितंबर (एजेंसियां)। अगस्त में भारत का निर्यात 6.7 प्रतिशत बढ़कर 35.1 अरब डॉलर हो गया है। वहीं देश का आयात 10.2 प्रतिशत घटकर 61.59 अरब डॉलर हो गया। सरकार ने इससे जुड़े आंकड़े जारी कर दिए हैं। अगस्त में भारत का निर्यात 6.7 प्रतिशत बढ़कर 35.1 अरब डॉलर हो गया। इस दौरान आयात 10.12 प्रतिशत घटकर 61.59 अरब डॉलर रह गया। सोमवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों में यह बात कही गई। पिछले वर्ष अगस्त में निर्यात 32.89 अरब अमेरिकी डॉलर का था और आयात 68.53 अरब अमेरिकी डॉलर का था। अगस्त 2025 के दौरान व्यापार घाटा 26.49 बिलियन

अमरीकी डॉलर था, जबकि एक साल पहले इसी महीने में यह 35.64 बिलियन अमरीकी डॉलर था। अप्रैल-अगस्त 2025-26 के दौरान निर्यात 184.13 बिलियन अमरीकी डॉलर रहा, जबकि आयात 306.52 बिलियन अमरीकी डॉलर रहा। आंकड़ों के बारे में मीडिया को जानकारी देते हुए वाणिज्य सचिव सुनील बर्थवाल ने कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं और व्यापार नीति की अनिश्चितताओं के बावजूद भारत के निर्यातकों ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है।

अमेरिकी टैरिफ से भारतीय शेयर बाजार में घट रहे निवेशक

एनएसई की रिपोर्ट में हुआ बड़ा खुलासा

नई दिल्ली, 15 सितंबर (एजेंसियां)। टैरिफ झटकों के कारण अगस्त में भारतीय शेयर बाजार में निवेशकों की संख्या में भारी गिरावट देखी गई है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) की रिपोर्ट के अनुसार नए निवेशकों की संख्या मासिक आधार पर 18.3 प्रतिशत कम हो गई। रिपोर्ट के अनुसार अगस्त में एक्सचेंज में केवल 12.3 लाख नए निवेशक पंजीकृत हुए। यह चालू वित्त वर्ष में तीसरी बार सबसे कम मासिक वृद्धि है। मंदी के बावजूद, एनएसई का समग्र पंजीकृत निवेशक आधार अगस्त 2025 के अंत तक 11.9 करोड़ तक बढ़ गया। यह 12 करोड़ के महत्वपूर्ण मील के पत्थर के करीब है। नई पंजीकरणों में कमी मौजूदा आर्थिक मुश्किल हालात की वजह से आई है। इसमें कहा गया है कि टैरिफ संबंधी झटके और बढ़ती वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच विदेशी पूंजी के निरंतर बहिर्गमन ने हाल के महीनों में निवेशकों की धारणा पर प्रभाव डाला है। कैलेंडर वर्ष 2025 की शुरुआत से, मई से जुलाई की अवधि को छोड़कर, निवेशकों की संख्या में गिरावट का रुख रहा है। अगस्त के आंकड़े इस मंदी को और बढ़ा रहे हैं। इससे शेयर बाजारों में सतर्कता का माहौल स्पष्ट हो रहा है। रिपोर्ट में बताया गया है कि निवेशक आधार के विस्तार की गति पिछले वर्ष की तुलना में काफी धीमी हो गई है। फरवरी और अगस्त 2025 के बीच, प्रति माह जुड़ने वाले नए निवेशकों की औसत संख्या 11.9 लाख रही। यह 2024 में इसी अवधि के दौरान दर्ज किए गए 19.2 लाख निवेशकों की औसत मासिक वृद्धि से काफी कम है। हालांकि, पिछले दो वर्षों में बाजार की वृद्धि दर उल्लेखनीय रही है। फरवरी 2024 में 9 करोड़ निवेशकों का आंकड़ा पार करने के बाद, एनएसई का पंजीकृत आधार अगस्त 2024 तक 10 करोड़ और जनवरी 2025 तक 11 करोड़ तक पहुंच गया। प्रत्येक करोड़ निवेशक केवल पांच से छह महीने की अवधि के भीतर जुड़े, जो उस अवधि के दौरान मजबूत खुदरा भागीदारी को दर्शाता है। इसके विपरीत, रिपोर्ट में बताया गया है कि फरवरी से अगस्त 2025 तक के महीनों में गति में उल्लेखनीय कमी देखी गई। निवेशक आधार का संरचनात्मक विस्तार तो जारी है, लेकिन निकट भविष्य की चुनौतियों ने नए पंजीकरणों की गति को धीमा कर दिया है।

'मेड इन इंडिया' डीजल पर रोक लगाएगा यूक्रेन

जानें क्यों उठाया यह कदम, क्या रूस से है कनेक्शन?

नई दिल्ली, 15 सितंबर (एजेंसियां)। यूक्रेन अब भारत से आने वाले डीजल पर कुछ रोक लगाएगा। यह रोक 1 अक्टूबर से शुरू होगी। यूक्रेन की एक एनर्जी कंसल्टेंसी एनकॉर ने सोमवार को यह जानकारी दी। रॉयटर्स के मुताबिक एनकॉर का कहना है कि भारत, रूस से बहुत ज्यादा कच्चा तेल खरीदता है। इसलिए यूक्रेन को यह कदम उठाना पड़ रहा है। एक और कंसल्टेंसी ए-95 ने पहले बताया था कि इस गर्मी में यूक्रेन की एक बड़ी तेल रिफाइनरी खराब हो गई थी। इस वजह से व्यापारियों को भारत से डीजल खरीदना पड़ा। यहां तक कि यूक्रेन के रक्षा मंत्रालय ने भी भारत से कुछ डीजल खरीदा क्योंकि वह पुराने सोवियत मानकों पर खरा उतरता था। रूस, यूक्रेन की तेल रिफाइनरियों और ईंधन के स्टोरेज को ड्रोन और मिसाइलों से निशाना बना रहा है। एनकॉर का कहना है कि यूक्रेन की सुरक्षा एजेंसियों ने आदेश दिया है कि भारत से आने वाले डीजल के हर कंसाइनमेंट की जांच होगी। यह जांच लैब में होगी ताकि पता चल सके कि उसमें रूसी तेल तो नहीं मिला है। एनकॉर ने बताया कि यूक्रेन ने अगस्त में भारत से 119,000 टन डीजल खरीदा था। यह यूक्रेन के कुल डीजल आयात का 18% था। साल 2022 में रूस के साथ युद्ध शुरू होने से पहले, यूक्रेन ज्यादातर डीजल बेलारूस और रूस से खरीदता था। ऐसा इसलिए था क्योंकि यूक्रेन में डीजल का उत्पादन कम था। साल 2022 के बाद से यूक्रेन ज्यादातर पश्चिमी यूरोपीय देशों से डीजल खरीद रहा है। ए-95 ने बताया कि इस साल के पहले छह महीनों में डीजल का आयात 13% गिर गया।

पितृपक्ष की दशमी तिथि का श्राद्ध और हनुमानजी की पूजा

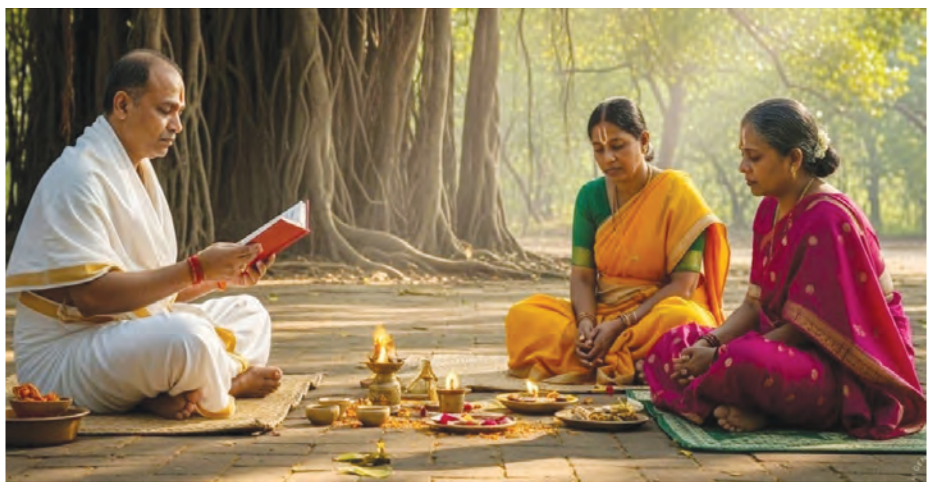

आश्विन मास के कृष्ण पक्ष की दशमी तिथि मंगलवार, 16 सितंबर को पड़ रही है। इस दिन पितृपक्ष की दशमी तिथि का श्राद्ध भी किया जाएगा और मंगलवार है तो रामभक्त हनुमानजी के लिए व्रत और पूजन भी किया जाएगा। पितृपक्ष की दशमी तिथि का श्राद्ध विशेष महत्व रखता है। इस कारण दशमी तिथि पर किया गया श्राद्ध पितरों को शांति देने के साथ-साथ घर-परिवार में मानसिक शांति और चित्त की स्थिरता प्रदान करता है।

मंगलवार को आडल और विडाल योग

दृक पंचांग के अनुसार, सूर्य देव सिंह राशि में और चंद्रमा मिथुन राशि में विराजमान रहेंगे। अभिजीत मुहूर्त सुबह 11 बजकर 51 मिनट से शुरू होकर 12 बजकर 40 मिनट तक रहेगा और राहुकाल का समय दोपहर के 3 बजकर 20 मिनट से शुरू होकर 4 बजकर 53 मिनट तक रहेगा। इस दिन आडल और विडाल योग का निर्माण हो रहा है, जो धार्मिक कार्यों के लिए अशुभ माना जाता है।

मंगल ग्रह की स्थिति होगी शुभ

मंगलवार का यह दिन रामभक्त हनुमान और मंगल ग्रह को समर्पित है। स्कंद पुराण के अनुसार, बजरंगबली का जन्म मंगलवार के दिन हुआ था। बजरंगबली को संकटमोचन और मंगल ग्रह के नियंत्रक के रूप में पूजा जाता है। मान्यता है कि इस दिन व्रत रखने और हनुमान जी की विधि-विधान से पूजा करने से जीवन के कष्ट, भय और चिंताएं दूर होती हैं। साथ ही, मंगल ग्रह से संबंधित ज्योतिषीय बाधाएं भी समाप्त होती हैं। बजरंगबली के भक्तों के लिए यह दिन विशेष महत्व रखता है। इस दिन लाल रंग के वस्त्र पहनना, हनुमान चालीसा का पाठ करना और हनुमान जी को लाल सिंदूर व चमेली का तेल चढ़ाना अत्यंत शुभ माना जाता है।

हनुमानजी की पूजा विधि

इस दिन पूजा करने के लिए ब्रह्म मुहूर्त में उठकर नित्य कर्म-स्नान आदि करने के बाद पूजा स्थल को साफ करें। फिर एक चौकी पर लाल कपड़ा बिछाएं और पूजा की सामग्री रखें और उस पर अंजनी पुत्र की प्रतिमा स्थापित करें। इसके बाद, हनुमान चालीसा या सुंदरकांड का पाठ कर सिंदूर, चमेली का तेल, लाल फूल और प्रसाद चढ़ाएं और बजरंग बली की आरती करें। इसके बाद आरती का आचमन कर आसन को प्रणाम करके प्रसाद ग्रहण करें। साथ ही इस दिन शाम को भी हनुमान चालीसा या सुंदरकांड का पाठ करना चाहिए।

मंगलवार के दिन जरूर करें यह काम

व्रत में केवल एक बार भोजन करें और नमक का सेवन न करें। मंगलवार के दिन हनुमान जी की पूजा करने से शक्ति और साहस में वृद्धि होती है। इसके साथ ही जीवन में सुख-समृद्धि आती है। मान्यता है कि लाल रंग मंगल ग्रह का प्रतीक है।

इस दिन लाल कपड़े पहनना और लाल रंग के फल, फूल और मिठाइयां अर्पित करना शुभ माना जाता है। ज्योतिषियों का कहना है कि इस दिन हनुमान मंदिर में दर्शन और पूजा से विशेष फल की प्राप्ति होती है। हनुमान जी की कृपा से भक्तों को साहस, शक्ति और आत्मविश्वास मिलता है। इस पावन दिन पर हनुमान जी की आराधना कर जीवन में सुख-समृद्धि और शांति की कामना करें।

पितृपक्ष की दशमी तिथि का श्राद्ध

पितृपक्ष की दशमी तिथि को धर्म, सदाचार और शांति की प्रतीक तिथि माना गया है। इस दिन किया गया श्राद्ध उन पितरों के लिए विशेष फलदायी होता है जिनकी मृत्यु दशमी तिथि को हुई हो। शास्त्रीय नियम के अनुसार, श्राद्ध उसी तिथि को करना श्रेष्ठ माना गया है जिस तिथि को पितृ का देहावसान हुआ हो। दशमी के श्राद्ध से घर में सद्भाव, शांति और संतानों की उन्नति होती है। साथ ही मानसिक विकार, चित्त की अशांति तथा परिवार के भीतर होने वाले मतभेद शांत होते हैं।

नवरात्रि की तैयारी में मां विंध्यवासिनी धाम

मिर्जापुर. नवरात्रि में अगर आप मां विंध्यवासिनी धाम आ रहे हैं तो इन मंदिरों में दर्शन करना न भूलें। यहां दर्शन करने के बाद ही त्रिकोण परिक्रमा यात्रा पूर्ण होती है। मां विंध्यवासिनी धाम में दर्शन के लिए दूर-दूर से भक्त आते हैं। हालांकि, दर्शन करने के बाद वापस घर चले जाते हैं। दूसरे देव स्थलों पर दर्शन करना भूल जाते हैं। अगर आप भी यहां आ रहे हैं तो इन जगहों पर दर्शन करना नहीं भूलें। इससे विशेष फल की प्राप्ति होती है।

तंत्र-मंत्र का प्रभाव खत्म हो जाता है। विंध्याचल धाम के प्रसिद्ध विद्यवान पं। अनुपम महराज लोकल 18 से बताते हैं कि अगर आप नवरात्रि में विंध्याचल के धाम में आ रहे हैं तो महालक्ष्मी की अवतार आदिशक्ति त्रिपुरसुंदरी राजराजेश्वरी मां विंध्यवासिनी का दर्शन जरूर करें।

इसके बाद मंदिर में ही महाकाली और महासरस्वती का दर्शन करें। फिर राधा कृष्ण मंदिर में दर्शन करने के बाद मां की सवारी सिंह का दर्शन करें। स्वयं मां के धाम में विराजमान भगवान भोले का दर्शन-पूजन करें। उसके बाद थाने के पास बटुक भैरव-भैरवी के दर्शन करें। तत्पश्चात, कंतित पर स्थित लाल भैरव का दर्शन करें, जो मां के विशेष द्वारपाल हैं।

तंत्र-मंत्र होता है दूर

पं। अनुपम महराज बताते हैं कि लाल भैरव के दर्शन के बाद स्टेशन के पास बंधवा हनुमान मंदिर में दर्शन करें। मान्यता है कि यहां पर दर्शन करने पर शत्रुओं पर विजय मिलता है। उसके बाद कालीखोह में दर्शन करें।

यहां पर दर्शन से सर्व पीड़ा और सर्व रोग दूर हो जाते हैं। तंत्र-मंत्र का प्रभाव भी पूरी तरह से खत्म हो जाता है, लेकिन दर्शन करने के बाद पीछे भैरव का दर्शन करें। कालीखोह में दर्शन करने के बाद अष्टभुजा मंदिर में जाए और दर्शन पूजन करें। वहां पर दर्शन करने के बाद भैरव कुंड जाए और वहां पर श्रीयंत्र का दर्शन करें। ऐसा श्रीयंत्र आपको कहीं और देखने को नहीं मिलेगा।

ऐसे होंगे संकट दूर

पं। अनुपम महराज के अनुसार, भैरव कुंड में दर्शन के बाद मां तारा का दर्शन करें। वहां पर तारा अश्मशान में दर्शन करें। वहां पर रामेश्वर दर्शन का करें। ऐसी मान्यता है कि यहां पर दर्शन करने से रामेश्वरम के बराबर का फल मिलता है।

रामेश्वरम में दर्शन के बाद मां संकटा का दर्शन करें। मां संकटा के दर्शन करने से हर संकट टल जाते हैं। यदि आप ऐसा दर्शन करते हैं तो आपकी त्रिकोण यात्रा सफल मानी जाएगी और मां आपको सुख और समृद्धि प्रदान करेगी।

घर में शांति और समृद्धि चाहिए तो पालतू जानवरों के लिए चुनें ये वास्तु दिशा

पालतू जानवर हमारे परिवार के सदस्य की तरह होते हैं। उनके लिए सही वातावरण और जगह का होना बेहद जरूरी है ताकि वे खुशहाल और स्वस्थ रहें।

वास्तु शास्त्र में भी पालतू जानवरों के लिए कुछ खास दिशाओं और स्थानों की सलाह दी गई है, जिससे घर में शांति, प्रेम और समृद्धि बनी रहती है। तो आइए जानते हैं घर में पालतू जानवरों के लिए कौन-कौन सी वास्तु दिशाएं सबसे बेहतर होती हैं।

पालतू जानवरों का स्थान

पालतू जानवरों का खाना और आराम करने की जगह घर के उत्तर या पूर्व दिशा में रखनी चाहिए। ये दिशा सकारात्मक ऊर्जा देती है और जानवरों को भी ताजगी और खुशहाली मिलती है। उत्तर दिशा से घर में समृद्धि और स्वास्थ्य की ऊर्जा बढ़ती है।

स्वच्छता और साफ-सफाई का ध्यान रखें

पालतू जानवरों के स्थान की स्वच्छता बहुत जरूरी है। वास्तु के अनुसार, गंदगी और अव्यवस्था नकारात्मक ऊर्जा को बढ़ाती है, जिससे घर में तनाव और रोग बढ़ सकते हैं।

पालतू जानवरों के खिलौने और सामान भी सही दिशा में रखें

जानवरों के खिलौने, बिस्तर, और अन्य सामान घर के पूर्व या उत्तर दिशा में रखने से उनकी ऊर्जा सकारात्मक बनी रहती है।

कभी भी कुत्ते का बिस्तर या घर इन दिशाओं में न रखें

वास्तु के अनुसार, घर की दक्षिण, दक्षिण-पश्चिम या पश्चिम-उत्तर-पश्चिम दिशा में जानवरों का बिस्तर रखने से बचना चाहिए। क्योंकि यह दिशा भारी और नकारात्मक ऊर्जा देती है। इससे जानवर उदास या बेचैन महसूस कर सकते हैं।

धन के देवता की कृपा पाना चाहते हैं तो घर की उत्तर दिशा में रखें ये खास चीजें

: वास्तु शास्त्र और ज्योतिष में उत्तर दिशा को बहुत ही शुभ माना जाता है। शास्त्रो में इसे धन और समृद्धि की दिशा कहा गया है क्योंकि इस दिशा के स्वामी स्वयं धन के अधिपति कुबेर देव माने गए हैं। मान्यता है कि यदि घर की उत्तर दिशा को सही तरीके से सजाया और संतुलित किया जाए तो घर में धन-धान्य की वृद्धि होती है और कभी भी आर्थिक तंगी नहीं आती। यही कारण है कि वास्तु में उत्तर दिशा में कुछ विशेष चीजें रखने की सलाह दी गई है। कहते हैं कि ऐसा करने से कुबेर देव प्रसन्न होते हैं और परिवार पर अपनी विशेष कृपा बरसाते हैं। तो आइए जानते हैं कि घर की उत्तर दिशा में कौन-कौन सी चीजें रखनी चाहिए जिससे जीवन में सुख-समृद्धि और धन का प्रवाह बना रहे।

वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर की उत्तर दिशा को धन और समृद्धि की दिशा माना गया है। यदि इस स्थान पर तिजोरी या धन से जुड़ी वस्तुएं रखी जाएं तो आर्थिक प्रगति के अवसर बढ़ते हैं। इसी के साथ उत्तर दिशा में कुबेर देव की प्रतिमा या तस्वीर रखने से भी धन संबंधी लाभ की संभावनाएं प्रबल होती हैं। माना जाता है कि इस दिशा में कुबेर यंत्र की स्थापना करने से व्यापार में उन्नति होती है और घर में समृद्धि बनी रहती है। साथ ही ये भी माना जाता है कि इससे बिगड़े काम भी बनने लगते हैं।

घर की उत्तर दिशा में एक्वेरियम रखना भी शुभ माना जाता है। कहते हैं कि इस दिशा में एक्वेरियम रखने से व्यक्ति की बंद किस्मत का ताला भी खुल जाता है और जीवन में तरक्की आने लगती है।

इसके अलावा वास्तु शास्त्र के अनुसार, ये मान्यता है कि

यदि घर या कार्यालय की उत्तर दिशा में मनी प्लांट और तुलसी का पौधा लगाया जाए तो आर्थिक स्थिति मजबूत होती है और सुख-समृद्धि बनी रहती है। इसी तरह इस दिशा में बांस का पौधा रखना भी शुभ माना जाता है, जिससे सौभाग्य और धन वृद्धि के अवसर बढ़ते हैं। ऐसे में आप अपने घर की उत्तर दिशा में इन में कोई भी एक पौधा ज़रुर लगाएं। घर की उत्तर दिशा में छोटा सा फाउंटेन या फिर क्रिस्टल का कछुआ भी रख सकते हैं। इन्हें भी इस दिशा में रखना बेहद शुभ माना जाता है। कहते हैं कि इससे घर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवेश होता है।

इसके अलावा यदि आपको अपने घर में नकारात्मकता महसूस होती है तो ऐसे में घर की उत्तर दिशा में नदी के झरने वाली तस्वीर लगाना बेहद शुभ माना जाता है। माना जाता है कि इससे घर में अच्छी ऊर्जा का प्रवाह होता है और नकारात्मकता का अंत होता है।

ध्यान रखें की घर की उत्तर दिशा में कभी भी जूते चप्पल या डस्टबिन आदि नहीं रखने चाहिए। ये दिशा धन के देवता कुबेर जी की मानी जाती है। ऐसे में इस दिशा ये सब रखने से कुबंर देव नाराज़ हो सकते हैं और जातक को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

प्रकृति और इसके तत्वों में लगातार बदलाव होते रहते हैं, इन बदलावों के लिए सकारात्मक रहें

आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद जी गिरि के जीवन सूत्र में जानिए मन को विचलित होने से कैसे बचा सकते हैं?हमारी प्रकृति निरतंर बदलती रहती है। यहां दिन-रात, ऋतुएं, इंसान, चीजें सब कुछ बदल रहा है। प्रकृति के हर एक तत्व में बदलाव होते हैं, लेकिन हमारे नियम, जीवन मूल्य और सिद्धांतों के लिए सतर्क रहना चाहिए।

इन बातों में बदलाव करने से बचना चाहिए। हमारी देह और ऋतुओं में भी परिवर्तन होते हैं, इसलिए इन परिवर्तनों को लेकर सकारात्मक रहना चाहिए।

घर के किचन में मां अन्नपूर्णा की कृपा पाने के लिए चुनें, ये खास रंग की तस्वीरें

किचन के लिए चुने मां अन्नपूर्णा की इस रंग की तस्वीरें

लाल रंग की तस्वीर

लाल रंग शक्ति, उत्साह और समृद्धि का प्रतीक है। किचन में लाल रंग की मां अन्नपूर्णा की तस्वीर लगाना शुभ होता है क्योंकि यह परिवार में ऊर्जा और खुशहाली लाता है।

पीला रंग की तस्वीर

पीला रंग ज्ञान, स्पष्टता और सकारात्मकता से जुड़ा होता है। मां अन्नपूर्णा की पीली तस्वीर से किचन में सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है और भोजन में स्वाद भी बढ़ता है।

सफेद रंग की तस्वीर

सफेद रंग शांति और पवित्रता का प्रतिनिधित्व करता है। सफेद रंग की मां अन्नपूर्णा की तस्वीर से घर में शांति और संतुलन बना रहता है।

क्या आप भी किचन में नमक और मिर्च एक ही जगह रखते हैं, खुद ही खोद रहे हैं गड्ढा

वास्तु शास्त्र के अनुसार, किचन घर का सबसे महत्वपूर्ण स्थान माना जाता है और इसी स्थान से पूरे घर को ऊर्जा मिलती है। इसलिए किचन को घर का दिल भी कहा जाता है। माना जाता है कि किचन जैसा होता है, वैसा ही प्रभाव घर के सदस्यों पर पड़ता है। साफ सथुरा किचन रहने से सुख-शांति और समृद्धि बनी रहती है और अगर किचन गंदा है तो घर के सदस्यों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। कई बार जाने अनजाने में ऐसी गलतियां हो जाती हैं, जो घर के सदस्यों की पर्सनल व प्रफेशनल लाइफ को बुरी तरह प्रभावित करती हैं। जैसे किचन में एक जगह नमक और मिर्च नहीं होना चाहिए। आइए वास्तु के माध्यम से जानते हैं किचन में नमक और मिर्च कहां होना चाहिए...

नमक रखने के वास्तु नियम

नमक रखने के मामले में वास्तु के नियमों का पालन करना जरूरी माना गया है। नमक का उचित भंडारण घर में नकारात्मक ऊर्जा के प्रभाव को कम करता है। नमक को हमेशा कांच के बर्तन में रखने की सलाह दी जाती है।

ऐसा करने से घर में सकारात्मक ऊर्जा आती है। हालांकि, लोहा, प्लास्टिक या अन्य धातु के बर्तन में नमक रखना अशुभ होता है। ऐसा करने से परिवार में परेशानियां और आर्थिक तंगी आ सकती है।

भूलकर भी ऐसे ना दें नमक

पड़ोसियों को सीधे हाथ से नमक भूलकर भी नहीं देना चाहिए। इसे किसी बर्तन में ही देना चाहिए। वास्तु के अनुसार, किसी और के घर से नमक लेने से दरिद्रता आती है। साथ ही ध्यान रखें कि नमक का बर्तन कभी भी खाली ना रखें, जब भी नमक खत्म को आए, उससे पहले ही मंगा लें। साथ ही नमक के डिब्बे को हमेशा शुक्रवार के दिन ही भरें, ऐसा करने से नकारात्मक ऊर्जा दूर रहती है और सकारात्मक ऊर्जा का संचार बना रहता है।

नमक, चीनी और मिर्च एक साथ ना रखें

वास्तु शास्त्र कहता है कि किचन में नमक, चीनी और मिर्च एक साथ रखने से परिवार में कलह और झगड़े हो सकते हैं। इन तीनों को अलग-अलग बर्तनों में ही रखना चाहिए। नमक, मिर्च और चीनी एक ही बर्तन में रखने से दरिद्रता आती है और घर के सदस्यों पर इसका नकारात्मक प्रभाव भी पड़ता है। ज्यादातर घरों में नमक और मिर्च एक डिब्बे में रखे रहते हैं, जो कि पूरी तरह गलत है। हमेशा ध्यान रखें कि नमक, मिर्च और चीनों तीनों अलग अलग डिब्बे में हों। परिवार में सुख-शांति के लिए वास्तु के इस नियम का पालन अवश्य करें।

किचन में ऐसे रखें हल्दी

हल्दी सिर्फ खाना पकाने की सामग्री नहीं है, यह घर में शुभता, उन्नति और शांति का प्रतीक है। इसलिए हल्दी के बर्तन को विशेष महत्व देना चाहिए। नमक के बर्तन की तरह, हल्दी के बर्तन को भी कभी खाली नहीं रखना चाहिए।

हल्दी के बर्तन में एक सिक्का और तीन लौंग रखने से बहुत लाभ होता है। वास्तु के अनुसार, हल्दी गुरु ग्रह का प्रतीक है, सिक्का देवी लक्ष्मी का और लौंग धन का प्रतीक माना जाता है। मान्यता है कि अगर इन तीनों को एक जगह रखा जाए, तो घर में धन और सुख की कभी कमी नहीं होती।

शादी के सवाल पर जान्हवी का जवाब

वरुण धवन और जान्हवी कपूर की रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' का आज ट्रेलर रिलीज हुआ है। इस ट्रेलर में रोमांस के साथ कॉमेडी का तड़का देखने को मिल रहा है। फिल्म को लेकर दर्शकों के बीच काफी बज बना हुआ है। अब ट्रेलर लॉन्च इवेंट के दौरान जान्हवी और वरुण समेत फिल्म की पूरी कास्ट पारंपरिक लुक में नजर आई। इस इवेंट के दौरान जान्हवी कपूर ने अपनी शादी की प्लानिंग को लेकर भी बात की।

जान्हवी ने बतायी शादी की प्लानिंग

'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' के ट्रलेर लॉन्च इवेंट के दौरान अभिनेत्री जान्हवी कपूर से उनकी शादी की प्लानिंग को लेकर सवाल किया गया। जिससे सुनने के लिए फिल्म की बाकी कास्ट भी काफी उत्साहित थी। इस सवाल के जवाब में जान्हवी ने साफ कहा कि अभी मेरी प्लानिंग सिर्फ फिल्मों को लेकर है। मैं फिल्मों की प्लानिंग कर रही हूं। शादी की अभी कोई प्लानिंग नहीं है। शादी की प्लानिंग में अभी बहुत टाइम है। इस दौरान जान्हवी ने ये भी बताया कि उन्हें अपने होने वाले पति में क्या क्वालिटीज चाहिए। उन्होंने कहा कि वो संस्कारी होना चाहिए और उसका सेंस ऑफ ह्यूमर काफी अच्छा होना चाहिए।

शिखर पहाड़िया के साथ जुड़ता है जान्हवी का नाम

जान्हवी कपूर का नाम पिछले काफी वक्त से शिखर पहाड़िया के साथ जोड़ा जा रहा है। दोनों कई मौकों पर एकसाथ भी नजर आते हैं और अक्सर एक-दूसरे का सपोर्ट भी करते रहते हैं। हालांकि, दोनों ने कभी अपने रिश्ते पर खुलकर बात नहीं की और न ही ये स्वीकार किया है। लेकिन अब दोनों अक्सर अपने सोशल मीडिया अकाउंट से भी एक-दूसरे के साथ वाली तस्वीरें शेयर करते रहते हैं। वहीं जान्हवी के परिवार से भी शिखर काफी क्लोज माने जाते हैं। हाल ही में ऐसी चर्चाएं भी उड़ी थीं कि जान्हवी और शिखर इसी साल के अंत तक शादी के बंधन में बंध सकते हैं। लेकिन फिलहाल जान्हवी ने शादी की प्लानिंग में टाइम होने की बात कहकर इन चर्चाओं पर विराम लगा दिया है।

लाइट पिंक कलर के लहंगे में पहुंचीं जान्हवी

मुंबई में हुए 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' के ट्रेलर लॉन्च के दौरान जान्हवी कपूर लाइट पिंक कलर के लहंगे में पहुंचीं। इस पर उन्होंने नेट की फ्लोरल चुन्नी ले रखी थी। बड़े से ईयर रिंग और खुले बालों में जान्हवी काफी खूबसूरत लग रही थीं।

वरुण ने इस अंदाज में की ट्रेलर लॉन्च इवेंट में की शिरकत

ट्रेलर लॉन्च इवेंट के दौरान लाल रंग के कुर्ते-पायजामे में दुपट्टा डाले नजर आए। इस दौरान वरुण ने सभी को हाथ-जोड़कर नमस्कार किया। इवेंट के दौरान वरुण ने काफी मस्ती भी की। वहीं रोहित सराफ इस दौरान गोल्डन जैकेट और व्हाइट पैंट में काफी हैंडसम लगे। उन्होंने फिल्म के अपने इंट्रो सीन के बारे में भी मजेदार किस्सा साझा किया। फिल्म में मनीष पॉल भी अहम किरदार में नजर आएंगे। मनीष काले रंग के फूल बने डिजाइनर अचकन में इवेंट में पहुंचे। हालांकि, इस दौरान सान्या मल्होत्रा नजर नहीं आईं। 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' 2 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। शशांक खेतान द्वारा निर्देशित इस फिल्म की टक्कर बॉक्स ऑफिस पर ऋषभ शेट्टी की 'कांतारा चैप्टर 1' से होगी।

15 साल की उम्र में एमी पुरस्कार जीतने पर ओवेन कूपर को प्रियंका ने दी बधाई

हाल ही में लॉस एंजिल्स के पीकॉक थिएटर में 77वें एमी अवॉर्ड्स का आयोजन किया गया। इस समारोह में 15 साल के ओवेन कूपर ने लिमिटेड सीरीज या फिल्म कैटेगरी में बेस्ट सपोर्टिंग एक्टर का एमी अवॉर्ड जीता। ओवेन ने सबसे कम उम्र में ये खिताब जीत इतिहास रच दिया। इसके लिए उन्हें तमाम बधाइयां मिल रही हैं। इस कड़ी में बॉलीवुड अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा ने भी अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक वीडियो शेयर कर उन्हें शुभकामनाएं दी हैं।

एक्ट्रेस ने शेयर किया वीडियो

प्रियंका चोपड़ा ने इंस्टाग्राम पर ओवेन कूपर का एक वीडियो साझा किया, जिसमें उन्हें 'एडोलसेंस' शो में उनके शानदार

अभिनय के लिए एमी पुरस्कार मिला। बॉलीवुड अभिनेत्री ने इस पोस्ट के कैप्शन में कूपर की ऐतिहासिक जीत पर अपनी खुशी जाहिर करते हुए कुछ इमोजी भी डाले।

15 साल में जीता एमी अवॉर्ड

77वें एमी अवॉर्ड्स के दौरान नेटफ्लिक्स के ओरिजिनल शो 'एडोलसेंस' में अभिनय करने वाले ओवेन कूपर एमी पुरस्कार जीतने वाले अब तक के सबसे कम उम्र के अभिनेता बन गए। उन्होंने लिमिटेड सीरीज या फिल्म कैटेगरी में बेस्ट सपोर्टिंग एक्टर का अवॉर्ड जीता। उन्होंने यह अवॉर्ड सिर्फ 15 साल की उम्र में अपने नाम किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि यह वाकई अद्भुत है। सच कहूं तो, जब मैंने थिएटर क्लासेज शुरू की थीं, तो मुझे यह पुरस्कार जीतने की उम्मीद नहीं थी। तीन साल पहले मैं कुछ भी नहीं था, लेकिन अब मैं यहां हूं।

प्रियंका चोपड़ा का वर्कफ्रंट

प्रियंका चोपड़ा को आखिरी बार हॉलीवुड फिल्म 'हेड्स ऑफ स्टेट' में देखा गया था। इसके लिए उनकी खूब तारीफ हुई थी। वहीं उनकी आगामी फिल्मों की बात करें, तो उन्हें एसएस राजामौली की फिल्म 'एसएसएमबी 29' में देखा जाएगा। इसमें उनके साथ महेश बाबू और पृथ्वीराज सुकुमारन भी होंगे।

अनन्या पांडे ने पहली बार बनाया व्लॉग, देखकर फैंस ने दी सलाह - 'यूट्यूब चैनल शुरू कर दो'

अनन्या पांडे मालदीव में छुट्टियां मना रही हैं। एक्ट्रेस लगातार अपनी मालदीव वेकेशंस की झलकियां फैंस के साथ सोशल मीडिया पर शेयर कर रही हैं। इन छुट्टियों के दौरान अनन्या ने एक नई चीज में हाथ आजमाया है। उन्होंने व्लॉग मेकिंग में पहली कोशिश करते हुए वीडियो शेयर किया है। इस पर नेटिजन्स के मजेदार रिएक्शन आ रहे हैं।

व्लॉग में संजोईं मालदीव की झलकियां

अनन्या पांडे ने आज सोमवार को एक पोस्ट इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। इसमें उन्होंने सुबह उठने से लेकर नाश्ता, स्विमिंग, साइकिलिंग, लंच, डिनर और घुमक्कड़ी के कुछ पल शेयर करते हुए वीडियो पोस्ट किया है। कैप्शन में लिखा है, 'व्लॉग मेकिंग में मेरा पहला प्रयास, लेकिन मालदीव में बेहद खुशनुमा वक्त बिताने को मिला है'।

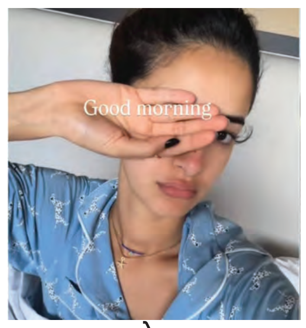

नेटिजन्स ने दिया यूट्यूब चैनल शुरू करने का सुझाव

अनन्या पांडे के इस वीडियो पर नेटिज्स ने कमेंट्स की झड़ी लगा दी है। कोई अनन्या की क्यूटनेस की तारीफ कर रहा है तो कोई व्लॉगिंग के लिए उनका उत्साह बढ़ा रहा है। कुछ यूजर्स तो उन्हें यूट्यूब चैनल खोलने का ही सुझाव दे रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, 'हम आज व्लॉगर अनन्या पांडे से मिल रहे हैं'। कुछ यूजर्स और व्लॉग्स बनाने का सुझाव दे रहे हैं। कुछ नेटिजन्स तंज भी कस कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, 'आपके पास जब कोई स्किल न हो तो फेमस होने का इकलौता जरिया'।

अनन्या पांडे का वर्क फ्रंट

अनन्या पांडे के वर्क फ्रंट की बात करें तो उनकी आगामी फिल्म का नाम है, 'तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी'। यह फिल्म 31 दिसंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म में अनन्या पांडे के साथ कार्तिक आर्यन नजर आएंगे। फिल्म के निर्देशक समीर विद्वांस हैं। यह फिल्म धर्मा प्रोडक्शंस और नमः पिक्चर्स के बैनर तले बन रही है।

शाहरुख को नेशनल अवॉर्ड मिलने पर हुई तुलना, मनोज बाजपेयी बोले- पुरस्कार विश्वसनीयता खो रहे हैं

अभिनेता मनोज बाजपेयी की दो हफ्तों में दो फिल्में रिलीज हुई हैं। एक ओर 'इंस्पेक्टर जेंडे' ओटीटी पर रिलीज हुई है। वहीं दूसरी ओर 'जुगनुमा- द फेबेल' ने सिनेमाघरों में दस्तक दी है। दोनों ही फिल्मों को क्रिटिक्स ने काफी सराहा भी है। अब मनोज बाजपेयी ने शाहरुख खान को नेशनल अवॉर्ड मिलने पर प्रतिक्रिया दी है। क्योंकि रेस में मनोज बाजपेयी भी 'सिर्फ एक बंदा काफी है' के लिए थे।

मनोज बाजपेयी बोले- ये बेकार की बात है

शाहरुख खान के 'जवान' फिल्म के लिए नेशनल अवॉर्ड जीतने पर छिड़ी बहस में कई लोगों का कहना था कि शाहरुख की जगह मनोज बाजपेयी 'सिर्फ एक बंदा काफी है' के लिए नेशनल अवॉर्ड के हकदार थे। अब इस तरह की तुलनाओं पर मनोज बाजपेयी ने चुप्पी तोड़ी है। इंडिया टुडे के साथ बातचीत के दौरान मनोज बाजपेयी ने इस पूरे मुद्दे पर कहा कि यह एक बेकार बातचीत है क्योंकि यह अब खत्म हो चुकी है। जहां तक 'सिर्फ एक बंदा काफी है' की बात है, तो हां यह मेरी फिल्मोग्राफी में एक बहुत ही खास फिल्म है और 'जोरम' भी। लेकिन मैं इन बातों पर चर्चा नहीं करता क्योंकि यह एक बहुत ही बेकार बातचीत है। यह अतीत की बात है और इसे यूं ही छोड़ देना चाहिए।

अपनी विश्वसनीयता खो रहे अवॉर्ड फंक्शन

अभिनेता ने भारत में फिल्म पुरस्कारों के बदलते स्वरूप पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय पुरस्कारों समेत कई पुरस्कार व्यावसायिक आकर्षण के चक्कर में अपनी विश्वसनीयता खो रहे हैं। उन्हें गंभीरता से सोचना चाहिए कि वे कैसे काम कर रहे हैं। क्योंकि यह मेरे सम्मान की बात नहीं है। मैं फिल्म चुनते समय अपने सम्मान का बहुत ध्यान रखता हूं। लेकिन हर संस्था को अपने बारे में सोचना होता है। यह मेरा काम नहीं है। मुझे लगता है कि मेरे लिए अवॉर्ड फंक्शन का विचार गलत है। यह आपके घर की सजावट का एक छोटा सा हिस्सा है। हर रोज आप इसके सामने खड़े होकर यह नहीं कहेंगे, 'वाह, मैंने यह कर दिखाया।'

चार नेशनल अवॉर्ड जीत चुके हैं मनोज बाजपेयी

इस साल शाहरुख खान को उनकी फिल्म 'जवान' के लिए उनके करियर का पहला नेशनल अवॉर्ड मिला है। वहीं मनोज बाजपेयी अब तक चार बार राष्ट्रीय अवॉर्ड अपने खाते में कर चुके हैं। मनोज बाजपेयी को 'सत्या', 'पिंजर', 'अलीगढ़' और 'भोंसले' के लिए नेशनल अवॉर्ड मिल चुका है।

'तीस मार खां 2 बनाएं क्या'? फराह खान ने अक्षय कुमार से पूछा सवाल, क्या सीक्वल की है तैयारी?

चर्चित रियलिटी शो 'बिग बॉस 19' के इस बार के वीकएंड का वार एपिसोड में आगामी फिल्म 'जॉली एलएलबी 3' की स्टारकास्ट पहुंची। अक्षय कुमार, अरशद वारसी और सौरभ शुक्ला ने इस बार के एपिसोड में चार चांद लगा दिए। हालांकि, अपनी आगामी फिल्म की शूटिंग में व्यस्त होने के चलते इस बार सलमान खान ने शो होस्ट नहीं किया, बल्कि फराह खान ने उनकी जगह होस्ट की भूमिका निभाई। आज सोमवार को फराह ने एक सोशल मीडिया पोस्ट शेयर किया है, जिसमें फिल्म 'तीस मार खां' के सीक्वल को लेकर हिंट दिया है।

फराह ने हंसते हुए अक्षय कुमार से किया सवाल

वीकएंड का वार एपिसोड में अक्षय कुमार, अरशद वारसी और फराह खान ने खूब मस्ती की। आज सोमवार को फराह ने एक पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने अक्षय कुमार के साथ अपनी तस्वीर शेयर करते हुए लिखा है, 'तीस मार खां 2 बनाएं क्या?' इसके साथ लाफिंग इमोजी पोस्ट करते हुए आगे लिखा है, 'साथ में होस्ट करना बहुत ही मजेदार रहा'।

साल 2010 में रिलीज हुई थी 'तीस मार खां'

फराह के पोस्ट पर अभी अक्षय कुमार ने कोई रिएक्शन नहीं दिया है। देखना दिलचस्प होगा कि सीक्वल की मेकिंग पर वे क्या कहते हैं? बता दें कि फिल्म 'तीस मार खां' साल 2010 में रिलीज हुई थी। इसका निर्देशन फराह खान ने किया। अक्षय कुमार, कैटरीना कैफ और अक्षय खन्ना अहम भूमिकाओं में नजर आए। वहीं, सलमान खान और अनिल कपूर स्पेशल अपीयरेंस में नजर आए। इस फिल्म का 'शीला की जवानी' गाना काफी वायरल हुआ था।

कब रिलीज होगी 'जॉली एलएलबी 3'?

बात करें 'जॉली एलएलबी 3' की तो यह फिल्म 19 सितंबर को रिलीज होने जा रही है। इस कोर्टरूम कॉमेडी-ड्रामा का निर्देशन सुभाष कपूर ने किया है। यह इस लोकप्रिय फ्रेंजाईजी की तीसरी कड़ी है। पहली फिल्म साल 2013 में रिलीज हुई थी। दूसरी पार्ट यानी 'जॉली एलएलबी 2' साल 2017 में आई।

'बाहुबली' में शिवगामी बनकर मशहूर हुईं राम्या कृष्णन, हिंदी फिल्मों में भी चलाया अभिनय का जादू

फिल्म 'बाहुबली' में राजमाता शिवगामी देवी का रोल निभाकर राम्या कृष्णनन देश भर में मशहूर हो गईं। लेकिन इस एक्ट्रेस ने अपने जीवन के 40 साल सिनेमा को दिए हैं। दक्षिण भारतीय फिल्मों के साथ वह हिंदी फिल्मों में भी अपने अभिनय का जादू चला चुकी हैं। उनका जन्मदिन 15 सितंबर 1970 हुआ हैं। 55 वे जन्मदिन के मौके पर जानिए, राम्या कृष्णनन के करियर और कुछ चर्चित हिंदी फिल्मों के बारे में।

तमिल फिल्म से की अभिनय की शुरुआत

राम्या का जन्म मद्रास (मौजूदा चेन्नई) में एक तेलुगु भाषी परिवार में हुआ। वह तमिल अभिनेता श्रीनिवास अय्यर रामास्वामी की भतीजी हैं। परिवार का फिल्मों से वास्ता था तो राम्या का रूझान भी इस तरह बढ़ा। साल 1985 में तमिल फिल्म 'वेल्लई मनसु' से राम्या ने अभिनय की दुनिया में कदम रखा। मलयालम, तेलुगु फिल्मों में भी वह अभिनय करने लगीं। साल 1988 में राम्या कृष्णनन ने हिंदी फिल्मों का रुख किया। विनोद खन्ना स्टारर फिल्म 'दयावान(1988)' में राम्या ने एक डांसर का रोल किया था। आगे भी राम्या ने चुनिंदा लेकिन चर्चित हिंदी फिल्में कीं।

'खलनायक' से लेकर 'बड़े मियां छोटे मियां' तक में निभाए यादगार किरदार

राम्या ने हिंदी फिल्मों में गैप लेकर काम किया। वह पहली हिंदी में काम करने के लगभग 5 बाद दूसरी हिंदी फिल्म में नजर आईं। साल 1988 में संजय दत्त की फिल्म 'खलनायक' में राम्या ने सोफिया नाम का रोल निभाया था। इसके बाद वह फिल्म 'परंपरा(1995)',क्रिमिनल(1996),बनारसी बाबू (1997),लोहा(1997),शपथ(1997), वजूद (1998), बड़े मियां छोटे मियां(1998) में दिखीं।'बड़े मियां छोटे मियां' के बाद राम्या ने हिंदी फिल्मों से दूरी बना ली। वह साउथ में ही बतौर एक्ट्रेस एक्टिव रहीं।

24 साल बाद हिंदी फिल्मों में वापसी

साल 2022 में राम्या ने फिर से हिंदी फिल्मों का रूख किया। वह फिल्म 'लाइगर(2022)' और 'जाट(2025)' जैसी फिल्मों का हिस्सा बनीं, दोनों ही फिल्मों में उन्होंने दमदार किरदार निभाए। फिल्म 'लाइगर' में वह विजय देवरकोंडा के किरदार की मां का रोल करती दिखीं। वहीं फिल्म 'जाट' में उन्होंने एक अहम किरदार निभाया था।

फिल्म 'बाहुबली' में निभाया आइकॉनिक रोल

राम्या कृष्णनन ने अलग-अलग जॉनर की फिल्में कीं लेकिन एपिक एक्शन ड्रामा फिल्म 'बाहुबली' उनके करियर में मील का पत्थर साबित हुईं। साल 2015 में एसएस राजामौली निर्देशित फिल्म 'बाहुबली' ने देश भर के दर्शकों को हैरान कर दिया। इस फिल्म में राम्या ने माहिष्मति साम्राज्य की राजमाता शिवगामी देवी का किरदार निभाया। यह फिल्म का सबसे सशक्त महिला किरदार था। राम्या ने अपने अभिनय से दर्शकों को प्रभावित किया। फिल्म 'बाहुबली' के दोनों पार्ट के लिए उन्हें सपोर्टिंग एक्ट्रेस का फिल्म फेयर (तेलुगु)अवॉर्ड मिला। अगले साल वह रजनीकांत की तमिल फिल्म 'जेलर 2' में नजर आएंगी। फिल्म में वह रजनीकांत के किरदार की पत्नी का रोल करेंगी।

परेश रावल ने 'हेरा फेरी 3' की शूटिंग को लेकर किया बड़ा खुलासा

बॉलीवुड की पॉपुलर कॉमेडी फ्रेंचाइजी 'हेरा फेरी' के तीसरे पार्ट की शूटिंग बहुत जल्द शुरू होने वाली है। इसकी जानकारी खुद परेश रावल ने दी है। इतना ही नहीं उन्होंने ये भी बताया कि किस महीने से शूटिंग शूरू होगी। इसके साथ ही अभिनेता ने 'हेरा फेरी 3' को लेकर हुए विवादों पर भी बात की। आइए जानते हैं उन्होंने क्या कहा।

कब शुरू होगी फिल्म की शूटिंग?

परेश रावल ने हेरा फेरी 3 की शूटिंग पर कहा, इस पर काम चल रहा है। हम अगले साल फरवरी-मार्च में फिल्म की शूटिंग शुरू करेंगे।

विवाद पर क्या बोले अभिनेता?

आगे अभिनेता से सवाल पूछा गया

कि क्या हेरा फेरी 3 को लेकर हुए विवाद ने निर्देशक प्रियदर्शन के साथ उनके रिश्ते को प्रभावित किया है? इसके जवाब में उन्होंने बताया, ₹बहुत कुछ हुआ है, लेकिन इससे प्रियदर्शन के साथ मेरे रिश्ते में खटास नहीं आई है। ऐसा रिश्ता खराब नहीं होता है । वास्तव में, जो हुआ है वह यह है कि इसने हमारे समीकरण को और मजबूत कर दिया है। इन सबके माध्यम से, अब हम एक-दूसरे को और बेहतर तरीके से जानते हैं। घाव भर गया है । हमारा रिश्ता बहुत पारदर्शी है।'

मुझे नहीं लगता बाबूराव अकेले चल पाएगा

परेश रावल ने आगे बातचीत में कहा, एक फिल्म सबकी वजह से बनती है । मुझे नहीं लगता कि बाबूराव अकेले चल पाएगा। आपको श्याम और राजू की भी जरूरत पड़ेगी। मैं लालची एक्टर नहीं हूं। मैं बेवकूफ भी नहीं हूं। मैं ऐसा इंसान नहीं हूं, जो यह मान ले कि दुनिया मेरी वजह से चलती है । अगर कभी कोई स्टैंडअलोन फिल्म भी बने, तो उसमें श्याम और राजू का होना ज़रूरी है।

परेश रावल का वर्कफ्रंट

परेश रावल की फिल्मों की बात करें, तो उन्हें आगामी फिल्म 'अजेयः द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ अ योगी' में देखा जाएगा। यह फिल्म 19 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

भाजपा पर बरसे धर्मेंद्र राठौड़, कहा संवैधानिक पदों की पैरवी क्यों कर रही बीजेपी

अजमेर, 15 सितंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व आरटीडीसी अध्यक्ष धर्मेंद्र राठौड़ ने भाजपा के प्रदर्शन को लेकर कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने गांधी भवन चौराहे पर कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के खिलाफ हुए भाजपा के विरोध प्रदर्शन और पुतला दहन को निंदनीय बताया। राठौड़ ने कहा कि विपक्षी सवालों और मुद्दों से भाजपा नेता और कार्यकर्ता बौखलाए हुए हैं, तभी कभी राज्यपाल के बचाव में तो कभी चुनाव आयोग की पैरवी में खड़े दिखाई देते हैं।

विधानसभा में कैमरे लगाने पर उठाए सवाल

धर्मेंद्र राठौड़ ने कहा कि विधानसभा में कैमरे लगाने का उद्देश्य साफ है- विधायकों की जासूसी करना। भाजपा इस पर विरोध करने की बजाय प्रदर्शन कर रही है, जो यह दर्शाता है कि मोदी सरकार और डबल इंजन की सरकार बार-बार संविधान की धज्जियां उड़ा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी संवैधानिक पद पर रहते हुए भी लगातार भाजपा नेता की तरह काम कर रहे हैं और इस पद की गरिमा को ठेस पहुंचा रहे हैं।

राहत सामग्री वितरण पर भी उठी आपत्ति

राठौड़ ने कहा कि अतिवृष्टि से प्रभावित परिवारों की मदद के नाम पर हंस पैराडाइज में चेक और नकद राशि का वितरण विधानसभा अध्यक्ष देवनानी की मौजूदगी में किया गया, जहां भाजपा नेता और कार्यकर्ता भी शामिल रहे। उन्होंने सवाल उठाया कि जब देवनानी भाजपा पार्टी के नहीं बल्कि संवैधानिक पद पर हैं, तो फिर पार्टी उनके बचाव और पैरवी में क्यों उतर रही है। यह प्रदर्शन ऐसा प्रतीत होता है जैसे भाजपा ने अपने ही नेता के लिए प्रदर्शन किया हो।

चेक और नकद वितरण की सूची सार्वजनिक करने की मांग

पूर्व आरटीडीसी अध्यक्ष ने कहा कि राहत सामग्री वितरण की पूरी सूची सार्वजनिक की जानी चाहिए, ताकि स्पष्ट हो सके कि किसे कितनी राशि दी गई। उन्होंने आरोप लगाया कि इस वितरण में भेदभाव हुआ है। राठौड़ ने याद दिलाया कि एक दिन पहले प्रभावित महिलाओं ने भी विधानसभा अध्यक्ष के खिलाफ विरोध जताते हुए चेक और नकद राशि बांटने की प्रक्रिया तथा सर्वे पर सवाल उठाए थे।

कांग्रेस नेताओं ने राज्यपाल को सौंपा ज्ञापन

राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस नेताओं, जिनमें पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और विधानसभा नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली शामिल हैं, ने राज्यपाल को ज्ञापन सौंपकर विधानसभा में कैमरे लगाने का विरोध किया है। उन्होंने मांग की है कि स्पष्ट किया जाए कि कैमरे किस मद से लगाए गए और स्पीकर के पास कंट्रोल रूम क्यों स्थापित किया गया।

'लड़कियां ही नहीं तीन-तीन बच्चों की मां भी 120 की रफ्तार से भाग रहीं' बीजेपी विधायक को सता रही चिंता

जोधपुर, 15 सितंबर (एजेंसियां)। जोधपुर के ओसिया विधायक भैराराम सियोल ने लड़कियों-महिलाओं के घर से भागने पर चिंता जताई है। सती दादी मंदिर में उन्होंने कहा कि मेरे पास हर महीने 15 से ज्यादा ऐसे फोन आते हैं जिसमें बेटियां-पत्नियां भाग गईं। इतना ही नहीं अब तो जमाना ऐसा आ गया है जिसमें तीन-तीन बच्चों की मां भी 120 की रफ्तार से फरार हो रही है।

बीजेपी विधायक भैराराम सियोल का बड़ा बयान

जोधपुरः प्रदेश में लड़कियों और महिलाओं के घर से भागने की घटनाओं को लेकर कई मामले सामने आ रहे हैं, जो समाज की चिंता का विषय बनी हुई है। इस बीच जोधपुर के ओसिया भाजपा विधायक भैराराम सियोल का बयान सोशल मीडिया पर काफी चर्चा का विषय बना हुआ है। इसमें उन्होंने इन घटनाओं पर दुख व्यक्त करते हुए कहा कि उनके पास ऐसे हर महीने में कई बार फोन आ चुके हैं, कभी किसी की लड़की तो कभी किसी की पत्नी भाग गई। उन्होंने कहा कि अब तो तीन-तीन बच्चों की मां भी 120 की स्पीड में भाग रही है। इधर, भाजपा विधायक का यह बयान सोशल मीडिया पर काफी सुर्खियों में है।

तीन-तीन बच्चों की मां भी 120 की स्पीड में भाग रही है

दरअसल, जोधपुर के ओसिया भाजपा विधायक भैराराम सियोल सती दादी मां मंदिर में आयोजित एक कार्यक्रम में हिस्सा लेने गए, जहां कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने समाज की इस विषम परिस्थिति पर गहरी चिंता जाहिर की। उन्होंने कहा कि मैं चुनाव तो जीत गया हूं, लेकिन मैं चुनाव जीतकर बहुत दुखी हो रहा हूं, क्योंकि एक महीने में कम से कम 15 फोन आते हैं, जिसमें लोग बताते हैं कि उनकी बेटी, उनकी पत्नी घर से भाग गई हैं। उन्होंने ऐसी घटनाओं पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए इसे समाज के लिए हानिकारक बताया। उन्होंने कहा कि 20 साल की लड़कियां भाग जाए, यह तो समझ में आता है, लेकिन अब तो तीन-तीन बच्चों की मां भी 120 की स्पीड में भाग रही है। इस प्रकार की घटनाओं से समाज, संस्कृति और संस्कारों पर बुरा असर पड़ रहा है। इसे सुनकर मेरा मन दुखी हैं।

समाज के इस पतन के लिए मोबाइल को बताया जिम्मेदार

भाजपा विधायक ने दुखी मन से इन घटनाओं के लिए मोबाइल को जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने कहा कि आज मोबाइल के उपयोग के कारण संस्कारों का पतन हो गया है। लिव इन रिलेशनशिप, लव मैरिज और लव जिहाद की लगातार घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की घटनाओं से समाज संस्कृति पर बुरा असर पड़ रहा है। इस दौरान उन्होंने कहा कि मानसून सत्र के दौरान उन्होंने हिंदू विवाह अधिनियम 1955 की धारा में संशोधन कर शादी से पूर्व माता-पिता की सहमति अनिवार्य से लागू करने की मांग सदन में रखी है। इस नियम के बाद ऐसी घटनाओं पर रोक लगाई जा सकती है।

हिस्ट्रीशीटर भांजे ने प्रॉपर्टी व्यवसायी को गोली मारी, जमीनी विवाद के चलते किया कांड

उदयपुर, 15 सितंबर (एजेंसियां)। विजय सिंह पथिक नगर क्षेत्र में प्रॉपर्टी व्यवसायी और अंजुमन तालिमुल इस्लाम के केबिनेट सदस्य मोहम्मद अनीस पर फायरिंग की गई। वारदात रात करीब 11 बजे हुई, जब अनीस के ही भांजे और हिस्ट्रीशीटर फरदीन उर्फ गांजा ने पीछे से उनकी कमर पर गोली चला दी। गोली लगते ही अनीस जमीन पर गिर पड़े। आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत उन्हें अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज चल रहा है।

जानकारी के अनुसार इस हमले के पीछे जमीनी विवाद कारण बताया जा रहा है। आरोपी फरदीन हाल ही में अजमेर की हाई सिक्योरिटी जेल से बाहर आया था। उस पर मारपीट, अवैध हथियार रखने और अन्य आपराधिक गतिविधियों के कई मामले पहले से दर्ज हैं। इलाके में उसकी पहचान एक शातिर अपराधी के रूप में है।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक मामा-भांजे के बीच जमीन को लेकर पहले भी कई बार विवाद हो चुका है। फरदीन ने मौका पाकर गोली चलाई और वारदात के बाद मौके से फरार हो गया। अचानक हुई इस घटना से पूरे क्षेत्र में दहशत फैल गई।

सूचना मिलते ही सवीना थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने बयान दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। फरदीन की गिरफ्तारी के लिए विशेष टीम गठित की गई है और संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। डॉक्टरों के अनुसार मोहम्मद अनीस की हालत फिलहाल स्थिर है लेकिन चिकित्सकों की टीम लगातार उन्हें निगरानी में रख रही है।

खिड़की से झांका तो उड़ गए होश
मेहमान बनकर बैठा दिखा पैंथर

डूंगरपुर, 15 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के डूंगरपुर जिले के आसपुर वन क्षेत्र के नया टापरा गांव में खूंखार जंगली पैंथर घर में घुस गया। सुरेंद्र मीणा के घर के लोग जब सोकर उठे तो उन्होंने गैलरी में अजीब आवाज सुनी। खिड़की से झांककर देखा तो पैंथर बैठा था। यह नजारा देखकर घरवालों के होश उड़ गए और उन्होंने शोर मचाकर पड़ोसियों को बुलाया। तुरंत ही वन विभाग को भी सूचना दी गई। आसपुर और साबला वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। टीम ने देखा कि पैंथर शांत अवस्था में गैलरी में बैठा था। अधिकारियों को लगा कि पैंथर अस्वस्थ है। ऐसे में बिना देर किए टीम ने देशी जुगाड़ से रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। सबसे पहले पैंथर को पकड़ने के लिए फंदा तैयार किया गया। फिर कड़ी मशक्कत के बाद उसके पैरों में फंदा फंसाया गया। धीरे-धीरे पैंथर को काबू में लेकर पिंजरे में कैद किया गया। रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद पैंथर को साबला वन विभाग के दफ्तर लाया गया।

कुएं में नहाते समय डूबने से दो युवकों की मौत

झालावाड़, 15 सितंबर (एजेंसियां)। मनोहरथाना उपखंड क्षेत्र के आंवल हेडा गांव में स्वयं के खेत पर परिजनों के साथ मक्का की फसल काटने गए दो युवकों की कुएं में नहाते समय डूबने से मौत हो गई। दोनों सगी मोसी-मोसी के भाई थे।

द्वितीय थाना प्रभारी एएसआई छोटू लाल ने बताया कि आंवलहेड़ा निवासी टेकराम (19) पुत्र जगदीश लोधा व बारां जिले की ग्राम पंचायत दीगोद के गांव रामपुरिया निवासी श्रीराम (18) पुत्र हरकचंद लोधा की आंवलहेड़ा में कुएं में नहाते समय पानी में डूबने से दोनों की मौत हो गई। फरियादी आंवलहेडा निवासी मृतक के काका दयाराम लोधा की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर दोनों मृतकों का मनोहर थाना सीएचसी में पीएम करवा कर शव परिजनों को सौंप दिया गया।

फरियादी आंवलहेडा निवासी मृतक के काका दयाराम लोधा व परिजनों ने बताया कि मृतक आंवलहेड़ा निवासी टेकराम जोधपुर कॉलेज में कृषि विषय में स्नातक प्रथम वर्ष का छात्र है। जोधपुर से आंवलखेड़ा आया था। उससे मिलने के लिए अवकाश की मौसी का लड़का बारां जिले की ग्राम पंचायत दीगोद के गांव रामपुरिया निवासी श्रीराम जो कि रामपुरिया में ही 12वीं कक्षा में पढ़ता था, वह भी आंवल हेडा में टेकराम से मिलने आया था। इस समय मक्का की फसल की कटाई चल रही है। तो दोनों मां व बहन के साथ खेत पर फसल कटाई करने गए हुए थे।

दोनों खेत पर पानी पीने की कह कर कुएं पर चले गए। वहां नहाने लग गए। जब दोनों काफी देर तक कुएं से वापस नहीं आए। तो परिजन कुएं पर पहुंचे। वहां दोनों के कपडे.व चप्पल पडे.रखी हुई थी। इस पर ग्रामीणों को बुलाया और उनकी सहायता से कुएं में तलाश करने पर दोनों को कुएं से बाहर निकाला गया।

घरेलू कलह में दो मासूमों को लेकर ट्रेन के आगे कूदा पिता
हुई मौत, बच्चों को अस्पताल रैफर किया

दौसा, 15 सितंबर (एजेंसियां)। जिले के बांदीकुई इलाके में कल देर रात एक पिता ने अपने दो छोटे बच्चों के साथ ट्रेन के सामने कूदकर आत्महत्या की कोशिश की। इस दर्दनाक घटना में पिता की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दोनों बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए।

पुलिस के अनुसार बांदीकुई-आगरा रेल मार्ग पर पंचमुखी के पास रात करीब 2 बजे नंदेरा निवासी 35 वर्षीय बबली सैनी ने अपने तीन साल के बेटे चित्रेट और पांच साल के उमंग के साथ ट्रेन के सामने छलांग लगा दी। घटना के तुरंत बाद आसपास के लोगों ने पुलिस को सूचना दी और मौके पर पहुंचकर मदद करने की कोशिश की।

बसवा थाने के हेड कांस्टेबल सतीश चौधरी ने बताया कि मौके पर पहुंची पुलिस को बबली सैनी का शव मिला है जबकि घायल बच्चों को तत्काल बांदीकुई उप-जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए दौसा के हायर अस्पताल रैफर किया गया। फिलहाल बच्चों का इलाज जारी है।

पुलिस के मुताबिक मृतक बबली सैनी जयपुर के भांकरोटा में कई साल से ड्राइवर का काम करता था और परिवार के साथ वहीं रह रहा था। शुरुआती जानकारी के अनुसार घटना के पीछे घरेलू कलह की वजह बताई जा रही है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है और इस संबंध में अभी तक कोई रिपोर्ट दर्ज नहीं की गई है।

सात दिन में एक ही गांव की चार पीढ़ियां खत्म
हादसों की कड़ी ने कंपा दिया फूलिया कला गांव

भीलवाड़ा, 15 सितंबर (एजेंसियां)। भीलवाड़ा जिले की शाहपुरा पंचायत समिति के फूलिया कला गांव में सोमवार को शोक को और गहरा कर देने वाला हादसा सामने आया। जयपुर के शिवदासपुरा में हुए भीषण सड़क हादसे में सात लोगों की मौत का गम झेल रहे परिवार और ग्रामीण अंतिम संस्कार के बाद खारी नदी के एनिकट पर नहाने पहुंचे। यहां सात युवक डूबने लगे, जिनमें से दो की मौत हो गई, एक युवक अब भी लापता है और चार को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जानकारी के मुताबिक, 14 सितंबर की सुबह जयपुर के शिवदासपुरा में एक दर्दनाक सड़क हादसे में दो परिवारों के सात लोगों की जान चली गई। ये सभी हरिद्वार से अस्थि विसर्जन करके लौट रहे थे। मृतकों में भीलवाड़ा के फूलिया कला गांव निवासी अशोक वैष्णव (47), उनकी पत्नी सीमा (45), बेटा रोहित (23) और पोता गजराज (6) शामिल थे। अशोक वैष्णव के पिता गोपाल वैष्णव का हाल ही में देहांत हुआ था, उन्हीं की अस्थियां विसर्जित कर ये लोग लौट रहे थे। दुर्घटना इतनी भयानक थी कि कार 16 फीट नीचे अंडरपास में भरे पानी में गिर गई और सातों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे का पता चलने पर शव बाहर निकाले गए।

इन सातों का अंतिम संस्कार फूलिया कला के धानेश्वर रोड स्थित श्मशान घाट में हुआ। गांव और आसपास से बड़ी संख्या में लोग इस विदाई में शामिल हुए और शोकाकुल माहौल में परिजनों को ढांढस बंधाया।

नहाने के दौरान सात युवक डूबे

अंतिम संस्कार के बाद परिजन और ग्रामीण परंपरा के तहत खारी नदी के एनिकट पर नहाने पहुंचे। इसी दौरान विजय प्रताप सिंह (30), मुकेश गोस्वामी (25), महेंद्र माली (25), बरदी चंद (34), महेश (35), राकेश (28) और जीवराज (30) अचानक गहरे पानी में डूबने लगे। मौके पर चीख-पुकार मच गई। ग्रामीणों ने तुरंत बचाव का प्रयास किया और राकेश, जीवराज, विजय प्रताप सिंह व मुकेश गोस्वामी को बाहर निकाल लिया गया। चारों को फूलिया कला प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां गंभीर स्थिति को देखते हुए तीन को शाहपुरा जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया गया।

इस हादसे में महेंद्र माली और बरदी चंद की मौत हो गई। उनकी बॉडी नदी से बाहर निकाल ली गई। वहीं, महेश पुत्र राधेश्याम शर्मा का अब तक कोई पता नहीं चल पाया है। उसकी तलाश के लिए प्रशासन और स्थानीय लोग लगातार प्रयास कर रहे हैं।

हादसे की सूचना मिलते ही सांसद दामोदर अग्रवाल, विधायक डॉ. लालाराम बैरवा और जिला कलेक्टर जसमित सिंह संधु शाहपुरा जिला चिकित्सालय पहुंचे। उन्होंने वहां भर्ती युवकों की स्थिति जानी और चिकित्सकों को बेहतर इलाज के निर्देश दिए। साथ ही पीड़ित परिवारों को हरसंभव मदद का आश्वासन दिया। जिला कलेक्टर ने हादसे की जांच कराने और प्रभावित परिवारों को शीघ्र आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के आदेश दिए।

फूलिया कला गांव पर मानो दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। एक सप्ताह के भीतर चार पीढ़ियों का अंतिम संस्कार किया जा चुका है। पहले गोपाल वैष्णव का निधन हुआ, फिर अशोक वैष्णव और उनके परिवार के चार सदस्य सड़क हादसे का शिकार बने। अब नदी में डूबने से दो युवकों की मौत और एक की लापता स्थिति ने पूरे गांव को शोक में डुबो दिया है। ग्रामीणों की आंखों में आंसू हैं और वे प्रशासन से लापता महेश की तलाश तेज करने की गुहार लगा रहे हैं, ताकि उसके परिवार को जल्द राहत मिल सके।

एक साल की दोस्ती के बाद मिलने आई थी फेसबुक दोस्त
सरकारी टीचर ने मौत के घाट उतारा

बाड़मेर, 15 सितंबर (एजेंसियां)। जिले में सोमवार को एक महिला का शव उसकी ही ऑल्टो कार में संदिग्ध परिस्थितियों में मिलने से इलाके के बाद सनसनी फैल गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटना स्थल का मौका मुआयना करके शव को कब्जे में लिया। पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया कि झुंझुनू निवासी महिला मुकेश कुमारी झुंझुनू से बाड़मेर अपने दोस्त सरकारी शिक्षक मानाराम से मिलने के लिए पहुंची थी। दोनों की फेसबुक पर करीब एक साल पहले दोस्ती हुई थी और वह अपने दोस्त से मिलने 600 किलोमीटर का सफर तय करके यहां पहुंची थी लेकिन उसके दोस्त ने उसे मौत का रास्ता दिखा दिया। हत्या को अंजाम देने के बाद आरोपी इसे एक्सीडेंट का रूप देने के लिए शव को गाड़ी की ड्राइवर सीट पर रखकर फरार हो गया।

एसपी नरेंद्र सिंह मीना ने बताया सोमवार सुबह पुलिस को सूचना मिली थी कि रीको थाना इलाके में एक ऑल्टो कार में महिला का शव पड़ा है, जिस पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची। मौके पर एफएसएल डॉग स्पॉट आदि टीमों को बुलाकर घटना स्थल का मौका-मुआयना करके साक्ष्य जुटाए गए हैं। एसपी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई है कि झुंझुनू निवासी मुकेश कुमारी की अक्टूबर 2024 में बाड़मेर निवासी मानाराम के साथ फेसबुक पर दोस्ती हुई थी। मानाराम सरकारी शिक्षक है और पत्नी से अनबन के चलते उसका तलाक का मामला चल रहा है, जिससे दोनों अलग रह रहे हैं।

उन्होंने बताया कि झुंझुनू निवासी मुकेश कुमारी बुधवार को कार से यहां आई थी और मानाराम के गांव भी गई थी, जहां पर उसकी रॉड से वार करके हत्या कर दी गई और हत्या के बाद शव को उसी की गाड़ी रखकर रीको थाना क्षेत्र में छोड़ दिया। फिलहाल हत्या के कारणों का पता नहीं चल पाया है। पुलिस पूरे मामले की जांच-पड़ताल में जुटी हुई है।

कॉन्स्टेबल भर्ती परीक्षा में डमी कैंडिडेट पकड़ा गया, बायोमेट्रिक जांच से हुई पहचान

भीलवाड़ा, 15 सितंबर (एजेंसियां)। जिले में हुई कॉन्स्टेबल भर्ती परीक्षा में एक डमी कैंडिडेट पकड़ा गया। यह मामला सेठ मुरलीधर मानसिंह गर्ल्स सीनियर सेकंडरी स्कूल में सामने आया। धौलपुर के बसेड़ी गांव का रहने वाला सुनील कुमार गुर्जर यहां एग्जाम देने पहुंचा था, लेकिन तकनीकी मदद से पहचान कर गिरफ्तार कर लिया गया।

पुलिस महानिदेशक जयपुर से मिली सूचना पर कोतवाली थाना पुलिस ने तुरंत कार्रवाई की। कोतवाली थानाप्रभारी गजेंद्र सिंह नरूका ने बताया कि बायोमेट्रिक फोटो और फिंगर प्रिंट मिलान के जरिए जांच शुरू की गई। इसमें सामने आया कि सुनील कुमार गुर्जर इस बार कॉन्स्टेबल भर्ती परीक्षा में 'सुनील कुमार' के नाम से शामिल होने की कोशिश कर रहा था। वह इससे पहले प्री डीएलएडी परीक्षा में भी डमी कैंडिडेट बनकर शामिल हो चुका था।

पूछताछ में सुनील कुमार ने स्वीकार किया कि गांव के दीपक कुमार के कहने पर वह ये परीक्षा दे रहा था और इसके लिए उसे पैसे भी दिए गए थे औरयोजनाबद्ध तरीके से काम करने के लिए कहा गया था।

डीएसटी टीम के साथ कोतवाली पुलिस ने सुनील कुमार को परीक्षा समाप्त होने के बाद पकड़ लिया और उसके खिलाफ जीरो नंबर एफआईआर दर्ज कर भरतपुर पुलिस को सौंप दिया। कोतवाली थाना प्रभारी ने बताया कि यह मामला गंभीर है और इसकी जांच प्राथमिकता के साथ की जा रही है।

पुलिस ने उम्मीदवारों से अपील की है कि वे हमेशा अपनी सही पहचान से ही परीक्षा में भाग लें और किसी भी धोखाधड़ी की जानकारी तुरंत पुलिस को दें। साथ ही तकनीकी व्यवस्था के तहत बायोमेट्रिक फोटो और फिंगर प्रिंट मिलान प्रक्रिया को और अधिक सख्त किया जा रहा है ताकि भविष्य में ऐसे मामलों की पुनरावृत्ति न हो।

परीक्षा देते एसआई को किया गिरफ्तार
पटवारी भर्ती परीक्षा में बना था डमी उम्मीदवार
एसीबी टीम ने लाखों की रिश्वत लेते भी दबोचा था

कोटा, 15 सितंबर (एजेंसियां)। इंस्पेक्टर पद पर प्रमोशन पाने के लिए परीक्षा देने जयपुर पहुंचे सब इंस्पेक्टर भंवरलाल विश्नोई को पटवारी भर्ती परीक्षा 2014 में डमी उम्मीदवार बनने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया। दादाबाड़ी थाना पुलिस उसे गिरफ्तार कर कोटा लाई और कोर्ट में पेश किया जहां से जेल भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार 2015 बैच के सब इंस्पेक्टर भंवरलाल विश्नोई वर्तमान में नॉन-फील्ड ड्यूटी पर चल रहा था। बीते दिनों जयपुर में इंस्पेक्टर पद के लिए विभागीय परीक्षा चल रही थी। 12 सितंबर को वो भी परीक्षा केंद्र पहुंचा लेकिन इसी बीच दादाबाड़ी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। सिटी एसपी तेजस्वनी गौतम ने बताया कि भंवरलाल विश्नोई पर आरोप है कि उन्होंने 2014 में आयोजित पटवारी भर्ती में डमी उम्मीदवार बनकर कोटा में परीक्षा दी थी। इस मामले में दादाबाड़ी थाने में प्रकरण दर्ज हुआ था। जिसकी जांच पुलिस द्वारा की जा रही थी। जांच के दौरान उसके खिलाफ पर्याप्त सबूत मिले। इस पर दादाबाड़ी पुलिस ने आरोपी को जयपुर से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार एसीबी टीम ने सब इंस्पेक्टर भंवरलाल को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया था। उस समय वह उदयपुर जिले के खेरवाड़ा थाने में तैनात था। कार्रवाई में लगभग 2.5 लाख की रिश्वत बरामद की गई थी। गिरफ्तारी के बाद उसे निलंबित कर दिया गया। इसी वजह से उसे नॉन-फील्ड ड्यूटी पर रखा गया।

मंजू शर्मा का आरपीएससी मेंबर के पद से इस्तीफा मंजूर

जयपुर, 15 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान लोक सेवा आयोग का मामला अब भी विवादों में चल रहा है. एक ओर एसआई भर्ती परीक्षा को लेकर आरपीएससी विवादों में हैं तो दूसरी ओर आरपीएससीको रिफॉर्म करने की बात जोर से शोर से चल रही है. हाल ही में राजस्थान हाई कोर्ट ने आरपीएससी के काम करने के तरीकों पर सवाल खड़े किये थे. इसके बाद ही 1 सितंबर को कुमार विश्वास की पत्नी मंजू शर्मा ने आरपीएससी की सदस्य पद से इस्तीफे की पेशकश की थी. अब यह इस्तीफा मंजूर कर लिया गया है. आरपीएससी सदस्य डॉ मंजू शर्मा ने अपना इस्तीफा राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े को भेजा गया था. जिसे अब मंजूर कर लिया गया है. राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने राजस्थान लोक सेवा आयोग की सदस्य डॉ. मंजू शर्मा का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है.

औरंगजेब की प्रशंसा पर सुखाड़िया यूनिवर्सिटी में हंगामा

उदयपुर, 15 सितंबर (एजेंसियां)। मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर की कुलगुरु प्रो. सुनीता मिश्रा द्वारा मुगल शासक औरंगजेब को कुशल प्रशासक बताने वाले बयान पर बवाल जारी है। सोमवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने इस मुद्दे पर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। सुबह से ही बड़ी संख्या में छात्र प्रशासनिक भवन के बाहर जमा हो गए और कुलगुरु के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी। गुस्साए छात्रों ने गेट पर टायर जलाए और विश्वविद्यालय प्रशासन को कटघरे में खड़ा किया। हालात बिगड़ते देख पुलिस बल भी मौके पर पहुंचा।

दरअसल, इस विवाद की शुरुआत 12 सितंबर को गुरुनानक कॉलेज स्थित बप्पा रावल सभागार में आयोजित एक सेमिनार से हुई।'भारतीय ज्ञान प्रणालीः विकसित भारत 2047 के लिए रोडमैप' विषयक पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर संबोधित करते हुए कुलगुरु मिश्रा ने कहा था—"हिस्टोरिकल पर्सपेक्टिव से हम कई राजा-महाराजाओं के बारे में सुनते हैं, जिनमें महाराणा प्रताप, पृथ्वीराज चौहान और अकबर शामिल हैं। हम कई अच्छे राजाओं को याद रखते हैं, और कुछ औरंगजेब जैसे भी थे, जो एक कुशल प्रशासक था।' यही बयान अब विवाद का कारण बन गया। एबीवीपी कार्यकर्ताओं का कहना है कि महाराणा प्रताप की धरती पर औरंगजेब जैसे शासक को'कुशल प्रशासक' बताना न केवल अपमानजनक है, बल्कि इतिहास के साथ खिलवाड़ भी है। छात्रों ने मांग की कि कुलगुरु अपने बयान पर सार्वजनिक रूप से माफी मांगें और स्पष्ट करें कि उनकी मंशा क्या थी।

कांग्रेस भाषायी अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ एवं तेलंगाना हिन्दी पत्रकार संघ द्वारा हिन्दी दिवस मनाया गया

हैदराबाद, 15 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस भाषाई अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ तथा तेलंगाना हिन्दी पत्रकार संघ के संयुक्त तत्वावधान में हिन्दी दिवस के अवसर पर बशीरबाग स्थित प्रेस क्लब में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।

अवसर पर राजेश कुमार अग्रवाल ने कहा कि हिंदी हमारी राष्ट्रभाषा है और तेलुगु हमारी मातृभाषा है। उन्होंने कहा कि हिंदीभाषी परिवारों के पूर्वज दशकों से तेलंगाना में रहकर इसकी प्रगति में योगदान दे रहे हैं। उन्होंने आह्वान किया कि तेलुगु भाषी परिवार अपने बच्चों को हिंदी सिखाएं और हिंदीभाषी परिवार अपने बच्चों को तेलुगु सिखाएं। दोनों भाषाओं का ज्ञान बच्चों के भविष्य को पूरे भारत और विश्व स्तर पर उज्जवल बनाएगा।

महेश कुमार गौड़, एमएलसी एवं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि तेलंगाना सरकार किसी भी प्रकार के मारवाड़ी वापस जाओ जैसे नारे या विभाजनकारी प्रवृत्ति को सहन नहीं करेगी। वी. हनुमंथा राव, पूर्व राज्यसभा सांसद ने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की अगुवाई में राज्य में मजबूत कानून-व्यवस्था है और हर समुदाय सुरक्षित है। हरकरा वेणुगोपाल, तेलंगाना सरकार के सलाहकार ने कहा कि राज्य में सभी भाषाई समुदायों का स्वागत है और उन्हें विकास में योगदान देना चाहिए। पी. विश्वनाथ, एआईसीसी महासचिव ने बताया कि तेलंगाना में लगभग 50 लाख गैर-तेलुगु भाषी लोग रहते हैं और भाषाई अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ सभी भाषाओं के लिए कार्य करेगा।

इस अवसर पर चिन्ना रेड्डी, अध्यक्ष, तेलंगाना नियोजन आयोग- उर्दू अकादमी के अध्यक्ष- अन्वेष रेड्डी चंद, अध्यक्ष, सीड डेवलपमेंट कॉरपोरेशन वेंकट रेड्डी, सीपीएम पोलित ब्यूरो सदस्य एम. कोदंडा रेड्डी, कृषि आयोग अध्यक्ष आदि भी उपस्थित थे।

अवसर पर लक्ष्मीनारायण राठी एवं मुरलीमनोहर पलोड़ ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में भीम अग्रवाल, सीए मुरली मनोहर पलोड़, लक्ष्मीनारायण राठी, समाजसेवी राजेश गोयल, प्रमुख उद्योगपति प्रदीप सुराणा, समाजसेवी महाबीर अग्रवाल, मधुसूदन, सुरेश कुमार, कवि नरेन्द्र राय श्रीवास्तव, रवि बैद, प्रवीण प्रणव व अन्य ने भाग लिया। सदाशिव शर्मा स्मारक पुरस्कार से डॉ. नौतन्या सिंह को और हरिबेल्के विद्यारण्य स्मारक पुरस्कार से जैनरत्न मीना मुधा को सम्मानित किया गया। इसी क्रम में हिन्दी सेवी एम. हिदायतुल्ला बेग, शर्मिला प्रियदशिनी, लक्ष्मीकांत धबडे, यशवंत वर्मा, आर. विजय कुमार, शिवाजी भोसले, मीता वेगुगोपाल, रीटा मार्गरेट, विशाल, नरेश कुमार लाभ, अक्षय शुक्ला, उमा देवी सोनी, वी. बेंकटेश्वर राव, विनोद सरावगी, करुणा सामा, राधा, राहुल जैन, डॉ. रंभा सिंह, कांता मूलेनी, महेश उपाध्याय, अनीता पांडे, नेहा गुप्ता, प्रवीण नावंदर, हिन्दी शिक्षक डॉ. अनुपमा, अंजलि, निशी शर्मा, रेणुका राय, समीना बेगम, सैयदा सत्रा नुसरत, मेहरूीसा, डॉ. सतीश कुमार, सैयद यासीन अली, मोहम्मद रब्बानी, समरीन बेगम, मीर अबरार अली, संगीता जोशी, हेमा, बागमारे ज्योति तथा अनीता महेंदकर को भी सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का संचालन कवि नंदगोपाल भट्टड़ ने किया। तेलंगाना हिन्दी पत्रकार संघ के अध्यक्ष एम.एन.एस. कुमार आयोजन में महासचिव एम.ए. सरवर वेन ने सक्रिय भागीदारी निभाई।

गोविंद राठी को 53वें में रामायण मेले का प्रधान संयोजग मनोनीत

हैदराबाद, 15 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राजस्थानी प्रगति समाज के अध्यक्ष कमल नारायण अग्रवाल ने समाज के महामंत्री सामाजिक कार्यकर्ता एवं भाजपा नेता गोविंद नारायण राठी को 53वें रामायण मेला जो सोमवार 22 सितंबर से गुरुवार 2 अक्टूबर तक नुमाइश मैदान में एग्जीबिशन समिति एवं इकोनामिक कमेटी के सहयोग से होने जा रहा है जिसका संयोजक नियुक्त किया गया। कमल नारायण अग्रवाल द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार गोविंद राठी को प्रधान संयोजक विगत कई वर्षों से रामायण मेले की सफलता व्यापक और पर विगत से उत्तरोत्तर अभि वृद्धि हो रही है। गोविंद राठी ने राजस्थानी प्रगति समाज के अध्यक्ष कमल नारायण अग्रवाल कार्यकारणी समिति के सदस्य एवं रामायण मेला के पदाधिकारी एवं सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए विश्वास दिलाया कि पूर्ण निष्ठा के साथ साथियों के सहित 53वें रामायण मेला का अभूतपूर्व बनाने का प्रयास करेंगे। गोविंद राठी ने आगे कहा 52 वर्ष रामायण मेला के पूर्ण हो चुके हैं और इस वर्ष 53 में साल में बड़ी हर्षोल्लास से कवि सम्मेलन डांडिया सांस्कृतिक कार्यक्रम रावण दहन श्रीराम जी का राज्याभिषेक आप सभी लोगों के सहयोग से बनाया जाएगा।

विलक्षण प्रेम का आरंभ प्रभु चरित्र सुनने से होता है : साध्वी आस्था भारती

हैदराबाद, 15 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दिव्य गुरुदेव आशुतोष महाराज जी के दिव्य मार्गदर्शन में दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान शास्त्रों के सत्य को मानव के भीतर चरितार्थ कर रहा है। इन्हीं की कृपापात्र शिष्या साध्वी आस्था भारती जी ने श्री चिन्ना अनंतगिरी विशालतम, अत्तापुर में आयोजित सात दिवसीय श्रीकृष्ण कथा के द्वितीय दिवस में भक्तिमती आण्डाल के निश्चल प्रेम में निहित अनमोल संदेशों के साथ ज्ञान गंगा में भी डुबकी लगवाई। भक्तिमती का पावन चरित्र और रचनाएं जनकल्याण करते उस परमात्मा से मिलन हेतु जागृत करते हैं। प्रेमाभक्ति में भिगोता गोदा कल्याणम उत्सव आत्मा और परमात्मा के एकाकार होने का महोत्सव है। ऐसे महोत्सव की ओर बढ़ाता विलक्षण प्रेम का आरंभ प्रभु चरित्र सुनने से हुआ, पर यह दृढ़ उनके दर्शन से होता है।

महर्षि चाणक्य समझाते हैं पुष्प में गंध, तिल में तेल, काष्ठ में अग्नि, दूध में घी, गन्ने में गुड़ की तरह शरीर में रहने वाली आत्मा का विवेक के द्वारा साक्षात्कार करो। साध्वी जी ने समझाते हुए कहा- मेहंदी के हरे पत्तों में लाल-सुर्ख लाली छुपी होती है। लेकिन क्या केवल तोड़ देने से यह लाली प्रकट हो जाती है? नहीं! उन पत्तियों को सिल्ली पर रगड़ना पड़ता है। फिर रगड़ी हुई पत्तियों का लेप हाथों पर धारण करते हैं तो लाली बाहर छलक आती है।

दही से माखन निकलता है। लेकिन क्या सीधे-सीधे ऊंगली डालकर आप दही से माखन निकाल सकते हैं? नहीं! दही को मथकर माखन प्राप्त होता है। ठीक यही युक्ति हमें भी अपनानी होगी। गुरु की शरण को प्राप्त कर उस सूक्ष्म युक्ति को पाना होगा, जो हमारे ही अंतर्घट में ईश्वर को प्रकट कर दे। मानव तन में उस परमात्मा के दर्शन करना ही इस मानव जीवन का मुख्य उद्देश्य है। इस अवसर का पूर्णरूपेण लाभ लें और ईश्वर दर्शन व भक्ति की ओर बढ़ें।

साध्वी जी ने द्वितीय दिवस की कथा का समापन करते हुए आह्वान किया- आओ! प्रेमाभक्ति को ईश्वर दर्शन से दृढ़ कर आत्मा के सच्चे आनंद को पा लें।

संस्थान की ओर से स्वामी प्रदीपानंद जी, साध्वी भावना भारती जी, साध्वी साक्षी भारती जी उपस्थित रहे। अतिथिगण श्रीमती कौशल्या देवी बंग, सुरेश मोदी, लक्ष्मी निवास सारडा, जुगल पारिख, श्री विमल खांडेलवाल, बाबुलाल जोशी, बजरंग लाल नालपुरिया, दीपा राम सीरवी, श्याम अग्रवाल, देवेंद्र चौधरी, छेला राम कुमावत, मोहन लाल कुमावत, गणेश चौधरी, वेना राम चौधरी, गौतम कुमावत उपस्थित रहे। कथा का समापन प्रभु की पावन आरती से किया गया। तदुपरांत प्रसाद वितरण किया गया।

बेगमपेट हवाई अड्डे पर 17 सितंबर को यात्री सेवा दिवस का आयोजन

हैदराबाद, 15 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बेगमपेट हवाई अड्डा, हैदराबाद में दिनांक 17 सितंबर 2025 को यात्री सेवा दिवस का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर यात्रियों का अनुभव बेहतर बनाने हेतु विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। एक पेड़ माँ के नाम वृक्षारोपण अभियान पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाएगा। वहीं बच्चों के लिए चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन होगा, जो उन्हें हवाई अड्डे के कामकाज से जोड़ेगा। रक्तदान शिविर और छात्रों को नागर विमानन क्षेत्र में उपलब्ध रोजगार के अवसरों के प्रति जागरूक करने के लिए संवादात्मक सत्रों का आयोजन किया जाएगा।

हवाई अड्डा के महाप्रबंधक समन्वय प्रभारी श्री अचिंत कुमार दत्त ने कहा,यह आयोजन यात्रियों की सुविधा और संतुष्टि के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। हम चाहते हैं कि हवाई अड्डा यात्रियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हो

लता मंगेशकर के 97वें जन्म वर्ष पर

97 गाना गाने का रिकार्ड बनाया

हैदराबाद, 15 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। 'भारत रत्न, भारत की स्वर कोकिला' श्रीमती लता मंगेशकर के 97वें जन्म वर्ष के उपलक्ष्य में, हैदराबाद की नीरजा मदापति ने लता मंगेशकर के 97 गाने लगातार गाकर एक दुर्लभ उपलब्धि हासिल की।

रिकॉर्ड कार्यक्रम का आयोजन जेनुइस बुक ऑफ रिकॉर्ड्स इंटरनेशनल के संयोजक नरेंद्र गौड़ बिंगी द्वारा किया गया था और गोपाल बल्देवा, त्रिनाधा राव, चंद्रशेखर गोर्थी ने अपनी विशिष्ट उपस्थिति के साथ इसका समर्थन किया था। युगल गीतों का समर्थन विनोद बाबू, हरनाथ मदापति, जगदीश, डॉ. शंकर, वाईएस रामकृष्ण, विजय मंडपका, शाहनवाज, भरत जसानी, भानु किरण, मोहन, शिव कुमार, इलियास और रवि किशोर ने किया।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayIndia पर फॉलो करें

द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट - www.scr.indianrailways.gov.in

निविदा सूचना सं.83_डीआरएम _डब्ल्यू_एचवायबी _25 दि.13-09-2025

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, विभागीय रेल प्रबंधक/कार्य, हैदराबाद डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे, सिकंदराबाद द्वारा निम्न कार्यों हेतु ई-प्रोक्योरमेंट के माध्यम से दि.8-10-2025 के 15.00 बजे तक खुली निविदाएं आमंत्रित हैं।

निविदा सं.83_डीआरएम _डब्ल्यू _एचवायबी _25, कार्य विवरणः एचवायबी डिवीजनः -एससी-एमयुइ सेक्शनः- सबवे निर्माण का (एलसी नं.247, एमइडी-जीडीपीएल, एनएच साइड) शेष कार्यः थर्स्ट बेड, आरसीसी बाक्स कास्टिंग तथा पुषिंग(सेकण्ड वेन्ट हेतु), यु-टाइप आरसीसी रिटेनिंग वाल एवं लेबर शेड पुनर्निर्माण सहित तत्संबंधित सिविल कार्य। अनुमानित मूल्य रू.6,00,04,676.00, पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रू.4,50,000.00

निविदा सं.84_डीआरएम _डब्ल्यू _एचवायबी _25, कार्य विवरणः हैदराबाद डिवीजनः एससी ढोने सेक्शन के पुल सं. 24 (केसीजी-एमएक्सटी, 18 स्पैन्स), पुल सं. 353(केओएनएन-डब्ल्यूपीआर, 20 स्पैन्स), पुल सं. 375(डब्ल्यूपीआर--एसआरएनआर, 21 स्पैन्स), पुल सं. 445(एएलपीआर--केआरएनटी, 3 स्पैन्स) तथा पुल सं. 450(केआरएनटी--डीयुयु, 14 स्पैन्स) पर इंसपेक्शन क्रेडल प्लाटफार्म्स का प्रावधान। अनुमानित मूल्य रू.2,41,58,173.00, पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रू.2,70,800.00

निविदा सं.86_डीआरएम _डब्ल्यू _एचवायबी _25, कार्य विवरणः क) एससी-एमयुइ सेक्शन के 25 स्टेशनों पर दिव्यांगजन सुविधाओं का सुधार कार्य। ख) एचवायबी डिवीजन के एससी-एमयुइ सेक्शन में एनएसजी2 से एनएसजी5 श्रेणी पर संपूर्ण दिव्यांगजन अनुकूल स्टेशन्स बनाने हेतु दिव्यांगजन रेल यात्रियों के प्रति टैक्टाइल फ्लूरिंग का कार्य। अनुमानित मूल्य रू.4,93,16,888.00, पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रू.3,96,600.00

निविदा सं.87_डीआरएम _डब्ल्यू _एचवायबी _25, कार्य विवरणः क) हैदराबाद डिवीजनः एससी-डीएचएनइ सेक्शन के 25 स्टेशनों पर दिव्यांगजन सुविधाओं का सुधार कार्य। ख) एचवायबी डिवीजन के एनएसजी2 से एनएसजी5 श्रेणी पर संपूर्ण दिव्यांगजन अनुकूल स्टेशन्स बनाने हेतु दिव्यांगजन रेल यात्रियों के प्रति टैक्टाइल फ्लूरिंग का कार्य। अनुमानित मूल्य रू.5,14,20,701.00, पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रू.4,07,100.00

अधिक जानकारी हेतु वेबसाइटः www.ireps.gov.in देखें।

एसआर. डीइएन/को-आर्ड/हैदराबाद

निविदा सूचना संख्या 24-जीएसयु-25-26-एसआर.डीइइ-एम-एचवायबी

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, एसआर.डीइइ/एम/एचवायबी द्वारा तत्संबंधित निविदाओं की बंद तिथि 14-10-2025 के 15.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित हैं। बोलीदाता अपने मूल/संशोधित बोलियों को, तत्संबंधित बंद करने की तिथि एवं समय तक ही प्रस्तुत कर सकेंगे। इस निविदा के प्रति मैन्युएल आफर्स अमान्य हैं तथा किसी भी प्रकार के मैन्युएल आफर्स की प्राप्ति पर उसपर कतई विचार नही किया जायेगा।

क्रम सं.1, कार्य विवरणः निविदा संख्या 24-जीएसयु-25-26-एसआर.डीइइ-एम-एचवायबीः हैदराबाद डिवीजन-गति शक्तिः-भारतीय रेलवेज पर स्टेशनों के प्रमुख उन्नयन या अपग्रेडेशन के तहत 12.00 एम चौडा (वाइड) एफओबी का प्रस्तावित निर्माण कार्य तथा बासरा (बीएसएक्स) पर एस्केलेटर्स एण्ड लिफ्ट्स का प्रावधान-एफओबी के प्रति बिजली व्यवस्थाएं तथा एस्केलेटर्स एण्ड लिफ्ट्स के लिए बिजली की आपूर्ति व्यवस्थाएं। अनुमानित मूल्य रू.54,33,411.00, पूर्व धरोहर राशि-पूधरा रू.1,08,700.00, कार्य पूरा करने की अवधिः 12 महिने, बंद करने की तिथिः 14-10-2025

वेबसाइट विवरणःwww.ireps.gov.in

निविदा का संपूर्ण विवरण देखने हेतु नोटिस बोर्ड स्थानः एसआर.डीइइ/एम/एचवायबी का कार्यालय, हैदराबाद भवन, सिकंदराबाद-500071

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता/हैदराबाद

A1433

निविदा शर्तों/ तत्संबंधित अधिक जानकारी तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइट्सः https://www.ireps.gov.in या www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

कांग्रेस रियल एस्टेट कारोबारियों को पहुंचा रही फायदा, किसान हो रहे बेघर

आरआरआर संरेखण विवाद पर हरीश राव का आरोप

हैदराबाद, 15 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आरआरआर (रिजनल रिंग रोड) के संशोधित संरेखण को लेकर राजनीति गरमा गई है। बीआरएस नेता और पूर्व मंत्री टी. हरीश राव ने कांग्रेस सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने किसानों की बार-बार की अपीलों को ठुकरा दिया है और संरेखण को जानबूझकर इस तरह बदला गया है कि कांग्रेस नेताओं और उनके सहयोगियों के रियल एस्टेट कारोबार को बचाया जा सके।

हरीश राव ने कहा कि गंगाराम और शिवन्नगुडेम के किसानों की सारी जमीन छिन जाएगी। उन्होंने याद दिलाया कि पिछली बीआरएस सरकार ने किसानों को कम से कम नुकसान हो, इस बात को ध्यान में रखकर संरेखण तय किया था, लेकिन कांग्रेस ने इसके विपरीत फैसला लिया। उन्होंने आगे कहा कि समस्या सिर्फ संगारेड्डी तक सीमित नहीं है, बल्कि यादाद्री-भुवनगिरी के चौटुप्पल डिवीजन में आरआरआर और ओआरआर के बीच दूरी घटकर 28 किलोमीटर रह गई है। हरीश राव ने मांग की कि दक्षिणी और उत्तरी दोनों तरफ दोनों रिंग रोड के बीच कम से कम 40 किलोमीटर का अंतर होना चाहिए।

पूर्ववर्ती महबूबनगर जिले के पोलेपल्ली, सिंगापल्ली, संकटोनिपल्ली और मालेपल्ली के किसानों के राजमार्ग पर किए गए विरोध प्रदर्शनों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि रेवंत रेड्डी ने उनकी अपीलें भी नज़रअंदाज कर दीं। एचएमडीए की वेबसाइट पर डाले गए संशोधित नक्शे का जिक्र करते हुए हरीश राव ने कहा कि मेदक, महबूबनगर, नलगोंडा और रंगारेड्डी जिलों के गरीब किसान प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने कांग्रेस पर वादा खिलाफी का आरोप लगाते हुए कहा कि प्रियंका गांधी ने किसानों और विस्थापितों के हितों की रक्षा का भरोसा दिलाया था, लेकिन अब उनकी पार्टी की सरकार उन्हीं के खिलाफ काम कर रही है। हरीश राव ने रेवंत रेड्डी से अपील की कि उचित पुनर्वास और पुनर्स्थापन पैकेज सुनिश्चित करें। साथ ही चेतावनी दी कि यदि कांग्रेस सरकार ने संरेखण बदलना जारी रखा, तो केंद्र सरकार अपना समर्थन वापस ले सकती है, जिससे राज्य पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ेगा। उन्होंने संरेखण में कथित अनियमितताओं की जांच के लिए एक स्वतंत्र समिति गठित करने की भी मांग की।

अग्रसेन जयंती के अवसर पर कवि डॉ. कुमार विश्वास का शो 22 सितंबर को

हैदराबाद, 15 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। महाराजाश्री अग्रसेन जी की 5149वी जयंती के अवसर पर अग्रवाल समाज, तेलंगाना की तरफ से एक विराट कवि सम्मेलन का आयोजन सोमवार 22 सितंबर की रात्रि 9:00 बजे शमशाबाद स्थित क्लासिक 3 कन्वेंशन में संपन्न होगा। जयंती महोत्सव की प्रचार-प्रसार और मीडिया कमिटी के प्रभारी डॉ. दिलीप पंसारी के अनुसार समाज अध्यक्ष- अनिरुद्ध गुप्ता, उपाध्यक्ष- रुपेश अग्रवाल, सचिव- विकास केशान, सह सचिव और जयंती प्रधान संयोजक डॉ सीमा जैन, कोषाध्यक्ष और जयंती संयोजक अंचल गुप्ता, परामर्शदाता बद्री विशाल बंसल और हरीश गुप्ता तथा अन्य के संयोजन में संपन्न होने वाले इस कवि सम्मेलन में डॉ. कुमार विश्वास के साथ मंच पर जाने माने कवि रमेश मुस्कान, सुदीप भोला, कुशाल कुशेनदर और साक्षी तिवारी भी होंगे। जयंती कार्यक्रम के सह संयोजकों दिनेश चंद्र अग्रवाल, प्रवीण अग्रवाल, प्रतीक नरसरिया और दीपा भालोटीया के अनुसार उक्त कार्यक्रम में प्रवेश हेतु आवश्यक संबंधित जानकारी, आयोजन समिति के द्वारा समाज की सभी शाखाओं को शीघ्र प्रदान की जायेगी।

पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल का 152वां निशुल्क मेगा चिकित्सा शिविर संपन्न

हैदराबाद, 15 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल द्वारा अग्रवाल समाज कृष्ण सखियां नाचाराम मल्लापुर शाखा के सहयोग से 152 वां निशुल्क मेगा मेडिकल कैंप कृष्णानगर मैकलामंडी स्थित जीबीयूपीएस में आयोजित किया गया जिसका 441 से अधिक लोगों ने लाभ लिया।

आज यहां अग्रवाल सेवा दल के अजीत गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, शिविर में किम्स सनशाइन हॉस्पिटल बेगमपेट द्वारा जनरल फिजिशियन, कार्डियलजी, हड्डी रोग विशेषज्ञ, ईसीजी, 2डी इको, बीएमडी, बीपी जांच, आरबीएस की सेवा का लाभ लिया। अवसर पर डॉ. गायत्री और डॉ. पूजिता, बीएमडी टेक मोहन और अनिल, 2डी इको टेक की सेवा अलकांडु, नर्सिंग स्टाफ संगीता माहेश्वरी और अंकित मार्केटिंग के उदय कुमार ने सहयोग दिया। रेनबो चिल्ड्रेन्स हार्ट इंस्टीट्यूट, बंजारा हिल्स, हैदराबाद के हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. अंशू दीवान, इको तकनीशियन श्रीलेखा नर्सिंग स्टाफ लोकय्या, माधवी प्रबंधक इरफ़ान सिद्दीकी ने सहयोग दिया। अवसर पर लायंस क्लब ऑफ हैदराबाद साधुराम आई हॉस्पिटल, डोमालगुड़ा द्वारा नेत्रों की जांच की गई जिसमें 73 लोगों को चश्मे तथा 11 लोगों को मोतियाबिंद के ऑपरेशन हेतु चयनित किया गया। के ट्रस्टी किशोर छाबरिया, नेत्र विशेषज्ञ भगवान एवं राजू, विजय लक्ष्मी सहित शिविर समन्वयक यदागिरी ने सेवा प्रदान की। अवसर पर डॉ. अखिल क्लिनिक के जनरल फिजिशियन, डॉ. अखिल सुगंधी, डॉ. मिनक सुगंधी ने सेवा प्रदान की।

अवसर पर फिजियोथैरेपी की सेवा बजाज फिजियो केयर के फिजियोथेरेपी डॉ. मीता बजाज ने दांत को जांच एसएनआर डेंटल के डॉ. नवनीत राज एवं डॉ. निखिल राज द्वारा की गई।

अवसर पर मुख्य अतिथि विधायक तलसानी श्रीनिवास यादव उपस्थित थे। शिविर को सफल बनाने में अग्रवाल सेवा दल के सलाहकार एवं पित्ती ट्रस्ट के चेयरमैन शरद बी पित्ती, शिविर संयोजक एवं अग्रवाल सेवा दल के प्रदीप अग्रवाल, सुधीर गुप्ता, अजीत गुप्ता, निखिल रानासरिया, दीपक गुप्ता, स्थानीय भागीदारी अग्रवाल समाज कृष्ण सखिया, नाचाराम-मल्लापुर शाखा की सुनैना नारसरिया, निशा गुप्ता, मंदाकिनी अग्रवाल, राधिका अग्रवाल, अतिमा अग्रवाल, माया नारसरिया, अग्रवाल समाज नाचाराम मल्लपुर शाखा के प्रदीप अग्रवाल, गोविंद अग्रवाल, प्रवीण अग्रवाल, मोहन नारसरिया, प्रतीक नारसरिया, सत्यनारायण अग्रवाल, जीबीयूपीएस स्कूल के मल्लिकार्जुन रेड्डी, पूर्व एचएम जी स्वरूपा, एचएम संध्या, सलिथा, सुनीता, परशुराम, महेश, दिनेश स्वयंसेवक अंजू गोयल, वन्दना अग्रवाल, संतोष अग्रवाल, राधेश्याम बियानी, अंकित सहित पित्ती लैमिनेशंस के सदस्य ने सहयोग दिया। शिविर का 441 से अधिक लोगों ने लाभ लिया।

एनआईआईएमएच द्वारा वनौषधि

और पोषण पर जागरूकता कार्यक्रम

हैदराबाद, 15 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान (एनआईआईएमएच), हैदराबाद ने 23 सितंबर को होने वाले 10वें आयुर्वेद दिवस समारोह और पोषण माह 2025 के उपलक्ष्य में वेंकटेश्वर जूनियर कॉलेज, दिलसुखनगर में एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों और अध्यापकों को वनौषधि और सही पोषण के महत्व से अवगत कराना था। यह आयोजन केंद्रीय आयुर्वेद विज्ञान अनुसंधान परिषद् (सीसीआरएएस), आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत डॉ.जी.पी. प्रसाद, सहायक निदेशक (प्रभारी), एनआईआईएमएच के कुशल मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। इस वर्ष की आयुर्वेद दिवस की थीम लोगों और धरती के लिए आयुर्वेद है, जो व्यक्तिगत स्वास्थ्य के साथ-साथ पर्यावरण की स्थिरता पर भी ध्यान केंद्रित करती है।

साथ ही, पोषण माह की थीम सुपोषित एवं समृद्ध भारत का निर्माण के अनुरूप, इस कार्यक्रम में स्वस्थ जीवनशैली और पोषण के मूलभूत सिद्धांतों पर प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम के दौरान, संस्थान के डॉ. नागराजू, अनुसंधानकर्ता (वनस्पति), ने रोजमर्रा के जीवन में काम आने वाली सामान्य वनस्पतियों की पहचान और उनके औषधीय गुणों के बारे में विस्तार से बताया। डॉ. संतोष माने, अनुसंधान अधिकारी (आयुर्वेद), ने आयुर्वेद शास्त्रों में वर्णित नियमों के अनुसार वनौषधियों के सही उपयोग और पोषण के लिए समय, मात्रा और अवस्था के आधार पर उनके सेवन का तरीका समझाया। संस्थान के श्री के. श्रीनिवास राव ने कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग के लिए कॉलेज के प्राचार्य श्री कामेश्वर राव और अन्य सभी अध्यापकों का धन्यवाद किया। इस अवसर पर जागरूकता से संबंधित जानकारी और शैक्षणिक सामग्री भी वितरित की गई। संस्थान ने सभी से आयुर्वेद दिवस समारोह में भाग लेने का भी आग्रह किया।

टीजीपीएचसी में इंजीनियर्स दिवस समारोह

हैदराबाद, 15 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारत रत्न मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया की जयंती के अवसर पर, तेलंगाना पुलिस हाउसिंग कॉर्पोरेशन (टीजीपीएचसी) के प्रबंध निदेशक एम. रमेश, आईपीएस ने आज टीजीपीएचसी कॉर्पोरेट कार्यालय में निगम के इंजीनियरों और कर्मचारियों की उपस्थिति में पुष्पांजलि अर्पित की। दूरदर्शी सिविल इंजीनियर, राजनेता और राष्ट्र निर्माता सर एम. विश्वेश्वरैया के अमूल्य योगदान के उपलक्ष्य में प्रतिवर्ष 15 सितंबर को इंजीनियर्स दिवस मनाया जाता है। सिंचाई, बाढ़ नियंत्रण और बुनियादी ढांचे के विकास में उनके अग्रणी कार्यों ने आधुनिक भारत की नींव रखी। समारोह को संबोधित करते हुए, प्रबंध निदेशक ने सभी इंजीनियरिंग कार्यों में सर विश्वेश्वरैया के आदर्शों और पेशेवर मूल्यों का पालन करने के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने तकनीकी उत्कृष्टता, अखंडता और नवाचार की आवश्यकता पर बल दिया, साथ ही कर्मचारियों से भविष्य में विविध क्षेत्रों में निगम के विकास को बनाए रखने और मजबूत करने के लिए उच्च प्रदर्शन के लिए प्रयास करने का आग्रह किया।

स्वतंत्र वार्ता

Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com

Epaper :
epaper.swatantravaartha.com

For Advertisement :
swadds1@gmail.com

एशिया कप 2025 के बीच मोहम्मद सिराज ने जीत लिया आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड

एक बार फिर चला मियां मैजिक

मुंबई, 15 सितंबर (एजेंसियां)। एशिया कप 2025 का धूम धड़ाका जारी है। टीम इंडिया शानदार प्रदर्शन से अपने अभियान को आगे बढ़ा रही है। इसी बीच भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने आईसीसी का बड़ा अवॉर्ड अपने नाम कर लिया है। उन्हें इंग्लैंड में खेली गई 5 मैचों की टेस्ट सीरीज में शानदार प्रदर्शन का इनाम मिला है। सिराज को एशिया कप 2025 में मौका नहीं मिला है।

आईसीसी ने अगस्त के लिए प्लेयर ऑफ द मंथ का खिताब मोहम्मद सिराज को दिया है। क्योंकि इस तेज गेंदबाज ने इंग्लैंड के खिलाफ खेली गई 5 मैचों की टेस्ट सीरीज में कमाल का प्रदर्शन किया था। सिराज ने इंग्लैंड दौरे पर अपने शानदार प्रदर्शन से टीम इंडिया को कई मैच जिताने में मदद की थी। उन्होंने भारत के लिए लगातार 5 टेस्ट इंग्लैंड के खिलाफ खेलकर अपनी बेहतरीन फिटनेस का सबूत दिया था। सिराज ने टेस्ट सीरीज में दो बार 5 विकेट हॉल भी लिया था। इसके अलावा इंग्लैंड के खिलाफ आखिरी मैच में सिराज ने वन मैन आर्मी की भूमिका निभाते हुए भारत को मैच जिताया था और सीरीज 2-2 से बराबर करने में मदद की थी।

सिराज ने सीरीज में झटके सबसे ज्यादा विकेट

इंग्लैंड के खिलाफ खेली गई 5 मैचों की टेस्ट सीरीज में मोहम्मद सिराज ने सबसे ज्यादा विकेट लिए थे। उन्होंने 9 पारियों में 32.43 की औसत के साथ 23 विकेट झटके थे। दूसरे नंबर पर इंग्लैंड के जोश टंग थे, जिन्होंने इस मैच में 19 बल्लेबाजों को अपना शिकार बनाया था। वहीं इस सीरीज में शुभमन गिल ने 754 रन बनाए थे। इसके अलावा जो रूट 537 रनों के साथ दूसरे नंबर पर थे।

रजत पाटीदार ने 3 महीने के अंदर घरेलू टीम को बनाया चैंपियन

जिताई दलीप ट्रॉफी 2025

बेंगलुरु, 15 सितंबर (एजेंसियां)। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 में आखिरकार 18 साल के इंतजार के बाद रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर ने अपना पहला खिताब जीता था। विराट कोहली की टीम ने 18वें सीजन को अपने नाम किया था। इस टीम की कप्तानी रजत पाटीदार ने की थी।

रजत पाटीदार की कप्तानी में आरसीबी ने पहला आईपीएल खिताब जीता था। अब महज तीन महीने के अंदर ही एक बार फिर से रजत पाटीदार की कप्तानी में टीम को जीत मिली है और उनकी टीम ने दलीप ट्रॉफी 2025 फाइनल में जीतकर चैंपियन खिताब को अपने नाम की है।

3 महीने में रजत पाटीदार ने जीता दूसरा फाइनल

जैसा कि हमने आपको बताया कि रजत पाटीदार की कप्तानी में आरसीबी ने अपना पहला खिताब जीता था। अब उनकी कप्तानी में ही सेंट्रल जोन ने दलीप ट्रॉफी 2025 अपने नाम कर ली है। कप्तान रजत ने 3 जून को आईपीएल 2025 का खिताब बतौर कप्तान आरसीबी को दिलाया था।

अब उन्होंने सेंट्रल जोन को दलीप ट्रॉफी का चैंपियन बना दिया है। यानी कि करीब 3 महीने में उन्होंने दो बड़े खिताब बतौर कप्तान जीते हैं। दलीप ट्रॉफी के फाइनल में सेंट्रल जोन को 6 विकेट से जीत हासिल हुई है।

आखिरी दिन हुआ मैच का फैसला

दलीप ट्रॉफी 2025 के फाइनल मैच की बात करें, तो सेंट्रल जोन की टीम के कप्तान रजत पाटीदार ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया था। पहली पारी में साउथ जोन की टीम 149 रनों पर ही ढेर हो गई थी। वहीं, सेंट्रल जोन ने पहली पारी में 511 रन बना डाले थे। फिर दूसरी पारी में साउथ जोन 426 रन ही बना सकी।

फिर मैच के आखिरी दिन सेंट्रल जोन ने 66 रन बनाकर जीत अपने नाम कर ली। रजत पाटीदार ने आरसीबी के बाद अपनी टीम को एक और खिताब जीता दिया। जिसके बाद सोशल मीडिया पर रजत पाटीदार की कप्तानी की काफी तारीफ हो रही है। आरसीबी फैंस एक बार फिर से अपने कप्तानी की जीत से काफी खुश हैं।

दलीप ट्रॉफी 2025 के फाइनल में खिलाड़ियों की परफॉर्मेंस के बारे में बात करें, तो साउथ जोन की पहली पारी के खिलाफ सारांश जैन ने 5 विकेट और कुमार कार्तिकेय ने 4 विकेट अपने नाम किए हैं। पहली पारी में साउथ जोन का एक भी बल्लेबाज हाफ सेंचुरी भी नहीं लगा सका। वहीं, सेंट्रल जोन की बल्लेबाजी ने साउथ जोन के गेंदबाजों की धज्जियां उड़ा थी।

खासतौर पर यश राठौड़ ने, उन्होंने पहली पारी में सेंट्रल जोन के लिए 194 रन का आंकड़ा बनाया। इस दौरान यश राठौड़ ने 17 चौके और दो छक्के भी लगाए थे। इसी के साथ ही कप्तान रजत पाटीदार ने भी 104 रनों की धमाकेदार पारी खेली थी। वहीं, सारांश जैन ने 69 रन और दानिश मालेवार ने 53 रन बनाए थे। साउथ जोन की ओर से 4-4 विकेट गुरजपनीत सिंह और अंकित शर्मा को मिले थे। इसके बाद दूसरी पारी में साउथ जोन ने 426 रन बनाए।

इस तरह महज 65 रनों का लक्ष्य सेंट्र जोन को मिला। साउथ जोन की ओर से कोई शतक तो नहीं लगा, लेकिन 99 रनों की पारी अंकित शर्मा ने खेली। 84 रन आंद्रे सिद्धार्थ ने बनाए और 67 रन स्मरण रविचंद्रन ने बनाए। इसके बाद मैच के आखिरी दिन 65 रनों का लक्ष्य हासिल करके सेंट्रल जोन ने 4 विकेट के नुकसान पर जीत हासिल की और दलीप ट्रॉफी अपने नाम कर ली।

सौरव गांगुली का फिर बंगाल क्रिकेट एसोसिएशन प्रेसिडेंट बनना संभव

उनके खिलाफ किसी प्रत्याशी का नॉमिनेशन नहीं, बड़े भाई स्नेहाशीष गांगुली की जगह लेंगे

कोलकाता, 15 सितंबर (एजेंसियां)। एशिया कप 2025 के बीच भारतीय क्रिकेट के दिग्गज और पूर्व कप्तान सौरव गांगुली अपने नए रोल के लिए चर्चा में हैं. दादा के नाम से मशहूर ये दिग्गज एक बार फिर क्रिकेट प्रशासन में एंट्री कर चुका है. गांगुली दूसरी बार क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बंगाल के अध्यक्ष बनने जा रहे हैं. उन्होंने इस पद के लिए नामांकन दाखिल किया और चूंकि उनके खिलाफ कोई अन्य उम्मीदवार नहीं है, ऐसे में गांगुली का निर्विरोध चुना जाना तय माना जा रहा है.

सौरव गांगुली की इस पद पर यह दूसरी पारी होगी. इससे पहले गांगुली 2015 से 2019 तक सीएबी के अध्यक्ष रह चुके हैं. इस बार गांगुली ने अपने बड़े भाई

स्नेहाशीष गांगुली की जगह लेने जा रहे हैं, जो 2019 से सीएबी अध्यक्ष थे.

22 सितंबर को क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बंगाल के आगामी चुनाव होने वाले हैं. इस बार गांगुली के साथ-साथ उनके पैनल के दूसरे सदस्य भी निर्विरोध चुने जाएंगे. इस पैनल में वाइस प्रेसिडेंट के लिए नितीश रंजन दत्ता, सेक्रेटरी के लिए बबलू कोले, जॉइंट सेक्रेटरी के लिए मदन मोहन घोष और कोषाध्यक्ष के लिए संजय दास का नाम है.

नए रोल को लेकर गांगुली ने कहा कि 'मैं सभी के सपोर्ट के लिए शुक्रिया अदा करता हूं. सीएबी में कोई विपक्ष नहीं है, हर कोई इस एसोसिएशन का हिस्सा है. हम सब मिलकर सीएबी और बंगाल क्रिकेट को आगे बढ़ाने के लिए काम करेंगे. गांगुली ने बताया कि वो कैसे बंगाल क्रिकेट को आगे ले जाएंगे. उन्होंने कहा भारत का दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट मैच, टी20 वर्ल्ड कप और बंगाल प्रो टी20 लीग जैसे कई बडे इवेंट्स ईडन गार्डन्स में होने वाले हैं. मैं अपना बेस्ट देने की कोशिश करूंगा.

सौरव गांगुली खुद 2019 से 2022 तक बीसीसीआई अध्यक्ष रह चुके हैं. उनके बाद रोजर बिन्नी ने यह जिम्मेदारी संभाली थी. अब एक बार फिर 28 सितंबर को होने वाले बीसीसीआई चुनावों से पहले गांगुली का नाम चर्चा में है. उन्हें सीएबी ने बीसीसीआई की एजीएम के लिए अपना प्रतिनिधि भी बनाया है. इसलिए उनके बीसीसीआई अध्यक्ष पद की रेस में शामिल होने की अटकलें और तेज हो गई हैं.

बीसीसीआई अध्यक्ष पद के लिए नामांकन 20-21 सितंबर को दाखिल किए जाना है. हालांकि गांगुली से जब बीसीसीआई अध्यक्ष के तौर पर वापसी की संभावना पर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा इस बारे में कोई अनुमान न लगाएं. गांगुली भले ही कुछ कहें, लेकिन रिपोर्ट्स ये दावा कर रही हैं कि उनका नाम एक बार फिर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड की अध्यक्ष पद की रेस में है.

अमित शाह ने किया वीर सावरकर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का उद्घाटन

कहा-अहमदाबाद बनेगा देश की खेल राजधानी

अहमदाबाद, 15 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि सरकार का लक्ष्य 2047 तक भारत को हर क्षेत्र में नंबर एक बनाना है। उन्होंने यह बात गुजरात में अहमदाबाद के नारणपुरा में निर्मित वीर सावरकर खेल परिसर का उद्घाटन करते हुए कही। खेल परिसर को भारत का सबसे बड़ा और विश्व में सबसे उन्नत परिसर बताते हुए उन्होंने कहा कि यह खिलाड़ियों को उच्चतम स्तर पर प्रदर्शन करने तथा विश्व भर में पदक जीतने के लिए प्रेरित करेगा। 2047 तक भारत को हर क्षेत्र में दुनिया में नंबर एक बनाना लक्ष्य है। अगर दुनिया में सबसे पहले कहीं खेल शुरू हुआ होगा तो वह भारत में ही हुआ होगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने न केवल योजना बनाई, बल्कि खिलाड़ियों को अच्छा प्रशिक्षण मिले और चयन प्रक्रिया पारदर्शी तरीके से हो, इसकी व्यवस्था भी की है। उन्होंने देश में खेलों में बदलाव का श्रेय प्रधानमंत्री को दिया।

वीर सावरकर को श्रद्धांजलि देते हुए उन्होंने कहा कि सावरकर जंजीरों में जकड़े हुए फ्रांस के पास एक बंदरगाह से समुद्र में कूद गए थे। अंग्रेजों ने उन्हें पकड़ लिया और भारत ले आए। सावरकर एकमात्र ऐसे व्यक्ति थे जिन्हें एक ही जीवन में दो आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी। उन्होंने कहा कि यहां खेलने आने वाले खिलाड़ी दुनिया भर में खेलने और पदक जीतने के लिए प्रेरित होंगे। परिसर में न केवल खिलाड़ियों के लिए बल्कि प्रशिक्षकों के लिए भी आधुनिक बुनियादी ढांचा और चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध हैं। यहां खिलाड़ियों का खेल स्लो मोशन में देखने की सुविधा भी उपलब्ध है। यह पूरी तरह से हरित खेल परिसर भारत सरकार और गुजरात सरकार द्वारा निर्मित है।

भारत सिर्फ एक तरीके से ही हार सकता है

वीरेंद्र सहवाग ने पाकिस्तान की हार के बाद किया कमेंट

मुंबई, 15 सितंबर (एजेंसियां)। भारत और पाकिस्तान के बीच एशिया कप में मुकाबला एकतरफा हुआ. टीम इंडिया ने बड़ी आसानी से मुकाबला 7 विकेट से जीत लिया. इस मुकाबले में टीम इंडिया इतनी ताकतवर नजर आई कि ऐसा लग रहा है कि इस टीम को हराना मुश्किल ही नहीं नामुमकिन है, हालांकि पूर्व क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग ने इस टीम को हराने का तरीका बताया है. वीरेंद्र सहवाग ने पाकिस्तान की हार के बाद कहा कि भारतीय टीम सिर्फ एक ही तरीके से हार सकती है. आइए आपको बताते है वीरेंद्र सहवाग ने आखिर क्या कहा है.

सहवाग ने बताया-कैसे हारेगी टीम इंडिया?

वीरेंद्र सहवाग ने सोनी स्पोर्ट्स से बातचीत में कहा कि टीम इंडिया बेहद ताकतवर है और उसे

तभी हराया जा सकता है जब वो खुद बहुत खराब खेले. सहवाग बोले, 'भारतीय टीम बेहद अच्छी है, जब वो बहुत खराब खेलेगी तो ही हारेगी. टीम बेहद अच्छी फॉर्म में है, उसका कॉम्बिनेशन अच्छा है, अच्छे गेंदबाज, बल्लेबाज हैं. इस टीम में 6-7 गेंदबाज हैं. दूसरी टीम को बस दुआ करनी होगी कि भारत का दिन बहुत खराब हो और उनका अच्छा हो तभी ये टीम हार सकती है. इस भारतीय टीम को हराना थोड़ा मुश्किल है.

अजय जडेजा ने बताया दुनिया में बेस्ट

अजय जडेजा ने भी टीम इंडिया को बेस्ट बताया, उन्होंने इस टीम को दुनिया की सबसे ताकतवर टी20 टीम बता दिया. जडेजा ने कहा, 'भारतीय टीम बहुत ही अच्छी है. ये मैच या टूर्नामेंट नहीं, आप किसी भी टूर्नामेंट को देखें पिछले एक-डेढ़ सालों में, पिछला वर्ल्ड कप भी आप जीते हैं, टेस्ट मैच ड्रॉ जरूर हो गया, वो आप छोड़ दीजिए, इस वक्त टी20 फॉर्मेट में दुनिया की कोई टीम इनके आगे नहीं टिकती.'

भारत है जीत का बड़ा दावेदार

टीम इंडिया ने एशिया कप के दोनों मैच एकतरफा अंदाज में जीते हैं. पहले मुकाबले में यूएई पर 9 विकेट से जीत मिली थी वहीं दूसरी मैच में टीम इंडिया पाकिस्तान को 7 विकेट से हराने में कामयाब रही. भारतीय टीम सुपर 4 में पहुंच चुकी है और ऐसा लग रहा है कि ये टीम बड़ी आसानी से फाइनल में एंट्री करेगी. टीम इंडिया के प्रदर्शन को देखकर यही लग रहा है कि खिताब भी उसके नाम ही होगा.

137 बल्लेबाजों के बीच अभिषेक शर्मा बने नंबर 1

टी20 में एक साल में ऐसा करने वाले इकलौते खिलाड़ी

नई दिल्ली, 15 सितंबर (एजेंसियां)। एशिया कप 2025 में अभिषेक शर्मा की धमाकेदार पारियां टीम इंडिया के लिए जीत की बुनियाद रख रही है. यूएई के खिलाफ 16 गेंदों में ताबड़तोड़ 30 रन जमाने वाले अभिषेक ने पाकिस्तान के खिलाफ तो सिर्फ 13 गेंदों में ही 31 रन कूट दिए. पाकिस्तान के खिलाफ अभिषेक शर्मा ने 238.46 की स्ट्राइक रेट से रन बनाए. ऐसा करते हुए अब वो दुनिया के 137 बल्लेबाजों के बीच नंबर 1 बने हैं. T20 क्रिकेट में वो तूफान बनकर ऐसे छाए हैं कि बीते एक साल में अपने नाम का डंका पीट दिया है.

इस मामले में 137 बल्लेबाजों के बीच नंबर 1 बने

अब सवाल है कि अभिषेक शर्मा ने किया क्या है? आखिर कैसे उन्होंने एक साथ 137

बल्लेबाजों को पीछे छोड़ा है? तो इन सवालों के जवाब T20 क्रिकेट में उनके बनाए रनों की संख्या और उस दौरान के उनके स्ट्राइक रेट से जुड़े हैं. साल 2024 से अब तक दुनिया भर के 137 बल्लेबाजों ने टी20 क्रिकेट में 1000 या उससे ज्यादा रन बनाए हैं. अभिषेक शर्मा उन्हीं बल्लेबाजों के बीच नंबर वन हैं.

अभिषेक शर्मा नंबर वन रनों के मामले नहीं हैं. बल्कि इस वजह से हैं क्योंकि वो इतने रन 200 या उससे ज्यादा की स्ट्राइक रेट से बनाने वाले इकलौते बल्लेबाज हैं. बाएं हाथ के ओपनर ने T20 क्रिकेट में 200 प्लस की स्ट्राइक रेट से 1900 से ज्यादा रन बनाए हैं.

एशिया कप 2025 में भारत के सबसे सफल बल्लेबाज

एशिया कप 2025 के सबसे सफल बल्लेबाजों की बात करें तो पहले 2 मैचों के बाद यहां अभिषेक शर्मा नंबर 1 हैं. उन्होंने 2 मैचों की 2 पारियों में 39 गेंदों का सामना करते हुए 210 से ज्यादा की स्ट्राइक रेट से 61 रन बनाए हैं. इन दोनों मैचों को मिलाकर अभिषेक शर्मा ने बल्ले से कुल 6 चौके और 5 छक्के जड़े हैं. टूर्नामेंट में अब तक अफगानिस्तान के अजमतुल्लाह उमरजई के साथ अभिषेक शर्मा संयुक्त तौर पर सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज हैं.

अभिषेक शर्मा की रखी तेज-तर्रार बुनियाद के दम भारत ने पहले टी20 में यूएई को 9 विकेट से हराया था. जबकि दूसरे मैच में पाकिस्तान को 7 विकेट से शिकस्त दी है.

ओलंपिक पदक विजेता पहलवान अमन सहरावत वर्ल्ड रेसलिंग चैंपियनशिप से बाहर

अधिक वजन से छिना मौका

जाग्रेब, 15 सितंबर (एजेंसियां)। भारत की कुश्ती टीम को बड़ा झटका लगा है। ओलंपिक पदक विजेता अमन सहरावत को जाग्रेब (क्रोएशिया) में चल रही वर्ल्ड चैंपियनशिप से अयोग्य करार दिया गया।इसका कारण तो और भी चौंकाने वाला है। उनका वजन तय सीमा से ज्यादा पाया गया और उन्हें अयोग्य घोषित कर दिया गया।

1.7 किलो अधिक वजन निकला

पेरिस ओलंपिक 2024 में कांस्य पदक जीतने वाले अमन का वजन पुरुष फ्रीस्टाइल 57 किग्रा वर्ग में प्रतियोगिता से पहले हुए वजन मापन (वेट-इन) में 1.7 किलो ज्यादा पाया गया। भारतीय दल के एक सदस्य ने बताया, 'यह दुर्भाग्यपूर्ण और चौंकाने वाला है कि अमन अपना वजन नियंत्रित नहीं कर पाए। जब उन्होंने वेटिंग स्केल पर खड़ा होकर वजन कराया, तो वे 1700

ग्राम अधिक पाए गए। यह वास्तव में स्वीकार्य नहीं है। हमें समझ नहीं आ रहा कि उनका वजन इतना कैसे बढ़ गया।'

25 अगस्त से जाग्रेब में थे अमन

अमन 25 अगस्त को अन्य भारतीय पहलवानों के साथ एडजस्टमेंट (अक्लिमेटाइजेशन) कैंप के लिए जाग्रेब पहुंचे थे। ऐसे में उनके पास वजन बनाने के लिए पर्याप्त समय था। 22 वर्षीय अमन सेहरावत दिल्ली के मशहूर छत्रसाल स्टेडियम में ट्रेनिंग करते हैं। वे इस वर्ल्ड चैंपियनशिप में भारत के सबसे मजबूत पदक दावेदारों में से एक माने जा रहे थे।

विनेश फोगाट का मामला याद आया

भारत को पेरिस ओलंपिक 2024 में तब बड़ा झटका लगा था, जब दिग्गज पहलवान विनेश फोगाट को फाइनल से पहले उनके बढ़े हुए वजन को लेकर डिस्क्वालिफाई कर दिया गया। वजन मापने के दौरान 29 वर्षीय विनेश का वजन 100 ग्राम अधिक पाया गया और इसी कारण उन्हें 50 किग्रा फ्रीस्टाइल फाइनल से पहले अयोग्य घोषित कर दिया गया। विनेश ने तमाम कोशिशें कीं, लेकिन निर्धारित वजन सीमा के अंदर नहीं पहुंच सकी थीं। इस घटना के चलते भारत ओलंपिक में एक संभावित पदक से चूक गया था।

टीम की सरेआम 'बेइज्जती' से बौखलाए पूर्व पाकिस्तानी कप्तान

बोले- ये कलंक जिंदगी भर रहेगा

इस्लामाबाद, 15 सितंबर (एजेंसियां)। भारत ने एशिया कप के छठे मैच में पाकिस्तान को करारी हार थमाई. मैच में पूरी तरह से टीम इंडिया ने डॉमिनेट किया और 7 विकेट से जीत दर्ज की. मैच के बाद भारतीय टीम के प्लेयर्स सीधा ड्रेसिंग रूम में चले गए और पाकिस्तान से हाथ नहीं मिलाया. ये काफी ज्यादा चर्चा का विषय बना है और अब पूर्व पाकिस्तानी कप्तान राशिद लतीफ ने अपनी टीम की सरेआम बेइज्जती होने पर चुप्पी तोड़ी और बताया कि हाथ नहीं मिलाने पाने का कलंक हमेशा रहेगा. टीओआई से बात करते हुए पूर्व पाक कप्तान राशिद लतीफ ने कहा, 'युद्ध पहले भी हुए हैं लेकिन हमने हमेशा हाथ मिलाया है. ये चीजें जिंदगी भर के लिए कलंक बनकर रहेंगी.' लतीफ ने कहा कि वो अपने-अपने देश का नेतृत्व करते हैं और उन्हें नहीं लगता कि हाथ नहीं मिलाना सही था. पूर्व पाकिस्तान खिलाड़ी ने ये भी कहा कि पहलगाम आतंकी हमले को लेकर खुद का विचार रखना सही है लेकिन जब आप मैदान पर आते हैं, तो सही तरह से खेलना चाहिए. राशिद लतीफ ने बातचीत के दौरान कहा, 'अगर पाकिस्तान पहलगाम आतंकी हमले में शामिल था, तो जिम्मेदारों को पकड़िए. भारत को जंग ही कर लेना था और पीछे नहीं हटना था. मैदान पर जो हुआ, वो ठीक नहीं था.' राशिद को ये चीज पसंद नहीं आई और उन्हें लगता है कि टीम इंडिया ने गलत प्रभाव छोड़ा है. मैच के बाद पाकिस्तान टीम के हेड कोच माइक हैसन का भी बयान आया. उन्होंने बताया कि टीम के प्लेयर्स भारतीय खिलाड़ियों से मैच के बाद हाथ मिलाना चाहते थे लेकिन ऐसा नहीं हुआ है. हैसन को ये बात पसंद नहीं आई और उनके हिसाब से ये गलत बात थी. आपको बता दें कि मैच प्रेजेंटेशन सेरेमनी के दौरान पाकिस्तान के कप्तान सलमान अली आगा भी नजर नहीं आए.

ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ वनडे के लिए इंडिया ए टीम का ऐलान, रोहित-विराट का नाम नहीं

पहले मैच में रजत होंगे कप्तान

नई दिल्ली, 15 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड की सीनियर चयन समिति ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ कानपुर में 30 सितंबर से 5 अक्टूबर के बीच होने वाले 3 मैचों की वनडे सीरीज के लिए इंडिया ए टीम का ऐलान कर दिया। इस स्क्वाड में भारत के वनडे कप्तान रोहित शर्मा और पूर्व कप्तान विराट कोहली का नाम नहीं है।

कयास लगाए जा रहे थे कि ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले दोनों खिलाड़ी इंडिया ए के लिए खेल सकते हैं, लेकिन ऐसा नहीं होगा। रोहित और विराट टी20 और टेस्ट से संन्यास ले चुके हैं। आईपीएल 2025 के बाद से प्रतिस्पर्धी क्रिकेट नहीं खेले हैं। दोनों ने भारत के लिए 9 मार्च 2025 के बाद से नहीं खेले हैं। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के फाइनल में न्यूजीलैंड को हराकर भारत के चैंपियन बनने के बाद वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से दूर हैं।

पहले वनडे में रजत पाटीदार कप्तान होंगे

पहले वनडे के लिए अलग टीम चुनी गई है और दूसरे और तीसरे मैच के लिए अलग टीम का चयन हुआ है। पहले वनडे में रजत पाटीदार कप्तान होंगे। दूसरे और तीसरे मैच के स्क्वाड में तिलक वर्मा, हर्षित राणा और अर्शदीप सिंह को चुना गया है, जो एशिया कप 2025 का हिस्सा हैं। दूसरे और तीसरे वनडे में तिलक कप्तानी करेंगे।

पहले वनडे मैच के लिए भारत ए टीम

रजत पाटीदार (कप्तान), प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), रियान पराग, आयुष बडोनी, सूर्यांश शेडगे, विप्रज निगम, निशांत सिंधु, गुरजापनीत सिंह, युद्धवीर सिंह, रवि बिश्नोई, अभिषेक पोरेल (विकेटकीपर), प्रियांश आर्य, सिमरजीत सिंह।

दूसरे और तीसरे वनडे के लिए भारत ए टीम

तिलक वर्मा (कप्तान), रजत पाटीदार (उपकप्तान), अभिषेक शर्मा, प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), रियान पराग, आयुष बदोनी, सूर्यांश शेडगे, विप्रज निगम, निशांत सिंधु, गुरजापनीत सिंह, युद्धवीर सिंह, रवि बिश्नोई, अभिषेक पोरेल (विकेटकीपर), हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह।

बंड़ी संजय ने नागपुर-सिकंदराबाद वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाई

हैदराबाद, 15 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंड़ी संजय ने सोमवार को मंचिर्याल रेलवे स्टेशन पर ठहराव के साथ ट्रेन संख्या 20101 नागपुर-सिकंदराबाद वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाई। इस अवसर पर तेलंगाना के श्रम एवं रोजगार मंत्री विवेक वेंकट स्वामी, पेद्दापल्ली के सांसद वामसी कृष्णा, विधान परिषद सदस्य सी. अंजी रेड्डी और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। सिकंदराबाद मंडल के मंडल रेल प्रबंधक डॉ.आर. गोपालकृष्णन, दक्षिण मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी ए. श्रीधर और अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

इस अवसर पर बोलते हुए, बंडी संजय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में तेलंगाना राज्य सभी क्षेत्रों में अभूतपूर्व विकास देख रहा है। उन्होंने कहा कि वंदे भारत एक्सप्रेस भारत में एक बड़ी सफलता रही है और देश भर में 150 से ज़्यादा ऐसी ट्रेनें चल रही हैं। 2024-25 के दौरान तेलंगाना के लिए रेलवे बजट अनुदान 5,337 करोड़ रुपये है, जो 2014-15 के 258 करोड़ रुपये के बजट की तुलना में 20 गुना से भी ज्यादा है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना में 4,300 किलोमीटर की दूरी के लिए नई लाइनें, दोहरीकरण, तिहरीकरण आदि जैसी लगभग 40 बुनियादी ढाँचा परियोजनाएं 42,000 करोड़ रुपये की लागत से चल रही हैं। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत तेलंगाना के विभिन्न स्टेशनों का विश्व स्तरीय सुविधाओं के साथ पुनर्विकास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मंचिर्याल स्टेशन पर वंदे भारत एक्सप्रेस के रुकने से इस क्षेत्र के लोगों की आकांक्षाएं पूरी हुई हैं। उन्होंने कहा कि मंचिर्याल के आसपास के इलाकों के लोगों के पास सिकंदराबाद और नागपुर की ओर सबसे तेज यात्रा विकल्प होगा। यह ट्रेन आधुनिक सुविधाओं से लैस है और इस क्षेत्र के लोग अब प्रीमियम डे जर्नी और आरामदायक यात्रा का अनुभव कर सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि मंचिर्याल स्टेशन पर 12 मीटर चौड़ा फुटओवर ब्रिज, लिफ्ट, एस्केलेटर और अन्य यात्री सुविधाओं जैसे कई विकास कार्य होंगे, जो उनकी यात्रा को और अधिक आरामदायक और यादगार बना देंगे। इस अवसर पर बोलते हुए, जी. विवेक वेंकट स्वामी ने कहा कि मंचिर्याल स्टेशन तेलंगाना के महत्वपूर्ण रेलवे स्टेशनों में से एक है और इस क्षेत्र के लोगों के लाभ के लिए इस स्टेशन पर महत्वपूर्ण ट्रेनों का ठहराव अत्यंत आवश्यक है।

जी. वामशी कृष्णा ने कहा कि किसी भी ट्रेन का ठहराव प्रदान करने से कनेक्टिविटी मजबूत होगी और यह क्षेत्र के आर्थिक विकास को बढ़ावा देने का आधार है। उन्होंने यह भी कहा कि मंचिर्याल में ठहराव प्रदान करने से इस क्षेत्र की कोयला खदानों, कारखानों और ताप विद्युत संयंत्रों में काम करने वाले लोगों को भी लाभ होगा।

आईटी कर्मचारियों की कार पलटी, महिला की मौत

मंदिर से लौटते समय हुआ हादसा, सात अन्य घायल

हैदराबाद, 15 सितम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। आईटी कर्मचारियों के एक समूह के लिए सप्ताहांत में मंदिर जाना दुखद घटना में बदल गया, जब रविवार रात पेद्दा अम्बरपेट के पास आउटर रिंग रोड पर उनकी कार कथित रूप से पलट गई। हादसे में 26 वर्षीय इन्फोसिस कर्मचारी सौम्या रेड्डी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि सात अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के मुताबिक, इंफोसिस के कर्मचारी सरलम्मा टांडा मैसम्मा मंदिर से लौट रहे थे। बोंगुलुर गेट से पोचारम की ओर बढ़ते समय उनकी गाड़ी का नियंत्रण अचानक बिगड़ गया। कार कई बार फिसलने और पलटने के बाद सड़क किनारे जाकर रुकी। घटना में सौम्या रेड्डी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि घायल सातों को पास के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहाँ उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। पुलिस का मानना है कि तेज़ रफ़्तार और स्टीयरिंग व्हील पर नियंत्रण खोने के कारण यह दुर्घटना हुई। मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

भाजपा ने भारत-पाकिस्तान क्रिकेट पर राहुल और ओवैसी के दोहरे रवैये की आलोचना की

हैदराबाद, 15 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना भाजपा ने सोमवार को एशिया कप में भारत-पाकिस्तान क्रिकेट मैच को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी और एआईएमआईएम नेता असदुद्दीन ओवैसी के दोहरे रवैये और पाखंड की आलोचना की। पार्टी ने सवाल किया कि क्या राहुल गांधी और असदुद्दीन ओवैसी (जिन्होंने पहले भारत से मैच का बहिष्कार करने की मांग की थी) अब टीम इंडिया से पाकिस्तान की सात विकेट से शर्मनाक हार का शोक मना रहे हैं। राज्य भाजपा के मुख्य प्रवक्ता और मीडिया प्रभारी एन.वी. सुभाष ने कहा कि यह विडंबना ही है कि वही राहुल गांधी और उनके भारतीय गठबंधन सहयोगी, जिन्होंने कभी पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत के हवाई हमलों के सबूत मांगे थे और ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तानी लड़ाकू विमानों को मार गिराए जाने पर सवाल उठाए थे, अचानक चुप हो गए हैं। सुभाष ने पूछा, अब वे चुप क्यों हो गए हैं? क्या ये वही नेता नहीं हैं जो पाकिस्तान के झूठ को दोहराते थे और यहां तक कि डोनाल्ड ट्रंप के झूठ को दोहराते हुए हमारे सशस्त्र बलों का मजाक उड़ाते थे? भाजपा ने लोगों को याद दिलाया कि यह पहली बार नहीं है जब कांग्रेस और उसके सहयोगियों ने भारतीय सैनिकों की बहादुरी पर संदेह जताया है। सुभाष ने आगे कहा, पुलवामा से लेकर सर्जिकल स्ट्राइक तक, विपक्ष ने बार-बार हमारी सेना को कमजोर करने की कोशिश की है- जो केंद्र में कांग्रेस के छह दशकों के शासन में अनसुना है। टीम इंडिया की शानदार जीत की सराहना करते हुए, सुभाष ने कप्तान सूर्यकुमार यादव का हवाला दिया, जिन्होंने कहा कि टीम ने पहलगाम में निर्दोष लोगों की जान लेने वाले पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद का बदला लेने के लिए खेला। सुभाष ने कहा, यह जीत सिर्फ़ एक खेल की जीत नहीं है, यह आतंकवाद के पीड़ितों और हमारे सशस्त्र बलों की वीरता को श्रद्धांजलि है। उन्होंने मैच से पहले और बाद में भारतीय टीम द्वारा अपने प्रतिद्वंद्वियों से हाथ मिलाने से इनकार करने की भी सराहना की, जो खेल जगत में एक दुर्लभ नजारा है। मैच खेलने के बीसीसीआई के फैसले पर स्पष्टीकरण देते हुए, सुभाष ने कहा कि यह आईसीसी के नियमों के तहत लिया गया एक सोची-समझी रणनीति थी, क्योंकि बहुपक्षीय आयोजनों का एकतरफा बहिष्कार सदस्यता निलंबन का कारण बन सकता है। उन्होंने कहा, विपक्ष को हर फैसले को केवल पैसे के चश्मे से देखना बंद कर देना चाहिए, जिसके लिए बीसीसीआई ने समझदारी से काम लिया।

जूपल्ली ने कवि सम्मेलन के पोस्टर का अनावरण किया

हैदराबाद, 15 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना साहित्य अकादमी, तेलंगाना सरकार द्वारा आयोजित प्रतिष्ठित बतुकम्मा उत्सव समारोह के अंतर्गत कवि सम्मेलन का आयोजन करेगी।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जुपल्ली कृष्ण राव ने सोमवार को इस कार्यक्रम के पोस्टर का अनावरण किया और घोषणा की कि यह 24 सितंबर को आयोजित होगा। यह कार्यक्रम रवींद्र भारती में तेलंगाना साहित्य अकादमी के सहयोग से आयोजित किया जाएगा। कवि बतुकम्मा उत्सव के अनूठे पहलुओं पर प्रकाश डालने वाली रचनाएं प्रस्तुत करेंगे और महिला कवि सामूहिक बतुकम्मा समारोह में भाग लेंगी। साहित्य अकादमी के सचिव डॉ. नमोजू बालाचारी, साहित्यकार मुचारला दिनाकर, ओद्दिराजू प्रवीण कुमार और अन्य ने कार्यक्रम में भाग लिया।

महबूबनगर में पकड़ा गया तेंदुआ

वन विभाग के पिंजरे में पाया काबू

महबूबनगर, 15 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के तिरुमाला देव गुट्टा में पिछले तीन महीने से घूम रहा तेंदुआ आखिरकार सोमवार को पिंजरे में कैद हो गया। मंदिर की पहाड़ी और आसपास के इलाकों में कई बार दिखाई देने से स्थानीय लोग दहशत में थे। श्रद्धालु भी हर तीन-चार दिन पर उसकी मौजूदगी से भयभीत हो रहे थे।

कुछ मौकों पर यह तेंदुआ रिहायशी इलाकों के पास तक पहुँच गया था। वन विभाग ने कैमरा ट्रैप लगाकर उसकी गतिविधियों की पुष्टि तो कर ली थी, लेकिन पकड़ने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। इसके लिए दो पिंजरे लगाए गए थे।

सोमवार सुबह स्थानीय लोगों ने देखा कि तेंदुआ एक पिंजरे में फंस गया है और तुरंत अधिकारियों को सूचना दी।

वन अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर तेंदुए का स्वास्थ्य परीक्षण कराया। जरूरत पड़ने पर उसे आगे की जांच और इलाज के लिए हैदराबाद के नेहरू जूलॉजिकल पार्क भेजा जाएगा। पशु चिकित्सकों की सलाह के आधार पर, स्वस्थ पाए जाने पर तेंदुए को वापस जंगल में छोड़ा जाएगा।

पूर्व डिप्टी सीएम टी. राजैया नजरबंद

किसानों के समर्थन में प्रस्तावित पदयात्रा से पहले कार्रवाई

हनमकोंडा, 15 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व उपमुख्यमंत्री और स्टेशन घनपुर के पूर्व विधायक टी. राजैया को सोमवार सुबह सूबेदारी पुलिस ने उनके हनमकोंडा स्थित आवास पर नजरबंद कर दिया। यह कदम उनकी पदयात्रा के तीसरे चरण की शुरूआत से ठीक कुछ घंटे पहले उठाया गया। राजैया ने रघुनाथपल्ले मंडल के कुरचापल्ले से पदयात्रा शुरू करने का ऐलान किया था। इस यात्रा का मकसद किसानों की सिंचाई के लिए पानी की मांग को उजागर करना था। पदयात्रा में जनगांव विधायक पल्ला राजेश्वर रेड्डी के भी शामिल होने की उम्मीद थी। इसी बीच, स्टेशन घनपुर मंडल के राघवपुर में भीड़ को रोकने के लिए भारी पुलिस बल की तैनाती की गई।

राजैया ने इस कार्रवाई को लोकतांत्रिक विरोध को दबाने का प्रयास बताते हुए निंदा की। उन्होंने कहा कि चाहे मेरे रास्ते में कितनी भी बाधाएं क्यों न आएं, मैं किसानों के लिए अपना संघर्ष जारी रखूंगा। बीआरएस कार्यकर्ताओं ने भी कांग्रेस सरकार और विधायक काडियम श्रीहरि पर हमला बोला और नजरबंदी को तानाशाही रवैया करार दिया।

हैदराबाद में पासपोर्ट सेवा केंद्रों का स्थानांतरण

तकनीकी खराबी से आवेदकों की परेशानी, अपॉइंटमेंट रद्द

हैदराबाद, 15 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अमीरपेट और टोलीचौकी स्थित पासपोर्ट सेवा केंद्रों (पीएसके) के नए परिसर में स्थानांतरण के बाद सोमवार को आवेदकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। ऑनलाइन अपॉइंटमेंट लेने वाले सैकड़ों आवेदकों को केंद्रों पर लौटना पड़ा क्योंकि उनकी नियुक्तियां अचानक रद्द कर दी गईं।

कई आवेदकों को उनके अपॉइंटमेंट से आधे घंटे पहले ही एसएमएस अलर्ट मिला, जिसमें बताया गया कि तकनीकी खराबी के चलते उनका अपॉइंटमेंट रद्द कर दिया गया है और उन्हें नया अपॉइंटमेंट बुक करने की सलाह दी गई। इस पर एक आवेदक ने नाराजगी जताते हुए कहा कि आरपीओ अधिकारियों को कम से कम एक सप्ताह पहले सूचना देनी चाहिए थी।

बंद किए गए पुराने केंद्रों पर सुरक्षाकर्मी आवेदकों को नए पते बता रहे हैं। अमीरपेट पीएसके को अब एमजीबीएस मेट्रो स्टेशन पर और टोलीचौकी पीएसके को ओल्ड मुंबई रोड, रायदुर्ग स्थित सिरी बिल्डिंग में स्थानांतरित किया गया है। आधिकारिक जानकारी के अनुसार, ये दोनों पासपोर्ट सेवा केंद्र 16 सितंबर से अपने नए स्थानों से सेवाएं शुरू करेंगे।

टैरिफ से आंध्र के झींगा निर्यात को हो सकता है 25000 करोड़ का नुकसान

> सीएम नायुडू ने केंद्र से मांगी मदद

नई दिल्ली, 15 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अमेरिकी टैरिफ से आंध्र प्रदेश के झींगा निर्यात को 25,000 करोड़ रुपये का नुकसान हो सकता है। राज्य के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायुडू ने इसे लेकर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि 50 प्रतिशत तक निर्यात ऑर्डर रद्द हो गए हैं।

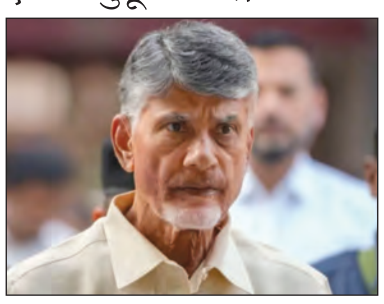

निर्यात पर 600 करोड़ रुपये तक का कर लगा :

नायुडू ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल और मत्स्य पालन मंत्री राजीव रंजन सिंह को पत्र लिखा। मुख्यमंत्री ने दक्षिणी राज्य के जलीय कृषि क्षेत्र के समक्ष आ रही कठिनाइयों पर प्रकाश डाला और उनसे सहयोग का अनुरोध किया।

मुख्यमंत्री के अनुसार, 2,000 कंटेनरों के माध्यम से होने वाले निर्यात पर 600 करोड़ रुपये तक का कर लगाया गया है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि देश के झींगा निर्यात में आंध्र प्रदेश का योगदान 80 प्रतिशत और समुद्री निर्यात में 34 प्रतिशत है। इसका मूल्य लगभग 21,246 करोड़ रुपये प्रतिवर्ष है। उन्होंने बताया कि 2.5 लाख परिवार और संबद्ध क्षेत्रों के 30 लाख से अधिक लोग जलीय कृषि क्षेत्र पर निर्भर हैं।

आंध्र सरकार ने किसानों को समर्थन देने के उपाय किए :

इस संकट के बीच, नायुडू ने कहा कि उनकी सरकार ने जलीय कृषि किसानों को समर्थन देने के लिए कदम उठाए हैं।

इसके तहत जलीय कृषि चारा निर्माताओं से कीमतों में 9 रुपये प्रति किलोग्राम की कटौती करवाई गई है और सब्सिडी वाले बिजली ट्रांसफार्मर की आपूर्ति पर विचार किया जा रहा है। उन्होंने केंद्र से जलीय कृषि उत्पादों के घरेलू उपयोग को बढ़ाने, जीएसटी, वित्त और अन्य में लचीलापन लाने के उपाय करके जलीय कृषि क्षेत्र को बचाने का भी अनुरोध किया।

इसके अलावा, उन्होंने 100 करोड़ रुपये का एक कोष स्थापित करने, शीत भण्डारों और स्वच्छ मछली एवं समुद्री खाद्य बाजारों की स्थापना करने का आह्वान किया। साथ ही इस बात पर जोर दिया कि राज्य सरकार किसानों को सीधे बाजार तक आपूर्ति श्रृंखला की सुविधा प्रदान करने के लिए आंध्र प्रदेश झींगा उत्पादक समन्वय समिति की स्थापना करने के लिए तैयार है।

समुद्री खाद्य उपभोग को बढ़ावा देने पर जोर :

मुख्यमंत्री ने समुद्री खाद्य उपभोग को बढ़ावा देने के लिए जागरूकता अभियान की जरूरत पर बल दिया।

उन्होंने बताया कि जलीय कृषि उत्पाद प्रोटीन से भरपूर व अत्यधिक पौष्टिक होते हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान में भारत में प्रति व्यक्ति समुद्री खाद्य उपभोग केवल 12 से 13 किलोग्राम प्रति वर्ष है, जबकि वैश्विक औसत 20-30 किलोग्राम है।

विधायक के गनमैन पर ट्रक अपहरण और कालाबाज़ारी का आरोप

किसानों के लिए आवंटित खाद गायब पुलिस ने जांच शुरू की

नलगोंडा, 15 सितम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। मिर्यालगुडा विधानसभा क्षेत्र में किसानों को आवंटित यूरिया की पूरी खेप कथित तौर पर अपहृत कर कालाबाज़ारी में बेच दी गई। इस घोटाले का मास्टरमाइंड स्थानीय विधायक बथुला लक्ष्मा रेड्डी के लिए काम करने वाला एक बंदूकधारी बताया जा रहा है। कृषि विभाग के सूत्रों के अनुसार, आरोपी नागू नाइक ने विधायक का निजी सहायक होने का ढोंग रचकर अधिकारियों पर दबाव बनाया और दावा किया कि यूरिया का ट्रक 'आधिकारिक उपयोग' के लिए ज़रूरी है। इसके बाद उसने खेप को प्राथमिक कृषि सहकारी समिति की ओर मोड़ दिया और बाद में इसे कथित तौर पर कालाबाज़ारी में बेच दिया। खरीफ धान की टॉप-ड्रेसिंग के लिए ज़रूरी इस यूरिया की कमी से किसान मुश्किल में पड़ गए।

मामला तब उजागर हुआ जब विधायक ने अपने निर्वाचन क्षेत्र में आपूर्ति की स्थिति पर सवाल उठाया। अधिकारियों ने रिकॉर्ड खंगाले तो गनमैन की अनधिकृत कॉल और धमकाने की रणनीति का खुलासा हुआ। पुलिस अधीक्षक शरतचंद्र पवार ने कहा कि यह सत्ता का स्पष्ट दुरुपयोग है। हम पूरी जाँच करेंगे और इसमें शामिल सभी लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेंगे। उन्होंने गाड़ी के डायवर्जन, कॉल लॉग, ट्रक के रूट और गवाहों के बयानों की जांच के आदेश दिए हैं। आरोपी बंदूकधारी से पूछताछ की जा रही है।

कोडंगल में आंगनवाड़ी शिक्षकों का प्रदर्शन

सीएम आवास घेरने की कोशिश, कई हिरासत में

कोडंगल, 15 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार को कोडंगल में मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के आवास पर उस समय तनाव पैदा हो गया जब आंगनवाड़ी शिक्षकों ने विरोध प्रदर्शन किया। वे कांग्रेस सरकार से प्री-प्राइमरी स्कूल स्थापित करने की योजना वापस लेने और अपनी नौकरी की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग कर रहे थे।

पूर्ववर्ती महबूबनगर जिले से 300 से अधिक आंगनवाड़ी शिक्षक कोडंगल पहुंचे। इनमें से 50 से अधिक शिक्षक मुख्यमंत्री आवास की ओर मार्च कर रहे थे और नारेबाजी कर रहे थे। शिक्षकों ने सरकार से 2023 विधानसभा चुनाव में किए गए वेतन वृद्धि के वादे को पूरा करने की भी मांग की। संभावित अनहोनी को देखते हुए गाँव में पुलिस की भारी तैनाती की गई। बताया जा रहा है कि जब कुछ शिक्षक सीएम आवास के करीब पहुंचे तो पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया।

गदवाल-वानापर्थी के ग्रामीणों का विरोध

उच्च स्तरीय पुल की मूल योजना पर अड़े सरकार को चेतावनी

जोगुलम्बा गदवाल, 15 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। जोगुलम्बा गदवाल और वानापर्थी जिलों के नंदीमल्ला और रेवुलापल्ली गांवों के निवासियों ने सोमवार को विरोध प्रदर्शन कर सरकार से मांग की कि यातायात सुविधा के लिए प्रस्तावित उच्च स्तरीय पुल का निर्माण केवल मूल योजना के अनुसार किया जाए।

ग्रामीण सड़क पर बैठकर सरकार के खिलाफ नारेबाज़ी करने लगे, जिससे कुछ देर के लिए पुल पर यातायात बाधित हो गया।

गौरतलब है कि राज्य सरकार ने पहले जुराला परियोजना की सुरक्षा चिंताओं को देखते हुए इस पुल का प्रस्ताव रखा था। सिंचाई मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी ने योजना को मंजूरी देते हुए 120 करोड़ रुपये भी स्वीकृत किए और सरकारी आदेश जारी कर दिया। लेकिन बाद में भूमि अधिग्रहण सर्वेक्षण करने वाले अधिकारियों ने संरेखण में परिवर्तन की सिफारिश की और गदवाल की ओर कोथापल्ली से पुल निर्माण का नया प्रस्ताव रखा।

इस बदलाव का ग्रामीणों और किसानों ने कड़ा विरोध किया। उनका कहना है कि पुल का निर्माण रेवुलापल्ली (धारूर मंडल, गदवाल) से नंदीमल्ला (अमरचिंता मंडल, वानापर्थी) तक ही होना चाहिए, जैसा कि मूल योजना में था। उन्होंने यह भी कहा कि यह परियोजना वर्षों से स्वीकृत और विचाराधीन रही है, ऐसे में बदलाव स्वीकार्य नहीं है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि सरकार नया प्रस्ताव वापस नहीं लेती, तो वे आंदोलन और तेज करेंगे।

भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम लि.
IRCTC
(भारत सरकार का उद्यम नवरत्न)
सीआईएन: एल 74899 डीएल 1999जीओआई 101707

सार्वजनिक ई-निविदा आमंत्रण सूचना

आईआरसीटीसी-दक्षिण मध्य क्षेत्र द्वारा निम्नलिखित सार्वजनिक ई-निविदाएँ आमंत्रित हैं:-

यूनिट्स	विवरण	जमा करने की अंतिम तिथि
जन आहार	गुण्टकल रेलवे स्टेशन पर जन आहार के माध्यम से पाँच वर्ष की अवधि हेतु केटरिंग सेवाओं के प्रावधान हेतु सार्वजनिक ई-निविदा सह ई-नीलामी।	06.10.2025 को 15:00 बजे तक
भोजनालय	काजीपेट, कर्नूल टाउन, कडप्पा, एलुरु और ओंगोल रेलवे स्टेशनों पर भोजनालय के माध्यम से पांच वर्ष की अवधि हेतु केटरिंग सेवाओं के प्रावधान हेतु सार्वजनिक ई-निविदा सह ई-नीलामी।	06.10.2025 को 15:00 बजे तक
फास्ट फूड यूनिट्स	पाँच वर्ष की अवधि हेतु ब्रजराजनगर, मछलीपट्टनम, गुडीवाड़ा, डोंगरगढ़, बालाघाट और नेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारी, रेलवे स्टेशनों पर फास्ट-फूड यूनिटों को स्थापित करने, परिचालन एवं प्रबंधन हेतु सार्वजनिक ई-निविदा सह ई-नीलामी	06.10.2025 को 15:00 बजे तक

निविदा दस्तावेज वेबसाइट < www.tenderwizard.com/IRCTC > से डाउनलोड किया जा सकता है और भाग लिया जा सकता हैयदि उपरोक्त विज्ञापन के लिए कोई शुद्धिपत्र जारी किया जाता है तो, उसे केवल वेबसाइट www.irctc.com एवं ww.tenderwizard.com/IRCTC. पर प्रकाशित किया जाएगा
कार्यालय का पता: आईआरसीटीसी लिमिटेड, दक्षिण मध्य क्षेत्र, #9-1-129/1/102,प्रथम तल, ऑक्सफोर्ड प्लाजा, सरोजिनी देवी रोड, सिकंदराबाद 500003

ऑनलाइन भोजन बुक करने के लिए, कृपया www.ecatering.irctc.co.in पर लॉग ऑन करें या "फूड ऑन ट्रैक" मोबाइल ऐप डाउनलोड करें

भारी बारिश से जनजीवन प्रभावित

कई इलाकों में 100 मिमी से अधिक वर्षा दर्ज

सिकंदराबाद और आसपास के क्षेत्रों में बाढ़ जैसे हालात मुशीराबाद में सबसे अधिक बारिश

हैदराबाद, 15 सितम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार रात हैदराबाद और विशेषकर सिकंदराबाद के कई हिस्सों में मूसलाधार बारिश हुई। शहर के विभिन्न इलाकों में 100 मिमी से 124 मिमी तक वर्षा दर्ज की गई, जिससे सड़कों पर पानी भर गया और जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। मुशीराबाद के बौध नगर में 12.4 सेमी (124 मिमी) और एमसीएच कॉलोनी में 11.9 सेमी (119 मिमी) बारिश दर्ज की गई। उस्मानिया विश्वविद्यालय परिसर में 105.8 मिमी, कपरा में 103.3 मिमी और मर्रेडपल्ली में 101.8 मिमी वर्षा रिकॉर्ड हुई। इसी तरह शेखपेट और जुबली हिल्स (99 मिमी), आदिकमेट (96 मिमी), अंबेडकर नगर, अलवाल (95.8 मिमी), कुथबुल्लापुर ईएसएस जीदीमेटला (95.5 मिमी), सीताफलमंडी और मर्रेडपल्ली (91.5 मिमी), हिमायतनगर स्थित विद्यानगर टीएसआरटीसी कर्मचारी भवन (90.5 मिमी), अलवाल सामुदायिक हॉल (88.8 मिमी) और उप्पल जीएचएमसी जोनल कार्यालय (88.8 मिमी) में भी भारी वर्षा दर्ज की गई। भारी बारिश के चलते निचले इलाकों में पानी भर गया, यातायात प्रभावित हुआ और कई जगह लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटों में भी रुक-रुक कर बारिश जारी रहने की संभावना जताई है।

वी कन्वेंशन हॉल की दीवार गिरने से प्रवासी श्रमिक की मौत, 5 घायल

भारी बारिश के बाद ढहा टिन शेड, पुलिस ने मामला दर्ज कर शुरू की जांच

हैदराबाद, 15 सितम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार तड़के पेट बशीराबाद के गुंडलापोचमपल्ली स्थित वी कन्वेंशन हॉल में दीवार गिरने से एक प्रवासी श्रमिक की मौत हो गई और पांच अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा सुबह करीब 3:30 बजे उस समय हुआ जब इलाके में रातभर भारी बारिश हुई थी। ओडिशा निवासी 50 वर्षीय मजदूर गगन की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि अन्य पांच घायलों को इलाज के लिए सीएमआर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि सभी पीड़ित अपर्णा कंस्ट्रक्शन्स के रेडी-मिक्स प्लांट में काम करने वाले प्रवासी श्रमिक थे। वे कन्वेंशन हॉल की दीवार से सटे अस्थायी टिन शेड में रह रहे थे, जो लगातार बारिश के कारण ढह गया। पेट बशीराबाद पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और दुर्घटना के कारणों की विस्तृत जांच शुरू कर दी है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.